

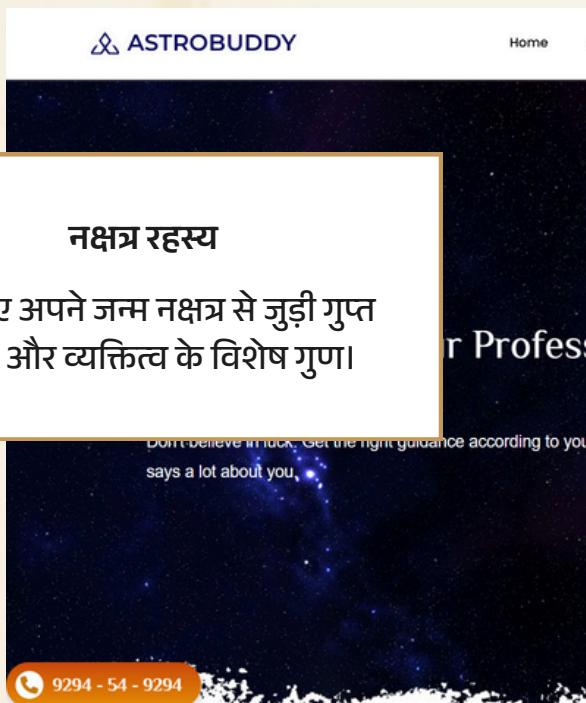


# Premium Janam Kundali



The futuristic vision deeply studied & created by renowned Pandits.

## एस्ट्रोबडी – जीवन की हर समस्या का ज्योतिषीय समाधान



The screenshot shows the AstroBuddy website homepage. The header features the logo and navigation links for Home and About. The main banner has a dark background with a starry sky and a central illustration of a sage reading a book, surrounded by zodiac symbols. The text "Don't believe in luck. Get the right guidance according to your sign. Your sign says a lot about you." is displayed. A call-to-action button at the bottom left says "9294 - 54 - 9294".

### महादश मार्गदर्शन

वर्तमान महादशा आपके करियर, वित्त और रिश्तों को कैसे प्रभावित कर रही है – सही दिशा पाएँ।



### नक्षत्र रहस्य

जानिए अपने जन्म नक्षत्र से जुड़ी गुप्त बातें और व्यक्तित्व के विशेष गुण।

### Professional

### रत्न सुझाव

आपके ग्रहों की स्थिति के अनुसार सही और प्रमाणित रत्न धारण करने की सलाह।

SHOP NOW →



 [www.divinestones.in](http://www.divinestones.in)

यह प्रीमियम कुंडली सिर्फ शुरुआत है। सम्पूर्ण मार्गदर्शन के लिए एस्ट्रोबडी से जुड़ें।

आज ही हमारे प्रमाणित ज्योतिषाचार्यों से बात करें।

 [www.astro-buddy.com](http://www.astro-buddy.com)

## Tamanna Chachra

### जन्म विवरण

लिंग	:	स्त्री
जन्म दिन	:	29 जुलाई 1982
जन्म वार	:	गुरुवार
जन्म समय	:	15:15:00 घंटे
इष्टकाल	:	23:38:53 घटी
जन्म स्थान	:	Sunam
देश	:	India

अक्षांश	:	30उ08'00
रेखांश	:	75पू48'00
समयक्षेत्र	:	-05:30:00 घंटे
समय संशोधन	:	00:00:00 घंटे
जी.एम.टी. समय	:	09:45:00 घंटे
स्थानीय समय संस्कार	:	-00:26:48 घंटे
स्थानीय समय	:	14:48:12 घंटे
सांपातिक काल	:	11:15:04 घंटे
सनसाइन (सायन सूर्य)	:	सिंह
लग्न राशि	:	वृश्चिक 13:43:30

### पारिवारिक विवरण

दादा का नाम	:	
पिता का नाम	:	
माता का नाम	:	
जाति	:	
गोत्र	:	

### अवकहडा चक्र

1. वर्ण	:	ब्राह्मण
2. वश्य	:	कीट
3. नक्षत्र - चरण	:	<b>विशाखा - 4</b>
4. योनि	:	व्याघ्र
5. चन्द्र राशि स्वामी	:	मंगल
6. गण	:	राक्षस
7. चन्द्र राशि	:	वृश्चिक
8. नाड़ी	:	अन्त्य
वर्ग	:	सर्प
युज्ञा	:	मध्य
हंसक (तत्व)	:	जल
नामाक्षर	:	तो
राशि पाया	:	सुवर्ण
नक्षत्र पाया	:	चाँदी

### जन्मकालीन पंचांगादि

चैत्रादि विधि	
विक्रम संवत्	:
मास	:
कार्तिकादि विधि	
विक्रम संवत्	:
मास	:
शक संवत्	:
सूर्य अयन/गोल	:
ऋतु	:
पक्ष	:
ज्योतिषिय वार	:

सूर्योदयी तिथि	:	शुक्ल नवमी
तिथि समाप्तिकाल	:	14:06:57 घंटे
जन्मकालीन तिथि	:	20:48:45 घटी

सूर्योदयी नक्षत्र	:	विशाखा
नक्षत्र समाप्तिकाल	:	20:10:18 घंटे
जन्मकालीन नक्षत्र	:	विशाखा

सूर्योदयी योग	:	शुक्ल
योग समाप्तिकाल	:	03:49:47 घंटे
जन्मकालीन योग	:	55:05:49 घटी

सूर्योदयी करण	:	कौलव
करण समाप्तिकाल	:	14:06:57 घंटे
जन्मकालीन करण	:	20:48:45 घटी

सूर्योदय	समय	:	05:47:27 घंटे
	अंश	:	कर्क 11:57:57
सूर्यस्त	समय	:	19:18:40 घंटे
	अंश	:	कर्क 12:30:34

आगामी सूर्योदय 05:48:02 घंटे शुक्रवार 05:48:02 घंटे

चन्द्र का नक्षत्र प्रवेश	:	28 जुलाई 82 17:46:33
चन्द्र का नक्षत्र निकास	:	29 जुलाई 82 20:10:18
भयात	:	53:41:07 घटी
भभोग	:	65:59:21 घटी
जन्मकालीन दशा	:	गुरु-मंगल-शनि
दशा भोग्यकाल	:	गुरु 2व.-11मा.-15दि.
अयनांश	:	-23:36:33 लहरी



## नक्षत्र का फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ है अतः आपकी जन्म राशि वृश्चिक तथा राशि स्वामी मंगल होगा। अवकहड़ा चक्र के अनुसार -

- वर्ण - ब्राह्मण
- वश्य - कीट
- योनि - व्याघ्र
- गण - राक्षस
- नाड़ी - अन्त्य

जन्म नाम का प्रारम्भ तो अक्षर से होना चाहिये।

### शास्त्रों के अनुसार

विशाखा नक्षत्र में जन्म होने से निम्नवत् फल प्राप्त होंगे -

धर्ममूल विनीता च प्रज्ञाधन समन्विता।  
द्विदैवते तु संजाता कन्यका सत्यवादिनी॥

अर्थात् विशाखा नक्षत्र में जन्म होने से जातिका धार्मिक कार्यों में अग्रसर व कर्मशक्ति पर विश्वास रखने वाली होती है। स्वभाव से नम्र और सत्यभाषी होती है। धनी और विद्वान् भी होती है। लेखन-भाषण में चतुर और गुणी होती है, किन्तु नीच, व्यसनी लम्पट और धोखेबाज मित्रों के संसर्ग से तथा बदनीयत लोगों की नजर से इन्हे बचना चाहिए।

विशाखासम्भवा कान्ता कूरा देवरघातिनी।  
ईर्ष्या लोभसमायुक्ता प्रवीणा च प्रभाषणे॥

अर्थात् ऐसी जातिका आकर्षक मुखाकृति से युक्त, गुणवान् एवं वाक्पटु होती है। दूसरों के प्रति शीघ्र ही ईर्ष्या का भाव बना लेने का दोष होता है। लोभ की अधिकता रहती है। देवर से इनकी पटरी कम बैठती है।

### आधुनिक मत से

विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में जन्म होने से जातिका भद्र, ईमानदार, स्पष्टवादी और सादगीपन से रहने वाली, उन्मुक्त विचारधारा वाली, अनियंत्रित इच्छाओं वाली, उदार, दयालु, उत्साही, प्रभावशाली, अतिवादी, असंयत, उच्छ्वसित, दूसरों को समझाने में कुशल, प्रभावोत्पादक वचन बोलने वाली, व्यवहारिक विज्ञानों में अभिरुचि रखने वाली, न्यायनिपुण, नेतृत्व करने में सफल और साहसिक कार्यों की प्रणेता होती है।

### पाद (पाया) फल

विशाखा नक्षत्र का जन्म चाँदी के पाये में कहा जाता है, जिसे शुभ एवं श्रेष्ठ माना है।

### स्वास्थ्य

विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण का अधिकार मूत्राशय वस्ति, मूत्रमार्ग, जननेन्द्रिय, मलाशय अंग, अवरोही आँते तथा प्रोस्टेट ग्रन्थि पर होता है, अतः पापाक्रांत होने पर इन अंगों से सम्बन्धित रोग की संभावना रहती है।

### उपाय

विशाखा नक्षत्र के स्वामी 'इन्द्राश्री देव' हैं, अतः इन्द्राश्री देवता के प्रीत्यर्थ चन्दन, केशर-गन्ध, कमल पुष्प, देवदारु, धूत, धूप, धृतदीप और धृतपायस नैवेद्य द्वारा इन्द्राश्री देवता की स्वर्ण-निर्मित प्रतिमा का दैनिक पूजन करें और अनेक रंग के अन्न द्वारा बलि दें। भुजा में या हृदय पर 'गुभ्जामूल' धारण करें। गुरुवार को विशाखा नक्षत्र पड़ने पर लाल-पीले वस्त का दान, काले बैल अथवा छायापात्र का दान करें। हवन सामग्री में आज्य-पायस मिलाकर निम्नलिखित मन्त्र से 108 बार



आहुति दें -

ॐ इन्द्राग्नी आगत गूं सुतं गीभिर्नमोवरेण्यम्।  
अस्य पातं धिये षिता ॐ इन्द्राग्निभ्यां नमः॥

### **ब्राह्मण वर्ण का फल**

स्वधर्मकर्मनिरतः शास्त्राध्ययनतत्परः

विनीतः सर्वकार्यषु ब्रह्मवर्णभवो नरः॥ (जातकोत्तम)

ब्राह्मण वर्ण में जन्म होने से जातिका अपने धार्मिक कार्यों में लीन, शास्त्राभ्यसनी और नम्रतापूर्वक समस्त कार्यों का संपादन करने वाली होती है।

### **राक्षस गण फल**

उन्मादी भीषणाकारः सर्वदा कलहप्रियः।

पुरुषो दुस्हं बरते प्रमेही राक्षसे गणे॥ (मानसागरी)

राक्षसगण में जन्म हुआ है अतः जातिका उन्मादी, भयंकर स्वरूप, झगड़ालू, प्रमेही और कटुबचन बोलने वाली होगी।

### **व्याघ्र योनि फल**

स्वच्छन्दोऽर्थरतो ग्राही दीक्षावान दक्षतायुतः।

आत्मस्तुतिपरो नित्यं व्याघ्रयोनिभवो नरः॥ (मानसागरी)

व्याघ्रयोनि में जन्म हुआ है अतःजातिका स्वतन्त्र, धनोपार्जनमें तत्पर, दीक्षित, कार्यदक्ष, अपनी प्रशंसा करनेवाली होती है।

### **विवाह, मैत्री एवं साझेदारी**

विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण की जातिका के लिये मृगशिरा का प्रथम, द्वितीय चरण, चित्रा का प्रथम, द्वितीय चरण, ज्येष्ठा, धनिष्ठा तथा शतभिषा नक्षत्र के व्यक्ति सर्वश्रेष्ठ हैं।

Tamanna Chachra

गुरुवार 29 जुलाई 1982 15:15:00  
 शहर: Sunam  
 राज्य: Punjab  
 देश: India

समयक्षेत्र: -5:30:00  
 समय संशोधन: 0  
 रेखांश: 75°48'00  
 अक्षांश: 30°08'00

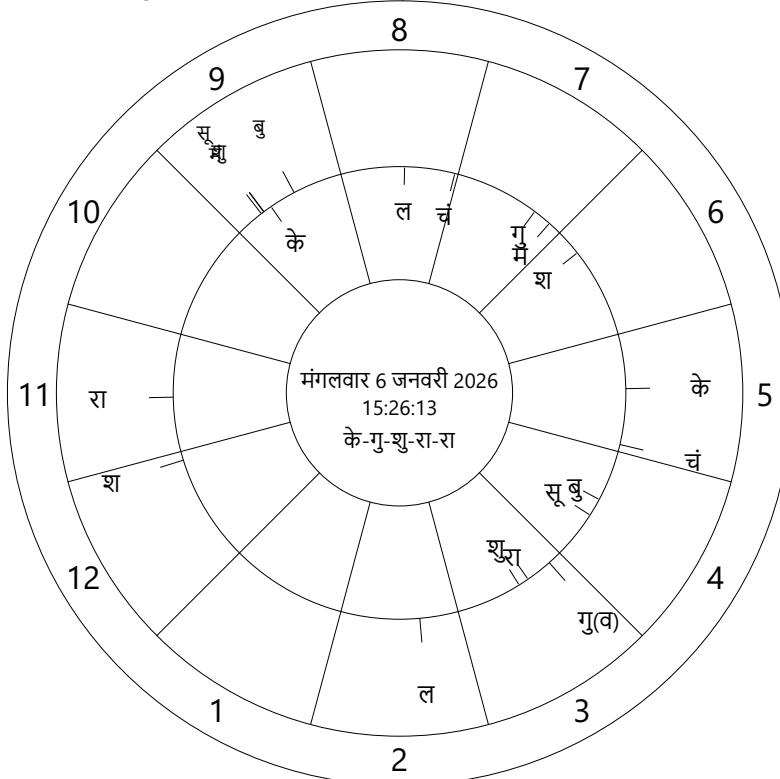
59. Dasha Effects Browser

इष्टकाल: 23:38:53  
 सूर्योदय: 29 जुलाई 82 05:47:27  
 सूर्यस्तः: 29 जुलाई 82 19:18:40  
 अयनांश : -23:36:33 लहरी

दशा ब्राउज़र टूल -विशेषताएँ

गु 14-07-1969	के 14-07-2021	गु 02-07-2025	शु 16-12-2025	रा 06-01-2026
श 14-07-1985	शु 10-12-2021	श 16-08-2025	सू 26-12-2025	गु 07-01-2026
बु 14-07-2004	सू 09-02-2023	बु 09-10-2025	चं 29-12-2025	श 08-01-2026
के 14-07-2021	चं 17-06-2023	के 26-11-2025	मं 02-01-2026	बु 09-01-2026
शु 14-07-2028	मं 16-01-2024	शु 16-12-2025	रा 06-01-2026	के 11-01-2026
सू 13-07-2048	रा 13-06-2024	सू 11-02-2026	गु 14-01-2026	शु 11-01-2026
चं 14-07-2054	गु 02-07-2025	चं 28-02-2026	श 22-01-2026	सू 13-01-2026
मं 13-07-2064	श 08-06-2026	मं 29-03-2026	बु 31-01-2026	चं 13-01-2026
रा 14-07-2071	बु 17-07-2027	रा 17-04-2026	के 08-02-2026	मं 14-01-2026

अंदर: जन्म कुण्डली - बाहर: गोचर कुण्डली



गोचर कुण्डली अष्टकवर्ग कक्षा

कक्षा	अष्टक.	सर्वांगक
सू in धनु	1 (बु)	3 25
चं in सिंह	0 (श)	5 31
मं in धनु	0 (चं)	3 25
बु in धनु	1 (सू)	5 25
गु in मिथुन	0 (ल)	0 21
शु in धनु	1 (बु)	5 25
श in मीन	0 (श)	3 25

गोचर कुण्डली

अश	शुभत्व	षड्
सू 21:51:45	सम	1.12
च 01:47:53	सम	0.89
मं 22:37:29	सम	1.19
बु 12:46:32	शत्रु	0.80
गु 26:25:03	आतिशत्रु	1.21
शु 21:47:46	शत्रु	1.04
श 02:16:59	मित्र	1.11
रा 16:04:43	स्वराशि	
के 16:04:43	सम	



## शनि की लघु कल्याणी दैया व कंटक शनि

जन्म राशि (चन्द्र राशि) से चतुर्थ एवं अष्टम् स्थान में शनि का भ्रमण लघु कल्याणी दैया कहलाता है -

**कल्याणी प्रददाति वै रविसुतो राशेश्वर्त्थाष्टमे ।**

आपकी जन्म राशि वृश्चिक है, जब शनि चतुर्थ अर्थात् कुंभ राशि में तथा अष्टम् अर्थात् मिथुन राशि में भ्रमण करेगा तो शनि की लघु कल्याणी दैया कहलायेगी।

चन्द्र लग्न से गोचर में शनि चतुर्थ, सप्तम, दशम स्थान में हो तो कंटक शनि कहलाता है।

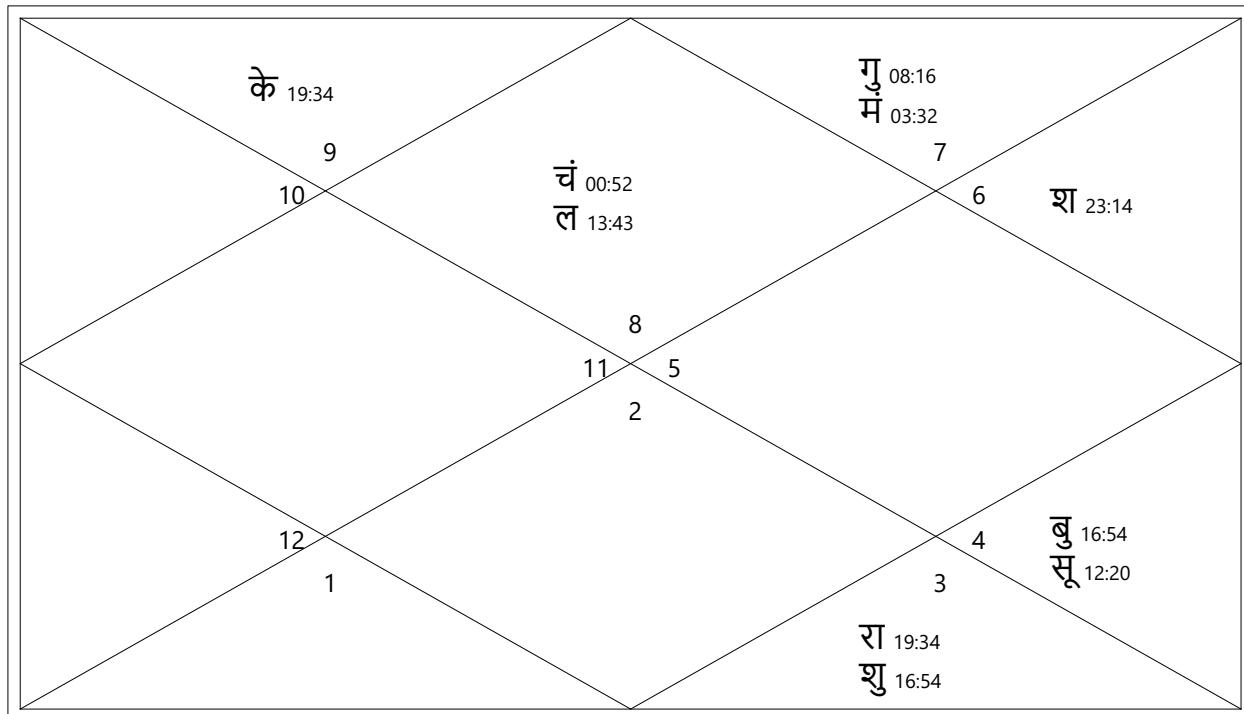
आपकी जन्म राशि वृश्चिक है अतः जब शनि कुंभ, वृष और सिंह में भ्रमण करेगा तो कंटक शनि कहा जायेगा।

आपके जीवन में लघु कल्याणी दैया व कंटक शनि कब-कब चलेगा इसकी जानकारी निम्न तालिका से करें -

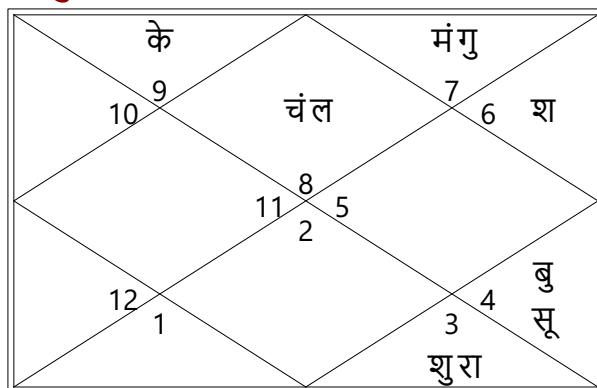
शनि का गोचर	प्रारम्भ तिथि	समाप्ति तिथि	अंतराल वर्ष-मास-दिन	अष्टकवर्ग शनि	अष्टकवर्ग सर्व
<b>दैया की प्रथम आवृत्ति</b>					
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	कुंभ कुंभ (व)	05-03-1993 09-11-1993	15-10-1993 02-06-1995	0-7-10 1-6-23	6 27
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	वृष वृष (व)	06-06-2000 08-01-2003	23-07-2002 07-04-2003	2-1-17 0-2-29	3 32
<b>अष्टम स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया</b>					
अष्टम स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया	मिथुन मिथुन (व)	23-07-2002 07-04-2003	08-01-2003 05-09-2004	0-5-15 1-4-28	1 21
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	सिंह सिंह (व)	01-11-2006 15-07-2007	10-01-2007 09-09-2009	0-2-9 2-1-24	4 31
<b>दैया की द्वितीय आवृत्ति</b>					
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	कुंभ कुंभ (व)	29-04-2022 17-01-2023	12-07-2022 29-03-2025	0-2-13 2-2-12	6 27
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	वृष वृष (व)	08-08-2029 17-04-2030	05-10-2029 30-05-2032	0-1-27 2-1-13	3 32
अष्टम स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया	मिथुन मिथुन (व)	30-05-2032	12-07-2034	2-1-12	1 21
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	सिंह सिंह (व)	27-08-2036 05-04-2039	22-10-2038 12-07-2039	2-1-25 0-3-7	4 31
<b>दैया की तृतीय आवृत्ति</b>					
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	कुंभ कुंभ (व)	24-02-2052 01-09-2054	14-05-2054 05-02-2055	2-2-20 0-5-4	6 27
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	वृष वृष (व)	27-05-2059 13-02-2062	10-07-2061 06-03-2062	2-1-13 0-0-23	3 32
अष्टम स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया	मिथुन मिथुन (व)	10-07-2061 06-03-2062	13-02-2062 24-08-2063	0-7-3 1-5-18	1 21
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	सिंह सिंह (व)	12-10-2065 03-07-2066	03-02-2066 30-08-2068	0-3-21 2-1-27	4 31



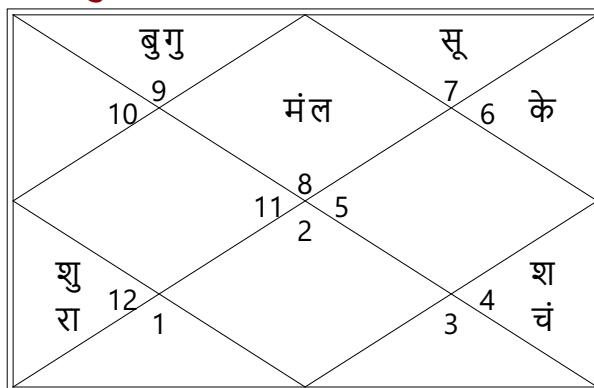
29 जुलाई 1982 \* गुरुवार \* 15:15:00 घंटे



## चंद्र कुण्डली



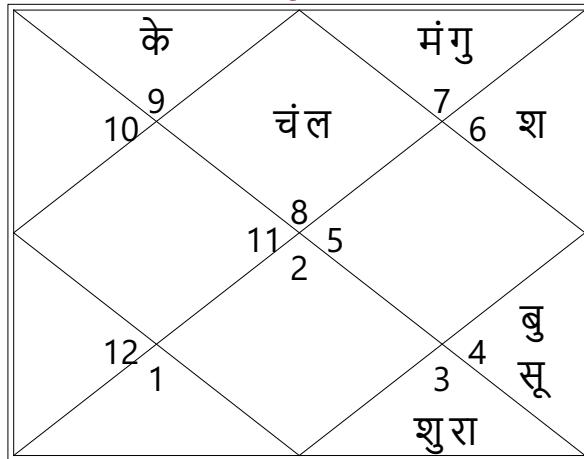
## नवांश कुण्डली



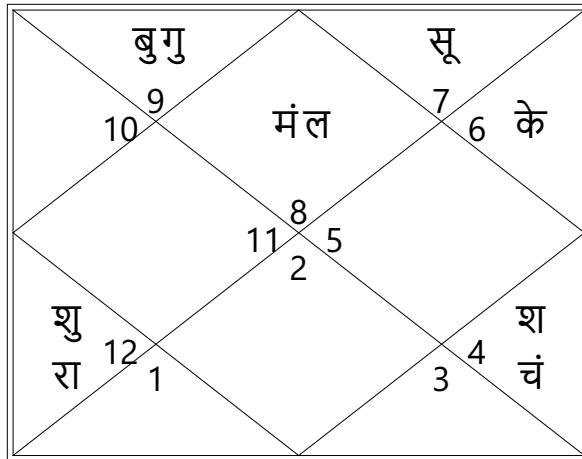
ग्रह	व/अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	रा. स्वा.	न. स्वा.	उप स्वा.	उप स्वा.	शुभा- शुभ	षड्बल
लग्न		वृश्चिक	13:43:30		अनुराधा	4	मं	श	रा	श		
सूर्य		कर्क	12:20:33	00:57:21	पुष्य	3	चं	श	मं	गु	सम	1.35
चन्द्र		वृश्चिक	00:52:01	12:02:50	विशाखा	4	मं	गु	मं	श	नीच	1.03
मंगल		तुला	03:32:06	00:33:13	चित्रा	4	शु	मं	शु	रा	शत्रु	1.09
बुध (अ)		कर्क	16:54:15	02:02:24	आश्लेषा	1	चं	बु	बु	बु	अतिशत्रु	0.96
गुरु		तुला	08:16:39	00:05:21	स्वाति	1	शु	रा	रा	शु	अतिशत्रु	1.21
शुक्र		मिथुन	16:54:06	01:12:28	आर्द्रा	4	बु	रा	शु	श	अतिमित्र	1.38
शनि		कन्या	23:14:36	00:03:50	हस्त	4	बु	चं	सू	शु	अतिमित्र	1.28
राहु		मिथुन	19:34:46	00:01:17	आर्द्रा	4	बु	रा	मं	श	मूलत्रिक.	
केतु		धनु	19:34:46	00:01:17	पूर्वाषाढ़ा	2	गु	शु	रा	शु	मूलत्रिक.	



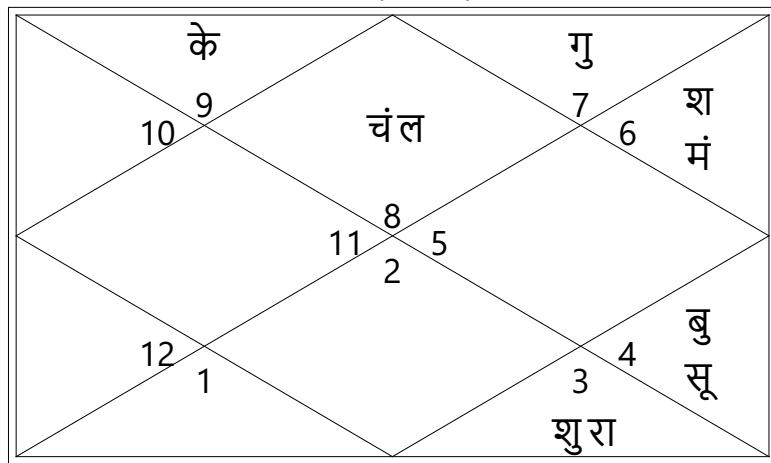
## चन्द्र कुण्डली



## नवांश



## भाव (श्रीपति)



## भाव स्पष्ट - श्रीपति विधि

भाव	भाव आरम्भ	भाव मध्य	भाव अन्त
प्रथम भाव	वृश्चिक 00:28:02	वृश्चिक 13:43:30	धनु 00:28:02
द्वितीय भाव	धनु 00:28:02	धनु 17:12:34	मकर 03:57:06
तृतीय भाव	मकर 03:57:06	मकर 20:41:38	कुंभ 07:26:10
चतुर्थ भाव	कुंभ 07:26:10	कुंभ 24:10:42	मीन 07:26:10
पंचम भाव	मीन 07:26:10	मीन 20:41:38	मेष 03:57:06
षष्ठ भाव	मेष 03:57:06	मेष 17:12:34	वृष 00:28:02
सप्तम भाव	वृष 00:28:02	वृष 13:43:30	मिथुन 00:28:02
अष्टम भाव	मिथुन 00:28:02	मिथुन 17:12:34	कर्क 03:57:06
नवम भाव	कर्क 03:57:06	कर्क 20:41:38	सिंह 07:26:10
दशम भाव	सिंह 07:26:10	सिंह 24:10:42	कर्या 07:26:10
एकादश भाव	कर्णा 07:26:10	कर्णा 20:41:38	तुला 03:57:06
द्वादश भाव	तुला 03:57:06	तुला 17:12:34	वृश्चिक 00:28:02

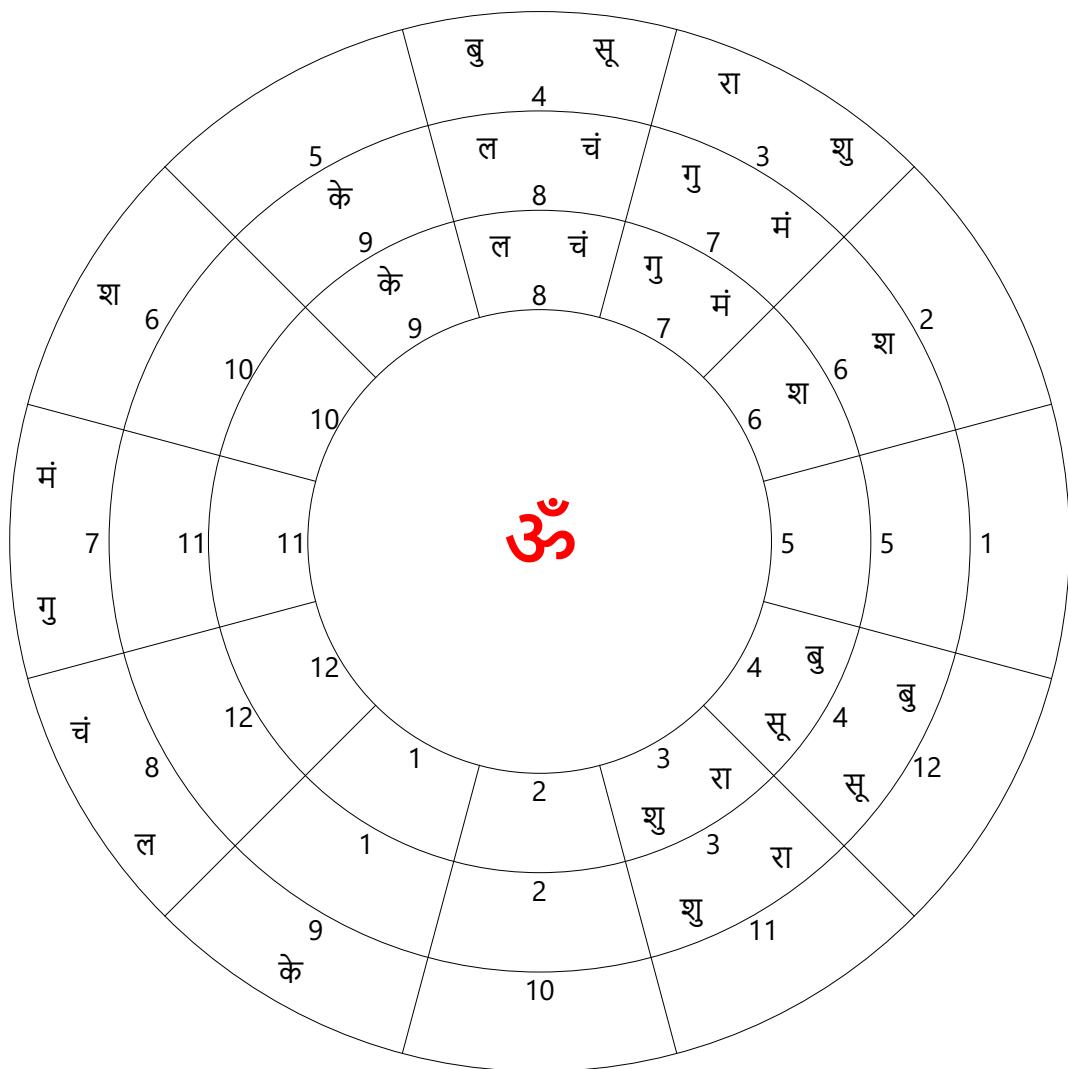


## सुदर्शन चक्र

बाह्य वृत : सूर्य कुण्डली

मध्य वृत : चन्द्र कुण्डली

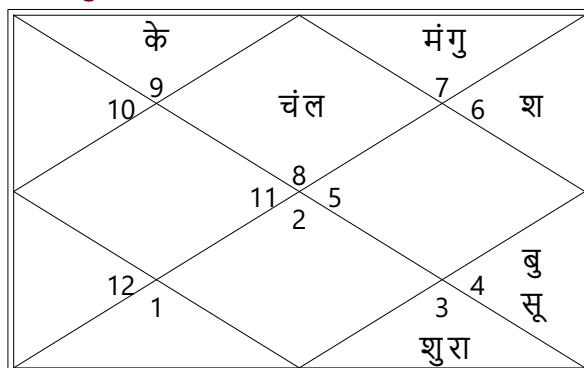
आन्तरिक वृत : जन्म कुण्डली



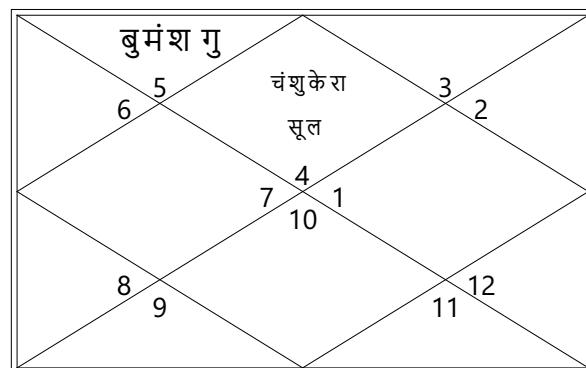
सुदर्शन चक्र के बाह्य वृत में सूर्य कुण्डली, मध्य वृत में चन्द्र कुण्डली व आन्तरिक वृत में जन्म कुण्डली बना कर तीनों कुण्डलियों के विभिन्न भावों में स्थित ग्रहों का एक साथ विश्लेषण किया जाता है।



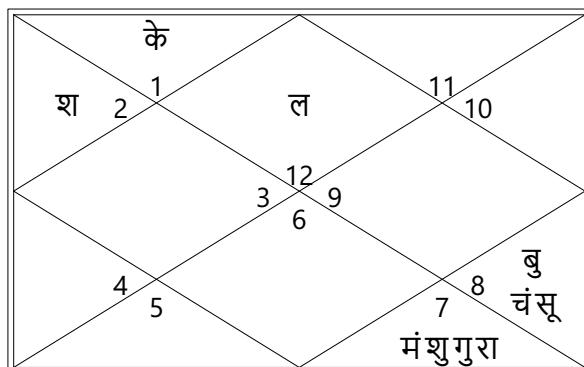
### जन्म कुण्डली



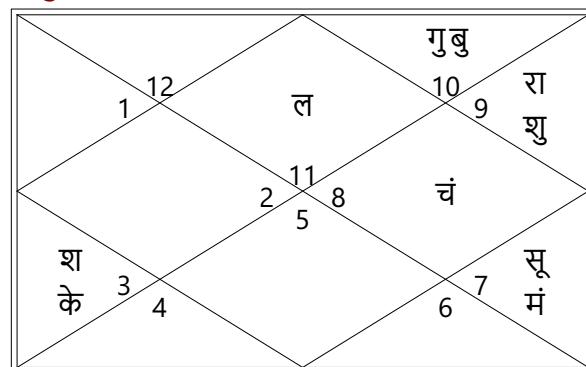
### होरा (धन-सम्पत्ति)



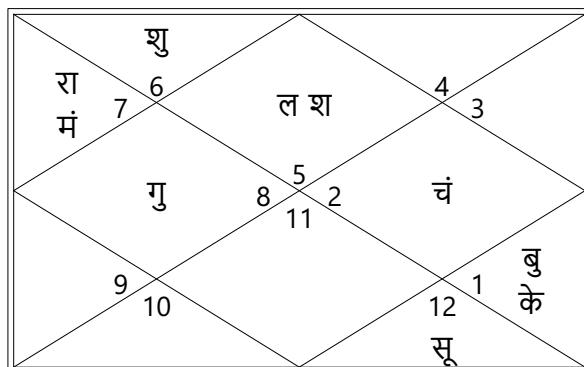
### द्रेष्काण (भाई-बहन)



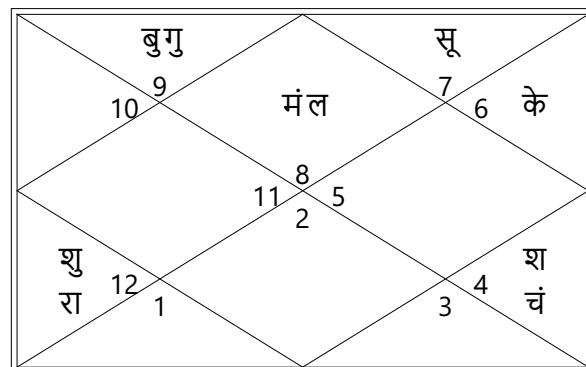
### चतुर्थांश (भाग्य)



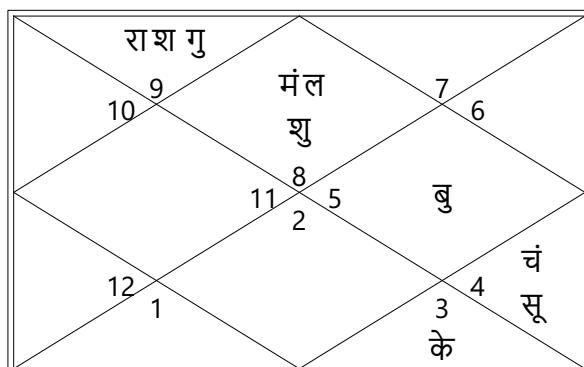
### सप्तांश (संतान)



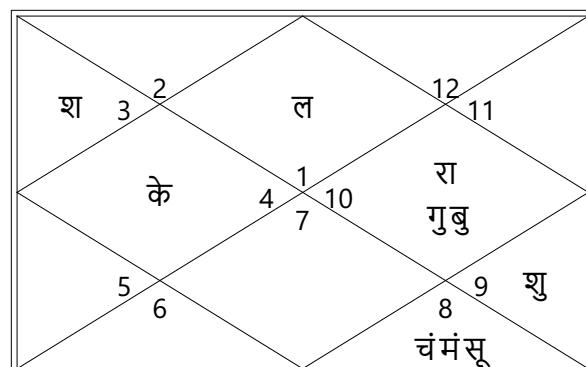
### नवांश (जीवनसाथी)



### दशांश (कर्मफल)

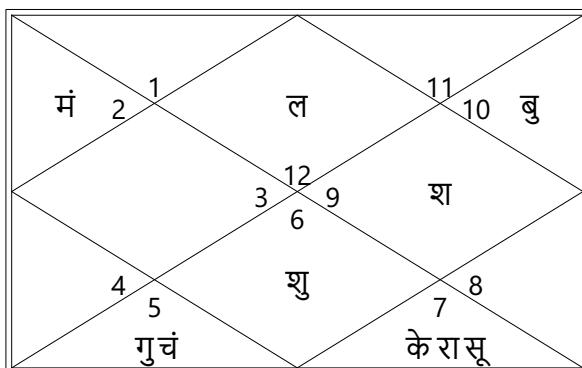


### द्वादशांश (माता-पिता)

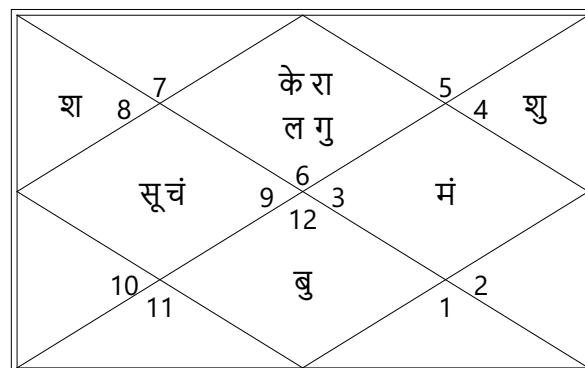




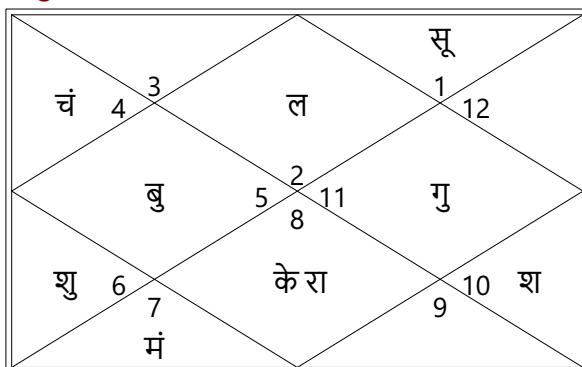
### षोडशांश (वाहन)



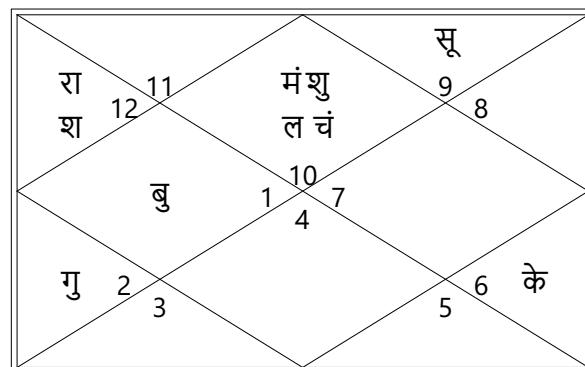
### विंशांश (उपासना)



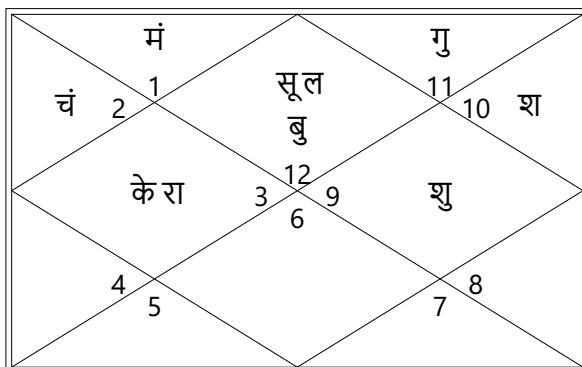
### चतुर्विंशांश (विद्या)



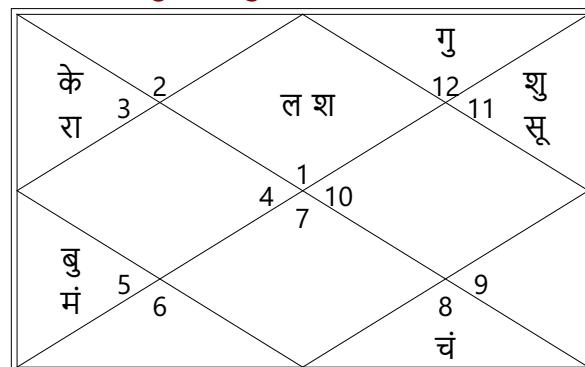
### सप्तविंशांश (बलाबल)



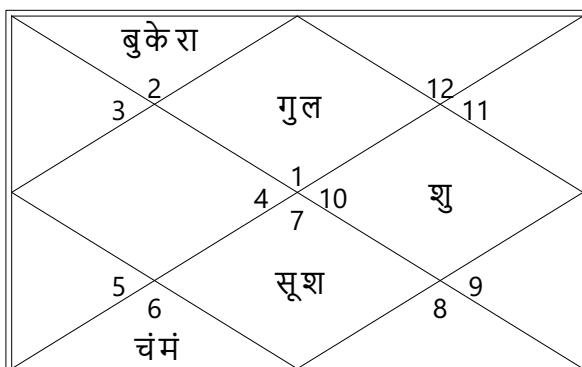
### त्रिंशांश (अरिष्ट)



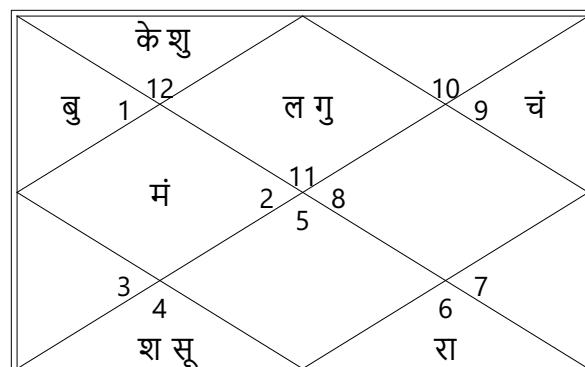
### खवेदांश (शुभ-अशुभफल)



### अक्षवेदांश (सभी क्षेत्र)



### षष्ठ्यांश (सभी क्षेत्र)





उपग्रह

## गुलिकादि उपग्रह समूह

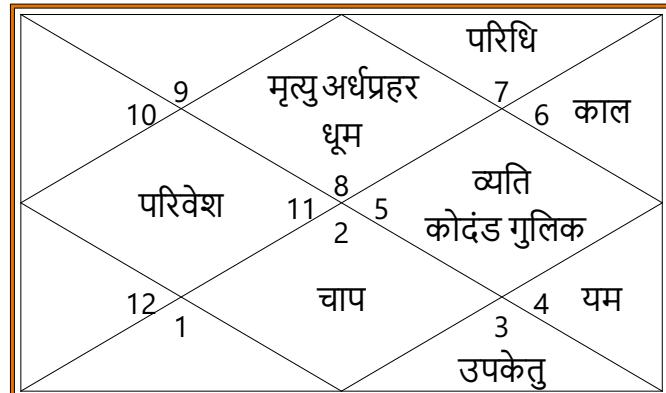
जन्म मध्याह्न से सूर्यास्त के बीच \* सूर्योदय-सूर्यास्त : 05:47-19:18 \* जन्मवार : गुरुवार

उपग्रह	स्वामी	उपग्रह की अवधि	आरम्भ (पराशर विधि)				अन्त (कालिदास विधि)			
			राशि	अंश	नक्षत्र	पद	राशि	अंश	नक्षत्र	पद
कालवेला	सू.	10:51-12:33	कन्या	17:29:04	हस्त	3	तुला	09:22:37	स्वाति	1
परिधि	च	12:33-14:14	तुला	09:22:37	स्वाति	1	वृश्चिक	00:53:13	विशाखा	4
मृत्यु	मं	14:14-15:55	वृश्चिक	00:53:13	विशाखा	4	वृश्चिक	22:31:46	ज्येष्ठा	2
अर्धप्रहर	बु	15:55-17:37	वृश्चिक	22:31:46	ज्येष्ठा	2	धनु	15:39:33	पूर्वाषाढ़ा	1
यमकण्टक	गु	05:47-07:28	कर्क	11:57:57	पुष्य	3	सिंह	03:28:35	मघा	2
कोदण्ड	शु	07:28-09:10	सिंह	03:28:35	मघा	2	सिंह	25:22:13	पूर्वफाल्गुनी	4
गुलिक	श	09:10-10:51	सिंह	25:22:13	पूर्वफाल्गुनी	4	कन्या	17:29:04	हस्त	3

## धूमादि उपग्रह समूह

उपग्रह	स्वामी	राशि	अंश	नक्षत्र	पद
धूम	मं	वृश्चिक	25:40:33	ज्येष्ठा	3
व्यतिपात	रा	सिंह	04:19:27	मघा	2
परिवेश	चं	कुंभ	04:19:27	धनिष्ठा	4
इन्द्रचाप	शु	वृष	25:40:33	मृगशिरा	1
उपकेतु	के	मिथुन	12:20:33	आर्द्रा	2

## उपग्रह



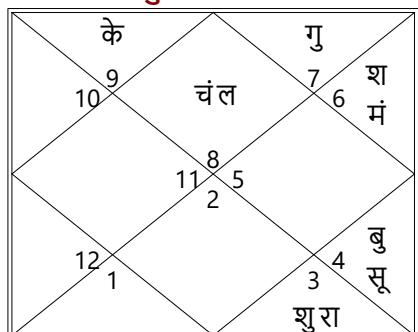
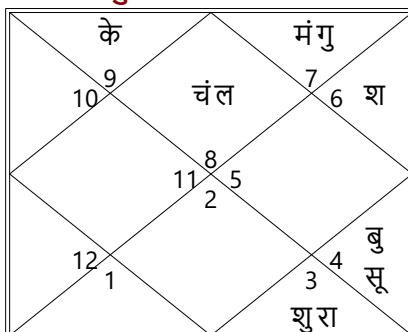
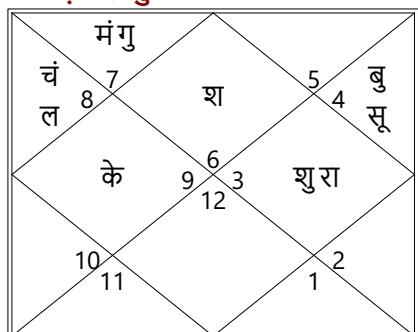
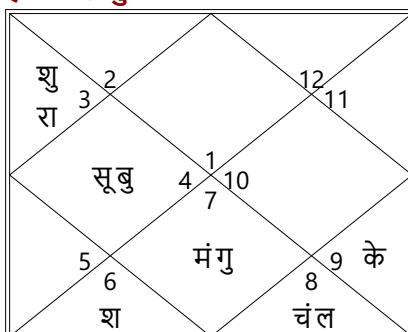
## अन्य विशेष लग्न व गणनाएं

भाव लग्न	धनु	03:51:16	योगी बिन्दु	16:32:34 वृष
होरा लग्न	मेष	25:44:34	योगी	चं
घटिका लग्न	कर्क	01:24:30	अवयोगी/अन्य योगी	बु/शु
इन्दु लग्न	मिथुन	15:00:00	64वां नवांश (चन्द्र/लग्न)	तुला/कुंभ
क्षेत्र स्फुट	वृश्चिक	12:40:46	22वां द्रेष्काण (लग्न/चन्द्र)	तुला/मिथुन
जन्म कुण्डली/नवांश	सम/विषम	50 प्रतिशत (मध्यमफल)	सर्प द्रेष्काण	सूर्यचन्द्रबुध



जन्म दिन : 29 जुलाई 1982, गुरुवार  
 जन्म समय : 15:15:00 घंटे  
 जन्म स्थान : Sunam, Punjab, India

रेखांश/अक्षांश : 75°48'00 30°08'00  
 समयक्षेत्र : -05:30:00 घंटे  
 समय संशोधन : 00:00:00 घंटे

**जन्म कुण्डली****चंद्र कुण्डली****सूर्य कुण्डली****श्रीपति भाव कुण्डली****सम भाव कुण्डली****के.पी. भाव कुण्डली****आरुढ़ लग्र कुण्डली****कारकांश (जन्म कुण्डली)****कारकांश (नवांश)****भाव लग्र कुण्डली****होरा लग्र कुण्डली****घटिका लग्र कुण्डली**



### नैसर्गिक मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्र	चन्द्र मंगल गुरु	सूर्य बुध	सूर्य चन्द्र गुरु केतु	सूर्य शुक्र	सूर्य चन्द्र मंगल	बुध शनि राहु केतु	बुध शुक्र राहु	गुरु शुक्र शनि	मंगल शुक्र
शत्रु	शुक्र शनि राहु केतु	राहु केतु	बुध राहु	चन्द्र	बुध शुक्र	सूर्य चन्द्र	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य चन्द्र शनि केतु
सम	बुध	मंगल गुरु शुक्र शनि	शुक्र शनि	मंगल गुरु शनि राहु	शनि राहु केतु	मंगल गुरु	गुरु	बुध	गुरु बुध

### तात्कालिक मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्र	मंगल गुरु शुक्र शनि राहु	मंगल गुरु शनि केतु	सूर्य चन्द्र बुध शनि केतु	मंगल गुरु शुक्र शनि राहु	सूर्य चन्द्र बुध शनि केतु	सूर्य बुध शनि	सूर्य चन्द्र मंगल बुध गुरु शुक्र राहु केतु	सूर्य बुध शनि	चन्द्र मंगल गुरु शनि
शत्रु	चन्द्र बुध केतु	सूर्य बुध शुक्र राहु	गुरु शुक्र राहु	सूर्य चन्द्र केतु	मंगल शुक्र राहु	चन्द्र मंगल गुरु राहु केतु		चन्द्र मंगल गुरु शुक्र केतु	सूर्य बुध शुक्र राहु

### पंचधा मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
अतिमित्र	मंगल गुरु		सूर्य चन्द्र केतु	शुक्र	सूर्य चन्द्र	बुध शनि	बुध शुक्र राहु	शनि	मंगल
मित्र		मंगल गुरु शनि	शनि	मंगल गुरु शनि राहु	शनि केतु		गुरु	बुध	गुरु
सम	चन्द्र शुक्र शनि राहु	सूर्य बुध केतु	बुध गुरु	सूर्य	मंगल बुध	सूर्य राहु केतु	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य गुरु शुक्र	चन्द्र शुक्र शनि
शत्रु	बुध	शुक्र	शुक्र	केतु	राहु	मंगल गुरु			बुध
अतिशत्रु	केतु	राहु	राहु	चन्द्र	शुक्र	चन्द्र		चन्द्र मंगल केतु	सूर्य राहु



## षोडशवर्ग सारणी

## षोडशवर्ग में राशियों में ग्रह

लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म	वृश्चिक	कर्क	वृश्चिक	तुला	कर्क	तुला	मिथुन	कन्या	मिथुन
होरा	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	मीन	वृश्चिक	वृश्चिक	तुला	वृश्चिक	तुला	वृष	तुला	मेष
चतुर्थश	कुंभ	तुला	वृश्चिक	तुला	मकर	मकर	धनु	धनु	मिथुन
सप्तांश	सिंह	मीन	वृष	तुला	मेष	वृश्चिक	कन्या	सिंह	तुला
नवांश	वृश्चिक	तुला	कर्क	वृश्चिक	धनु	धनु	मीन	कर्क	मीन
दशांश	वृश्चिक	कर्क	कर्क	वृश्चिक	सिंह	धनु	वृश्चिक	धनु	मिथुन
द्वादशांश	मेष	वृश्चिक	वृश्चिक	वृश्चिक	मकर	मकर	धनु	मिथुन	कर्क
षोडशांश	मीन	तुला	सिंह	वृष	मकर	सिंह	कन्या	धनु	तुला
विंशांश	कन्या	धनु	धनु	मिथुन	मीन	कन्या	कर्क	वृश्चिक	कन्या
चतुर्विंशांश	वृष	मेष	कर्क	तुला	सिंह	कुंभ	कन्या	मकर	वृश्चिक
सप्तविंशांश	मकर	धनु	मकर	मकर	मेष	वृष	मकर	मीन	कन्या
त्रिंशांश	मीन	मीन	वृष	मेष	मीन	कुंभ	धनु	मकर	मिथुन
खवेदांश	मेष	कुंभ	वृश्चिक	सिंह	सिंह	मीन	कुंभ	मेष	मिथुन
अक्षवेदांश	मेष	तुला	कन्या	कन्या	वृष	मेष	मकर	तुला	वृष
षष्ठ्यांश	कुंभ	कर्क	धनु	वृष	मेष	कुंभ	मीन	कर्क	मीन

## षोडशवर्ग में शुभाशुभ

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म	सम	नीच	शत्रु	अतिशत्रु	अतिशत्रु	अतिमित्र	अतिमित्र	मूलत्रिक.	मूलत्रिक.
होरा	सम	स्वराशि	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिशत्रु	सम	सम	सम	सम
द्रेष्काण	अतिमित्र	नीच	शत्रु	मित्र	अतिशत्रु	स्वराशि	सम	सम	सम
चतुर्थश	नीच	नीच	मित्र	शत्रु	नीच	मित्र	सम	सम	सम
सप्तांश	सम	उच्च	मित्र	शत्रु	अतिमित्र	नीच	अतिशत्रु	सम	सम
नवांश	नीच	स्वराशि	स्वराशि	शत्रु	स्वराशि	उच्च	अतिशत्रु	सम	सम
दशांश	सम	स्वराशि	स्वराशि	अतिमित्र	स्वराशि	शत्रु	शत्रु	सम	सम
द्वादशांश	सम	नीच	स्वराशि	शत्रु	नीच	मित्र	सम	सम	सम
षोडशांश	नीच	अतिमित्र	शत्रु	मित्र	अतिमित्र	नीच	शत्रु	सम	सम
विंशांश	अतिमित्र	मित्र	सम	नीच	अतिशत्रु	अतिशत्रु	स्वराशि	सम	सम
चतुर्विंशांश	उच्च	स्वराशि	मित्र	सम	मित्र	नीच	स्वराशि	नीच	उच्च
सप्तविंशांश	सम	मित्र	उच्च	मित्र	अतिशत्रु	मकर	मित्र	सम	सम
त्रिंशांश	अतिमित्र	उच्च	मूलत्रिक.	नीच	मित्र	मित्र	स्वराशि	स्वराशि	सम
खवेदांश	सम	नीच	सम	सम	स्वराशि	अतिमित्र	नीच	मूलत्रिक.	सम
अक्षवेदांश	नीच	सम	अतिशत्रु	सम	सम	अतिमित्र	उच्च	उच्च	नीच
षष्ठ्यांश	सम	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	उच्च	अतिशत्रु	स्वराशि	स्वराशि

## विशेषक बल

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षड्वर्ग	13	16	13	12	12	13	15	12
सप्तवर्ग	14	15	14	12	12	12	16	13
दशवर्ग	12	15	12	13	14	11	14	13
षोडशवर्ग	12	15	11	13	14	12	14	12



## ग्रहों का षड्बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	29.22	0.71	21.84	40.63	28.91	33.37	51.08
सप्तवर्गीय बल	112.50	112.50	123.75	84.38	93.75	88.13	120.00
ओज-युग्म बल	15.00	30.00	15.00	15.00	30.00	15.00	0.00
केन्द्रादिं बल	15.00	60.00	15.00	15.00	15.00	30.00	30.00
द्रेष्काण बल	0.00	0.00	15.00	15.00	15.00	0.00	0.00
1. स्थान बल	171.72	203.21	190.59	170.01	182.66	166.49	201.08
2. दिग्बल	46.05	22.23	46.88	21.06	48.18	22.43	16.83
नतोन्त्र बल	46.67	13.33	13.33	60.00	46.67	46.67	13.33
पक्ष बल	23.83	36.17	23.83	23.83	36.17	36.17	23.83
त्रिभाग बल	0.00	0.00	0.00	0.00	60.00	0.00	60.00
वर्ष बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	15.00	0.00
मास बल	0.00	0.00	0.00	30.00	0.00	0.00	0.00
वार बल	0.00	0.00	0.00	0.00	45.00	0.00	0.00
होरा बल	60.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
आयन बल	54.29	54.42	16.31	52.81	14.15	59.50	38.70
युद्ध बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3. काल बल	184.78	103.92	53.47	166.63	201.99	157.34	135.86
4. चेष्टा बल	54.29	36.17	51.23	9.10	44.46	24.96	37.96
5. नैसर्गिक बल	60.00	51.42	17.16	25.74	34.26	42.84	8.58
6. द्वक बल	10.93	-46.76	-31.51	10.93	-38.03	41.38	-17.36
<b>कुल षड्बल</b>	<b>527.77</b>	<b>370.20</b>	<b>327.83</b>	<b>403.48</b>	<b>473.53</b>	<b>455.43</b>	<b>382.94</b>
<b>षड्बल (रूप में)</b>	<b>8.80</b>	<b>6.17</b>	<b>5.46</b>	<b>6.72</b>	<b>7.89</b>	<b>7.59</b>	<b>6.38</b>
न्यूनतम वांछनीय	390	360	300	420	390	330	300
<b>वांछनीय का अंश</b>	<b>1.35</b>	<b>1.03</b>	<b>1.09</b>	<b>0.96</b>	<b>1.21</b>	<b>1.38</b>	<b>1.28</b>
स्थान बल वांछित का अंश	1.04	1.53	1.99	1.03	1.11	1.25	2.09
दिग्बल वांछित का अंश	1.32	0.44	1.56	0.60	1.38	0.45	0.56
काल बल वांछित का अंश	1.65	1.04	0.80	1.49	1.80	1.57	2.03
चेष्टा बल वांछित का अंश	1.09	1.21	1.28	0.18	0.89	0.83	0.95
द्वक्बल वांछित का अंश	1.81	1.36	0.82	1.76	0.47	1.49	1.93
तुलनात्मक स्थिति	2	6	5	7	4	1	3
इष्ट फल	38.62	18.44	36.54	24.87	36.69	29.16	44.52
कष्ट फल	21.38	41.56	23.46	35.13	23.31	30.84	15.48

## भावबल

	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भावमध्य राशि	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु
भावमध्य अंश	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13
भावाधिपति बल	327	473	382	382	473	327	455	403	370	527	403	455
भाव दिग्बल	0	50	10	30	50	20	30	10	40	60	39	49
भाव दृष्टि बल	-46	11	-23	7	-34	16	38	45	10	5	-7	-45
ग्रह	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	-60	0
दिन-रात्रि	15	0	0	15	0	0	0	15	0	15	15	15
<b>कुल भावबल</b>	<b>296</b>	<b>535</b>	<b>370</b>	<b>435</b>	<b>489</b>	<b>364</b>	<b>524</b>	<b>474</b>	<b>421</b>	<b>608</b>	<b>391</b>	<b>475</b>



## ग्रहों पर दृष्टि

## दृष्टि देने वाले ग्रह

द्रष्ट ग्रह	अंश	सूर्य 102:20	चन्द्र 210:52	मंगल 183:32	बुध 106:54	गुरु 188:16	शुक्र 76:54	शनि 173:14	राहु 79:34	केतु 259:34
सूर्य	102:20	-	1/2 (24)	1/4 (10)	-	1/4 (12)	-	- (21)	-	3/4 (48)
चन्द्र	210:52	1/2 (35)	-	-	1/2 (38)	-	- (16)	4/4 (15)	- (48)	-
मंगल	183:32	3/4 (36)	-	-	3/4 (31)	-	1/2 (36)	-	4/4 (51)	- (8)
बुध	106:54	-	1/2 (21)	1/4 (8)	-	1/4 (10)	-	- (12)	-	3/4 (46)
गुरु	188:16	3/4 (40)	-	-	3/4 (36)	-	1/2 (34)	-	4/4 (54)	- (5)
शुक्र	76:54	-	3/4 (36)	1/2 (23)	-	4/4 (51)	-	4/4 (53)	-	4/4 (54)
शनि	173:14	1/4 (25)	-	-	1/4 (21)	-	3/4 (41)	-	3/4 (46)	1/4 (13)
राहु	79:34	-	3/4 (35)	1/2 (21)	-	4/4 (48)	-	4/4 (56)	-	4/4 (60)
केतु	259:34	-	- (14)	1/4 (9)	- (39)	1/4 (5)	4/4 (26)	3/4 (58)	4/4 (46)	- (60)

## श्रीपति भावों पर दृष्टि

## दृष्टि देने वाले ग्रह

द्रष्ट भाव	अंश	सूर्य 102:20	चन्द्र 210:52	मंगल 183:32	बुध 106:54	गुरु 188:16	शुक्र 76:54	शनि 173:14	राहु 79:34	केतु 259:34
प्रथम	223:43	28	-	5	31	2	3	40	35	-
द्वितीय	257:12	9	8	35	-	23	59	48	55	-
तृतीय	290:41	55	34	42	58	51	43	31	45	-
चतुर्थ	324:10	39	33	9	41	44	26	1	55	19
पंचम	350:41	25	10	34	28	24	13	54	14	45
षष्ठ	17:12	12	32	60	14	55	-	48	1	58
सप्तम	43:43	-	53	49	1	47	-	34	-	35
अष्टम	77:12	-	36	23	-	51	-	53	-	55
नवम	110:41	-	20	6	-	8	1	5	-	45
दशम	144:10	5	3	-	3	-	22	-	19	55
एकादश	170:41	23	-	-	18	-	43	-	45	14
द्वादश	197:12	42	-	-	44	-	29	-	58	1



### ग्रहों की अवस्थाएं

ग्रह	जाग्रदाद्य अवस्था (3 का समूह)	बालाद्य अवस्था (5 का समूह)	लजिताद्य अवस्था (6 का समूह)	दीप्ताद्य अवस्था (9 का समूह)	शयनाद्य अवस्था (12 का समूह)
सूर्य	स्वप्न (मध्यमफल)	युवा (पूर्णफल)		दीन (समक्षेत्र)	आगम (चंचल दुर्मति)
चन्द्र	सुषुप्ति (शून्यफल)	मृत (शून्यफल)		खल (पापराशि)	आगम (वाचाल/धर्मात्मा)
मंगल	स्वप्न (मध्यमफल)	बाल (चतुर्थांशफल)	क्षुधित मुदित	दुखी (शत्रुक्षेत्र)	निद्रा (गुणियों से पूजित)
बुध	सुषुप्ति (शून्यफल)	युवा (पूर्णफल)	क्षुधित	खल (पापराशि)	निद्रा (निद्रासौख्य वर्चित)
गुरु	सुषुप्ति (शून्यफल)	कुमार (आधाफल)	क्षुधित	खल (पापराशि)	भोजन (सुभोजन/पूर्णधनी)
शुक्र	स्वप्न (मध्यमफल)	युवा (पूर्णफल)	मुदित	मुदित (अधिमित्र)	निद्रा (परसेवक नित्यध्रमण)
शनि	स्वप्न (मध्यमफल)	कुमार (आधाफल)		मुदित (अधिमित्र)	शयन (बचपन में भूख से पीड़ित)
राहु	जाग्रत (पूर्णफल)	वृद्ध (अत्यलपफल)	गर्वित मुदित	स्वस्थ (स्वक्षेत्र)	निद्रा (गुणों की खान)
केतु	जाग्रत (पूर्णफल)	वृद्ध (अत्यलपफल)	गर्वित मुदित	स्वस्थ (स्वक्षेत्र)	निद्रा (धन-धान्य का सुख)

टिप्पणी - जाग्रदाद्य व बालाद्य अवस्थाओं में कोष्ठक में ग्रहों के फल की मात्रा व शयनाद्य अवस्था में ग्रहों की अवस्थाओं का फल दिया गया है।

### नीचभंग योग

#### चन्द्र के नीचभंग योग :-

- चन्द्र नवांश में स्वयं की राशि में है।

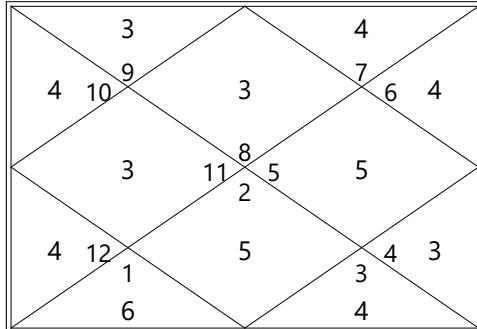


## अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

### सूर्य

सूर्य राशि	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	
शनि	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
गुरु	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	4
मंगल	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	3
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	7
चन्द्र	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	4
लग्न	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	6
योग	3	5	4	4	3	3	4	3	4	6	5	4	48

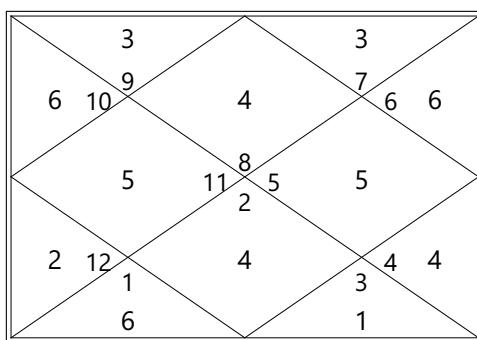
### सूर्य



### चन्द्र

चन्द्र राशि	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	
शनि	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	4
गुरु	0	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	7
मंगल	1	1	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	7
सूर्य	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	1	0	6
शुक्र	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	1	1	7
बुध	1	0	1	1	0	1	1	0	0	1	0	1	8
चन्द्र	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
योग	4	3	6	5	2	6	4	1	4	5	6	3	49

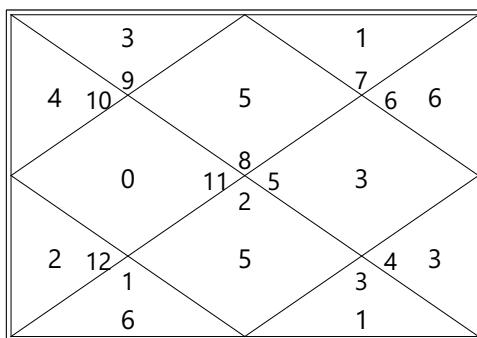
### चन्द्र



### मंगल

मंगल राशि	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	
शनि	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	7
गुरु	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	1	1	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	5
शुक्र	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	4
बुध	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	4
चन्द्र	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	3
लग्न	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
योग	1	5	3	4	0	2	6	5	1	3	3	6	39

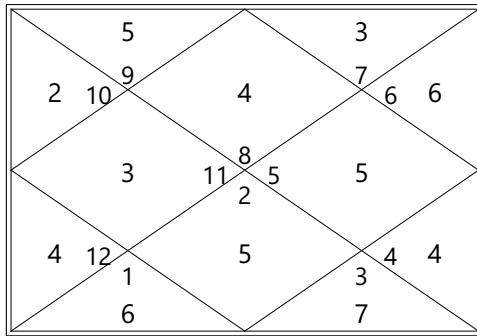
### मंगल



### बुध

बुध राशि	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	
शनि	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
मंगल	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	8
सूर्य	0	0	0	1	1	0	0	1	0	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	1	0	0	1	1	0	0	1	0	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चन्द्र	0	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	6
लग्न	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	7
योग	4	5	6	3	4	5	2	3	4	6	5	7	54

### बुध

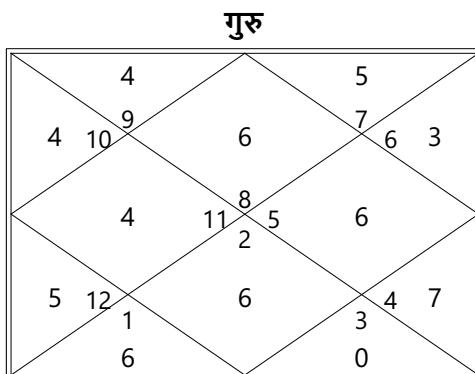




## अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

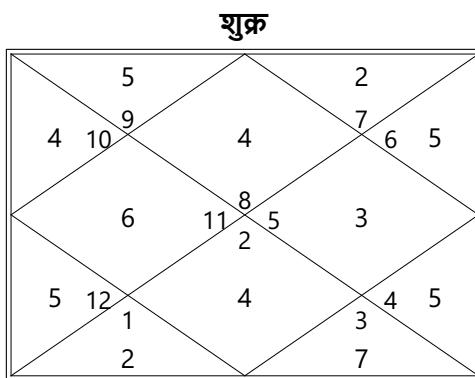
गुरु

गुरु राशि	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	
शनि	0	1	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	1	9
शुक्र	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	6
बुध	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	8
चन्द्र	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	5
लग्न	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
योग	5	6	4	4	4	5	6	6	0	7	6	3	56



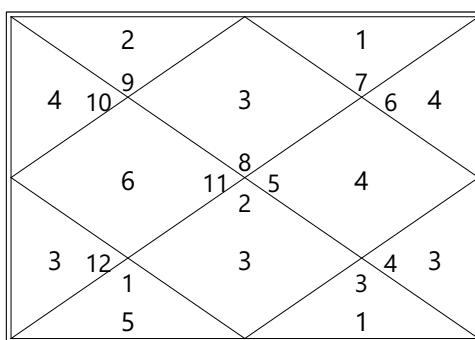
शुक्र

शुक्र राशि	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	
शनि	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	7
गुरु	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	5
मंगल	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	6
सूर्य	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	5
चन्द्र	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	0	9
लग्न	1	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	8
योग	7	5	3	5	2	4	5	4	6	5	2	4	52



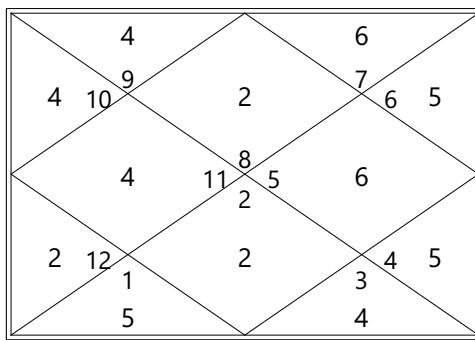
शनि

शनि राशि	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
युरु	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	4
मंगल	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	6
सूर्य	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	7
शुक्र	0	0	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	3
बुध	0	0	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	6
चन्द्र	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	3
लग्न	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6
योग	4	1	3	2	4	6	3	5	3	1	3	4	39



लग्न

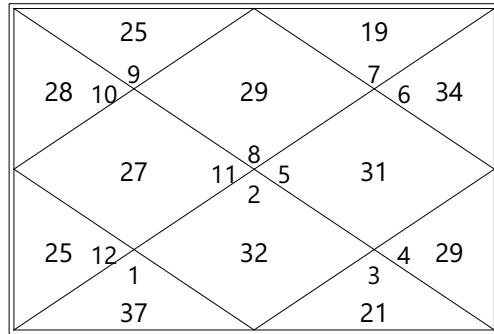
लग्न राशि	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	
शनि	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	6
गुरु	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	9
मंगल	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	5
सूर्य	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	6
शुक्र	0	0	1	1	0	0	0	1	1	1	1	1	7
बुध	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
चन्द्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
योग	2	4	4	4	2	5	2	4	5	6	5	6	49



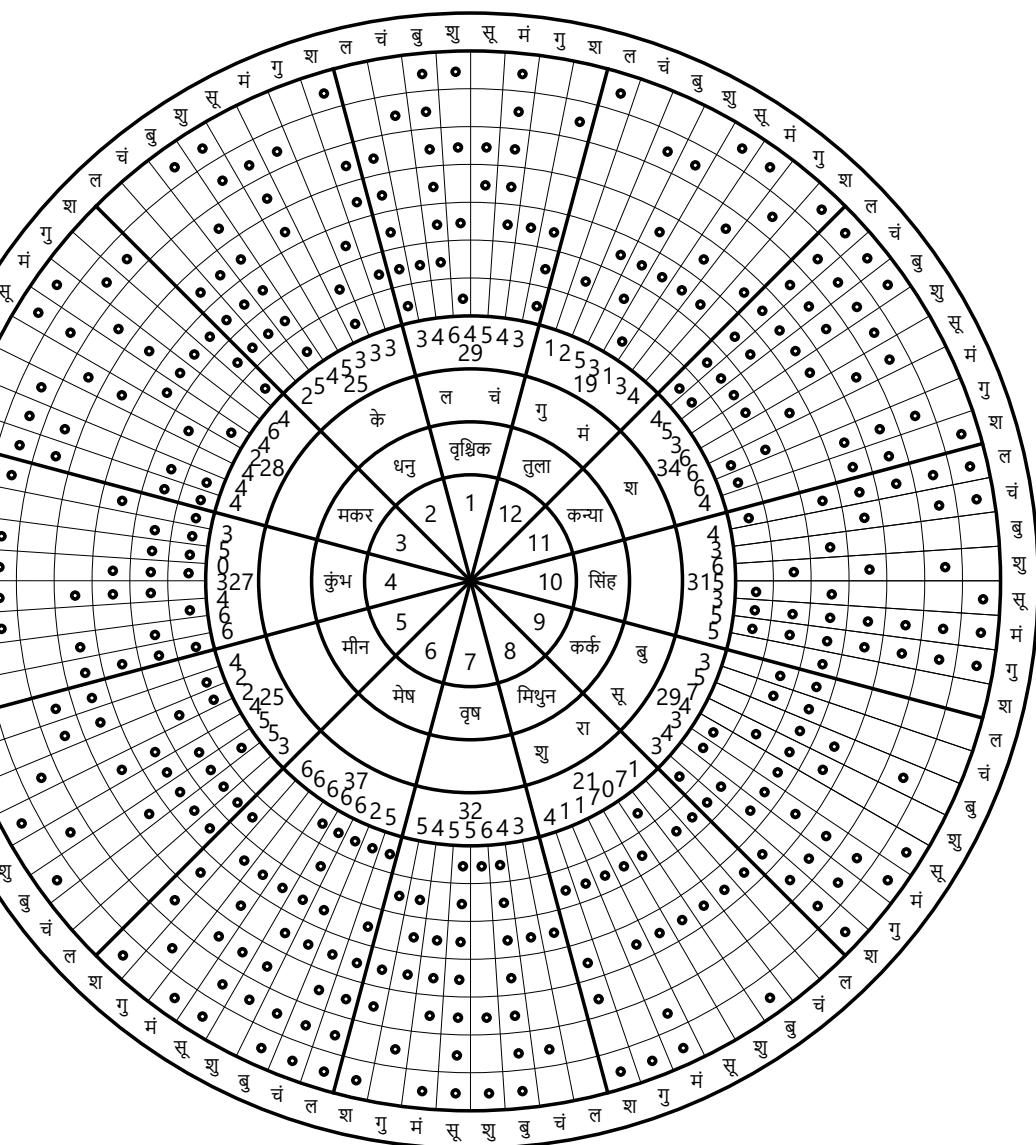


## सर्वाष्टक वर्ग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
लग्न	5	2	4	5	6	5	6	2	4	4	4	2	49
सूर्य	6	5	4	3	5	4	4	3	3	4	3	4	48
चन्द्र	6	4	1	4	5	6	3	4	3	6	5	2	49
मंगल	6	5	1	3	3	6	1	5	3	4	0	2	39
बुध	6	5	7	4	5	6	3	4	5	2	3	4	54
गुरु	6	6	0	7	6	3	5	6	4	4	4	5	56
शुक्र	2	4	7	5	3	5	2	4	5	4	6	5	52
शनि	5	3	1	3	4	4	1	3	2	4	6	3	39
	37	32	21	29	31	34	19	29	25	28	27	25	337



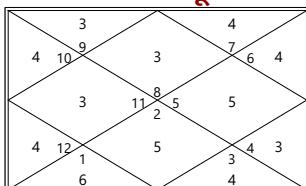
## सर्वचन्चा चक्र



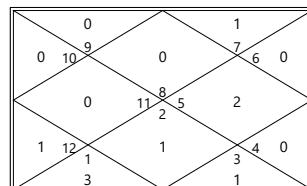


## शोधन से पूर्व

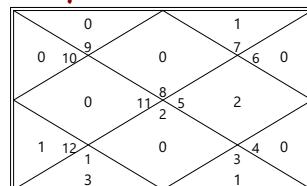
सूर्य	
राशि पिण्ड	68
ग्रह पिण्ड	25
शुद्ध पिण्ड	93



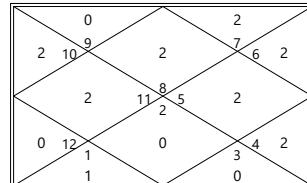
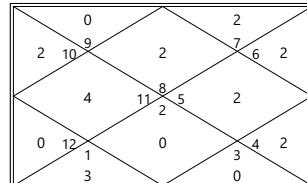
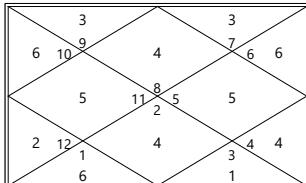
## त्रिकोण शोधन



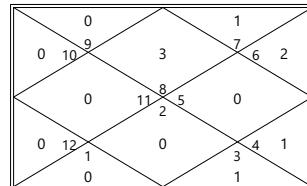
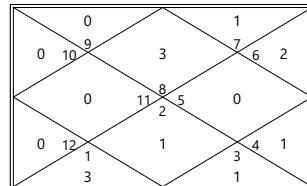
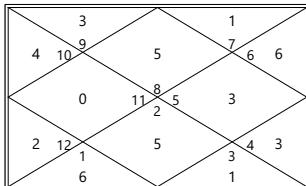
## एकाधिपत्य शोधन



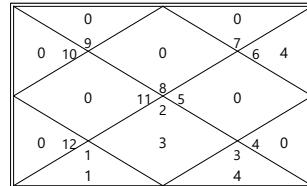
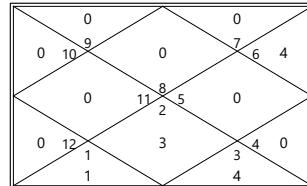
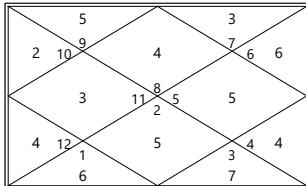
चन्द्र	
राशि पिण्ड	109
ग्रह पिण्ड	76
शुद्ध पिण्ड	185



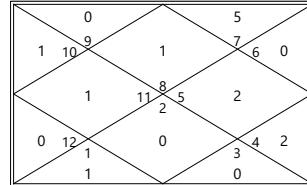
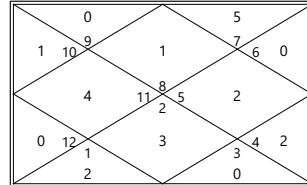
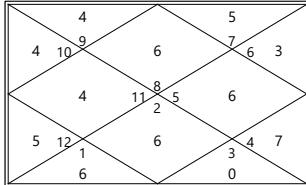
मंगल	
राशि पिण्ड	55
ग्रह पिण्ड	60
शुद्ध पिण्ड	115



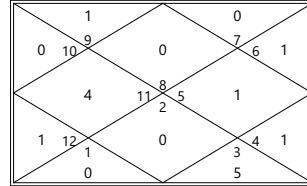
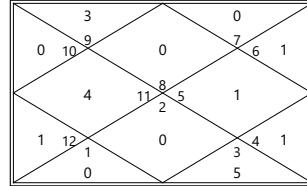
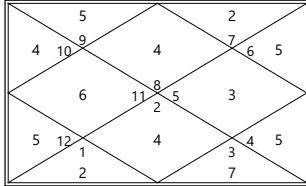
बुध	
राशि पिण्ड	93
ग्रह पिण्ड	48
शुद्ध पिण्ड	141



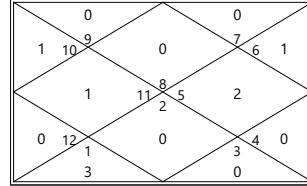
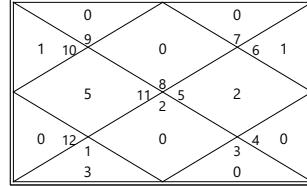
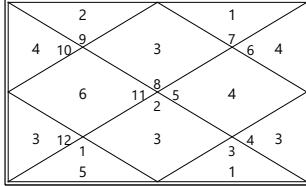
गुरु	
राशि पिण्ड	94
ग्रह पिण्ड	115
शुद्ध पिण्ड	209



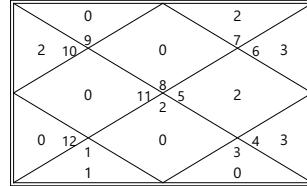
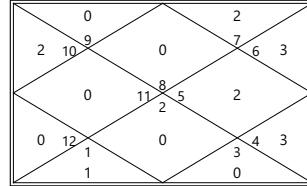
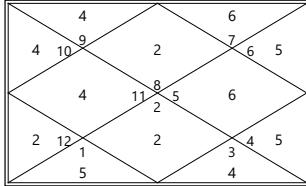
शुक्र	
राशि पिण्ड	125
ग्रह पिण्ड	50
शुद्ध पिण्ड	175



शनि	
राशि पिण्ड	63
ग्रह पिण्ड	5
शुद्ध पिण्ड	68



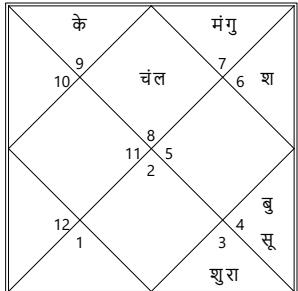
लग्न	
राशि पिण्ड	81
ग्रह पिण्ड	81
शुद्ध पिण्ड	162



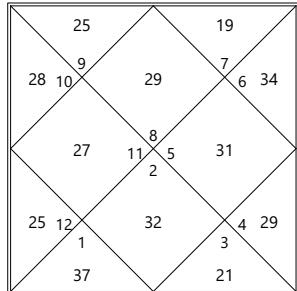


## वर्ग कुण्डलिया-अष्टकवर्ग

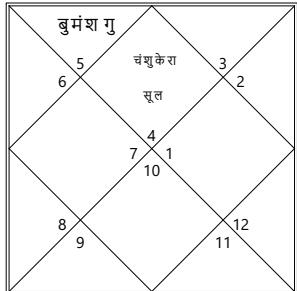
जन्म कुण्डली



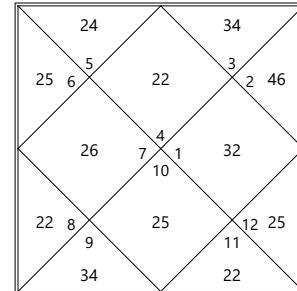
समुदाय अष्टकवर्ग



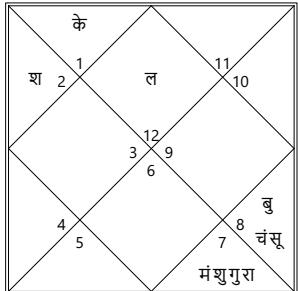
होरा (धन-सम्पत्ति)



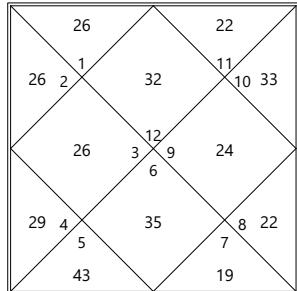
समुदाय अष्टकवर्ग



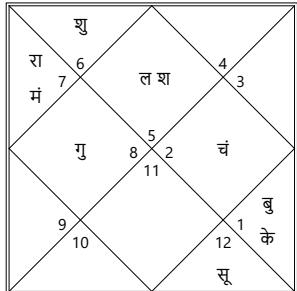
द्रेष्काण (भाई-बहन)



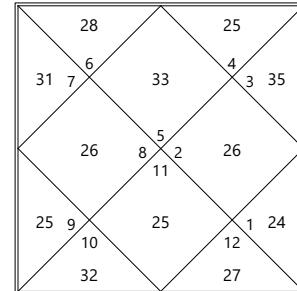
समुदाय अष्टकवर्ग



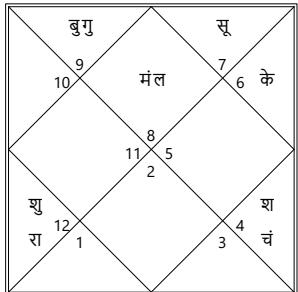
सप्तांश (संतान)



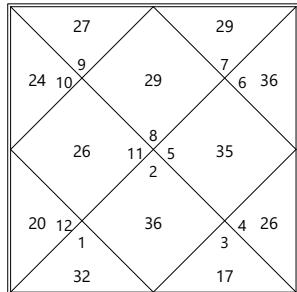
समुदाय अष्टकवर्ग



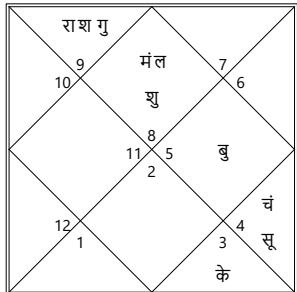
नवांश (जीवनसाथी)



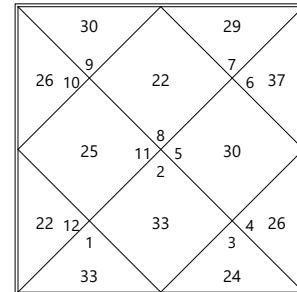
समुदाय अष्टकवर्ग



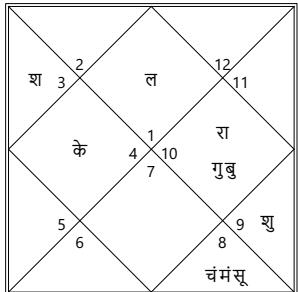
दशांश (कर्मफल)



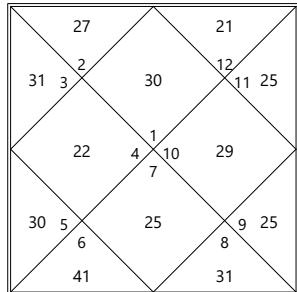
समुदाय अष्टकवर्ग



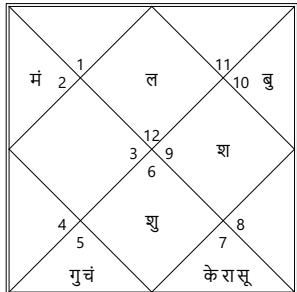
द्वादशांश (माता-पिता)



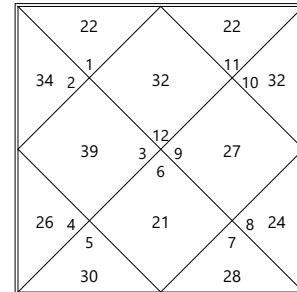
समुदाय अष्टकवर्ग



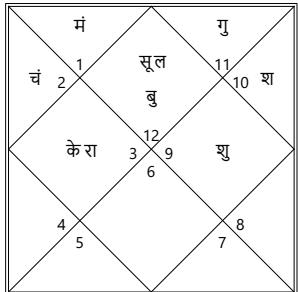
षोडशांश (वाहन)



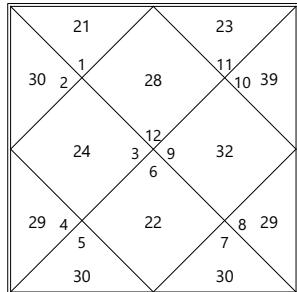
समुदाय अष्टकवर्ग



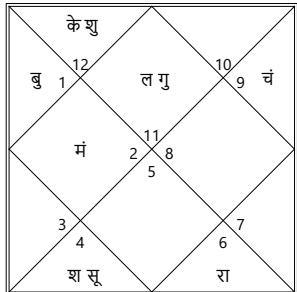
विशांश (अरिष्ट)



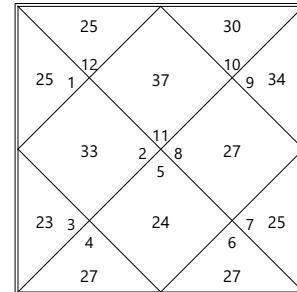
समुदाय अष्टकवर्ग



षष्ठ्यांश (सभी क्षेत्र)



समुदाय अष्टकवर्ग





## ग्रहों का शारीरिक संरचना पर प्रभाव

### सूक्ष्म पद्धति

ग्रह	शरीर का अंग
सूर्य	हृदय का बायाँ भाग
चन्द्र	शीर्ष
मंगल	बायीं आँख
बुध	हृदय का बायाँ भाग
गुरु	बायीं आँख
शुक्र	बायीं छाती
शनि	बायाँ अण्डकोश
राहु	बायीं छाती
केतु	दायाँ कन्धा

### स्थूल पद्धति

ग्रह	शरीर का अंग	शरीर का अंग
सूर्य	हृदय	जाँघ
चन्द्र	लिंग	मस्तक
मंगल	वस्ति (पेंझ)	पैर
बुध	हृदय	जाँघ
गुरु	वस्ति (पेंझ)	पैर
शुक्र	बाहु	लिंग
शनि	कमर	पिंडलियाँ
राहु	बाहु	लिंग
केतु	जाँघ	मुख

### नक्षत्र पद्धति

ग्रह	नक्षत्र	प्रथम मत	द्वितीय मत
सूर्य	पुष्टि	मुख	मुख
चन्द्र	विशाखा	दोनों बाजू	स्तन
मंगल	चित्रा	माथा	गर्दन
बुध	आश्लेषा	नाखून	कान
गुरु	स्वाति	दाँत	छाती
शुक्र	आद्रा	बाल	आँखें
शनि	हस्त	दोनों हथेलियाँ	अंगुलियाँ
राहु	आद्रा	बाल	आँखें
केतु	पूर्वाषाढ़ा	दोनों जाँघ	पीठ



## विंशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : गुरु २वर्ष-११मास-१५दिन  
जन्मकालीन दशा : गु-ल-ल-ल-ल

## गुरु (16व)

० वर्ष से २१११म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	२९-०७-१९८२ - १९-०२-१९८३	
राहु	१९-०२-१९८३ - १४-०७-१९८५	

## शनि (19व)

२१११म से ११११म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	१४-०७-१९८५ - १७-०७-१९८८	
बुध	१७-०७-१९८८ - २७-०३-१९९१	
केतु	२७-०३-१९९१ - ०५-०५-१९९२	
शुक्र	०५-०५-१९९२ - ०५-०७-१९९५	
सूर्य	०५-०७-१९९५ - १६-०६-१९९६	
चन्द्र	१६-०६-१९९६ - १६-०१-१९९८	
मंगल	१६-०१-१९९८ - २५-०२-१९९९	
राहु	२५-०२-१९९९ - ३१-१२-२००१	
गुरु	३१-१२-२००१ - १४-०७-२००४	

## बुध (17व)

२१११म से ८१११म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	१४-०७-२००४ - १०-१२-२००६	
केतु	१०-१२-२००६ - ०८-१२-२००७	
शुक्र	०८-१२-२००७ - ०७-१०-२०१०	
सूर्य	०७-१०-२०१० - १४-०८-२०११	
चन्द्र	१४-०८-२०११ - १२-०१-२०१३	
मंगल	१२-०१-२०१३ - ०९-०१-२०१४	
राहु	०९-०१-२०१४ - २९-०७-२०१६	
गुरु	२९-०७-२०१६ - ०४-११-२०१८	
शनि	०४-११-२०१८ - १४-०७-२०२१	

## केतु (7व)

३८११म से ५१११म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	१४-०७-२०२१	१०-१२-२०२१
शुक्र	१०-१२-२०२१ - ०९-०२-२०२३	
सूर्य	०९-०२-२०२३ - १७-०६-२०२३	
चन्द्र	१७-०६-२०२३ - १६-०१-२०२४	
मंगल	१६-०१-२०२४ - १३-०६-२०२४	
राहु	१३-०६-२०२४ - ०२-०७-२०२५	
गुरु	०२-०७-२०२५ - ०८-०६-२०२६	
शनि	०८-०६-२०२६ - १७-०७-२०२७	
बुध	१७-०७-२०२७ - १४-०७-२०२८	

## शुक्र (20व)

४५११म से ५१११म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	१४-०७-२०२८ - १३-११-२०३१	
सूर्य	१३-११-२०३१ - १२-११-२०३२	
चन्द्र	१२-११-२०३२ - १४-०७-२०३४	
मंगल	१४-०७-२०३४ - १३-०९-२०३५	
राहु	१३-०९-२०३५ - १३-०९-२०३८	
गुरु	१३-०९-२०३८ - १४-०५-२०४१	
शनि	१४-०५-२०४१ - १३-०७-२०४४	
बुध	१३-०७-२०४४ - १४-०५-२०४७	
केतु	१४-०५-२०४७ - १३-०७-२०४८	

## सूर्य (6व)

६५११म से ११११म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	१३-०७-२०४८ - ३१-१०-२०४८	
चन्द्र	३१-१०-२०४८ - ०२-०५-२०४९	
मंगल	०२-०५-२०४९ - ०६-०९-२०४९	
राहु	०६-०९-२०४९ - ०१-०८-२०५०	
गुरु	०१-०८-२०५० - २०-०५-२०५१	
शनि	२०-०५-२०५१ - ०१-०५-२०५२	
बुध	०१-०५-२०५२ - ०८-०३-२०५३	
केतु	०८-०३-२०५३ - १४-०७-२०५३	
शुक्र	१४-०७-२०५३ - १४-०७-२०५४	

## चन्द्र (10व)

७१११म से ११११म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	१४-०७-२०५४ - १४-०५-२०५५	
मंगल	१४-०५-२०५५ - १३-१२-२०५५	
राहु	१३-१२-२०५५ - १३-०६-२०५७	
गुरु	१३-०६-२०५७ - १३-१०-२०५८	
शनि	१३-१०-२०५८ - १३-०५-२०६०	
बुध	१३-०५-२०६० - १३-१०-२०६१	
केतु	१३-१०-२०६१ - १४-०५-२०६२	
शुक्र	१४-०५-२०६२ - १३-०१-२०६४	
सूर्य	१३-०१-२०६४ - १३-०७-२०६४	

## मंगल (7व)

८१११म से ८८११म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	१३-०७-२०६४ - ०९-१२-२०६४	
राहु	०९-१२-२०६४ - २८-१२-२०६५	
गुरु	२८-१२-२०६५ - ०४-१२-२०६६	
शनि	०४-१२-२०६६ - १३-०१-२०६८	
बुध	१३-०१-२०६८ - ०९-०१-२०६९	
केतु	०९-०१-२०६९ - ०७-०६-२०६९	
शुक्र	०७-०६-२०६९ - ०७-०८-२०७०	
सूर्य	०७-०८-२०७० - १३-१२-२०७०	
चन्द्र	१३-१२-२०७० - १४-०७-२०७१	

## राहु (18व)

८८११म से १०६११म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	१४-०७-२०७१ - २६-०३-२०७४	
गुरु	२६-०३-२०७४ - १९-०८-२०७६	
शनि	१९-०८-२०७६ - २६-०६-२०७९	
बुध	२६-०६-२०७९ - १२-०१-२०८२	
केतु	१२-०१-२०८२ - ३१-०१-२०८३	
शुक्र	३१-०१-२०८३ - ३०-०१-२०८६	
सूर्य	३०-०१-२०८६ - २५-१२-२०८६	
चन्द्र	२५-१२-२०८६ - २५-०६-२०८८	
मंगल	२५-०६-२०८८ - १३-०७-२०८९	



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

गुरु महादशा : 29-07-1982 से 14-07-1985

आयु : ०व ०म से २व ११म

## गुरु-गुरु

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	

## गुरु-शनि

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	

## गुरु-बुध

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	

## गुरु-केतु

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	

## गुरु-शुक्र

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	

## गुरु-सूर्य

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	

## गुरु-चन्द्र

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	

## गुरु-मंगल

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	29-07-1982 - 01-09-1982	
बुध	01-09-1982 - 19-10-1982	
केतु	19-10-1982 - 08-11-1982	
शुक्र	08-11-1982 - 04-01-1983	
सूर्य	04-01-1983 - 21-01-1983	
चन्द्र	21-01-1983 - 19-02-1983	

## गुरु-राहु

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	19-02-1983 - 30-06-1983	
गुरु	30-06-1983 - 25-10-1983	
शनि	25-10-1983 - 12-03-1984	
बुध	12-03-1984 - 14-07-1984	
केतु	14-07-1984 - 03-09-1984	
शुक्र	03-09-1984 - 27-01-1985	
सूर्य	27-01-1985 - 12-03-1985	
चन्द्र	12-03-1985 - 24-05-1985	
मंगल	24-05-1985 - 14-07-1985	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

**शनि** महादशा : 14-07-1985 से 14-07-2004  
आयु : 2व 11म से 21व 11म

शनि-शनि		2व 11म*
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	14-07-1985	- 04-01-1986
बुध	04-01-1986	- 09-06-1986
केतु	09-06-1986	- 12-08-1986
शुक्र	12-08-1986	- 11-02-1987
सूर्य	11-02-1987	- 07-04-1987
चन्द्र	07-04-1987	- 07-07-1987
मंगल	07-07-1987	- 10-09-1987
राहु	10-09-1987	- 21-02-1988
गुरु	21-02-1988	- 17-07-1988

शनि-बुध		5व 11म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	17-07-1988	- 03-12-1988
केतु	03-12-1988	- 30-01-1989
शुक्र	30-01-1989	- 12-07-1989
सूर्य	12-07-1989	- 31-08-1989
चन्द्र	31-08-1989	- 20-11-1989
मंगल	20-11-1989	- 17-01-1990
राहु	17-01-1990	- 13-06-1990
गुरु	13-06-1990	- 22-10-1990
शनि	22-10-1990	- 27-03-1991

शनि-केतु		8व 7म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	27-03-1991	- 20-04-1991
शुक्र	20-04-1991	- 26-06-1991
सूर्य	26-06-1991	- 16-07-1991
चन्द्र	16-07-1991	- 19-08-1991
मंगल	19-08-1991	- 12-09-1991
राहु	12-09-1991	- 11-11-1991
गुरु	11-11-1991	- 04-01-1992
शनि	04-01-1992	- 08-03-1992
बुध	08-03-1992	- 05-05-1992

शनि-शुक्र		9व 9म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	05-05-1992	- 14-11-1992
सूर्य	14-11-1992	- 10-01-1993
चन्द्र	10-01-1993	- 17-04-1993
मंगल	17-04-1993	- 23-06-1993
राहु	23-06-1993	- 14-12-1993
गुरु	14-12-1993	- 17-05-1994
शनि	17-05-1994	- 16-11-1994
बुध	16-11-1994	- 29-04-1995
केतु	29-04-1995	- 05-07-1995

शनि-सूर्य		12व 11म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	05-07-1995	- 23-07-1995
चन्द्र	23-07-1995	- 21-08-1995
मंगल	21-08-1995	- 10-09-1995
राहु	10-09-1995	- 01-11-1995
गुरु	01-11-1995	- 17-12-1995
शनि	17-12-1995	- 10-02-1996
बुध	10-02-1996	- 30-03-1996
केतु	30-03-1996	- 20-04-1996
शुक्र	20-04-1996	- 16-06-1996

शनि-चन्द्र		13व 10म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	16-06-1996	- 04-08-1996
मंगल	04-08-1996	- 06-09-1996
राहु	06-09-1996	- 02-12-1996
गुरु	02-12-1996	- 17-02-1997
शनि	17-02-1997	- 20-05-1997
बुध	20-05-1997	- 10-08-1997
केतु	10-08-1997	- 12-09-1997
शुक्र	12-09-1997	- 18-12-1997
सूर्य	18-12-1997	- 16-01-1998

शनि-मंगल		15व 5म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	16-01-1998	- 08-02-1998
राहु	08-02-1998	- 10-04-1998
गुरु	10-04-1998	- 03-06-1998
शनि	03-06-1998	- 06-08-1998
बुध	06-08-1998	- 02-10-1998
केतु	02-10-1998	- 26-10-1998
शुक्र	26-10-1998	- 02-01-1999
सूर्य	02-01-1999	- 22-01-1999
चन्द्र	22-01-1999	- 25-02-1999

शनि-राहु		16व 6म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	25-02-1999	- 31-07-1999
गुरु	31-07-1999	- 16-12-1999
शनि	16-12-1999	- 29-05-2000
बुध	29-05-2000	- 24-10-2000
केतु	24-10-2000	- 23-12-2000
शुक्र	23-12-2000	- 15-06-2001
सूर्य	15-06-2001	- 06-08-2001
चन्द्र	06-08-2001	- 01-11-2001
मंगल	01-11-2001	- 31-12-2001

शनि-गुरु		19व 5म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	31-12-2001	- 04-05-2002
शनि	04-05-2002	- 27-09-2002
बुध	27-09-2002	- 05-02-2003
केतु	05-02-2003	- 31-03-2003
शुक्र	31-03-2003	- 02-09-2003
सूर्य	02-09-2003	- 18-10-2003
चन्द्र	18-10-2003	- 03-01-2004
मंगल	03-01-2004	- 26-02-2004
राहु	26-02-2004	- 14-07-2004

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

बुध महादशा : 14-07-2004 से 14-07-2021

आयु : 21व 11म से 38व 11म

## बुध-बुध

21व11म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	14-07-2004	- 15-11-2004
केतु	15-11-2004	- 06-01-2005
शुक्र	06-01-2005	- 01-06-2005
सूर्य	01-06-2005	- 15-07-2005
चन्द्र	15-07-2005	- 27-09-2005
मंगल	27-09-2005	- 17-11-2005
राहु	17-11-2005	- 29-03-2006
गुरु	29-03-2006	- 24-07-2006
शनि	24-07-2006	- 10-12-2006

## बुध-केतु

24व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	10-12-2006	- 31-12-2006
शुक्र	31-12-2006	- 02-03-2007
सूर्य	02-03-2007	- 20-03-2007
चन्द्र	20-03-2007	- 19-04-2007
मंगल	19-04-2007	- 10-05-2007
राहु	10-05-2007	- 04-07-2007
गुरु	04-07-2007	- 21-08-2007
शनि	21-08-2007	- 17-10-2007
बुध	17-10-2007	- 08-12-2007

## बुध-शुक्र

25व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	08-12-2007	- 28-05-2008
सूर्य	28-05-2008	- 19-07-2008
चन्द्र	19-07-2008	- 13-10-2008
मंगल	13-10-2008	- 12-12-2008
राहु	12-12-2008	- 17-05-2009
गुरु	17-05-2009	- 02-10-2009
शनि	02-10-2009	- 14-03-2010
बुध	14-03-2010	- 08-08-2010
केतु	08-08-2010	- 07-10-2010

## बुध-सूर्य

28व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	07-10-2010	- 23-10-2010
चन्द्र	23-10-2010	- 18-11-2010
मंगल	18-11-2010	- 06-12-2010
राहु	06-12-2010	- 21-01-2011
गुरु	21-01-2011	- 04-03-2011
शनि	04-03-2011	- 22-04-2011
बुध	22-04-2011	- 05-06-2011
केतु	05-06-2011	- 23-06-2011
शुक्र	23-06-2011	- 14-08-2011

## बुध-चन्द्र

29व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	14-08-2011	- 26-09-2011
मंगल	26-09-2011	- 26-10-2011
राहु	26-10-2011	- 12-01-2012
गुरु	12-01-2012	- 21-03-2012
शनि	21-03-2012	- 11-06-2012
बुध	11-06-2012	- 23-08-2012
केतु	23-08-2012	- 22-09-2012
शुक्र	22-09-2012	- 17-12-2012
सूर्य	17-12-2012	- 12-01-2013

## बुध-मंगल

30व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	12-01-2013	- 02-02-2013
राहु	02-02-2013	- 29-03-2013
गुरु	29-03-2013	- 16-05-2013
शनि	16-05-2013	- 12-07-2013
बुध	12-07-2013	- 02-09-2013
केतु	02-09-2013	- 23-09-2013
शुक्र	23-09-2013	- 22-11-2013
सूर्य	22-11-2013	- 10-12-2013
चन्द्र	10-12-2013	- 09-01-2014

## बुध-राहु

31व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	09-01-2014	- 29-05-2014
गुरु	29-05-2014	- 30-09-2014
शनि	30-09-2014	- 25-02-2015
बुध	25-02-2015	- 07-07-2015
केतु	07-07-2015	- 30-08-2015
शुक्र	30-08-2015	- 01-02-2016
सूर्य	01-02-2016	- 19-03-2016
चन्द्र	19-03-2016	- 05-06-2016
मंगल	05-06-2016	- 29-07-2016

## बुध-गुरु

34व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	29-07-2016	- 16-11-2016
शनि	16-11-2016	- 27-03-2017
बुध	27-03-2017	- 23-07-2017
केतु	23-07-2017	- 09-09-2017
शुक्र	09-09-2017	- 25-01-2018
सूर्य	25-01-2018	- 07-03-2018
चन्द्र	07-03-2018	- 15-05-2018
मंगल	15-05-2018	- 03-07-2018
राहु	03-07-2018	- 04-11-2018

## बुध-शनि

36व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	04-11-2018	- 08-04-2019
बुध	08-04-2019	- 26-08-2019
केतु	26-08-2019	- 22-10-2019
शुक्र	22-10-2019	- 03-04-2020
सूर्य	03-04-2020	- 22-05-2020
चन्द्र	22-05-2020	- 12-08-2020
मंगल	12-08-2020	- 08-10-2020
राहु	08-10-2020	- 05-03-2021
गुरु	05-03-2021	- 14-07-2021

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

केतु महादशा : 14-07-2021 से 14-07-2028

आयु : 38व 11म से 45व 11म

## केतु-केतु

38व11म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	14-07-2021 - 23-07-2021	
शुक्र	23-07-2021 - 16-08-2021	
सूर्य	16-08-2021 - 24-08-2021	
चन्द्र	24-08-2021 - 05-09-2021	
मंगल	05-09-2021 - 14-09-2021	
राहु	14-09-2021 - 06-10-2021	
गुरु	06-10-2021 - 26-10-2021	
शनि	26-10-2021 - 19-11-2021	
बुध	19-11-2021 - 10-12-2021	

## केतु-शुक्र

39व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	10-12-2021 - 19-02-2022	
सूर्य	19-02-2022 - 12-03-2022	
चन्द्र	12-03-2022 - 17-04-2022	
मंगल	17-04-2022 - 12-05-2022	
राहु	12-05-2022 - 15-07-2022	
गुरु	15-07-2022 - 09-09-2022	
शनि	09-09-2022 - 16-11-2022	
बुध	16-11-2022 - 15-01-2023	
केतु	15-01-2023 - 09-02-2023	

## केतु-सूर्य

40व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	09-02-2023 - 16-02-2023	
चन्द्र	16-02-2023 - 26-02-2023	
मंगल	26-02-2023 - 06-03-2023	
राहु	06-03-2023 - 25-03-2023	
गुरु	25-03-2023 - 11-04-2023	
शनि	11-04-2023 - 01-05-2023	
बुध	01-05-2023 - 19-05-2023	
केतु	19-05-2023 - 27-05-2023	
शुक्र	27-05-2023 - 17-06-2023	

## केतु-चन्द्र

40व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	17-06-2023 - 05-07-2023	
मंगल	05-07-2023 - 17-07-2023	
राहु	17-07-2023 - 18-08-2023	
गुरु	18-08-2023 - 16-09-2023	
शनि	16-09-2023 - 19-10-2023	
बुध	19-10-2023 - 18-11-2023	
केतु	18-11-2023 - 01-12-2023	
शुक्र	01-12-2023 - 05-01-2024	
सूर्य	05-01-2024 - 16-01-2024	

## केतु-मंगल

41व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	16-01-2024 - 25-01-2024	
राहु	25-01-2024 - 16-02-2024	
गुरु	16-02-2024 - 07-03-2024	
शनि	07-03-2024 - 31-03-2024	
बुध	31-03-2024 - 21-04-2024	
केतु	21-04-2024 - 29-04-2024	
शुक्र	29-04-2024 - 24-05-2024	
सूर्य	24-05-2024 - 01-06-2024	
चन्द्र	01-06-2024 - 13-06-2024	

## केतु-राहु

41व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	13-06-2024 - 10-08-2024	
गुरु	10-08-2024 - 30-09-2024	
शनि	30-09-2024 - 30-11-2024	
बुध	30-11-2024 - 23-01-2025	
केतु	23-01-2025 - 14-02-2025	
शुक्र	14-02-2025 - 19-04-2025	
सूर्य	19-04-2025 - 08-05-2025	
चन्द्र	08-05-2025 - 09-06-2025	
मंगल	09-06-2025 - 02-07-2025	

## केतु-गुरु

42व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	02-07-2025 - 16-08-2025	
शनि	16-08-2025 - 09-10-2025	
बुध	09-10-2025 - 26-11-2025	
केतु	26-11-2025 - 16-12-2025	
शुक्र	16-12-2025 - 11-02-2026	
सूर्य	11-02-2026 - 28-02-2026	
चन्द्र	28-02-2026 - 29-03-2026	
मंगल	29-03-2026 - 17-04-2026	
राहु	17-04-2026 - 08-06-2026	

## केतु-शनि

43व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	08-06-2026 - 11-08-2026	
बुध	11-08-2026 - 07-10-2026	
केतु	07-10-2026 - 31-10-2026	
शुक्र	31-10-2026 - 06-01-2027	
सूर्य	06-01-2027 - 26-01-2027	
चन्द्र	26-01-2027 - 01-03-2027	
मंगल	01-03-2027 - 25-03-2027	
राहु	25-03-2027 - 24-05-2027	
गुरु	24-05-2027 - 17-07-2027	

## केतु-बुध

44व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	17-07-2027 - 07-09-2027	
केतु	07-09-2027 - 28-09-2027	
शुक्र	28-09-2027 - 27-11-2027	
सूर्य	27-11-2027 - 15-12-2027	
चन्द्र	15-12-2027 - 14-01-2028	
मंगल	14-01-2028 - 05-02-2028	
राहु	05-02-2028 - 30-03-2028	
गुरु	30-03-2028 - 17-05-2028	
शनि	17-05-2028 - 14-07-2028	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

शुक्र महादशा : 14-07-2028 से 13-07-2048

आयु : 45व 11म से 65व 11म

## शुक्र-शुक्र 45व11म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	14-07-2028 - 01-02-2029	
सूर्य	01-02-2029 - 03-04-2029	
चन्द्र	03-04-2029 - 14-07-2029	
मंगल	14-07-2029 - 23-09-2029	
राहु	23-09-2029 - 24-03-2030	
गुरु	24-03-2030 - 03-09-2030	
शनि	03-09-2030 - 15-03-2031	
बुध	15-03-2031 - 03-09-2031	
केतु	03-09-2031 - 13-11-2031	

## शुक्र-सूर्य 49व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	13-11-2031 - 01-12-2031	
चन्द्र	01-12-2031 - 01-01-2032	
मंगल	01-01-2032 - 22-01-2032	
राहु	22-01-2032 - 17-03-2032	
गुरु	17-03-2032 - 05-05-2032	
शनि	05-05-2032 - 01-07-2032	
बुध	01-07-2032 - 22-08-2032	
केतु	22-08-2032 - 12-09-2032	
शुक्र	12-09-2032 - 12-11-2032	

## शुक्र-चन्द्र 50व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	12-11-2032 - 02-01-2033	
मंगल	02-01-2033 - 07-02-2033	
राहु	07-02-2033 - 09-05-2033	
गुरु	09-05-2033 - 29-07-2033	
शनि	29-07-2033 - 02-11-2033	
बुध	02-11-2033 - 28-01-2034	
केतु	28-01-2034 - 04-03-2034	
शुक्र	04-03-2034 - 14-06-2034	
सूर्य	14-06-2034 - 14-07-2034	

## शुक्र-मंगल 51व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	14-07-2034 - 08-08-2034	
राहु	08-08-2034 - 11-10-2034	
गुरु	11-10-2034 - 07-12-2034	
शनि	07-12-2034 - 12-02-2035	
बुध	12-02-2035 - 13-04-2035	
केतु	13-04-2035 - 08-05-2035	
शुक्र	08-05-2035 - 18-07-2035	
सूर्य	18-07-2035 - 09-08-2035	
चन्द्र	09-08-2035 - 13-09-2035	

## शुक्र-राहु 53व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	13-09-2035 - 24-02-2036	
गुरु	24-02-2036 - 20-07-2036	
शनि	20-07-2036 - 09-01-2037	
बुध	09-01-2037 - 13-06-2037	
केतु	13-06-2037 - 16-08-2037	
शुक्र	16-08-2037 - 15-02-2038	
सूर्य	15-02-2038 - 11-04-2038	
चन्द्र	11-04-2038 - 11-07-2038	
मंगल	11-07-2038 - 13-09-2038	

## शुक्र-गुरु 56व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	13-09-2038 - 21-01-2039	
शनि	21-01-2039 - 24-06-2039	
बुध	24-06-2039 - 09-11-2039	
केतु	09-11-2039 - 05-01-2040	
शुक्र	05-01-2040 - 15-06-2040	
सूर्य	15-06-2040 - 03-08-2040	
चन्द्र	03-08-2040 - 23-10-2040	
मंगल	23-10-2040 - 19-12-2040	
राहु	19-12-2040 - 14-05-2041	

## शुक्र-शनि 58व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	14-05-2041 - 13-11-2041	
बुध	13-11-2041 - 26-04-2042	
केतु	26-04-2042 - 02-07-2042	
शुक्र	02-07-2042 - 11-01-2043	
सूर्य	11-01-2043 - 10-03-2043	
चन्द्र	10-03-2043 - 14-06-2043	
मंगल	14-06-2043 - 21-08-2043	
राहु	21-08-2043 - 10-02-2044	
गुरु	10-02-2044 - 13-07-2044	

## शुक्र-बुध 61व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	13-07-2044 - 07-12-2044	
केतु	07-12-2044 - 05-02-2045	
शुक्र	05-02-2045 - 28-07-2045	
सूर्य	28-07-2045 - 18-09-2045	
चन्द्र	18-09-2045 - 13-12-2045	
मंगल	13-12-2045 - 11-02-2046	
राहु	11-02-2046 - 16-07-2046	
गुरु	16-07-2046 - 01-12-2046	
शनि	01-12-2046 - 14-05-2047	

## शुक्र-केतु 64व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	14-05-2047 - 08-06-2047	
शुक्र	08-06-2047 - 18-08-2047	
सूर्य	18-08-2047 - 08-09-2047	
चन्द्र	08-09-2047 - 14-10-2047	
मंगल	14-10-2047 - 08-11-2047	
राहु	08-11-2047 - 11-01-2048	
गुरु	11-01-2048 - 08-03-2048	
शनि	08-03-2048 - 14-05-2048	
बुध	14-05-2048 - 13-07-2048	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

सूर्य महादशा : 13-07-2048 से 14-07-2054

आयु : 65व 11म से 71व 11म

## सूर्य-सूर्य

65व11म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	13-07-2048	- 19-07-2048
चन्द्र	19-07-2048	- 28-07-2048
मंगल	28-07-2048	- 03-08-2048
राहु	03-08-2048	- 20-08-2048
गुरु	20-08-2048	- 03-09-2048
शनि	03-09-2048	- 21-09-2048
बुध	21-09-2048	- 06-10-2048
केतु	06-10-2048	- 13-10-2048
शुक्र	13-10-2048	- 31-10-2048

## सूर्य-चन्द्र

66व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	31-10-2048	- 15-11-2048
मंगल	15-11-2048	- 26-11-2048
राहु	26-11-2048	- 23-12-2048
गुरु	23-12-2048	- 17-01-2049
शनि	17-01-2049	- 15-02-2049
बुध	15-02-2049	- 12-03-2049
केतु	12-03-2049	- 23-03-2049
शुक्र	23-03-2049	- 22-04-2049
सूर्य	22-04-2049	- 02-05-2049

## सूर्य-मंगल

66व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	02-05-2049	- 09-05-2049
राहु	09-05-2049	- 28-05-2049
गुरु	28-05-2049	- 14-06-2049
शनि	14-06-2049	- 05-07-2049
बुध	05-07-2049	- 23-07-2049
केतु	23-07-2049	- 30-07-2049
शुक्र	30-07-2049	- 20-08-2049
सूर्य	20-08-2049	- 27-08-2049
चन्द्र	27-08-2049	- 06-09-2049

## सूर्य-राहु

67व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	06-09-2049	- 26-10-2049
गुरु	26-10-2049	- 09-12-2049
शनि	09-12-2049	- 30-01-2050
बुध	30-01-2050	- 17-03-2050
केतु	17-03-2050	- 05-04-2050
शुक्र	05-04-2050	- 30-05-2050
सूर्य	30-05-2050	- 16-06-2050
चन्द्र	16-06-2050	- 13-07-2050
मंगल	13-07-2050	- 01-08-2050

## सूर्य-गुरु

68व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	01-08-2050	- 09-09-2050
शनि	09-09-2050	- 25-10-2050
बुध	25-10-2050	- 06-12-2050
केतु	06-12-2050	- 23-12-2050
शुक्र	23-12-2050	- 10-02-2051
सूर्य	10-02-2051	- 24-02-2051
चन्द्र	24-02-2051	- 20-03-2051
मंगल	20-03-2051	- 07-04-2051
राहु	07-04-2051	- 20-05-2051

## सूर्य-शनि

68व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	20-05-2051	- 14-07-2051
बुध	14-07-2051	- 01-09-2051
केतु	01-09-2051	- 22-09-2051
शुक्र	22-09-2051	- 19-11-2051
सूर्य	19-11-2051	- 06-12-2051
चन्द्र	06-12-2051	- 04-01-2052
मंगल	04-01-2052	- 24-01-2052
राहु	24-01-2052	- 16-03-2052
गुरु	16-03-2052	- 01-05-2052

## सूर्य-बुध

69व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	01-05-2052	- 14-06-2052
केतु	14-06-2052	- 02-07-2052
शुक्र	02-07-2052	- 23-08-2052
सूर्य	23-08-2052	- 08-09-2052
चन्द्र	08-09-2052	- 04-10-2052
मंगल	04-10-2052	- 22-10-2052
राहु	22-10-2052	- 07-12-2052
गुरु	07-12-2052	- 18-01-2053
शनि	18-01-2053	- 08-03-2053

## सूर्य-केतु

70व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	08-03-2053	- 15-03-2053
शुक्र	15-03-2053	- 06-04-2053
सूर्य	06-04-2053	- 12-04-2053
चन्द्र	12-04-2053	- 23-04-2053
मंगल	23-04-2053	- 30-04-2053
राहु	30-04-2053	- 19-05-2053
गुरु	19-05-2053	- 05-06-2053
शनि	05-06-2053	- 25-06-2053
बुध	25-06-2053	- 14-07-2053

## सूर्य-शुक्र

70व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	14-07-2053	- 12-09-2053
सूर्य	12-09-2053	- 01-10-2053
चन्द्र	01-10-2053	- 31-10-2053
मंगल	31-10-2053	- 21-11-2053
राहु	21-11-2053	- 15-01-2054
गुरु	15-01-2054	- 05-03-2054
शनि	05-03-2054	- 02-05-2054
बुध	02-05-2054	- 23-06-2054
केतु	23-06-2054	- 14-07-2054

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

चन्द्र महादशा : 14-07-2054 से 13-07-2064

आयु : 71व 11म से 81व 11म

## चन्द्र-चन्द्र

71व11म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	14-07-2054 - 08-08-2054	
मंगल	08-08-2054 - 26-08-2054	
राहु	26-08-2054 - 11-10-2054	
गुरु	11-10-2054 - 20-11-2054	
शनि	20-11-2054 - 07-01-2055	
बुध	07-01-2055 - 20-02-2055	
केतु	20-02-2055 - 09-03-2055	
शुक्र	09-03-2055 - 29-04-2055	
सूर्य	29-04-2055 - 14-05-2055	

## चन्द्र-मंगल

72व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	14-05-2055 - 27-05-2055	
राहु	27-05-2055 - 28-06-2055	
गुरु	28-06-2055 - 26-07-2055	
शनि	26-07-2055 - 29-08-2055	
बुध	29-08-2055 - 28-09-2055	
केतु	28-09-2055 - 10-10-2055	
शुक्र	10-10-2055 - 15-11-2055	
सूर्य	15-11-2055 - 26-11-2055	
चन्द्र	26-11-2055 - 13-12-2055	

## चन्द्र-राहु

73व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	13-12-2055 - 04-03-2056	
गुरु	04-03-2056 - 17-05-2056	
शनि	17-05-2056 - 11-08-2056	
बुध	11-08-2056 - 28-10-2056	
केतु	28-10-2056 - 29-11-2056	
शुक्र	29-11-2056 - 28-02-2057	
सूर्य	28-02-2057 - 28-03-2057	
चन्द्र	28-03-2057 - 12-05-2057	
मंगल	12-05-2057 - 13-06-2057	

## चन्द्र-गुरु

74व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	13-06-2057 - 17-08-2057	
शनि	17-08-2057 - 02-11-2057	
बुध	02-11-2057 - 10-01-2058	
केतु	10-01-2058 - 08-02-2058	
शुक्र	08-02-2058 - 30-04-2058	
सूर्य	30-04-2058 - 24-05-2058	
चन्द्र	24-05-2058 - 04-07-2058	
मंगल	04-07-2058 - 01-08-2058	
राहु	01-08-2058 - 13-10-2058	

## चन्द्र-शनि

76व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	13-10-2058 - 13-01-2059	
बुध	13-01-2059 - 05-04-2059	
केतु	05-04-2059 - 08-05-2059	
शुक्र	08-05-2059 - 13-08-2059	
सूर्य	13-08-2059 - 11-09-2059	
चन्द्र	11-09-2059 - 29-10-2059	
मंगल	29-10-2059 - 02-12-2059	
राहु	02-12-2059 - 26-02-2060	
गुरु	26-02-2060 - 13-05-2060	

## चन्द्र-बुध

77व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	13-05-2060 - 26-07-2060	
केतु	26-07-2060 - 25-08-2060	
शुक्र	25-08-2060 - 19-11-2060	
सूर्य	19-11-2060 - 15-12-2060	
चन्द्र	15-12-2060 - 27-01-2061	
मंगल	27-01-2061 - 26-02-2061	
राहु	26-02-2061 - 15-05-2061	
गुरु	15-05-2061 - 23-07-2061	
शनि	23-07-2061 - 13-10-2061	

## चन्द्र-केतु

79व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	13-10-2061 - 25-10-2061	
शुक्र	25-10-2061 - 30-11-2061	
सूर्य	30-11-2061 - 10-12-2061	
चन्द्र	10-12-2061 - 28-12-2061	
मंगल	28-12-2061 - 10-01-2062	
राहु	10-01-2062 - 11-02-2062	
गुरु	11-02-2062 - 11-03-2062	
शनि	11-03-2062 - 14-04-2062	
बुध	14-04-2062 - 14-05-2062	

## चन्द्र-शुक्र

79व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	14-05-2062 - 23-08-2062	
सूर्य	23-08-2062 - 23-09-2062	
चन्द्र	23-09-2062 - 13-11-2062	
मंगल	13-11-2062 - 18-12-2062	
राहु	18-12-2062 - 19-03-2063	
गुरु	19-03-2063 - 09-06-2063	
शनि	09-06-2063 - 13-09-2063	
बुध	13-09-2063 - 08-12-2063	
केतु	08-12-2063 - 13-01-2064	

## चन्द्र-सूर्य

81व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	13-01-2064 - 22-01-2064	
चन्द्र	22-01-2064 - 06-02-2064	
मंगल	06-02-2064 - 17-02-2064	
राहु	17-02-2064 - 15-03-2064	
गुरु	15-03-2064 - 08-04-2064	
शनि	08-04-2064 - 07-05-2064	
बुध	07-05-2064 - 02-06-2064	
उत्तर	02-06-2064 - 13-06-2064	
शुक्र	13-06-2064 - 13-07-2064	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

मंगल महादशा : 13-07-2064 से 14-07-2071

आयु : 81व 11म से 88व 11म

## मंगल-मंगल

81व11म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	13-07-2064	- 22-07-2064
राहु	22-07-2064	- 13-08-2064
गुरु	13-08-2064	- 02-09-2064
शनि	02-09-2064	- 26-09-2064
बुध	26-09-2064	- 17-10-2064
केतु	17-10-2064	- 26-10-2064
शुक्र	26-10-2064	- 20-11-2064
सूर्य	20-11-2064	- 27-11-2064
चन्द्र	27-11-2064	- 09-12-2064

## मंगल-राहु

82व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	09-12-2064	- 05-02-2065
गुरु	05-02-2065	- 28-03-2065
शनि	28-03-2065	- 28-05-2065
बुध	28-05-2065	- 21-07-2065
केतु	21-07-2065	- 12-08-2065
शुक्र	12-08-2065	- 15-10-2065
सूर्य	15-10-2065	- 04-11-2065
चन्द्र	04-11-2065	- 06-12-2065
मंगल	06-12-2065	- 28-12-2065

## मंगल-गुरु

83व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	28-12-2065	- 11-02-2066
शनि	11-02-2066	- 06-04-2066
बुध	06-04-2066	- 25-05-2066
केतु	25-05-2066	- 14-06-2066
शुक्र	14-06-2066	- 09-08-2066
सूर्य	09-08-2066	- 26-08-2066
चन्द्र	26-08-2066	- 24-09-2066
मंगल	24-09-2066	- 14-10-2066
राहु	14-10-2066	- 04-12-2066

## मंगल-शनि

84व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	04-12-2066	- 06-02-2067
बुध	06-02-2067	- 04-04-2067
केतु	04-04-2067	- 28-04-2067
शुक्र	28-04-2067	- 04-07-2067
सूर्य	04-07-2067	- 25-07-2067
चन्द्र	25-07-2067	- 27-08-2067
मंगल	27-08-2067	- 20-09-2067
राहु	20-09-2067	- 20-11-2067
गुरु	20-11-2067	- 13-01-2068

## मंगल-बुध

85व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	13-01-2068	- 04-03-2068
केतु	04-03-2068	- 25-03-2068
शुक्र	25-03-2068	- 24-05-2068
सूर्य	24-05-2068	- 12-06-2068
चन्द्र	12-06-2068	- 12-07-2068
मंगल	12-07-2068	- 02-08-2068
राहु	02-08-2068	- 25-09-2068
गुरु	25-09-2068	- 12-11-2068
शनि	12-11-2068	- 09-01-2069

## मंगल-केतु

86व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	09-01-2069	- 18-01-2069
शुक्र	18-01-2069	- 11-02-2069
सूर्य	11-02-2069	- 19-02-2069
चन्द्र	19-02-2069	- 03-03-2069
मंगल	03-03-2069	- 12-03-2069
राहु	12-03-2069	- 03-04-2069
गुरु	03-04-2069	- 23-04-2069
शनि	23-04-2069	- 17-05-2069
बुध	17-05-2069	- 07-06-2069

## मंगल-शुक्र

86व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	07-06-2069	- 17-08-2069
सूर्य	17-08-2069	- 07-09-2069
चन्द्र	07-09-2069	- 13-10-2069
मंगल	13-10-2069	- 07-11-2069
राहु	07-11-2069	- 10-01-2070
गुरु	10-01-2070	- 07-03-2070
शनि	07-03-2070	- 14-05-2070
बुध	14-05-2070	- 13-07-2070
केतु	13-07-2070	- 07-08-2070

## मंगल-सूर्य

88व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	07-08-2070	- 13-08-2070
चन्द्र	13-08-2070	- 24-08-2070
मंगल	24-08-2070	- 01-09-2070
राहु	01-09-2070	- 20-09-2070
गुरु	20-09-2070	- 07-10-2070
शनि	07-10-2070	- 27-10-2070
बुध	27-10-2070	- 14-11-2070
केतु	14-11-2070	- 22-11-2070
शुक्र	22-11-2070	- 13-12-2070

## मंगल-चन्द्र

88व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	13-12-2070	- 31-12-2070
मंगल	31-12-2070	- 12-01-2071
राहु	12-01-2071	- 13-02-2071
गुरु	13-02-2071	- 13-03-2071
शनि	13-03-2071	- 16-04-2071
बुध	16-04-2071	- 16-05-2071
केतु	16-05-2071	- 29-05-2071
शुक्र	29-05-2071	- 03-07-2071
सूर्य	03-07-2071	- 14-07-2071

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

राहु महादशा : 14-07-2071 से 13-07-2089

आयु : 88व 11म से 106व 11म

## राहु-राहु

88व11म\*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	14-07-2071	- 09-12-2071
गुरु	09-12-2071	- 18-04-2072
शनि	18-04-2072	- 22-09-2072
बुध	22-09-2072	- 08-02-2073
केतु	08-02-2073	- 07-04-2073
शुक्र	07-04-2073	- 18-09-2073
सूर्य	18-09-2073	- 06-11-2073
चन्द्र	06-11-2073	- 28-01-2074
मंगल	28-01-2074	- 26-03-2074

## राहु-गुरु

91व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	26-03-2074	- 21-07-2074
शनि	21-07-2074	- 07-12-2074
बुध	07-12-2074	- 10-04-2075
केतु	10-04-2075	- 31-05-2075
शुक्र	31-05-2075	- 24-10-2075
सूर्य	24-10-2075	- 07-12-2075
चन्द्र	07-12-2075	- 18-02-2076
मंगल	18-02-2076	- 09-04-2076
राहु	09-04-2076	- 19-08-2076

## राहु-शनि

94व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	19-08-2076	- 31-01-2077
बुध	31-01-2077	- 27-06-2077
केतु	27-06-2077	- 27-08-2077
शुक्र	27-08-2077	- 16-02-2078
सूर्य	16-02-2078	- 09-04-2078
चन्द्र	09-04-2078	- 05-07-2078
मंगल	05-07-2078	- 04-09-2078
राहु	04-09-2078	- 07-02-2079
गुरु	07-02-2079	- 26-06-2079

## राहु-बुध

96व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	26-06-2079	- 05-11-2079
केतु	05-11-2079	- 29-12-2079
शुक्र	29-12-2079	- 01-06-2080
सूर्य	01-06-2080	- 18-07-2080
चन्द्र	18-07-2080	- 03-10-2080
मंगल	03-10-2080	- 27-11-2080
राहु	27-11-2080	- 15-04-2081
गुरु	15-04-2081	- 18-08-2081
शनि	18-08-2081	- 12-01-2082

## राहु-केतु

99व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	12-01-2082	- 03-02-2082
शुक्र	03-02-2082	- 08-04-2082
सूर्य	08-04-2082	- 27-04-2082
चन्द्र	27-04-2082	- 29-05-2082
मंगल	29-05-2082	- 21-06-2082
राहु	21-06-2082	- 17-08-2082
गुरु	17-08-2082	- 07-10-2082
शनि	07-10-2082	- 07-12-2082
बुध	07-12-2082	- 31-01-2083

## राहु-शुक्र

100व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	31-01-2083	- 01-08-2083
सूर्य	01-08-2083	- 25-09-2083
चन्द्र	25-09-2083	- 25-12-2083
मंगल	25-12-2083	- 27-02-2084
राहु	27-02-2084	- 10-08-2084
गुरु	10-08-2084	- 03-01-2085
शनि	03-01-2085	- 25-06-2085
बुध	25-06-2085	- 27-11-2085
केतु	27-11-2085	- 30-01-2086

## राहु-सूर्य

103व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	30-01-2086	- 16-02-2086
चन्द्र	16-02-2086	- 15-03-2086
मंगल	15-03-2086	- 03-04-2086
राहु	03-04-2086	- 23-05-2086
गुरु	23-05-2086	- 05-07-2086
शनि	05-07-2086	- 26-08-2086
बुध	26-08-2086	- 12-10-2086
केतु	12-10-2086	- 31-10-2086
शुक्र	31-10-2086	- 25-12-2086

## राहु-चन्द्र

104व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	25-12-2086	- 09-02-2087
मंगल	09-02-2087	- 13-03-2087
राहु	13-03-2087	- 03-06-2087
गुरु	03-06-2087	- 15-08-2087
शनि	15-08-2087	- 10-11-2087
बुध	10-11-2087	- 26-01-2088
केतु	26-01-2088	- 27-02-2088
शुक्र	27-02-2088	- 28-05-2088
सूर्य	28-05-2088	- 25-06-2088

## राहु-मंगल

105व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	25-06-2088	- 17-07-2088
राहु	17-07-2088	- 13-09-2088
गुरु	13-09-2088	- 03-11-2088
शनि	03-11-2088	- 03-01-2089
बुध	03-01-2089	- 26-02-2089
केतु	26-02-2089	- 20-03-2089
शुक्र	20-03-2089	- 23-05-2089
सूर्य	23-05-2089	- 11-06-2089
चन्द्र	11-06-2089	- 13-07-2089

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



## विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

## केतु-गुरु-गुरु

आरम्भ	02-07-2025
अन्त	16-08-2025
गुरु	08-07-2025 05:08
शनि	15-07-2025 09:51
बुध	21-07-2025 20:23
कैतु	24-07-2025 12:01
शुक्र	01-08-2025 01:50
सूर्य	03-08-2025 08:22
चंद्र	07-08-2025 03:16
मंगल	09-08-2025 18:54
राहु	16-08-2025 14:32

## केतु-गुरु-शनि

आरम्भ	16-08-2025
अन्त	09-10-2025
शनि	25-08-2025 03:38
बुध	01-09-2025 19:09
कैतु	04-09-2025 22:43
शुक्र	13-09-2025 22:37
सूर्य	16-09-2025 15:23
चंद्र	21-09-2025 03:20
मंगल	24-09-2025 06:54
राहु	02-10-2025 09:13
गुरु	09-10-2025 13:56

## केतु-गुरु-बुध

आरम्भ	09-10-2025
अन्त	26-11-2025
बुध	16-10-2025 10:07
कैतु	19-10-2025 05:44
शुक्र	27-10-2025 06:54
सूर्य	29-10-2025 16:52
चंद्र	02-11-2025 17:27
मंगल	05-11-2025 13:03
राहु	12-11-2025 18:55
गुरु	19-11-2025 05:27
शनि	26-11-2025 20:58

## केतु-गुरु-केतु

आरम्भ	26-11-2025
अन्त	16-12-2025
केतु	28-11-2025 00:48
शुक्र	01-12-2025 08:21
सूर्य	02-12-2025 08:12
चंद्र	03-12-2025 23:59
मंगल	05-12-2025 03:49
राहु	08-12-2025 03:24
गुरु	10-12-2025 19:02
शनि	13-12-2025 22:36
बुध	16-12-2025 18:13

## केतु-गुरु-शुक्र

आरम्भ	16-12-2025
अन्त	11-02-2026
शुक्र	26-12-2025 05:28
सूर्य	29-12-2025 01:39
चंद्र	02-01-2026 19:17
मंगल	06-01-2026 02:50
राहु	14-01-2026 15:22
गुरु	22-01-2026 05:10
शनि	31-01-2026 05:04
बुध	08-02-2026 06:14
कैतु	11-02-2026 13:47

## केतु-गुरु-सूर्य

आरम्भ	11-02-2026
अन्त	28-02-2026
सूर्य	12-02-2026 10:14
चंद्र	13-02-2026 20:20
मंगल	14-02-2026 20:11
राहु	17-02-2026 09:33
गुरु	19-02-2026 16:06
शनि	22-02-2026 08:52
बुध	24-02-2026 18:49
कैतु	25-02-2026 18:41
शुक्र	28-02-2026 14:51

## केतु-गुरु-चंद्र

आरम्भ	28-02-2026
अन्त	29-03-2026
चंद्र	02-03-2026 23:40
मंगल	04-03-2026 15:26
राहु	08-03-2026 21:43
गुरु	12-03-2026 16:37
शनि	17-03-2026 04:34
बुध	21-03-2026 05:09
कैतु	22-03-2026 20:55
शुक्र	27-03-2026 14:33
सूर्य	29-03-2026 00:38

## केतु-गुरु-मंगल

आरम्भ	29-03-2026
अन्त	17-04-2026
मंगल	30-03-2026 04:29
राहु	02-04-2026 04:04
गुरु	04-04-2026 19:42
शनि	07-04-2026 23:16
बुध	10-04-2026 18:53
कैतु	11-04-2026 22:43
शुक्र	15-04-2026 06:15
सूर्य	16-04-2026 06:07
चंद्र	17-04-2026 21:53

## केतु-गुरु-राहु

आरम्भ	17-04-2026
अन्त	08-06-2026
राहु	25-04-2026 13:58
गुरु	02-05-2026 09:36
शनि	10-05-2026 11:55
बुध	17-05-2026 17:46
कैतु	20-05-2026 17:21
शुक्र	29-05-2026 05:53
सूर्य	31-05-2026 19:15
चंद्र	05-06-2026 01:31
मंगल	08-06-2026 01:06

## केतु-शनि-शनि

आरम्भ	08-06-2026
अन्त	11-08-2026
शनि	18-06-2026 04:40
बुध	27-06-2026 06:35
कैतु	01-07-2026 00:19
शुक्र	11-07-2026 16:42
सूर्य	14-07-2026 21:37
चंद्र	20-07-2026 05:48
मंगल	23-07-2026 23:32
राहु	02-08-2026 14:17
गुरु	11-08-2026 03:23

## केतु-शनि-बुध

आरम्भ	11-08-2026
अन्त	07-10-2026
बुध	19-08-2026 06:22
कैतु	22-08-2026 14:39
शुक्र	01-09-2026 04:03
सूर्य	04-09-2026 00:52
चंद्र	08-09-2026 19:34
मंगल	12-09-2026 03:51
राहु	20-09-2026 18:18
गुरु	28-09-2026 09:49
शनि	07-10-2026 11:44

## केतु-शनि-केतु

आरम्भ	07-10-2026
अन्त	31-10-2026
केतु	08-10-2026 20:48
शुक्र	12-10-2026 19:15
सूर्य	13-10-2026 23:35
चंद्र	15-10-2026 22:49
मंगल	17-10-2026 07:53
राहु	20-10-2026 20:53
गुरु	24-10-2026 00:27
शनि	27-10-2026 18:11
बुध	31-10-2026 02:28



## विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

केतु-शनि-शुक्र		केतु-शनि-सूर्य		केतु-शनि-चंद्र		केतु-शनि-मंगल	
आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त
आरम्भ	31-10-2026	आरम्भ	06-01-2027	आरम्भ	26-01-2027	आरम्भ	01-03-2027
अन्त	06-01-2027	अन्त	26-01-2027	अन्त	01-03-2027	अन्त	25-03-2027
शुक्र	11-11-2026 08:21	सूर्य	07-01-2027 14:00	चंद्र	29-01-2027 14:57	मंगल	02-03-2027 22:10
सूर्य	14-11-2026 17:18	चंद्र	09-01-2027 06:29	मंगल	31-01-2027 14:11	राहु	06-03-2027 11:10
चंद्र	20-11-2026 08:15	मंगल	10-01-2027 10:49	राहु	05-02-2027 15:37	गुरु	09-03-2027 14:44
मंगल	24-11-2026 06:42	राहु	13-01-2027 11:41	गुरु	10-02-2027 03:34	शनि	13-03-2027 08:28
राहु	04-12-2026 09:35	गुरु	16-01-2027 04:27	शनि	15-02-2027 11:46	बुध	16-03-2027 16:45
गुरु	13-12-2026 09:29	शनि	19-01-2027 09:22	बुध	20-02-2027 06:27	केतु	18-03-2027 01:49
शनि	24-12-2026 01:52	बुध	22-01-2027 06:11	केतु	22-02-2027 05:41	शुक्र	22-03-2027 00:16
बुध	02-01-2027 15:15	केतु	23-01-2027 10:31	शुक्र	27-02-2027 20:37	सूर्य	23-03-2027 04:37
केतु	06-01-2027 13:43	शुक्र	26-01-2027 19:29	सूर्य	01-03-2027 13:06	चंद्र	25-03-2027 03:50

केतु-शनि-राहु		केतु-शनि-गुरु		केतु-बुध-बुध		केतु-बुध-केतु	
आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त
आरम्भ	25-03-2027	आरम्भ	24-05-2027	आरम्भ	17-07-2027	आरम्भ	07-09-2027
अन्त	24-05-2027	अन्त	17-07-2027	अन्त	07-09-2027	अन्त	28-09-2027
राहु	03-04-2027 06:26	गुरु	01-06-2027 01:52	बुध	25-07-2027 03:00	केतु	08-09-2027 09:36
गुरु	11-04-2027 08:45	शनि	09-06-2027 14:59	केतु	28-07-2027 02:50	शुक्र	11-09-2027 22:07
शनि	20-04-2027 23:29	बुध	17-06-2027 06:29	शुक्र	05-08-2027 16:05	सूर्य	12-09-2027 23:28
बुध	29-04-2027 13:56	केतु	20-06-2027 10:03	सूर्य	08-08-2027 05:40	चंद्र	14-09-2027 17:43
केतु	03-05-2027 02:57	शुक्र	29-06-2027 09:57	चंद्र	12-08-2027 12:17	मंगल	15-09-2027 23:18
शुक्र	13-05-2027 05:50	सूर्य	02-07-2027 02:43	मंगल	15-08-2027 12:07	राहु	19-09-2027 03:22
सूर्य	16-05-2027 06:42	चंद्र	06-07-2027 14:40	राहु	23-08-2027 04:50	गुरु	21-09-2027 22:59
चंद्र	21-05-2027 08:09	मंगल	09-07-2027 18:14	गुरु	30-08-2027 01:02	शनि	25-09-2027 07:16
मंगल	24-05-2027 21:09	राहु	17-07-2027 20:33	शनि	07-09-2027 04:01	बुध	28-09-2027 07:06

केतु-बुध-शुक्र		केतु-बुध-सूर्य		केतु-बुध-चंद्र		केतु-बुध-मंगल	
आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त
आरम्भ	28-09-2027	आरम्भ	27-11-2027	आरम्भ	15-12-2027	आरम्भ	14-01-2028
अन्त	27-11-2027	अन्त	15-12-2027	अन्त	14-01-2028	अन्त	05-02-2028
शुक्र	08-10-2027 08:34	सूर्य	28-11-2027 13:37	चंद्र	18-12-2027 06:54	मंगल	16-01-2028 04:30
सूर्य	11-10-2027 09:00	चंद्र	30-11-2027 01:51	मंगल	20-12-2027 01:09	राहु	19-01-2028 08:34
चंद्र	16-10-2027 09:44	मंगल	01-12-2027 03:12	राहु	24-12-2027 13:49	गुरु	22-01-2028 04:11
मंगल	19-10-2027 22:15	राहु	03-12-2027 20:24	गुरु	28-12-2027 14:24	शनि	25-01-2028 12:28
राहु	28-10-2027 23:34	गुरु	06-12-2027 06:21	शनि	02-01-2028 09:06	बुध	28-01-2028 12:18
गुरु	06-11-2027 00:44	शनि	09-12-2027 03:10	बुध	06-01-2028 15:43	केतु	29-01-2028 17:53
शनि	15-11-2027 14:08	बुध	11-12-2027 16:44	केतु	08-01-2028 09:59	शुक्र	02-02-2028 06:24
बुध	24-11-2027 03:23	केतु	12-12-2027 18:05	शुक्र	13-01-2028 10:42	सूर्य	03-02-2028 07:45
केतु	27-11-2027 15:54	शुक्र	15-12-2027 18:32	सूर्य	14-01-2028 22:56	चंद्र	05-02-2028 02:00



## विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

केतु-बुध-राहु		केतु-बुध-गुरु		केतु-बुध-शनि		शुक्र-शुक्र-शुक्र	
आरम्भ	05-02-2028	आरम्भ	30-03-2028	आरम्भ	17-05-2028	आरम्भ	14-07-2028
अन्त	30-03-2028	अन्त	17-05-2028	अन्त	14-07-2028	अन्त	01-02-2029
राहु	13-02-2028 05:36	गुरु	05-04-2028 20:27	शनि	26-05-2028 18:53	शुक्र	16-08-2028 20:58
गुरु	20-02-2028 11:27	शनि	13-04-2028 11:58	बुध	03-06-2028 21:52	सूर्य	27-08-2028 00:27
शनि	29-02-2028 01:54	बुध	20-04-2028 08:10	केतु	07-06-2028 06:09	चंद्र	12-09-2028 22:17
बुध	07-03-2028 18:37	केतु	23-04-2028 03:47	शुक्र	16-06-2028 19:32	मंगल	24-09-2028 18:21
केतु	10-03-2028 22:41	शुक्र	01-05-2028 04:57	सूर्य	19-06-2028 16:22	राहु	25-10-2028 04:50
शुक्र	20-03-2028 00:00	सूर्य	03-05-2028 14:54	चंद्र	24-06-2028 11:03	गुरु	21-11-2028 06:10
सूर्य	22-03-2028 17:12	चंद्र	07-05-2028 15:29	मंगल	27-06-2028 19:21	शनि	23-12-2028 09:14
चंद्र	27-03-2028 05:52	मंगल	10-05-2028 11:06	राहु	06-07-2028 09:48	बुध	21-01-2029 03:08
मंगल	30-03-2028 09:55	राहु	17-05-2028 16:57	गुरु	14-07-2028 01:19	केतु	01-02-2029 23:12

शुक्र-शुक्र-सूर्य		शुक्र-शुक्र-चंद्र		शुक्र-शुक्र-मंगल		शुक्र-शुक्र-राहु	
आरम्भ	01-02-2029	आरम्भ	03-04-2029	आरम्भ	14-07-2029	आरम्भ	23-09-2029
अन्त	03-04-2029	अन्त	14-07-2029	अन्त	23-09-2029	अन्त	24-03-2030
सूर्य	05-02-2029 00:15	चंद्र	12-04-2029 07:05	मंगल	18-07-2029 10:33	राहु	20-10-2029 17:01
चंद्र	10-02-2029 02:00	मंगल	18-04-2029 05:08	राहु	29-07-2029 02:13	गुरु	14-11-2029 01:25
मंगल	13-02-2029 15:13	राहु	03-05-2029 10:22	गुरु	07-08-2029 13:29	शनि	12-12-2029 23:22
राहु	22-02-2029 18:22	गुरु	16-05-2029 23:02	शनि	18-08-2029 19:21	बुध	07-01-2030 20:17
गुरु	02-03-2029 21:10	शनि	02-06-2029 00:34	बुध	28-08-2029 20:49	केतु	18-01-2030 11:57
शनि	12-03-2029 12:29	बुध	16-06-2029 09:31	केतु	02-09-2029 00:15	शुक्र	17-02-2030 22:26
बुध	21-03-2029 03:27	केतु	22-06-2029 07:33	शुक्र	13-09-2029 20:19	सूर्य	27-02-2030 01:35
केतु	24-03-2029 16:41	शुक्र	09-07-2029 05:22	सूर्य	17-09-2029 09:33	चंद्र	14-03-2030 06:49
शुक्र	03-04-2029 20:10	सूर्य	14-07-2029 07:07	चंद्र	23-09-2029 07:35	मंगल	24-03-2030 22:30

शुक्र-शुक्र-गुरु		शुक्र-शुक्र-शनि		शुक्र-शुक्र-बुध		शुक्र-शुक्र-केतु	
आरम्भ	24-03-2030	आरम्भ	03-09-2030	आरम्भ	15-03-2031	आरम्भ	03-09-2031
अन्त	03-09-2030	अन्त	15-03-2031	अन्त	03-09-2031	अन्त	13-11-2031
गुरु	15-04-2030 13:57	शनि	03-10-2030 18:55	बुध	08-04-2031 11:14	केतु	07-09-2031 15:39
शनि	11-05-2030 06:48	बुध	31-10-2030 02:20	केतु	18-04-2031 12:42	शुक्र	19-09-2031 11:44
बुध	03-06-2030 06:43	केतु	11-11-2030 08:12	शुक्र	17-05-2031 06:36	सूर्य	23-09-2031 00:57
केतु	12-06-2030 17:59	शुक्र	13-12-2030 11:16	सूर्य	25-05-2031 21:34	चंद्र	28-09-2031 22:59
शुक्र	09-07-2030 19:18	सूर्य	23-12-2030 02:35	चंद्र	09-06-2031 06:31	मंगल	03-10-2031 02:25
सूर्य	17-07-2030 22:06	चंद्र	08-01-2031 04:07	मंगल	19-06-2031 07:59	राहु	13-10-2031 18:05
चंद्र	31-07-2030 10:46	मंगल	19-01-2031 10:00	राहु	15-07-2031 04:54	गुरु	23-10-2031 05:21
मंगल	09-08-2030 22:01	राहु	17-02-2031 07:57	गुरु	07-08-2031 04:49	शनि	03-11-2031 11:13
राहु	03-09-2030 06:25	गुरु	15-03-2031 00:49	शनि	03-09-2031 12:13	बुध	13-11-2031 12:41



## अष्टोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : मंगल ०वर्ष ४मास १२दिन  
जन्मकालीन दशा : मं-ल-ल-ल-ल

मंगल (८व)		० वर्ष - ०वर्ष४म	बुध (१७व)		०वर्ष४म - १७वर्ष४म	शनि (१०व)		१७वर्ष४म - २७वर्ष४म
अन्तर	आरम्भ	अन्त	अन्तर	आरम्भ	अन्त	अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल		-	बुध	11-12-1982 - 15-08-1985		शनि	11-12-1999 - 14-11-2000	
बुध		-	शनि	15-08-1985 - 13-03-1987		गुरु	14-11-2000 - 18-08-2002	
शनि		-	गुरु	13-03-1987 - 09-03-1990		राहु	18-08-2002 - 28-09-2003	
गुरु		-	राहु	09-03-1990 - 28-01-1992		शुक्र	28-09-2003 - 07-09-2005	
राहु		-	शुक्र	28-01-1992 - 19-05-1995		सूर्य	07-09-2005 - 29-03-2006	
शुक्र		-	सूर्य	19-05-1995 - 28-04-1996		चन्द्र	29-03-2006 - 18-08-2007	
सूर्य		-	चन्द्र	28-04-1996 - 07-09-1998		मंगल	18-08-2007 - 15-05-2008	
चन्द्र	29-07-1982 - 11-12-1982		मंगल	07-09-1998 - 11-12-1999		बुध	15-05-2008 - 11-12-2009	

गुरु (१९व)		२७वर्ष४म - ४६वर्ष४म	राहु (१२व)		४६वर्ष४म - ५८वर्ष४म	शुक्र (२१व)		५८वर्ष४म - ७९वर्ष४म
अन्तर	आरम्भ	अन्त	अन्तर	आरम्भ	अन्त	अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	11-12-2009 - 15-04-2013		राहु	10-12-2028 - 11-04-2030		शुक्र	10-12-2040 - 10-01-2045	
राहु	15-04-2013 - 26-05-2015		शुक्र	11-04-2030 - 11-08-2032		सूर्य	10-01-2045 - 12-03-2046	
शुक्र	26-05-2015 - 03-02-2019		सूर्य	11-08-2032 - 11-04-2033		चन्द्र	12-03-2046 - 09-02-2049	
सूर्य	03-02-2019 - 24-02-2020		चन्द्र	11-04-2033 - 11-12-2034		मंगल	09-02-2049 - 31-08-2050	
चन्द्र	24-02-2020 - 14-10-2022		मंगल	11-12-2034 - 01-11-2035		बुध	31-08-2050 - 21-12-2053	
मंगल	14-10-2022 - 12-03-2024		बुध	01-11-2035 - 20-09-2037		शनि	21-12-2053 - 01-12-2055	
बुध	12-03-2024 - 09-03-2027		शनि	20-09-2037 - 31-10-2038		गुरु	01-12-2055 - 11-08-2059	
शनि	09-03-2027 - 10-12-2028		गुरु	31-10-2038 - 10-12-2040		राहु	11-08-2059 - 10-12-2061	

सूर्य (६व)		७९वर्ष४म - ८५वर्ष४म	चन्द्र (१५व)		८५वर्ष४म - १००वर्ष४म
अन्तर	आरम्भ	अन्त	अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	10-12-2061 - 11-04-2062		चन्द्र	11-12-2067 - 10-01-2070	
चन्द्र	11-04-2062 - 10-02-2063		मंगल	10-01-2070 - 20-02-2071	
मंगल	10-02-2063 - 22-07-2063		बुध	20-02-2071 - 01-07-2073	
बुध	22-07-2063 - 01-07-2064		शनि	01-07-2073 - 20-11-2074	
शनि	01-07-2064 - 20-01-2065		गुरु	20-11-2074 - 11-07-2077	
गुरु	20-01-2065 - 09-02-2066		राहु	11-07-2077 - 12-03-2079	
राहु	09-02-2066 - 11-10-2066		शुक्र	12-03-2079 - 09-02-2082	
शुक्र	11-10-2066 - 11-12-2067		सूर्य	09-02-2082 - 10-12-2082	

## अष्टोत्तरी दशा लागू करने का नियम :

लग्न के अतिरिक्त राहु लग्नेश से केन्द्र या त्रिकोण में हो या कृष्णपक्ष में दिन में या शुक्लपक्ष में रात्रि में जन्म हो।

शास्त्रीय मत से आपकी कुण्डली में अष्टोत्तरी दशा लागू होती है।



## अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

## मंगल-चंद्र

आरम्भ	29-07-1982
अन्त	11-12-1982
चंद्र	
मंगल	
बुध	
शनि	
गुरु	
राहु	01-09-1982
शुक्र	19-11-1982
सूर्य	11-12-1982

## बुध-बुध

आरम्भ	11-12-1982
अन्त	15-08-1985
बुध	14-05-1983
शनि	13-08-1983
गुरु	01-02-1984
राहु	19-05-1984
शुक्र	25-11-1984
सूर्य	18-01-1985
चंद्र	03-06-1985
मंगल	15-08-1985

## बुध-शनि

आरम्भ	15-08-1985
अन्त	13-03-1987
शनि	07-10-1985
गुरु	16-01-1986
राहु	21-03-1986
शुक्र	11-07-1986
सूर्य	12-08-1986
चंद्र	30-10-1986
मंगल	12-12-1986
बुध	13-03-1987

## बुध-गुरु

आरम्भ	13-03-1987
अन्त	09-03-1990
गुरु	21-09-1987
राहु	20-01-1988
शुक्र	19-08-1988
सूर्य	19-10-1988
चंद्र	20-03-1989
मंगल	09-06-1989
बुध	28-11-1989
शनि	09-03-1990

## बुध-राहु

आरम्भ	09-03-1990
अन्त	28-01-1992
राहु	25-05-1990
शुक्र	06-10-1990
सूर्य	13-11-1990
चंद्र	17-02-1991
मंगल	09-04-1991
बुध	27-07-1991
शनि	28-09-1991
गुरु	28-01-1992

## बुध-शुक्र

आरम्भ	28-01-1992
अन्त	19-05-1995
शुक्र	19-09-1992
सूर्य	25-11-1992
चंद्र	11-05-1993
मंगल	09-08-1993
बुध	15-02-1994
शनि	07-06-1994
गुरु	05-01-1995
राहु	19-05-1995

## बुध-सूर्य

आरम्भ	19-05-1995
अन्त	28-04-1996
सूर्य	07-06-1995
चंद्र	25-07-1995
मंगल	20-08-1995
बुध	13-10-1995
शनि	14-11-1995
गुरु	14-01-1996
राहु	21-02-1996
शुक्र	28-04-1996

## बुध-चंद्र

आरम्भ	28-04-1996
अन्त	07-09-1998
चंद्र	26-08-1996
मंगल	29-10-1996
बुध	13-03-1997
शनि	01-06-1997
गुरु	31-10-1997
राहु	04-02-1998
शुक्र	22-07-1998
सूर्य	07-09-1998

## बुध-मंगल

आरम्भ	07-09-1998
अन्त	11-12-1999
मंगल	12-10-1998
बुध	23-12-1998
शनि	03-02-1999
गुरु	25-04-1999
राहु	16-06-1999
शुक्र	13-09-1999
सूर्य	08-10-1999
चंद्र	11-12-1999

## शनि-शनि

आरम्भ	11-12-1999
अन्त	14-11-2000
शनि	12-01-2000
गुरु	11-03-2000
राहु	18-04-2000
शुक्र	23-06-2000
सूर्य	11-07-2000
चंद्र	27-08-2000
मंगल	21-09-2000
बुध	14-11-2000

## शनि-गुरु

आरम्भ	14-11-2000
अन्त	18-08-2002
गुरु	07-03-2001
राहु	17-05-2001
शुक्र	19-09-2001
सूर्य	25-10-2001
चंद्र	22-01-2002
मंगल	10-03-2002
बुध	20-06-2002
शनि	18-08-2002

## शनि-राहु

आरम्भ	18-08-2002
अन्त	28-09-2003
राहु	02-10-2002
शुक्र	20-12-2002
सूर्य	12-01-2003
चंद्र	09-03-2003
मंगल	08-04-2003
बुध	11-06-2003
शनि	19-07-2003
गुरु	28-09-2003

## शनि-शुक्र

आरम्भ	28-09-2003
अन्त	07-09-2005
शुक्र	13-02-2004
सूर्य	23-03-2004
चंद्र	30-06-2004
मंगल	22-08-2004
बुध	12-12-2004
शनि	15-02-2005
गुरु	20-06-2005
राहु	07-09-2005

## शनि-सूर्य

आरम्भ	07-09-2005
अन्त	29-03-2006
सूर्य	18-09-2005
चंद्र	17-10-2005
मंगल	01-11-2005
बुध	03-12-2005
शनि	21-12-2005
गुरु	26-01-2006
राहु	18-02-2006
शुक्र	29-03-2006

## शनि-चंद्र

आरम्भ	29-03-2006
अन्त	18-08-2007
चंद्र	08-06-2006
मंगल	15-07-2006
बुध	03-10-2006
शनि	19-11-2006
गुरु	16-02-2007
राहु	14-04-2007
शुक्र	21-07-2007
सूर्य	18-08-2007



## अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

शनि-मंगल	शनि-बुध	गुरु-गुरु	गुरु-राहु	गुरु-शुक्र
आरम्भ 18-08-2007	आरम्भ 15-05-2008	आरम्भ 11-12-2009	आरम्भ 15-04-2013	आरम्भ 26-05-2015
अन्त 15-05-2008	अन्त 11-12-2009	अन्त 15-04-2013	अन्त 26-05-2015	अन्त 03-02-2019
मंगल 07-09-2007	बुध 13-08-2008	गुरु 14-07-2010	राहु 09-07-2013	शुक्र 12-02-2016
बुध 20-10-2007	शनि 06-10-2008	राहु 26-11-2010	शुक्र 06-12-2013	सूर्य 27-04-2016
शनि 14-11-2007	गुरु 15-01-2009	शुक्र 22-07-2011	सूर्य 18-01-2014	चंद्र 31-10-2016
गुरु 01-01-2008	राहु 20-03-2009	सूर्य 27-09-2011	चंद्र 05-05-2014	मंगल 08-02-2017
राहु 31-01-2008	शुक्र 09-07-2009	चंद्र 15-03-2012	मंगल 01-07-2014	बुध 09-09-2017
शुक्र 23-03-2008	सूर्य 10-08-2009	मंगल 13-06-2012	बुध 31-10-2014	शनि 12-01-2018
सूर्य 07-04-2008	चंद्र 29-10-2009	बुध 23-12-2012	शनि 10-01-2015	गुरु 06-09-2018
चंद्र 15-05-2008	मंगल 11-12-2009	शनि 15-04-2013	गुरु 26-05-2015	राहु 03-02-2019

गुरु-सूर्य	गुरु-चंद्र	गुरु-मंगल	गुरु-बुध	गुरु-शनि
आरम्भ 03-02-2019	आरम्भ 24-02-2020	आरम्भ 14-10-2022	आरम्भ 12-03-2024	आरम्भ 09-03-2027
अन्त 24-02-2020	अन्त 14-10-2022	अन्त 12-03-2024	अन्त 09-03-2027	अन्त 10-12-2028
सूर्य 25-02-2019	चंद्र 06-07-2020	मंगल 22-11-2022	बुध 30-08-2024	शनि 07-05-2027
चंद्र 19-04-2019	मंगल 16-09-2020	बुध 10-02-2023	शनि 10-12-2024	गुरु 28-08-2027
मंगल 18-05-2019	बुध 15-02-2021	शनि 30-03-2023	गुरु 20-06-2025	राहु 08-11-2027
बुध 17-07-2019	शनि 15-05-2021	गुरु 28-06-2023	राहु 19-10-2025	शुक्र 12-03-2028
शनि 22-08-2019	गुरु 31-10-2021	राहु 25-08-2023	शुक्र 20-05-2026	सूर्य 16-04-2028
गुरु 29-10-2019	राहु 15-02-2022	शुक्र 03-12-2023	सूर्य 19-07-2026	चंद्र 15-07-2028
राहु 11-12-2019	शुक्र 22-08-2022	सूर्य 31-12-2023	चंद्र 18-12-2026	मंगल 31-08-2028
शुक्र 24-02-2020	सूर्य 14-10-2022	चंद्र 12-03-2024	मंगल 09-03-2027	बुध 10-12-2028

राहु-राहु	राहु-शुक्र	राहु-सूर्य	राहु-चंद्र	राहु-मंगल
आरम्भ 10-12-2028	आरम्भ 11-04-2030	आरम्भ 11-08-2032	आरम्भ 11-04-2033	आरम्भ 11-12-2034
अन्त 11-04-2030	अन्त 11-08-2032	अन्त 11-04-2033	अन्त 11-12-2034	अन्त 01-11-2035
राहु 03-02-2029	शुक्र 24-09-2030	सूर्य 24-08-2032	चंद्र 05-07-2033	मंगल 04-01-2035
शुक्र 08-05-2029	सूर्य 10-11-2030	चंद्र 27-09-2032	मंगल 19-08-2033	बुध 24-02-2035
सूर्य 04-06-2029	चंद्र 09-03-2031	मंगल 15-10-2032	बुध 23-11-2033	शनि 26-03-2035
चंद्र 11-08-2029	मंगल 11-05-2031	बुध 22-11-2032	शनि 18-01-2034	गुरु 22-05-2035
मंगल 16-09-2029	बुध 22-09-2031	शनि 15-12-2032	गुरु 05-05-2034	राहु 27-06-2035
बुध 02-12-2029	शनि 10-12-2031	गुरु 27-01-2033	राहु 12-07-2034	शुक्र 29-08-2035
शनि 16-01-2030	गुरु 08-05-2032	राहु 23-02-2033	शुक्र 07-11-2034	सूर्य 16-09-2035
गुरु 11-04-2030	राहु 11-08-2032	शुक्र 11-04-2033	सूर्य 11-12-2034	चंद्र 01-11-2035



## अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

राहु-बुध	राहु-शनि	राहु-गुरु	शुक्र-शुक्र	शुक्र-सूर्य
आरम्भ 01-11-2035	आरम्भ 20-09-2037	आरम्भ 31-10-2038	आरम्भ 10-12-2040	आरम्भ 10-01-2045
अन्त 20-09-2037	अन्त 31-10-2038	अन्त 10-12-2040	अन्त 10-01-2045	अन्त 12-03-2046
बुध 17-02-2036	शनि 28-10-2037	गुरु 16-03-2039	शुक्र 26-09-2041	सूर्य 02-02-2045
शनि 21-04-2036	गुरु 07-01-2038	राहु 10-06-2039	सूर्य 18-12-2041	चंद्र 03-04-2045
गुरु 20-08-2036	राहु 21-02-2038	शुक्र 06-11-2039	चंद्र 13-07-2042	मंगल 04-05-2045
राहु 05-11-2036	शुक्र 11-05-2038	सूर्य 19-12-2039	मंगल 01-11-2042	बुध 10-07-2045
शुक्र 19-03-2037	सूर्य 03-06-2038	चंद्र 04-04-2040	बुध 24-06-2043	शनि 19-08-2045
सूर्य 26-04-2037	चंद्र 29-07-2038	मंगल 01-06-2040	शनि 09-11-2043	गुरु 02-11-2045
चंद्र 31-07-2037	मंगल 28-08-2038	बुध 30-09-2040	गुरु 28-07-2044	राहु 19-12-2045
मंगल 20-09-2037	बुध 31-10-2038	शनि 10-12-2040	राहु 10-01-2045	शुक्र 12-03-2046

शुक्र-चंद्र	शुक्र-मंगल	शुक्र-बुध	शुक्र-शनि	शुक्र-गुरु
आरम्भ 12-03-2046	आरम्भ 09-02-2049	आरम्भ 31-08-2050	आरम्भ 21-12-2053	आरम्भ 01-12-2055
अन्त 09-02-2049	अन्त 31-08-2050	अन्त 21-12-2053	अन्त 01-12-2055	अन्त 11-08-2059
चंद्र 07-08-2046	मंगल 23-03-2049	बुध 09-03-2051	शनि 24-02-2054	गुरु 25-07-2056
मंगल 25-10-2046	बुध 21-06-2049	शनि 29-06-2051	गुरु 29-06-2054	राहु 22-12-2056
बुध 10-04-2047	शनि 12-08-2049	गुरु 28-01-2052	राहु 16-09-2054	शुक्र 10-09-2057
शनि 18-07-2047	गुरु 20-11-2049	राहु 10-06-2052	शुक्र 01-02-2055	सूर्य 24-11-2057
गुरु 21-01-2048	राहु 22-01-2050	शुक्र 30-01-2053	सूर्य 13-03-2055	चंद्र 31-05-2058
राहु 19-05-2048	शुक्र 13-05-2050	सूर्य 07-04-2053	चंद्र 19-06-2055	मंगल 08-09-2058
शुक्र 12-12-2048	सूर्य 13-06-2050	चंद्र 22-09-2053	मंगल 11-08-2055	बुध 08-04-2059
सूर्य 09-02-2049	चंद्र 31-08-2050	मंगल 21-12-2053	बुध 01-12-2055	शनि 11-08-2059

शुक्र-राहु	सूर्य-सूर्य	सूर्य-चंद्र	सूर्य-मंगल	सूर्य-बुध
आरम्भ 11-08-2059	आरम्भ 10-12-2061	आरम्भ 11-04-2062	आरम्भ 10-02-2063	आरम्भ 22-07-2063
अन्त 10-12-2061	अन्त 11-04-2062	अन्त 10-02-2063	अन्त 22-07-2063	अन्त 01-07-2064
राहु 14-11-2059	सूर्य 17-12-2061	चंद्र 23-05-2062	मंगल 22-02-2063	बुध 14-09-2063
शुक्र 28-04-2060	चंद्र 03-01-2062	मंगल 15-06-2062	बुध 19-03-2063	शनि 16-10-2063
सूर्य 14-06-2060	मंगल 12-01-2062	बुध 02-08-2062	शनि 03-04-2063	गुरु 16-12-2063
चंद्र 10-10-2060	बुध 31-01-2062	शनि 30-08-2062	गुरु 02-05-2063	राहु 23-01-2064
मंगल 12-12-2060	शनि 12-02-2062	गुरु 23-10-2062	राहु 20-05-2063	शुक्र 30-03-2064
बुध 26-04-2061	गुरु 05-03-2062	राहु 25-11-2062	शुक्र 20-06-2063	सूर्य 18-04-2064
शनि 13-07-2061	राहु 18-03-2062	शुक्र 24-01-2063	सूर्य 29-06-2063	चंद्र 05-06-2064
गुरु 10-12-2061	शुक्र 11-04-2062	सूर्य 10-02-2063	चंद्र 22-07-2063	मंगल 01-07-2064



## अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

सूर्य-शनि	सूर्य-गुरु	सूर्य-राहु	सूर्य-शुक्र	चंद्र-चंद्र
आरम्भ 01-07-2064	आरम्भ 20-01-2065	आरम्भ 09-02-2066	आरम्भ 11-10-2066	आरम्भ 11-12-2067
अन्त 20-01-2065	अन्त 09-02-2066	अन्त 11-10-2066	अन्त 11-12-2067	अन्त 10-01-2070
शनि 20-07-2064	गुरु 29-03-2065	राहु 08-03-2066	शुक्र 02-01-2067	चंद्र 26-03-2068
गुरु 24-08-2064	राहु 10-05-2065	शुक्र 25-04-2066	सूर्य 25-01-2067	मंगल 21-05-2068
राहु 16-09-2064	शुक्र 24-07-2065	सूर्य 08-05-2066	चंद्र 25-03-2067	बुध 18-09-2068
शुक्र 25-10-2064	सूर्य 15-08-2065	चंद्र 11-06-2066	मंगल 26-04-2067	शनि 27-11-2068
सूर्य 06-11-2064	चंद्र 07-10-2065	मंगल 29-06-2066	बुध 02-07-2067	गुरु 10-04-2069
चंद्र 04-12-2064	मंगल 05-11-2065	बुध 06-08-2066	शनि 11-08-2067	राहु 04-07-2069
मंगल 19-12-2064	बुध 05-01-2066	शनि 29-08-2066	गुरु 25-10-2067	शुक्र 28-11-2069
बुध 20-01-2065	शनि 09-02-2066	गुरु 11-10-2066	राहु 11-12-2067	सूर्य 10-01-2070

चंद्र-मंगल	चंद्र-बुध	चंद्र-शनि	चंद्र-गुरु	चंद्र-राहु
आरम्भ 10-01-2070	आरम्भ 20-02-2071	आरम्भ 01-07-2073	आरम्भ 20-11-2074	आरम्भ 11-07-2077
अन्त 20-02-2071	अन्त 01-07-2073	अन्त 20-11-2074	अन्त 11-07-2077	अन्त 12-03-2079
मंगल 09-02-2070	बुध 05-07-2071	शनि 17-08-2073	गुरु 09-05-2075	राहु 17-09-2077
बुध 14-04-2070	शनि 23-09-2071	गुरु 14-11-2073	राहु 24-08-2075	शुक्र 13-01-2078
शनि 21-05-2070	गुरु 22-02-2072	राहु 10-01-2074	शुक्र 27-02-2076	सूर्य 16-02-2078
गुरु 01-08-2070	राहु 28-05-2072	शुक्र 18-04-2074	सूर्य 21-04-2076	चंद्र 11-05-2078
राहु 15-09-2070	शुक्र 11-11-2072	सूर्य 16-05-2074	चंद्र 02-09-2076	मंगल 26-06-2078
शुक्र 03-12-2070	सूर्य 29-12-2072	चंद्र 26-07-2074	मंगल 12-11-2076	बुध 29-09-2078
सूर्य 25-12-2070	चंद्र 28-04-2073	मंगल 01-09-2074	बुध 13-04-2077	शनि 25-11-2078
चंद्र 20-02-2071	मंगल 01-07-2073	बुध 20-11-2074	शनि 11-07-2077	गुरु 12-03-2079

चंद्र-शुक्र	चंद्र-सूर्य	मंगल-मंगल	मंगल-बुध	मंगल-शनि
आरम्भ 12-03-2079	आरम्भ 09-02-2082	आरम्भ 10-12-2082	आरम्भ 15-07-2083	आरम्भ 17-10-2084
अन्त 09-02-2082	अन्त 10-12-2082	अन्त 15-07-2083	अन्त 17-10-2084	अन्त 14-07-2085
शुक्र 05-10-2079	सूर्य 26-02-2082	मंगल 27-12-2082	बुध 25-09-2083	शनि 11-11-2084
सूर्य 03-12-2079	चंद्र 09-04-2082	बुध 30-01-2083	शनि 07-11-2083	गुरु 29-12-2084
चंद्र 29-04-2080	मंगल 02-05-2082	शनि 19-02-2083	गुरु 27-01-2084	राहु 28-01-2085
मंगल 17-07-2080	बुध 19-06-2082	गुरु 29-03-2083	राहु 18-03-2084	शुक्र 21-03-2085
बुध 01-01-2081	शनि 17-07-2082	राहु 22-04-2083	शुक्र 15-06-2084	सूर्य 05-04-2085
शनि 09-04-2081	गुरु 08-09-2082	शुक्र 03-06-2083	सूर्य 11-07-2084	चंद्र 13-05-2085
गुरु 14-10-2081	राहु 12-10-2082	सूर्य 15-06-2083	चंद्र 13-09-2084	मंगल 02-06-2085
राहु 09-02-2082	शुक्र 10-12-2082	चंद्र 15-07-2083	मंगल 17-10-2084	बुध 14-07-2085



## योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(प्रथम चक्र)

भोग्य दशा : धान्या ०वर्ष ६मास १८दिन

धान्या (३व)	० वर्ष -	०व६म	भ्रामरी (४व)	०व६म -	४व६म	भद्रिका (५व)	४व६म -	९व६म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
धान्या गु			भ्रामरी मं	17-02-1983	29-07-1983	भद्रिका बु	17-02-1987	28-10-1987
भ्रामरी मं			भद्रिकाबु	29-07-1983	17-02-1984	उल्का श	28-10-1987	28-08-1988
भद्रिकाबु			उल्का शा	17-02-1984	18-10-1984	सिद्धा शु	28-08-1988	18-08-1989
उल्का श			सिद्धा शु	18-10-1984	29-07-1985	संकटा रा	18-08-1989	28-09-1990
सिद्धा शु			संकटा रा	29-07-1985	18-06-1986	मंगला चं	28-09-1990	17-11-1990
संकटा रा	29-07-1982	18-11-1982	मंगला चं	18-06-1986	29-07-1986	पिंगला सू	17-11-1990	27-02-1991
मंगला चं	18-11-1982	18-12-1982	पिंगला सू	29-07-1986	18-10-1986	धान्या गु	27-02-1991	29-07-1991
पिंगला सू	18-12-1982	17-02-1983	धान्या गु	18-10-1986	17-02-1987	भ्रामरी मं	29-07-1991	17-02-1992

उल्का (६व)	९व६म -	१५व६म	सिद्धा (७व)	१५व६म -	२२व६म	संकटा (८व)	२२व६म -	३०व६म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श	17-02-1992	16-02-1993	सिद्धा शु	16-02-1998	29-06-1999	संकटा रा	16-02-2005	27-11-2006
सिद्धा शु	16-02-1993	18-04-1994	संकटा रा	29-06-1999	17-01-2001	मंगला चं	27-11-2006	17-02-2007
संकटा रा	18-04-1994	18-08-1995	मंगला चं	17-01-2001	29-03-2001	पिंगला सू	17-02-2007	29-07-2007
मंगला चं	18-08-1995	18-10-1995	पिंगला सू	29-03-2001	18-08-2001	धान्या गु	29-07-2007	28-03-2008
पिंगला सू	18-10-1995	17-02-1996	धान्या गु	18-08-2001	19-03-2002	भ्रामरी मं	28-03-2008	16-02-2009
धान्या गु	17-02-1996	18-08-1996	भ्रामरी मं	19-03-2002	28-12-2002	भद्रिका बु	16-02-2009	29-03-2010
भ्रामरी मं	18-08-1996	18-04-1997	भद्रिकाबु	28-12-2002	18-12-2003	उल्का श	29-03-2010	29-07-2011
भद्रिकाबु	18-04-1997	16-02-1998	उल्का श	18-12-2003	16-02-2005	सिद्धा शु	29-07-2011	16-02-2013

मंगला (१व)	३०व६म -	३१व६म	पिंगला (२व)	३१व६म -	३३व६म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
मंगला चं	16-02-2013	26-02-2013	पिंगला सू	16-02-2014	29-03-2014
पिंगला सू	26-02-2013	19-03-2013	धान्या गु	29-03-2014	29-05-2014
धान्या गु	19-03-2013	18-04-2013	भ्रामरी मं	29-05-2014	18-08-2014
भ्रामरी मं	18-04-2013	29-05-2013	भद्रिकाबु	18-08-2014	27-11-2014
भद्रिकाबु	29-05-2013	18-07-2013	उल्का श	27-11-2014	29-03-2015
उल्का श	18-07-2013	17-09-2013	सिद्धा शु	29-03-2015	18-08-2015
सिद्धा शु	17-09-2013	27-11-2013	संकटा रा	18-08-2015	28-01-2016
संकटा रा	27-11-2013	16-02-2014	मंगला चं	28-01-2016	17-02-2016



**योगिनी महा व अन्तर दशाएं**  
(द्वितीय चक्र)

धान्या (3व)	33व6म -	36व6म	भ्रामरी (4व)	36व6म -	40व6म	भद्रिका (5व)	40व6म -	45व6म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
धान्या गु	17-02-2016	18-05-2016	भ्रामरी मं	17-02-2019	29-07-2019	भद्रिका बु	17-02-2023	28-10-2023
भ्रामरी मं	18-05-2016	17-09-2016	भद्रिकाबु	29-07-2019	17-02-2020	उल्का श	28-10-2023	28-08-2024
भद्रिकाबु	17-09-2016	16-02-2017	उल्का शा	17-02-2020	17-10-2020	सिद्धा शु	28-08-2024	18-08-2025
उल्का श	16-02-2017	18-08-2017	सिद्धा शु	17-10-2020	28-07-2021	संकटा रा	18-08-2025	27-09-2026
सिद्धा शु	18-08-2017	19-03-2018	संकटा रा	28-07-2021	18-06-2022	मंगला चं	27-09-2026	17-11-2026
संकटा रा	19-03-2018	17-11-2018	मंगला चं	18-06-2022	29-07-2022	पिंगला सू	17-11-2026	27-02-2027
मंगला चं	17-11-2018	18-12-2018	पिंगलासू	29-07-2022	18-10-2022	धान्या गु	27-02-2027	29-07-2027
पिंगलासू	18-12-2018	17-02-2019	धान्या गु	18-10-2022	17-02-2023	भ्रामरी मं	29-07-2027	17-02-2028

उल्का (6व)	45व6म -	51व6म	सिद्धा (7व)	51व6म -	58व6म	संकटा (8व)	58व6म -	66व6म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श	17-02-2028	16-02-2029	सिद्धा शु	16-02-2034	28-06-2035	संकटा रा	16-02-2041	27-11-2042
सिद्धा शु	16-02-2029	18-04-2030	संकटा रा	28-06-2035	16-01-2037	मंगला चं	27-11-2042	16-02-2043
संकटा रा	18-04-2030	18-08-2031	मंगला चं	16-01-2037	28-03-2037	पिंगला सू	16-02-2043	29-07-2043
मंगला चं	18-08-2031	18-10-2031	पिंगलासू	28-03-2037	18-08-2037	धान्या गु	29-07-2043	28-03-2044
पिंगलासू	18-10-2031	17-02-2032	धान्या गु	18-08-2037	19-03-2038	भ्रामरी मं	28-03-2044	16-02-2045
धान्या गु	17-02-2032	17-08-2032	भ्रामरी मं	19-03-2038	28-12-2038	भद्रिकाबु	16-02-2045	29-03-2046
भ्रामरी मं	17-08-2032	18-04-2033	भद्रिकाबु	28-12-2038	18-12-2039	उल्का श	29-03-2046	29-07-2047
भद्रिकाबु	18-04-2033	16-02-2034	उल्का शा	18-12-2039	16-02-2041	सिद्धा शु	29-07-2047	16-02-2049

मंगला (1व)	66व6म -	67व6म	पिंगला (2व)	67व6म -	69व6म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
मंगला चं	16-02-2049	26-02-2049	पिंगला सू	16-02-2050	29-03-2050
पिंगला सू	26-02-2049	18-03-2049	धान्या गु	29-03-2050	29-05-2050
धान्या गु	18-03-2049	18-04-2049	भ्रामरी मं	29-05-2050	18-08-2050
भ्रामरी मं	18-04-2049	28-05-2049	भद्रिकाबु	18-08-2050	27-11-2050
भद्रिकाबु	28-05-2049	18-07-2049	उल्का श	27-11-2050	29-03-2051
उल्का श	18-07-2049	17-09-2049	सिद्धा शु	29-03-2051	18-08-2051
सिद्धा शु	17-09-2049	27-11-2049	संकटा रा	18-08-2051	27-01-2052
संकटा रा	27-11-2049	16-02-2050	मंगला चं	27-01-2052	17-02-2052



## योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(तृतीय चक्र)

धान्या (3व)	69व6म -	72व6म	भ्रामरी (4व)	72व6म -	76व6म	भद्रिका (5व)	76व6म -	81व6म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
धान्या गु	17-02-2052	18-05-2052	भ्रामरी मं	16-02-2055	29-07-2055	भद्रिका बु	16-02-2059	28-10-2059
भ्रामरी मं	18-05-2052	17-09-2052	भद्रिकाबु	29-07-2055	17-02-2056	उल्का श	28-10-2059	27-08-2060
भद्रिकाबु	17-09-2052	16-02-2053	उल्का शा	17-02-2056	17-10-2056	सिद्धा शु	27-08-2060	17-08-2061
उल्का श	16-02-2053	17-08-2053	सिद्धा शु	17-10-2056	28-07-2057	संकटा रा	17-08-2061	27-09-2062
सिद्धा शु	17-08-2053	18-03-2054	संकटा रा	28-07-2057	18-06-2058	मंगला चं	27-09-2062	17-11-2062
संकटा रा	18-03-2054	17-11-2054	मंगला चं	18-06-2058	28-07-2058	पिंगला सू	17-11-2062	26-02-2063
मंगला चं	17-11-2054	17-12-2054	पिंगला सू	28-07-2058	17-10-2058	धान्या गु	26-02-2063	29-07-2063
पिंगला सू	17-12-2054	16-02-2055	धान्या गु	17-10-2058	16-02-2059	भ्रामरी मं	29-07-2063	16-02-2064

उल्का (6व)	81व6म -	87व6म	सिद्धा (7व)	87व6म -	94व6म	संकटा (8व)	94व6म -	102व6म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श	16-02-2064	16-02-2065	सिद्धा शु	16-02-2070	28-06-2071	संकटा रा	16-02-2077	27-11-2078
सिद्धा शु	16-02-2065	18-04-2066	संकटा रा	28-06-2071	16-01-2073	मंगला चं	27-11-2078	16-02-2079
संकटा रा	18-04-2066	18-08-2067	मंगला चं	16-01-2073	28-03-2073	पिंगला सू	16-02-2079	28-07-2079
मंगला चं	18-08-2067	18-10-2067	पिंगला सू	28-03-2073	17-08-2073	धान्या गु	28-07-2079	28-03-2080
पिंगला सू	18-10-2067	16-02-2068	धान्या गु	17-08-2073	18-03-2074	भ्रामरी मं	28-03-2080	16-02-2081
धान्या गु	16-02-2068	17-08-2068	भ्रामरी मं	18-03-2074	27-12-2074	भद्रिका बु	16-02-2081	28-03-2082
भ्रामरी मं	17-08-2068	18-04-2069	भद्रिकाबु	27-12-2074	17-12-2075	उल्का श	28-03-2082	28-07-2083
भद्रिकाबु	18-04-2069	16-02-2070	उल्का शा	17-12-2075	16-02-2077	सिद्धा शु	28-07-2083	16-02-2085

मंगला (1व)	102व6म -	103व6म	पिंगला (2व)	103व6म -	105व6म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
मंगला चं	16-02-2085	26-02-2085	पिंगला सू	16-02-2086	28-03-2086
पिंगला सू	26-02-2085	18-03-2085	धान्या गु	28-03-2086	28-05-2086
धान्या गु	18-03-2085	17-04-2085	भ्रामरी मं	28-05-2086	17-08-2086
भ्रामरी मं	17-04-2085	28-05-2085	भद्रिकाबु	17-08-2086	27-11-2086
भद्रिकाबु	28-05-2085	18-07-2085	उल्का श	27-11-2086	29-03-2087
उल्का श	18-07-2085	17-09-2085	सिद्धा शु	29-03-2087	18-08-2087
सिद्धा शु	17-09-2085	27-11-2085	संकटा रा	18-08-2087	27-01-2088
संकटा रा	27-11-2085	16-02-2086	मंगला चं	27-01-2088	16-02-2088



## कालचक्र महा व अन्तर दशाएं

\* भोग्य दशा : वृष 6व 11मा 27दि \* जीव राशि : मीन \* देह राशि : वृश्चिक

वृष (16व)	0व 0मा	मिथुन (9व)	41व 11म	सिंह (5व)	50व 11म	कर्क (21व)	66व 11म
आरम्भ		आरम्भ	26-07-1989	आरम्भ	26-07-1998	आरम्भ	26-07-2003
अन्त		अन्त	26-04-1990	अन्त	25-12-1998	अन्त	26-04-2005
8 वृश्चिक दे		3 मिथुन	26-07-1989	11 कुंभ	26-07-1998	4 कर्क	26-07-2003
7 तुला		4 कक्ष	26-04-1990	12 मीन जी	25-12-1998	3 मिथुन	26-04-2005
6 कन्या		5 सिंह	25-01-1991	1 मेष	27-05-1999	2 वृष	25-01-2007
5 सिंह		6 कन्या	26-10-1991	2 वृष	26-10-1999	1 मेष	25-10-2008
4 कर्क		7 तुला	26-07-1992	3 मिथुन	26-03-2000	12 मीन जी	26-07-2010
3 मिथुन		8 वृश्चिक दे	26-04-1993	4 कर्क	25-08-2000	11 कुंभ	25-04-2012
2 वृष	29-07-1982	9 धनु	25-01-1994	5 सिंह	24-01-2001	10 मकर	24-01-2014
1 मेष	25-11-1982	10 मकर	26-10-1994	6 कन्या	26-06-2001	9 धनु	26-10-2015
12 मीन जी	26-03-1984	11 कुंभ	26-07-1995	7 तुला	25-11-2001	8 वृश्चिक दे	26-07-2017
11 कुंभ	26-07-1985	12 मीन जी	25-04-1996	8 वृश्चिक दे	26-04-2002	7 तुला	26-04-2019
10 मकर	25-11-1986	1 मेष	24-01-1997	9 धनु	25-09-2002	6 कन्या	24-01-2021
9 धनु	26-03-1988	2 वृष	25-10-1997	10 मकर	24-02-2003	5 सिंह	25-10-2022
कन्या (9व)	73व 11म	तुला (16व)	83व 11म	वृश्चिक (7व)	87व 11म	मीन (10व)	91व 11म
आरम्भ	26-07-2024	आरम्भ	26-07-2033	आरम्भ	26-07-2049	आरम्भ	25-07-2056
अन्त	25-04-2025	अन्त	25-11-2034	अन्त	24-02-2050	अन्त	26-05-2057
6 कन्या	26-07-2024	7 तुला	26-07-2033	8 वृश्चिक दे	26-07-2049	6 कन्या	25-07-2056
5 सिंह	25-04-2025	8 वृश्चिक दे	25-11-2034	7 तुला	24-02-2050	5 सिंह	26-05-2057
4 कर्क	24-01-2026	9 धनु	26-03-2036	6 कन्या	25-09-2050	4 कर्क	26-03-2058
3 मिथुन	25-10-2026	10 मकर	26-07-2037	5 सिंह	26-04-2051	3 मिथुन	24-01-2059
2 वृष	26-07-2027	11 कुंभ	25-11-2038	4 कर्क	25-11-2051	2 वृष	25-11-2059
1 मेष	25-04-2028	12 मीन जी	26-03-2040	3 मिथुन	25-06-2052	1 मेष	24-09-2060
12 मीन जी	24-01-2029	1 मेष	26-07-2041	2 वृष	24-01-2053	12 मीन जी	25-07-2061
11 कुंभ	25-10-2029	2 वृष	25-11-2042	1 मेष	25-08-2053	11 कुंभ	26-05-2062
10 मकर	26-07-2030	3 मिथुन	26-03-2044	12 मीन जी	26-03-2054	10 मकर	26-03-2063
9 धनु	26-04-2031	4 कर्क	26-07-2045	11 कुंभ	25-10-2054	9 धनु	25-01-2064
8 वृश्चिक दे	25-01-2032	5 सिंह	25-11-2046	10 मकर	26-05-2055	8 वृश्चिक दे	24-11-2064
7 तुला	25-10-2032	6 कन्या	26-03-2048	9 धनु	25-12-2055	7 तुला	24-09-2065
कुंभ (4व)	101व 11म	मकर (4व)	108व 11म	धनु (10व)	124व 11म	वृश्चिक (7व)	133व 11म
आरम्भ	26-07-2066	आरम्भ	26-07-2070	आरम्भ	26-07-2074	आरम्भ	25-07-2084
अन्त	24-11-2066	अन्त	24-11-2070	अन्त	26-05-2075	अन्त	23-02-2085
11 कुंभ	26-07-2066	4 कर्क	26-07-2070	3 मिथुन	26-07-2074	8 वृश्चिक दे	25-07-2084
12 मीन जी	24-11-2066	3 मिथुन	24-11-2070	4 कर्क	26-05-2075	7 तुला	23-02-2085
1 मेष	26-03-2067	2 वृष	26-03-2071	5 सिंह	25-03-2076	6 कन्या	24-09-2085
2 वृष	26-07-2067	1 मेष	26-07-2071	6 कन्या	24-01-2077	5 सिंह	25-04-2086
3 मिथुन	25-11-2067	12 मीन जी	25-11-2071	7 तुला	24-11-2077	4 कर्क	24-11-2086
4 कर्क	25-03-2068	11 कुंभ	25-03-2072	8 वृश्चिक दे	24-09-2078	3 मिथुन	25-06-2087
5 सिंह	25-07-2068	10 मकर	25-07-2072	9 धनु	26-07-2079	2 वृष	24-01-2088
6 कन्या	24-11-2068	9 धनु	24-11-2072	10 मकर	25-05-2080	1 मेष	24-08-2088
7 तुला	26-03-2069	8 वृश्चिक दे	26-03-2073	11 कुंभ	26-03-2081	12 मीन जी	26-03-2089
8 वृश्चिक दे	25-07-2069	7 तुला	25-07-2073	12 मीन जी	24-01-2082	11 कुंभ	25-10-2089
9 धनु	24-11-2069	6 कन्या	24-11-2073	1 मेष	24-11-2082	10 मकर	26-05-2090
10 मकर	26-03-2070	5 सिंह	26-03-2074	2 वृष	25-09-2083	9 धनु	25-12-2090

\* तिथियाँ दशा आरम्भ काल की दी गई हैं। \*



## कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

\*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।  
\* जीव राशि : मीन \* देह राशि : वृश्चिक

## वृष-वृष

आरम्भ	29-07-1982
अन्त	25-11-1982
वृश्चिक	
तुला	
कन्या	
सिंह	
कर्क	
मिथुन	
वृष	
मेष	
मीन	
कुंभ	29-07-1982
मकर	05-09-1982
धनु	16-10-1982

## वृष-मेष

आरम्भ	25-11-1982
अन्त	26-03-1984
तुला	25-11-1982
वृश्चिक	05-01-1983
धनु	14-02-1983
मकर	27-03-1983
कुंभ	06-05-1983
मीन	16-06-1983
वृष	27-07-1983
मेष	05-09-1983
मीन	16-10-1983
कुंभ	25-11-1983
मकर	25-11-1983
धनु	15-02-1984

## वृष-मीन जी

आरम्भ	26-03-1984
अन्त	26-07-1985
कन्या	26-03-1984
सिंह	06-05-1984
कर्क	15-06-1984
मिथुन	26-07-1984
वृष	04-09-1984
मेष	15-10-1984
मीन	25-11-1984
वृष	27-07-1983
मेष	05-09-1983
मीन	16-10-1983
कुंभ	25-11-1983
मकर	05-01-1984
धनु	15-02-1984

## वृष-कुंभ

आरम्भ	26-07-1985
अन्त	25-11-1986
कुंभ	26-07-1985
मीन	05-09-1985
मेष	15-10-1985
वृष	25-11-1985
मिथुन	04-01-1986
कर्क	14-02-1986
सिंह	27-03-1986
कन्या	06-05-1986
तुला	16-06-1986
वृश्चिक	26-07-1986
धनु	05-09-1986
मकर	15-10-1986

## वृष-मकर

आरम्भ	25-11-1986
अन्त	26-03-1988
कर्क	25-11-1986
मिथुन	05-01-1987
वृष	14-02-1987
मेष	27-03-1987
मीन	06-05-1987
कुंभ	16-06-1987
मकर	27-07-1987
धनु	05-09-1987
वृश्चिक	16-10-1987
तुला	25-11-1987
कन्या	05-01-1988
सिंह	14-02-1988

## वृष-धनु

आरम्भ	26-03-1988
अन्त	26-07-1989
मिथुन	26-03-1988
कर्क	06-05-1988
सिंह	15-06-1988
कन्या	26-07-1988
तुला	04-09-1988
वृश्चिक	15-10-1988
धनु	25-11-1988
मकर	04-01-1989
कुंभ	14-02-1989
मीन	26-03-1989
मेष	06-05-1989
वृष	15-06-1989

## मिथुन-मिथुन

आरम्भ	26-07-1989
अन्त	26-04-1990
मिथुन	26-07-1989
कर्क	18-08-1989
सिंह	10-09-1989
कन्या	03-10-1989
तुला	25-10-1989
वृश्चिक	17-11-1989
धनु	10-12-1989
मकर	02-01-1990
कुंभ	25-01-1990
मीन	16-02-1990
मेष	11-03-1990
वृष	03-04-1990

## मिथुन-कर्क

आरम्भ	26-04-1990
अन्त	25-01-1991
कर्क	26-04-1990
मिथुन	19-05-1990
वृष	11-06-1990
मेष	03-07-1990
मीन	26-07-1990
वृष	18-08-1990
कर्क	10-09-1990
सिंह	19-10-1990
कन्या	03-11-1990
तुला	25-11-1990
वृश्चिक	17-12-1990
धनु	05-01-1991
मकर	27-01-1991
कुंभ	19-02-1991
मीन	08-03-1991
वृष	26-04-1991
कर्क	14-05-1991
सिंह	26-06-1991
कन्या	10-07-1991
तुला	28-07-1991
वृश्चिक	14-08-1991
धनु	02-09-1991
मकर	24-09-1991
कुंभ	10-10-1991
मीन	28-10-1991
वृष	13-11-1991
कर्क	27-11-1991
सिंह	10-12-1991
कन्या	24-12-1991
तुला	09-01-1992
वृश्चिक	23-01-1992
धनु	08-02-1992
मकर	22-02-1992
कुंभ	09-03-1992
मीन	23-03-1992
वृष	07-04-1992
कर्क	21-04-1992
सिंह	05-05-1992
कन्या	19-05-1992
तुला	06-06-1992
वृश्चिक	20-06-1992
धनु	04-07-1992
मकर	18-07-1992
कुंभ	01-08-1992
मीन	15-08-1992
वृष	09-09-1992
कर्क	23-09-1992
सिंह	07-10-1992
कन्या	21-10-1992
तुला	05-11-1992
वृश्चिक	19-11-1992
धनु	03-12-1992
मकर	17-12-1992
कुंभ	01-01-1993
मीन	15-01-1993
वृष	08-02-1993
कर्क	22-02-1993
सिंह	06-03-1993
कन्या	20-03-1993
तुला	07-04-1993
वृश्चिक	21-04-1993
धनु	05-05-1993
मकर	19-05-1993
कुंभ	03-06-1993
मीन	17-06-1993
वृष	10-07-1993
कर्क	24-07-1993
सिंह	08-08-1993
कन्या	22-08-1993
तुला	06-09-1993
वृश्चिक	20-09-1993
धनु	04-10-1993
मकर	18-10-1993
कुंभ	02-11-1993
मीन	16-11-1993
वृष	09-12-1993
कर्क	23-12-1993
सिंह	07-01-1994
कन्या	21-01-1994
तुला	08-02-1994
वृश्चिक	22-02-1994
धनु	06-03-1994
मकर	20-03-1994
कुंभ	04-04-1994
मीन	18-04-1994
वृष	11-05-1994
कर्क	25-05-1994
सिंह	09-06-1994
कन्या	23-06-1994
तुला	10-07-1994
वृश्चिक	24-07-1994
धनु	12-08-1994
मकर	26-08-1994
कुंभ	10-09-1994
मीन	24-09-1994
वृष	17-10-1994
कर्क	31-10-1994
सिंह	15-11-1994
कन्या	29-11-1994
तुला	16-12-1994
वृश्चिक	03-01-1995
धनु	17-01-1995
मकर	31-01-1995
कुंभ	14-02-1995
मीन	28-02-1995
वृष	11-03-1995
कर्क	25-03-1995
सिंह	09-04-1995
कन्या	23-04-1995
तुला	10-05-1995
वृश्चिक	24-05-1995
धनु	12-06-1995
मकर	26-06-1995
कुंभ	10-07-1995
मीन	24-07-1995
वृष	17-08-1995
कर्क	31-08-1995
सिंह	15-09-1995
कन्या	29-09-1995
तुला	16-10-1995
वृश्चिक	03-11-1995
धनु	17-11-1995
मकर	31-11-1995
कुंभ	14-12-1995
मीन	28-12-1995
वृष	10-01-1996
कर्क	25-01-1996
सिंह	12-02-1996
कन्या	26-02-1996
तुला	13-03-1996
वृश्चिक	27-03-1996
धनु	15-04-1996
मकर	31-04-1996
कुंभ	17-05-1996
मीन	31-05-1996
वृष	16-06-1996
कर्क	30-06-1996
सिंह	18-07-1996
कन्या	31-07-1996
तुला	19-08-1996
वृश्चिक	02-09-1996
धनु	16-09-1996
मकर	30-09-1996
कुंभ	17-10-1996
मीन	31-10-1996
वृष	19-11-1996
कर्क	02-12-1996
सिंह	16-12-1996
कन्या	30-12-1996
तुला	17-01-1997
वृश्चिक	31-01-1997
धनु	18-02-1997
मकर	01-03-1997
कुंभ	15-03-1997
मीन	29-03-1997
वृष	11-04-1997
कर्क	25-04-1997
सिंह	13-05-1997
कन्या	27-05-1997
तुला	14-06-1997
वृश्चिक	28-06-1997
धनु	12-07-1997
मकर	26-07-1997
कुंभ	09-08-1997
मीन	23-08-1997
वृष	07-09-1997
कर्क	21-09-1997
सिंह	09-10-1997
कन्या	23-10-1997
तुला	10-11-1997
वृश्चिक	24-11-1997
धनु	12-12-1997
मकर	05-01-1998
कुंभ	19-01-1998
मीन	03-02-1998
वृष	17-02-1998
कर्क	31-02-1998
सिंह	18-03-1998
कन्या	01-04-1998
तुला	15-04-1998
वृश्चिक	29-04-1998
धनु	17-05-1998
मकर	01-06-1998
कुंभ	15-06-1998
मीन	29-06-1998
वृष	17-07-1998
कर्क	31-07-1998
सिंह	18-08-1998
कन्या	01-09-1998
तुला	15-09-1998
वृश्चिक	29-09-1998
धनु	17-10-1998
मकर	01-11-1998
कुंभ	15-11-1998
मीन	29-11-1998
वृष	17-12-1998
कर्क	31-12-1998
सिंह	18-01-1999
कन्या	01-02-1999
तुला	15-02-1999
वृश्चिक	29-02-1999
धनु	17-03-1999
मकर	01-04-1999
कुंभ	15-04-1999
मीन	29-04-1999
वृष	17-05-1999
कर्क	31-05-1999
सिंह	18-06-1999
कन्या	01-07-1999
तुला	15-07-1999
वृश्चिक	29-07-1999
धनु	17-08-1999
मकर	01-09-1999
कुंभ	15-09-1999



## कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

\*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।  
\* जीव राशि : मीन \* देह राशि : वृश्चिक

## मिथुन-मीन जी

आरम्भ 25-04-1996

अन्त 24-01-1997

कन्या	25-04-1996
सिंह	18-05-1996
कर्क	10-06-1996
मिथुन	03-07-1996
वृष	26-07-1996
मेष	18-08-1996
मीन	09-09-1996
कुम्भ	02-10-1996
मकर	25-10-1996
धनु	17-11-1996
वृश्चिक	10-12-1996
तुला	02-01-1997

## मिथुन-मेष

आरम्भ 24-01-1997

अन्त 25-10-1997

तुला	24-01-1997
वृश्चिक	16-02-1997
धनु	11-03-1997
मकर	03-04-1997
कुम्भ	26-04-1997
मीन	18-05-1997
मेष	10-06-1997
वृष	03-07-1997
मिथुन	26-07-1997
कर्क	18-08-1997
धनु	19-09-1997
वृश्चिक	10-10-1997
तुला	02-10-1997

## मिथुन-वृष

आरम्भ 25-10-1997

अन्त 26-07-1998

वृश्चिक	25-10-1997
तुला	17-11-1997
कन्या	10-12-1997
मिथुन	02-01-1998
कर्क	25-01-1998
मिथुन	16-02-1998
वृष	11-03-1998
मेष	03-04-1998
कन्या	23-10-1998
मीन	26-04-1998
वृष	19-05-1998
मकर	11-06-1998
धनु	03-07-1998

## सिंह-कुम्भ

आरम्भ 26-07-1998

अन्त 25-12-1998

कुम्भ	26-07-1998
मीन	08-08-1998
मेष	21-08-1998
वृष	02-09-1998
मिथुन	15-09-1998
कर्क	28-09-1998
सिंह	10-10-1998
कन्या	23-10-1998
मीन	05-11-1998
वृश्चिक	17-11-1998
धनु	30-11-1998
मकर	13-12-1998

## सिंह-मीन जी

आरम्भ 25-12-1998

अन्त 27-05-1999

कन्या	25-12-1998
सिंह	07-01-1999
कर्क	20-01-1999
मिथुन	01-02-1999
वृष	14-02-1999
मेष	27-02-1999
मीन	12-03-1999
कुम्भ	24-03-1999
मकर	06-04-1999
धनु	19-04-1999
वृश्चिक	01-05-1999
तुला	14-05-1999

## सिंह-मेष

आरम्भ 27-05-1999

अन्त 26-10-1999

तुला	27-05-1999
वृश्चिक	08-06-1999
धनु	21-06-1999
मकर	04-07-1999
कुम्भ	16-07-1999
मीन	29-07-1999
मेष	11-08-1999
वृष	23-08-1999
मिथुन	05-09-1999
कर्क	18-09-1999
सिंह	30-09-1999
कन्या	13-10-1999

## सिंह-वृष

आरम्भ 26-10-1999

अन्त 26-03-2000

वृश्चिक	26-10-1999
तुला	07-11-1999
कन्या	20-11-1999
सिंह	03-12-1999
कर्क	16-12-1999
मीन	28-12-1999
वृष	10-01-2000
मेष	23-01-2000
कुम्भ	04-02-2000
धनु	17-02-2000
मकर	01-03-2000
धनु	13-03-2000

## सिंह-मिथुन

आरम्भ 26-03-2000

अन्त 25-08-2000

मिथुन	26-03-2000
कर्क	08-04-2000
सिंह	20-04-2000
कन्या	03-05-2000
तुला	16-05-2000
वृश्चिक	28-05-2000
धनु	10-06-2000
मकर	23-06-2000
कुम्भ	05-07-2000
मीन	18-07-2000
मेष	31-07-2000
वृष	12-08-2000

## सिंह-कर्क

आरम्भ 25-08-2000

अन्त 24-01-2001

कर्क	25-08-2000
मिथुन	07-09-2000
वृष	20-09-2000
मेष	02-10-2000
वृष	03-10-2000
मिथुन	15-10-2000
कर्क	28-10-2000
मकर	09-11-2000
सिंह	10-04-2001
कन्या	23-04-2001
तुला	06-05-2001
वृश्चिक	18-05-2001
धनु	31-05-2001
मकर	13-06-2001

## सिंह-सिंह

आरम्भ 24-01-2001

अन्त 26-06-2001

कुम्भ	24-01-2001
मीन	06-02-2001
मेष	19-02-2001
वृष	03-03-2001
मिथुन	16-03-2001
कर्क	29-03-2001
सिंह	10-04-2001
कन्या	23-04-2001
तुला	06-05-2001
वृश्चिक	18-05-2001
धनु	31-05-2001
मकर	13-06-2001

## सिंह-कन्या

आरम्भ 26-06-2001

अन्त 25-11-2001

तुला	25-11-2001
वृश्चिक	07-12-2001
धनु	20-12-2001
मकर	02-01-2002
कुम्भ	14-01-2002
मीन	27-01-2002
वृष	09-02-2002
मेष	21-02-2002
कर्क	19-03-2002
धनु	06-03-2002
मिथुन	18-04-2002
कन्या	13-04-2002

## सिंह-तुला

आरम्भ 25-11-2001

अन्त 26-04-2002

वृश्चिक	26-04-2002
तुला	09-05-2002
कन्या	21-05-2002
सिंह	03-06-2002
कर्क	16-06-2002
मिथुन	28-06-2002
वृष	11-07-2002
मेष	24-07-2002
कुम्भ	18-08-2002
मीन	31-08-2002
धनु	12-09-2002

## सिंह-वृश्चिक दे

आरम्भ 26-04-2002

अन्त 25-09-2002

मिथुन	25-09-2002
कर्क	08-10-2002
सिंह	20-10-2002
कन्या	02-11-2002
तुला	15-11-2002
वृश्चिक	27-11-2002
धनु	10-12-2002
मकर	23-12-2002
कुम्भ	05-01-2003
मीन	17-01-2003
मेष	30-01-2003
वृष	12-02-2003

## सिंह-धनु

आरम्भ 25-09-2002

अन्त 24-02-2003

कर्क	24-02-2003
मिथुन	09-03-2003
वृष	22-03-2003
मेष	03-04-2003
मीन	16-04-2003
कुम्भ	29-04-2003
धनु	11-05-2003
मकर	24-05-2003
वृश्चिक	06-06-2003
तुला	18-06-2003
कन्या	01-07-2003
सिंह	14-07-2003





## कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

\*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।  
\* जीव राशि : मीन \* देह राशि : वृश्चिक

कर्क-कर्क	कर्क-मिथुन	कर्क-वृष	कर्क-मेष	कर्क-मीन जी
आरम्भ 26-07-2003	आरम्भ 26-04-2005	आरम्भ 25-01-2007	आरम्भ 25-10-2008	आरम्भ 26-07-2010
अन्त 26-04-2005	अन्त 25-01-2007	अन्त 25-10-2008	अन्त 26-07-2010	अन्त 25-04-2012
कर्क 26-07-2003	मिथुन 26-04-2005	वृश्चिक 25-01-2007	तुला 25-10-2008	कन्या 26-07-2010
मिथुन 18-09-2003	कक्ष 18-06-2005	तुला 19-03-2007	वृश्चिक 17-12-2008	सिंह 17-09-2010
वृष 10-11-2003	सिंह 10-08-2005	कन्या 11-05-2007	धनु 08-02-2009	कर्क 10-11-2010
मेष 02-01-2004	कन्या 02-10-2005	सिंह 04-07-2007	मकर 03-04-2009	मिथुन 02-01-2011
मीन 24-02-2004	तुला 25-11-2005	कर्क 26-08-2007	कुंभ 26-05-2009	वृष 24-02-2011
कुंभ 18-04-2004	वृश्चिक 17-01-2006	मिथुन 18-10-2007	मीन 18-07-2009	मेष 18-04-2011
मकर 10-06-2004	धनु 11-03-2006	वृष 10-12-2007	मेष 10-09-2009	मीन 11-06-2011
धनु 02-08-2004	मकर 03-05-2006	मेष 02-02-2008	वृष 02-11-2009	कुंभ 03-08-2011
वृश्चिक 25-09-2004	कुंभ 26-06-2006	मीन 26-03-2008	मिथुन 25-12-2009	मकर 25-09-2011
तुला 17-11-2004	मीन 18-08-2006	कुंभ 18-05-2008	कर्क 16-02-2010	धनु 18-11-2011
कन्या 09-01-2005	मेष 10-10-2006	मकर 10-07-2008	सिंह 11-04-2010	वृश्चिक 10-01-2012
सिंह 03-03-2005	वृष 03-12-2006	धनु 02-09-2008	कन्या 03-06-2010	तुला 03-03-2012

कर्क-कुंभ	कर्क-मकर	कर्क-धनु	कर्क-वृश्चिक दे	कर्क-तुला
आरम्भ 25-04-2012	आरम्भ 24-01-2014	आरम्भ 26-10-2015	आरम्भ 26-07-2017	आरम्भ 26-04-2019
अन्त 24-01-2014	अन्त 26-10-2015	अन्त 26-07-2017	अन्त 26-04-2019	अन्त 24-01-2021
कुंभ 25-04-2012	कर्क 24-01-2014	मिथुन 26-10-2015	वृश्चिक 26-07-2017	तुला 26-04-2019
मीन 18-06-2012	मिथुन 19-03-2014	कर्क 18-12-2015	तुला 17-09-2017	वृश्चिक 18-06-2019
मेष 10-08-2012	वृष 11-05-2014	सिंह 09-02-2016	कन्या 09-11-2017	धनु 11-08-2019
वृष 02-10-2012	मेष 03-07-2014	कन्या 02-04-2016	सिंह 02-01-2018	मकर 03-10-2019
मिथुन 24-11-2012	मीन 26-08-2014	तुला 26-05-2016	कर्क 24-02-2018	कुंभ 25-11-2019
कर्क 17-01-2013	कुंभ 18-10-2014	वृश्चिक 18-07-2016	मिथुन 18-04-2018	मीन 17-01-2020
सिंह 11-03-2013	मकर 10-12-2014	धनु 09-09-2016	वृष 10-06-2018	मेष 11-03-2020
कन्या 03-05-2013	धनु 01-02-2015	मकर 02-11-2016	मेष 03-08-2018	वृष 03-05-2020
तुला 25-06-2013	वृश्चिक 27-03-2015	कुंभ 25-12-2016	मीन 25-09-2018	मिथुन 25-06-2020
वृश्चिक 18-08-2013	तुला 19-05-2015	मीन 16-02-2017	कुंभ 17-11-2018	कर्क 17-08-2020
धनु 10-10-2013	कन्या 11-07-2015	मेष 10-04-2017	मकर 09-01-2019	सिंह 10-10-2020
मकर 02-12-2013	सिंह 02-09-2015	वृष 03-06-2017	धनु 04-03-2019	कन्या 02-12-2020

कर्क-कन्या	कर्क-सिंह	कन्या-कन्या	कन्या-सिंह	कन्या-कर्क
आरम्भ 24-01-2021	आरम्भ 25-10-2022	आरम्भ 26-07-2024	आरम्भ 25-04-2025	आरम्भ 24-01-2026
अन्त 25-10-2022	अन्त 26-07-2024	अन्त 25-04-2025	अन्त 24-01-2026	अन्त 25-10-2026
कन्या 24-01-2021	कुंभ 25-10-2022	कन्या 26-07-2024	कुंभ 25-04-2025	कर्क 24-01-2026
सिंह 18-03-2021	मोन 18-12-2022	सिंह 17-08-2024	मीन 18-05-2025	मिथुन 16-02-2026
कर्क 11-05-2021	मेष 09-02-2023	कर्क 09-09-2024	मेष 10-06-2025	वृष 11-03-2026
मिथुन 03-07-2021	वृष 03-04-2023	मिथुन 02-10-2024	वृष 03-07-2025	मेष 03-04-2026
वृष 25-08-2021	मिथुन 26-05-2023	वृष 25-10-2024	मिथुन 26-07-2025	मीन 26-04-2026
मेष 17-10-2021	कर्क 19-07-2023	मेष 17-11-2024	कर्क 18-08-2025	कुंभ 19-05-2026
मीन 10-12-2021	सिंह 10-09-2023	मीन 09-12-2024	सिंह 09-09-2025	मकर 10-06-2026
कुंभ 01-02-2022	कन्या 02-11-2023	कुंभ 01-01-2025	कन्या 02-10-2025	धनु 03-07-2026
मकर 26-03-2022	तुला 25-12-2023	मकर 24-01-2025	तुला 25-10-2025	वृश्चिक 26-07-2026
धनु 19-05-2022	वृश्चिक 17-02-2024	धनु 16-02-2025	वृश्चिक 17-11-2025	तुला 18-08-2026
वृश्चिक 11-07-2022	धनु 10-04-2024	वृश्चिक 11-03-2025	धनु 10-12-2025	कन्या 10-09-2026
तुला 02-09-2022	मकर 02-06-2024	तुला 03-04-2025	मकर 02-01-2026	सिंह 02-10-2026



## कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

\*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।  
\* जीव राशि : मीन \* देह राशि : वृश्चिक

कन्या-मिथुन	कन्या-वृष	कन्या-मेष	कन्या-मीन जी	कन्या-कुंभ
आरम्भ 25-10-2026	आरम्भ 26-07-2027	आरम्भ 25-04-2028	आरम्भ 24-01-2029	आरम्भ 25-10-2029
अन्त 26-07-2027	अन्त 25-04-2028	अन्त 24-01-2029	अन्त 25-10-2029	अन्त 26-07-2030
मिथुन 25-10-2026	वृश्चिक 26-07-2027	तुला 25-04-2028	कन्या 24-01-2029	कुंभ 25-10-2029
कक्ष 17-11-2026	तुला 18-08-2027	वृश्चिक 18-05-2028	सिंह 16-02-2029	मीन 17-11-2029
सिंह 10-12-2026	कन्या 10-09-2027	धनु 10-06-2028	कर्क 11-03-2029	मेष 10-12-2029
कन्या 02-01-2027	सिंह 03-10-2027	मकर 03-07-2028	मिथुन 03-04-2029	वृष 02-01-2030
तुला 25-01-2027	कर्क 26-10-2027	कुंभ 25-07-2028	वृष 25-04-2029	मिथुन 24-01-2030
वृश्चिक 16-02-2027	मिथुन 17-11-2027	मीन 17-08-2028	मेष 18-05-2029	कर्क 16-02-2030
धनु 11-03-2027	वृष 10-12-2027	मेष 09-09-2028	मीन 10-06-2029	सिंह 11-03-2030
मकर 03-04-2027	मेष 02-01-2028	वृष 02-10-2028	कुंभ 03-07-2029	कन्या 03-04-2030
कुंभ 26-04-2027	मीन 25-01-2028	मिथुन 25-10-2028	मकर 26-07-2029	तुला 26-04-2030
मीन 19-05-2027	कुंभ 17-02-2028	कर्क 17-11-2028	धनु 18-08-2029	वृश्चिक 18-05-2030
मेष 11-06-2027	मकर 11-03-2028	सिंह 09-12-2028	वृश्चिक 09-09-2029	धनु 10-06-2030
वृष 03-07-2027	धनु 02-04-2028	कन्या 01-01-2029	तुला 02-10-2029	मकर 03-07-2030

कन्या-मकर	कन्या-धनु	कन्या-वृश्चिक दे	कन्या-तुला	तुला-तुला
आरम्भ 26-07-2030	आरम्भ 26-04-2031	आरम्भ 25-01-2032	आरम्भ 25-10-2032	आरम्भ 26-07-2033
अन्त 26-04-2031	अन्त 25-01-2032	अन्त 25-10-2032	अन्त 26-07-2033	अन्त 25-11-2034
कर्क 26-07-2030	मिथुन 26-04-2031	वृश्चिक 25-01-2032	तुला 25-10-2032	तुला 26-07-2033
मिथुन 18-08-2030	कक्ष 19-05-2031	तुला 17-02-2032	वृश्चिक 17-11-2032	वृश्चिक 04-09-2033
वृष 10-09-2030	सिंह 11-06-2031	कन्या 10-03-2032	धनु 09-12-2032	धनु 15-10-2033
मेष 02-10-2030	कन्या 03-07-2031	सिंह 02-04-2032	मकर 01-01-2033	मकर 24-11-2033
मीन 25-10-2030	तुला 26-07-2031	कर्क 25-04-2032	कुंभ 24-01-2033	कुंभ 04-01-2034
कुंभ 17-11-2030	वृश्चिक 18-08-2031	मिथुन 18-05-2032	मीन 16-02-2033	मीन 14-02-2034
मकर 10-12-2030	धनु 10-09-2031	वृष 10-06-2032	मेष 11-03-2033	मेष 26-03-2034
धनु 02-01-2031	मकर 03-10-2031	मेष 03-07-2032	वृष 03-04-2033	वृष 06-05-2034
वृश्चिक 25-01-2031	कुंभ 26-10-2031	मीन 25-07-2032	मिथुन 25-04-2033	मिथुन 15-06-2034
तुला 16-02-2031	मीन 17-11-2031	कुंभ 17-08-2032	कर्क 18-05-2033	कर्क 26-07-2034
कन्या 11-03-2031	मेष 10-12-2031	मकर 09-09-2032	सिंह 10-06-2033	सिंह 05-09-2034
सिंह 03-04-2031	वृष 02-01-2032	धनु 02-10-2032	कन्या 03-07-2033	कन्या 15-10-2034

तुला-वृश्चिक दे	तुला-धनु	तुला-मकर	तुला-कुंभ	तुला-मीन जी
आरम्भ 25-11-2034	आरम्भ 26-03-2036	आरम्भ 26-07-2037	आरम्भ 25-11-2038	आरम्भ 26-03-2040
अन्त 26-03-2036	अन्त 26-07-2037	अन्त 25-11-2038	अन्त 26-03-2040	अन्त 26-07-2041
वृश्चिक 25-11-2034	मिथुन 26-03-2036	कर्क 26-07-2037	कुंभ 25-11-2038	कन्या 26-03-2040
तुला 04-01-2035	कक्ष 05-05-2036	मिथुन 04-09-2037	मीन 04-01-2039	सिंह 05-05-2040
कन्या 14-02-2035	सिंह 15-06-2036	वृष 15-10-2037	मेष 14-02-2039	कर्क 15-06-2040
सिंह 26-03-2035	कन्या 25-07-2036	मेष 24-11-2037	वृष 26-03-2039	मिथुन 25-07-2040
कर्क 06-05-2035	तुला 04-09-2036	मीन 04-01-2038	मिथुन 06-05-2039	वृष 04-09-2040
मिथुन 16-06-2035	वृश्चिक 15-10-2036	कुंभ 14-02-2038	कर्क 16-06-2039	मेष 15-10-2040
वृष 26-07-2035	धनु 24-11-2036	मकर 26-03-2038	सिंह 26-07-2039	मीन 24-11-2040
मेष 05-09-2035	मकर 04-01-2037	धनु 06-05-2038	कन्या 05-09-2039	कुंभ 04-01-2041
मीन 15-10-2035	कुंभ 13-02-2037	वृश्चिक 15-06-2038	तुला 15-10-2039	मकर 13-02-2041
कुंभ 25-11-2035	मीन 26-03-2037	तुला 26-07-2038	वृश्चिक 25-11-2039	धनु 26-03-2041
मकर 05-01-2036	मेष 06-05-2037	कन्या 04-09-2038	धनु 04-01-2040	वृश्चिक 05-05-2041
धनु 14-02-2036	वृष 15-06-2037	सिंह 15-10-2038	मकर 14-02-2040	तुला 15-06-2041



## कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

\*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।

\* जीव राशि : मीन \* देह राशि : वृश्चिक

## तुला-मेष

आरम्भ 26-07-2041

अन्त 25-11-2042

तुला	26-07-2041
वृश्चिक	04-09-2041
धनु	15-10-2041
मकर	24-11-2041
कुंभ	04-01-2042
मीन	14-02-2042
मेष	26-03-2042
वृष	06-05-2042
मिथुन	15-06-2042
कर्क	26-07-2042
सिंह	04-09-2042
कन्या	15-10-2042

## तुला-वृष

आरम्भ 25-11-2042

अन्त 26-03-2044

वृश्चिक	25-11-2042
तुला	04-01-2043
कन्या	14-02-2043
सिंह	26-03-2043
कर्क	06-05-2043
मिथुन	16-06-2043
वृष	26-07-2043
मेष	05-09-2043
मीन	15-10-2043
कुंभ	25-11-2043
मकर	04-01-2044
धनु	14-02-2044

## तुला-मिथुन

आरम्भ 26-03-2044

अन्त 26-07-2045

मिथुन	26-03-2044
कर्क	05-05-2044
सिंह	15-06-2044
कन्या	25-07-2044
तुला	04-09-2044
वृश्चिक	15-10-2044
धनु	24-11-2044
मकर	04-01-2045
कुंभ	13-02-2045
मीन	26-03-2045
मेष	05-05-2045
वृष	15-06-2045

## तुला-कर्क

आरम्भ 26-07-2045

अन्त 25-11-2046

कर्क	26-07-2045
मिथुन	04-09-2045
वृष	15-10-2045
मेष	24-11-2045
मीन	04-01-2046
कुंभ	14-02-2046
मकर	26-03-2046
धनु	06-05-2046
वृष	15-06-2046
मेष	04-09-2046
कन्या	15-10-2046

## तुला-सिंह

आरम्भ 25-11-2046

अन्त 26-03-2048

कुंभ	25-11-2046
मीन	04-01-2047
मेष	14-02-2047
वृष	26-03-2047
मिथुन	06-05-2047
कर्क	16-06-2047
सिंह	26-07-2047
कन्या	05-09-2047
तुला	15-10-2047
वृश्चिक	25-11-2047
धनु	04-01-2048
मकर	14-02-2048

## तुला-कन्या

आरम्भ 26-03-2048

अन्त 26-07-2049

कन्या	26-03-2048
सिंह	05-05-2048
कर्क	15-06-2048
मिथुन	25-07-2048
वृष	04-09-2048
मेष	14-10-2048
मीन	24-11-2048
कुंभ	04-01-2049
मकर	13-02-2049
धनु	26-03-2049
वृश्चिक	05-05-2049
तुला	15-06-2049

## वृश्चिक-वृश्चिक दे

आरम्भ 26-07-2049

अन्त 24-02-2050

वृश्चिक	26-07-2049
तुला	12-08-2049
कन्या	30-08-2049
सिंह	17-09-2049
कर्क	05-10-2049
मिथुन	22-10-2049
वृष	09-11-2049
मेष	27-11-2049
मीन	15-12-2049
कुंभ	01-01-2050
मकर	19-01-2050
धनु	06-02-2050

## वृश्चिक-तुला

आरम्भ 24-02-2050

अन्त 25-09-2050

तुला	24-02-2050
वृश्चिक	13-03-2050
धनु	31-03-2050
मकर	18-04-2050
कुंभ	06-05-2050
मीन	23-05-2050
मेष	10-06-2050
वृष	28-06-2050
मिथुन	16-07-2050
कर्क	02-08-2050
सिंह	20-08-2050
कन्या	07-09-2050

## वृश्चिक-कन्या

आरम्भ 25-09-2050

अन्त 26-04-2051

कन्या	25-09-2050
सिंह	12-10-2050
कर्क	30-10-2050
मिथुन	17-11-2050
वृष	05-12-2050
मेष	22-12-2050
मीन	09-01-2051
वृश्चिक	27-01-2051
धनु	03-03-2051
वृश्चिक	21-03-2051
तुला	08-04-2051

## वृश्चिक-सिंह

आरम्भ 26-04-2051

अन्त 25-11-2051

कुंभ	26-04-2051
मीन	14-05-2051
मेष	31-05-2051
वृष	18-06-2051
मिथुन	06-07-2051
कर्क	24-07-2051
सिंह	10-08-2051
कन्या	28-08-2051
तुला	15-09-2051
वृश्चिक	03-10-2051
धनु	20-10-2051
मकर	07-11-2051

## वृश्चिक-कर्क

आरम्भ 25-11-2051

अन्त 25-06-2052

कर्क	25-11-2051
मिथुन	13-12-2051
वृष	30-12-2051
मेष	17-01-2052
मीन	04-02-2052
कुंभ	22-02-2052
मकर	10-03-2052
धनु	28-03-2052
वृश्चिक	15-04-2052
तुला	03-05-2052
कन्या	20-05-2052
सिंह	07-06-2052

## वृश्चिक-मिथुन

आरम्भ 25-06-2052

अन्त 24-01-2053

## वृश्चिक-वृष

आरम्भ 24-01-2053

अन्त 25-08-2053

वृश्चिक	24-01-2053
तुला	11-02-2053
कन्या	28-02-2053
सिंह	18-03-2053
कर्क	05-04-2053
मिथुन	23-04-2053
वृष	10-05-2053
मेष	28-05-2053
मीन	15-06-2053
कुंभ	03-07-2053
मकर	20-07-2053
धनु	07-08-2053

## वृश्चिक-मेष

आरम्भ 25-08-2053

अन्त 26-03-2054

तुला	25-08-2053
वृश्चिक	12-09-2053
धनु	29-09-2053
मकर	17-10-2053
कुंभ	04-11-2053
मीन	22-11-2053
मेष	10-12-2053
वृष	27-12-2053
मिथुन	14-01-2054
कर्क	01-02-2054
सिंह	19-02-2054
कन्या	08-03-2054

## वृश्चिक-मीन जी

आरम्भ 26-03-2054

अन्त 25-10-2054

कन्या	26-03-2054
सिंह	13-04-2054
कर्क	01-05-2054
मिथुन	18-05-2054
वृष	05-06-2054
मेष	23-06-2054
मीन	11-07-2054
वृश्चिक	28-07-2054
मकर	15-08-2054
धनु	02-09-2054
वृश्चिक	20-09-2054
तुला	07-10-2054



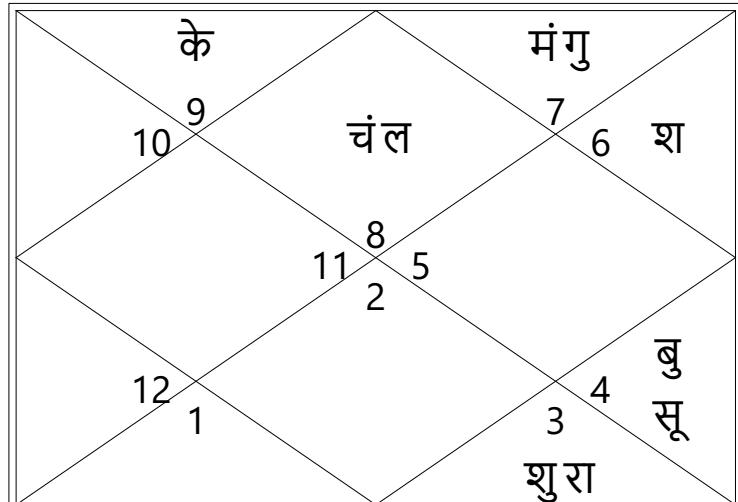


## जैमिनी पद्धति

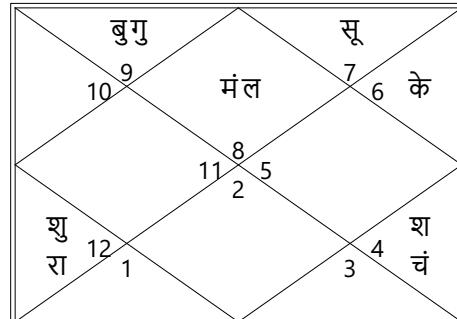
### चर कारक

आत्म	अमात्य	भ्रातृ	मातृ	पितृ	ज्ञाति	स्त्री
शनि	बुध	शुक्र	सूर्य	गुरु	मंगल	चंद्र
23:14	16:54	16:54	12:20	08:16	03:32	00:52

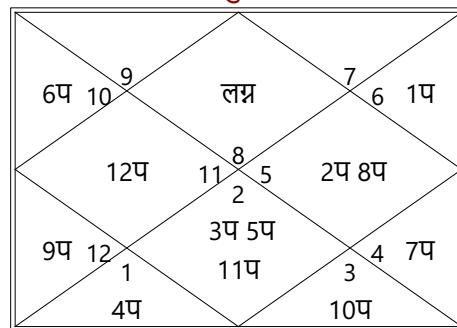
जन्म कुण्डली 29 जुलाई 1982 15:15:00 घंटे Sunam, Punjab, India



### नवांश



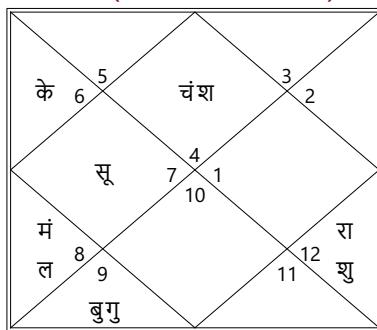
### पद कुण्डली



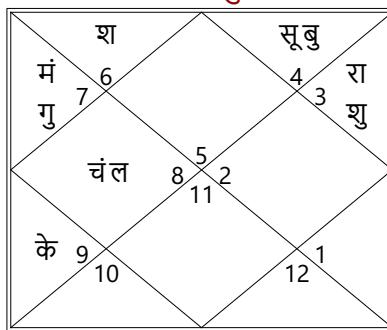
### कारकांश (जन्म कुण्डली में)



### स्वांश (कारकांश नवांश में)



### उपपद लग्न कुण्डली



### जैमिनी दृष्टियाँ

द्विस्वभाव राशियों में स्थित ग्रहों में दृष्टियाँ शु-शा-रा-के चर व स्थिर राशियों में स्थित ग्रहों में दृष्टियाँ सू-चं, बु-चं

### विशेष गणनाएं

जैमिनी होरा लग्न	: सिंह 27:30:07
वर्णद लग्न	: धनु
प्राणपद लग्न	: मिथुन 00:06:46
आरुढ़ लग्न	: कन्या
उपपद	: सिंह
दध राशि	: सिंह, वृश्चिक
ब्रह्मा	: शुक्र
महेश्वर	: मंगल
रुद्र	: शुक्र



## जैमिनी चरदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (11व)	0व0म	तुला (8व)	11व0म	कन्या (2व)	19व0म	सिंह (1व)	21व0म
आरम्भ	29-07-1982	आरम्भ	29-07-1993	आरम्भ	29-07-2001 <th>आरम्भ</th> <td>29-07-2003</td>	आरम्भ	29-07-2003
अन्त	29-07-1993	अन्त	29-07-2001 <th>अन्त</th> <td>29-07-2003<th>अन्त</th><td>28-07-2004</td></td>	अन्त	29-07-2003 <th>अन्त</th> <td>28-07-2004</td>	अन्त	28-07-2004
7 तुला	29-06-1983	8 वृश्चिक	29-03-1994	7 तुला	28-09-2001	6 कन्या	29-08-2003
6 कन्या	29-05-1984	9 धनु	28-11-1994	8 वृश्चिक	27-11-2001	7 तुला	28-09-2003
5 सिंह	29-04-1985	10 मकर	29-07-1995	9 धनु	27-01-2002	8 वृश्चिक	29-10-2003
4 कर्क	29-03-1986	11 कुंभ	29-03-1996	10 मकर	29-03-2002	9 धनु	28-11-2003
3 मिथुन	27-02-1987	12 मीन	27-11-1996	11 कुंभ	29-05-2002	10 मकर	28-12-2003
2 वृष	28-01-1988	1 मेष	29-07-1997	12 मीन	29-07-2002	11 कुंभ	28-01-2004
1 मेष	28-12-1988	2 वृष	29-03-1998	1 मेष	28-09-2002	12 मीन	27-02-2004
12 मीन	28-11-1989	3 मिथुन	28-11-1998	2 वृष	28-11-2002	1 मेष	29-03-2004
11 कुंभ	28-10-1990	4 कर्क	29-07-1999	3 मिथुन	28-01-2003	2 वृष	28-04-2004
10 मकर	28-09-1991	5 सिंह	29-03-2000	4 कर्क	29-03-2003	3 मिथुन	29-05-2004
9 धनु	28-08-1992	6 कन्या	27-11-2000	5 सिंह	29-05-2003	4 कर्क	28-06-2004
8 वृश्चिक	29-07-1993	7 तुला	29-07-2001	6 कन्या	29-07-2003	5 सिंह	28-07-2004

कर्क (8व)	21व11म	मिथुन (1व)	29व11म	वृष (1व)	31व0म	मेष (6व)	32व0म
आरम्भ	28-07-2004	आरम्भ	28-07-2012	आरम्भ	29-07-2013 <th>आरम्भ</th> <td>29-07-2014</td>	आरम्भ	29-07-2014
अन्त	28-07-2012	अन्त	29-07-2013	अन्त	29-07-2014 <th>अन्त</th> <td>28-07-2020</td>	अन्त	28-07-2020
3 मिथुन	29-03-2005	2 वृष	28-08-2012	1 मेष	28-08-2013	2 वृष	28-01-2015
2 वृष	27-11-2005	1 मेष	27-09-2012	12 मीन	28-09-2013	3 मिथुन	29-07-2015
1 मेष	29-07-2006	12 मीन	28-10-2012	11 कुंभ	28-10-2013	4 कर्क	28-01-2016
12 मीन	29-03-2007	11 कुंभ	27-11-2012	10 मकर	27-11-2013	5 सिंह	28-07-2016
11 कुंभ	28-11-2007	10 मकर	28-12-2012	9 धनु	28-12-2013	6 कन्या	27-01-2017
10 मकर	28-07-2008	9 धनु	27-01-2013	8 वृश्चिक	27-01-2014	7 तुला	29-07-2017
9 धनु	29-03-2009	8 वृश्चिक	26-02-2013	7 तुला	27-02-2014	8 वृश्चिक	27-01-2018
8 वृश्चिक	27-11-2009	7 तुला	29-03-2013	6 कन्या	29-03-2014	9 धनु	29-07-2018
7 तुला	29-07-2010	6 कन्या	28-04-2013	5 सिंह	29-04-2014	10 मकर	27-01-2019
6 कन्या	29-03-2011	5 सिंह	29-05-2013	4 कर्क	29-05-2014	11 कुंभ	29-07-2019
5 सिंह	28-11-2011	4 कर्क	28-06-2013	3 मिथुन	28-06-2014	12 मीन	28-01-2020
4 कर्क	28-07-2012	3 मिथुन	29-07-2013	2 वृष	29-07-2014	1 मेष	28-07-2020

मीन (5व)	37व11म	कुंभ (8व)	43व0म	मकर (4व)	50व11म	धनु (10व)	54व11म
आरम्भ	28-07-2020	आरम्भ	29-07-2025	आरम्भ	28-07-2033 <th>आरम्भ</th> <td>28-07-2037</td>	आरम्भ	28-07-2037
अन्त	29-07-2025	अन्त	28-07-2033	अन्त	28-07-2037 <th>अन्त</th> <td>29-07-2047</td>	अन्त	29-07-2047
1 मेष	28-12-2020	12 मीन	29-03-2026	9 धनु	27-11-2033	8 वृश्चिक	29-05-2038
2 वृष	29-05-2021	1 मेष	28-11-2026	8 वृश्चिक	29-03-2034	7 तुला	29-03-2039
3 मिथुन	28-10-2021	2 वृष	29-07-2027	7 तुला	29-07-2034	6 कन्या	28-01-2040
4 कर्क	29-03-2022	3 मिथुन	29-03-2028	6 कन्या	27-11-2034	5 सिंह	27-11-2040
5 सिंह	28-08-2022	4 कर्क	27-11-2028	5 सिंह	29-03-2035	4 कर्क	27-09-2041
6 कन्या	27-01-2023	5 सिंह	29-07-2029	4 कर्क	29-07-2035	3 मिथुन	29-07-2042
7 तुला	29-06-2023	6 कन्या	29-03-2030	3 मिथुन	28-11-2035	2 वृष	29-05-2043
8 वृश्चिक	28-11-2023	7 तुला	28-11-2030	2 वृष	28-03-2036	1 मेष	28-03-2044
9 धनु	28-04-2024	8 वृश्चिक	29-07-2031	1 मेष	28-07-2036	12 मीन	27-01-2045
10 मकर	27-09-2024	9 धनु	28-03-2032	12 मीन	27-11-2036	11 कुंभ	27-11-2045
11 कुंभ	26-02-2025	10 मकर	27-11-2032	11 कुंभ	29-03-2037	10 मकर	28-09-2046
12 मीन	29-07-2025	11 कुंभ	28-07-2033	10 मकर	28-07-2037	9 धनु	29-07-2047



## जैमिनी चरदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (11व)	65व0म	तुला (8व)	76व0म	कन्या (2व)	83व11म	सिंह (1व)	85व11म
आरम्भ	29-07-2047	आरम्भ	29-07-2058	आरम्भ	28-07-2066	आरम्भ	28-07-2068
अन्त	29-07-2058	अन्त	28-07-2066	अन्त	28-07-2068	अन्त	28-07-2069
7 तुला	28-06-2048	8 वृश्चिक	29-03-2059	7 तुला	27-09-2066	6 कन्या	27-08-2068
6 कन्या	28-05-2049	9 धनु	28-11-2059	8 वृश्चिक	27-11-2066	7 तुला	27-09-2068
5 सिंह	28-04-2050	10 मकर	28-07-2060	9 धनु	27-01-2067	8 वृश्चिक	27-10-2068
4 कर्क	29-03-2051	11 कुंभ	29-03-2061	10 मकर	29-03-2067	9 धनु	27-11-2068
3 मिथुन	27-02-2052	12 मीन	27-11-2061	11 कुंभ	29-05-2067	10 मकर	27-12-2068
2 वृष	27-01-2053	1 मेष	29-07-2062	12 मीन	29-07-2067	11 कुंभ	27-01-2069
1 मेष	28-12-2053	2 वृष	29-03-2063	1 मेष	28-09-2067	12 मीन	26-02-2069
12 मीन	27-11-2054	3 मिथुन	28-11-2063	2 वृष	27-11-2067	1 मेष	28-03-2069
11 कुंभ	28-10-2055	4 कर्क	28-07-2064	3 मिथुन	27-01-2068	2 वृष	28-04-2069
10 मकर	27-09-2056	5 सिंह	28-03-2065	4 कर्क	28-03-2068	3 मिथुन	28-05-2069
9 धनु	28-08-2057	6 कन्या	27-11-2065	5 सिंह	28-05-2068	4 कर्क	28-06-2069
8 वृश्चिक	29-07-2058	7 तुला	28-07-2066	6 कन्या	28-07-2068	5 सिंह	28-07-2069

कर्क (8व)	86व11म	मिथुन (1व)	94व11म	वृष (1व)	95व11म	मेष (6व)	97व0म
आरम्भ	28-07-2069	आरम्भ	28-07-2077	आरम्भ	28-07-2078	आरम्भ	29-07-2079
अन्त	28-07-2077	अन्त	28-07-2078	अन्त	29-07-2079	अन्त	28-07-2085
3 मिथुन	29-03-2070	2 वृष	28-08-2077	1 मेष	28-08-2078	2 वृष	27-01-2080
2 वृष	27-11-2070	1 मेष	27-09-2077	12 मीन	27-09-2078	3 मिथुन	28-07-2080
1 मेष	29-07-2071	12 मीन	27-10-2077	11 कुंभ	28-10-2078	4 कर्क	26-01-2081
12 मीन	28-03-2072	11 कुंभ	27-11-2077	10 मकर	27-11-2078	5 सिंह	28-07-2081
11 कुंभ	27-11-2072	10 मकर	27-12-2077	9 धनु	28-12-2078	6 कन्या	27-01-2082
10 मकर	28-07-2073	9 धनु	27-01-2078	8 वृश्चिक	27-01-2079	7 तुला	28-07-2082
9 धनु	29-03-2074	8 वृश्चिक	26-02-2078	7 तुला	26-02-2079	8 वृश्चिक	27-01-2083
8 वृश्चिक	27-11-2074	7 तुला	29-03-2078	6 कन्या	29-03-2079	9 धनु	29-07-2083
7 तुला	29-07-2075	6 कन्या	28-04-2078	5 सिंह	28-04-2079	10 मकर	27-01-2084
6 कन्या	28-03-2076	5 सिंह	29-05-2078	4 कर्क	29-05-2079	11 कुंभ	28-07-2084
5 सिंह	27-11-2076	4 कर्क	28-06-2078	3 मिथुन	28-06-2079	12 मीन	26-01-2085
4 कर्क	28-07-2077	3 मिथुन	28-07-2078	2 वृष	29-07-2079	1 मेष	28-07-2085

मीन (5व)	102व11म	कुंभ (8व)	107व11म	मकर (4व)	115व11म	धनु (10व)	120व0म
आरम्भ	28-07-2085	आरम्भ	28-07-2090	आरम्भ	28-07-2098	आरम्भ	29-07-2102
अन्त	28-07-2090	अन्त	28-07-2098	अन्त	29-07-2102	अन्त	29-07-2112
1 मेष	27-12-2085	12 मीन	29-03-2091	9 धनु	27-11-2098	8 वृश्चिक	30-05-2103
2 वृष	28-05-2086	1 मेष	27-11-2091	8 वृश्चिक	29-03-2099	7 तुला	29-03-2104
3 मिथुन	28-10-2086	2 वृष	28-07-2092	7 तुला	28-07-2099	6 कन्या	27-01-2105
4 कर्क	29-03-2087	3 मिथुन	28-03-2093	6 कन्या	27-11-2099	5 सिंह	28-11-2105
5 सिंह	28-08-2087	4 कर्क	27-11-2093	5 सिंह	29-03-2100	4 कर्क	28-09-2106
6 कन्या	27-01-2088	5 सिंह	28-07-2094	4 कर्क	29-07-2100	3 मिथुन	29-07-2107
7 तुला	27-06-2088	6 कन्या	29-03-2095	3 मिथुन	27-11-2100	2 वृष	29-05-2108
8 वृश्चिक	27-11-2088	7 तुला	27-11-2095	2 वृष	29-03-2101	1 मेष	29-03-2109
9 धनु	28-04-2089	8 वृश्चिक	28-07-2096	1 मेष	29-07-2101	12 मीन	28-01-2110
10 मकर	27-09-2089	9 धनु	28-03-2097	12 मीन	28-11-2101	11 कुंभ	28-11-2110
11 कुंभ	26-02-2090	10 मकर	27-11-2097	11 कुंभ	29-03-2102	10 मकर	28-09-2111
12 मीन	28-07-2090	11 कुंभ	28-07-2098	10 मकर	29-07-2102	9 धनु	29-07-2112



## जैमिनी स्थिर दशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मिथुन (9व)	0वर्ष	कर्क (7व)	9वर्ष	सिंह (8व)	16वर्ष	कन्या (9व)	24वर्ष
आरम्भ	29-07-1982	आरम्भ	29-07-1991	आरम्भ	29-07-1998 <th>आरम्भ</th> <td>29-07-2006</td>	आरम्भ	29-07-2006
अन्त	29-07-1991	अन्त	29-07-1998	अन्त	29-07-2006 <th>अन्त</th> <td>29-07-2015</td>	अन्त	29-07-2015
3 मिथुन	29-04-1983	4 कर्क	27-02-1992	11 कुंभ	30-03-1999	6 कन्या	29-04-2007
4 कर्क	28-01-1984	3 मिथुन	27-09-1992	12 मीन	28-11-1999	5 सिंह	28-01-2008
5 सिंह	28-10-1984	2 वृष	28-04-1993	1 मेष	28-07-2000	4 कर्क	28-10-2008
6 कन्या	29-07-1985	1 मेष	28-11-1993	2 वृष	29-03-2001	3 मिथुन	29-07-2009
7 तुला	29-04-1986	12 मीन	29-06-1994	3 मिथुन	27-11-2001	2 वृष	29-04-2010
8 वृश्चिक	28-01-1987	11 कुंभ	28-01-1995	4 कर्क	29-07-2002	1 मेष	28-01-2011
9 धनु	29-10-1987	10 मकर	29-08-1995	5 सिंह	29-03-2003	12 मीन	28-10-2011
10 मकर	29-07-1988	9 धनु	29-03-1996	6 कन्या	28-11-2003	11 कुंभ	28-07-2012
11 कुंभ	29-04-1989	8 वृश्चिक	28-10-1996	7 तुला	28-07-2004	10 मकर	28-04-2013
12 मीन	27-01-1990	7 तुला	29-05-1997	8 वृश्चिक	29-03-2005	9 धनु	27-01-2014
1 मेष	28-10-1990	6 कन्या	28-12-1997	9 धनु	27-11-2005	8 वृश्चिक	28-10-2014
2 वृष	29-07-1991	5 सिंह	29-07-1998	10 मकर	29-07-2006	7 तुला	29-07-2015

तुला (7व)	33वर्ष	वृश्चिक (8व)	40वर्ष	धनु (9व)	48वर्ष	मकर (7व)	57वर्ष
आरम्भ	29-07-2015	आरम्भ	29-07-2022	आरम्भ	29-07-2030	आरम्भ	29-07-2039
अन्त	29-07-2022	अन्त	29-07-2030	अन्त	29-07-2039 <th>अन्त</th> <td>29-07-2046</td>	अन्त	29-07-2046
7 तुला	27-02-2016	8 वृश्चिक	29-03-2023	3 मिथुन	29-04-2031	4 कर्क	27-02-2040
8 वृश्चिक	27-09-2016	7 तुला	28-11-2023	4 कर्क	28-01-2032	3 मिथुन	27-09-2040
9 धनु	28-04-2017	6 कन्या	28-07-2024	5 सिंह	28-10-2032	2 वृष	28-04-2041
10 मकर	27-11-2017	5 सिंह	29-03-2025	6 कन्या	28-07-2033	1 मेष	27-11-2041
11 कुंभ	28-06-2018	4 कर्क	27-11-2025	7 तुला	28-04-2034	12 मीन	28-06-2042
12 मीन	27-01-2019	3 मिथुन	29-07-2026	8 वृश्चिक	27-01-2035	11 कुंभ	27-01-2043
1 मेष	29-08-2019	2 वृष	29-03-2027	9 धनु	28-10-2035	10 मकर	28-08-2043
2 वृष	29-03-2020	1 मेष	28-11-2027	10 मकर	28-07-2036	9 धनु	28-03-2044
3 मिथुन	28-10-2020	12 मीन	28-07-2028	11 कुंभ	28-04-2037	8 वृश्चिक	27-10-2044
4 कर्क	29-05-2021	11 कुंभ	29-03-2029	12 मीन	27-01-2038	7 तुला	29-05-2045
5 सिंह	28-12-2021	10 मकर	27-11-2029	1 मेष	28-10-2038	6 कन्या	28-12-2045
6 कन्या	29-07-2022	9 धनु	29-07-2030	2 वृष	29-07-2039	5 सिंह	29-07-2046

कुंभ (8व)	64वर्ष	मीन (9व)	72वर्ष	मेष (7व)	81वर्ष	वृष (8व)	87वर्ष
आरम्भ	29-07-2046	आरम्भ	29-07-2054	आरम्भ	29-07-2063	आरम्भ	28-07-2070
अन्त	29-07-2054	अन्त	29-07-2063	अन्त	28-07-2070 <th>अन्त</th> <td>28-07-2078</td>	अन्त	28-07-2078
11 कुंभ	29-03-2047	6 कन्या	29-04-2055	7 तुला	27-02-2064	8 वृश्चिक	29-03-2071
12 मीन	28-11-2047	5 सिंह	27-01-2056	8 वृश्चिक	27-09-2064	7 तुला	27-11-2071
1 मेष	28-07-2048	4 कर्क	27-10-2056	9 धनु	28-04-2065	6 कन्या	28-07-2072
2 वृष	29-03-2049	3 मिथुन	28-07-2057	10 मकर	27-11-2065	5 सिंह	28-03-2073
3 मिथुन	27-11-2049	2 वृष	28-04-2058	11 कुंभ	28-06-2066	4 कर्क	27-11-2073
4 कर्क	29-07-2050	1 मेष	27-01-2059	12 मीन	27-01-2067	3 मिथुन	28-07-2074
5 सिंह	29-03-2051	12 मीन	28-10-2059	1 मेष	28-08-2067	2 वृष	29-03-2075
6 कन्या	28-11-2051	11 कुंभ	28-07-2060	2 वृष	28-03-2068	1 मेष	27-11-2075
7 तुला	28-07-2052	10 मकर	28-04-2061	3 मिथुन	27-10-2068	12 मीन	28-07-2076
8 वृश्चिक	29-03-2053	9 धनु	27-01-2062	4 कर्क	28-05-2069	11 कुंभ	28-03-2077
9 धनु	27-11-2053	8 वृश्चिक	28-10-2062	5 सिंह	27-12-2069	10 मकर	27-11-2077
10 मकर	29-07-2054	7 तुला	29-07-2063	6 कन्या	28-07-2070	9 धनु	28-07-2078



## निरयान शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

कर्क (7व)	०व ०म	वृष (1व)	७व ०म	मिथुन (1व)	८व ०म	मीन (5व)	९व ०म
आरम्भ	29-07-1982	आरम्भ	29-07-1989	आरम्भ	29-07-1990	आरम्भ	29-07-1991
अन्त	29-07-1989	अन्त	29-07-1990	अन्त	29-07-1991	अन्त	29-07-1996
<b>4</b> कर्क	29-07-1982	<b>8</b> वृश्चिक	29-07-1989	<b>3</b> मिथुन	29-07-1990	<b>6</b> कन्या	29-07-1991
<b>3</b> मिथुन	27-02-1983	<b>7</b> तुला	28-08-1989	<b>4</b> कर्क	29-08-1990	<b>5</b> सिंह	28-12-1991
<b>2</b> वृष	28-09-1983	<b>6</b> कन्या	28-09-1989	<b>5</b> सिंह	28-09-1990	<b>4</b> कर्क	29-05-1992
<b>1</b> मेष	28-04-1984	<b>5</b> सिंह	28-10-1989	<b>6</b> कन्या	28-10-1990	<b>3</b> मिथुन	28-10-1992
<b>12</b> मीन	27-11-1984	<b>4</b> कर्क	28-11-1989	<b>7</b> तुला	28-11-1990	<b>2</b> वृष	29-03-1993
<b>11</b> कुंभ	28-06-1985	<b>3</b> मिथुन	28-12-1989	<b>8</b> वृश्चिक	28-12-1990	<b>1</b> मेष	28-08-1993
<b>10</b> मकर	27-01-1986	<b>2</b> वृष	27-01-1990	<b>9</b> धनु	28-01-1991	<b>12</b> मीन	27-01-1994
<b>9</b> धनु	29-08-1986	<b>1</b> मेष	27-02-1990	<b>10</b> मकर	27-02-1991	<b>11</b> कुंभ	29-06-1994
<b>8</b> वृश्चिक	30-03-1987	<b>12</b> मीन	29-03-1990	<b>11</b> कुंभ	30-03-1991	<b>10</b> मकर	28-11-1994
<b>7</b> तुला	29-10-1987	<b>11</b> कुंभ	29-04-1990	<b>12</b> मीन	29-04-1991	<b>9</b> धनु	29-04-1995
<b>6</b> कन्या	29-05-1988	<b>10</b> मकर	29-05-1990	<b>1</b> मेष	29-05-1991	<b>8</b> वृश्चिक	28-09-1995
<b>5</b> सिंह	28-12-1988	<b>9</b> धनु	29-06-1990	<b>2</b> वृष	29-06-1991	<b>7</b> तुला	27-02-1996

सिंह (1व)	१४व ०म	मेष (6व)	१५व ०म	वृष (1व)	२१व ०म	कुंभ (8व)	२१व ११म
आरम्भ	29-07-1996	आरम्भ	29-07-1997	आरम्भ	29-07-2003	आरम्भ	28-07-2004
अन्त	29-07-1997	अन्त	29-07-2003	अन्त	28-07-2004	अन्त	28-07-2012
<b>11</b> कुंभ	29-07-1996	<b>7</b> तुला	29-07-1997	<b>8</b> वृश्चिक	29-07-2003	<b>11</b> कुंभ	28-07-2004
<b>12</b> मीन	28-08-1996	<b>8</b> वृश्चिक	27-01-1998	<b>7</b> तुला	29-08-2003	<b>12</b> मीन	29-03-2005
<b>1</b> मेष	27-09-1996	<b>9</b> धनु	29-07-1998	<b>6</b> कन्या	28-09-2003	<b>1</b> मेष	27-11-2005
<b>2</b> वृष	28-10-1996	<b>10</b> मकर	28-01-1999	<b>5</b> सिंह	29-10-2003	<b>2</b> वृष	29-07-2006
<b>3</b> मिथुन	27-11-1996	<b>11</b> कुंभ	29-07-1999	<b>4</b> कर्क	28-11-2003	<b>3</b> मिथुन	29-03-2007
<b>4</b> कर्क	28-12-1996	<b>12</b> मीन	28-01-2000	<b>3</b> मिथुन	28-12-2003	<b>4</b> कर्क	28-11-2007
<b>5</b> सिंह	27-01-1997	<b>1</b> मेष	28-07-2000	<b>2</b> वृष	28-01-2004	<b>5</b> सिंह	28-07-2008
<b>6</b> कन्या	27-02-1997	<b>2</b> वृष	27-01-2001	<b>1</b> मेष	27-02-2004	<b>6</b> कन्या	29-03-2009
<b>7</b> तुला	29-03-1997	<b>3</b> मिथुन	29-07-2001	<b>12</b> मीन	29-03-2004	<b>7</b> तुला	27-11-2009
<b>8</b> वृश्चिक	28-04-1997	<b>4</b> कर्क	27-01-2002	<b>11</b> कुंभ	28-04-2004	<b>8</b> वृश्चिक	29-07-2010
<b>9</b> धनु	29-05-1997	<b>5</b> सिंह	29-07-2002	<b>10</b> मकर	29-05-2004	<b>9</b> धनु	29-03-2011
<b>10</b> मकर	28-06-1997	<b>6</b> कन्या	28-01-2003	<b>9</b> धनु	28-06-2004	<b>10</b> मकर	28-11-2011

कन्या (2व)	२९व ११म	मिथुन (1व)	३२व ०म	मीन (5व)	३३व ०म	मेष (6व)	३७व ११म
आरम्भ	28-07-2012	आरम्भ	29-07-2014	आरम्भ	29-07-2015	आरम्भ	28-07-2020
अन्त	29-07-2014	अन्त	29-07-2015	अन्त	28-07-2020	अन्त	29-07-2026
<b>6</b> कन्या	28-07-2012	<b>3</b> मिथुन	29-07-2014	<b>6</b> कन्या	29-07-2015	<b>7</b> तुला	28-07-2020
<b>5</b> सिंह	27-09-2012	<b>4</b> कर्क	28-08-2014	<b>5</b> सिंह	28-12-2015	<b>8</b> वृश्चिक	27-01-2021
<b>4</b> कर्क	27-11-2012	<b>5</b> सिंह	28-09-2014	<b>4</b> कर्क	28-05-2016	<b>9</b> धनु	29-07-2021
<b>3</b> मिथुन	27-01-2013	<b>6</b> कन्या	28-10-2014	<b>3</b> मिथुन	28-10-2016	<b>10</b> मकर	27-01-2022
<b>2</b> वृष	29-03-2013	<b>7</b> तुला	28-11-2014	<b>2</b> वृष	29-03-2017	<b>11</b> कुंभ	29-07-2022
<b>1</b> मेष	29-05-2013	<b>8</b> वृश्चिक	28-12-2014	<b>1</b> मेष	28-08-2017	<b>12</b> मीन	27-01-2023
<b>12</b> मीन	29-07-2013	<b>9</b> धनु	28-01-2015	<b>12</b> मीन	27-01-2018	<b>1</b> मेष	29-07-2023
<b>11</b> कुंभ	28-09-2013	<b>10</b> मकर	27-02-2015	<b>11</b> कुंभ	28-06-2018	<b>2</b> वृष	28-01-2024
<b>10</b> मकर	27-11-2013	<b>11</b> कुंभ	29-03-2015	<b>10</b> मकर	28-11-2018	<b>3</b> मिथुन	28-07-2024
<b>9</b> धनु	27-01-2014	<b>12</b> मीन	29-04-2015	<b>9</b> धनु	29-04-2019	<b>4</b> कर्क	27-01-2025
<b>8</b> वृश्चिक	29-03-2014	<b>1</b> मेष	29-05-2015	<b>8</b> वृश्चिक	28-09-2019	<b>5</b> सिंह	29-07-2025
<b>7</b> तुला	29-05-2014	<b>2</b> वृष	29-06-2015	<b>7</b> तुला	27-02-2020	<b>6</b> कन्या	27-01-2026



## निरयान शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

तुला (8व)	44व 0म	कुंभ (8व)	48व 0म	वृष (1व)	49व 0म	सिंह (1व)	53व 0म
आरम्भ	29-07-2026	आरम्भ	27-11-2034	आरम्भ	28-06-2036	आरम्भ	28-08-2046
अन्त	27-11-2034	अन्त	28-06-2036	अन्त	28-08-2046	अन्त	28-06-2048
7 तुला	29-07-2026	4 कर्क	27-11-2034	9 धनु	28-06-2036	12 मीन	28-08-2046
8 वृश्चिक	29-03-2027	8 वृश्चिक	29-07-2035	8 वृश्चिक	28-07-2036	1 मेष	28-09-2046
9 धनु	28-11-2027	7 तुला	28-08-2035	7 तुला	28-06-2037	2 वृष	28-10-2046
10 मकर	28-07-2028	6 कन्या	28-09-2035	6 कन्या	29-05-2038	3 मिथुन	27-11-2046
11 कुंभ	29-03-2029	5 सिंह	28-10-2035	5 सिंह	29-04-2039	4 कर्क	28-12-2046
12 मीन	27-11-2029	4 कर्क	28-11-2035	4 कर्क	28-03-2040	5 सिंह	27-01-2047
8 वृश्चिक	29-07-2030	3 मिथुन	28-12-2035	3 मिथुन	26-02-2041	6 कन्या	27-02-2047
7 तुला	29-06-2031	2 वृष	28-01-2036	2 वृष	27-01-2042	7 तुला	29-03-2047
12 मीन	28-03-2032	1 मेष	27-02-2036	1 मेष	28-12-2042	8 वृश्चिक	29-04-2047
1 मेष	27-11-2032	12 मीन	28-03-2036	12 मीन	28-11-2043	9 धनु	29-05-2047
2 वृष	28-07-2033	11 कुंभ	28-04-2036	11 कुंभ	27-10-2044	10 मकर	28-06-2047
3 मिथुन	29-03-2034	10 मकर	28-05-2036	10 मकर	27-09-2045	11 कुंभ	29-07-2047
सिंह (1व)	64व 0म	मेष (6व)	74व 11म	वृष (1व)	81व 0म	वृष (1व)	91व 11म
आरम्भ	28-06-2048	आरम्भ	29-07-2058	आरम्भ	28-09-2063	आरम्भ	29-05-2066
अन्त	29-07-2058	अन्त	28-09-2063	अन्त	29-05-2066	अन्त	28-07-2076
12 मीन	28-06-2048	9 धनु	29-07-2058	6 कन्या	28-09-2063	6 कन्या	29-05-2066
1 मेष	28-05-2049	10 मकर	27-01-2059	5 सिंह	28-10-2063	5 सिंह	28-04-2067
2 वृष	28-04-2050	11 कुंभ	29-07-2059	4 कर्क	28-11-2063	4 कर्क	28-03-2068
3 मिथुन	29-03-2051	12 मीन	27-01-2060	3 मिथुन	28-12-2063	3 मिथुन	26-02-2069
4 कर्क	27-02-2052	1 मेष	28-07-2060	2 वृष	27-01-2064	2 वृष	27-01-2070
5 सिंह	27-01-2053	2 वृष	27-01-2061	1 मेष	27-02-2064	1 मेष	28-12-2070
6 कन्या	28-12-2053	3 मिथुन	28-07-2061	12 मीन	28-03-2064	12 मीन	27-11-2071
7 तुला	27-11-2054	4 कर्क	27-01-2062	11 कुंभ	28-04-2064	11 कुंभ	27-10-2072
8 वृश्चिक	28-10-2055	5 सिंह	29-07-2062	10 मकर	28-05-2064	10 मकर	27-09-2073
9 धनु	27-09-2056	6 कन्या	27-01-2063	9 धनु	28-06-2064	11 कुंभ	28-07-2074
7 तुला	28-07-2057	8 वृश्चिक	29-07-2063	8 वृश्चिक	28-07-2064	12 मीन	29-03-2075
8 वृश्चिक	27-01-2058	7 तुला	28-08-2063	7 तुला	28-06-2065	1 मेष	27-11-2075
कुंभ (8व)	95व 11म	कन्या (2व)	105व 11म	कन्या (2व)	116व 11म	मिथुन (1व)	124व 0म
आरम्भ	28-07-2076	आरम्भ	27-01-2080	आरम्भ	27-01-2088	आरम्भ	27-04-2092
अन्त	27-01-2080	अन्त	27-01-2088	अन्त	27-04-2092	अन्त	29-03-2101
2 वृष	28-07-2076	9 धनु	27-01-2080	9 धनु	27-01-2088	6 कन्या	27-04-2092
3 मिथुन	28-03-2077	8 वृश्चिक	28-03-2080	7 तुला	27-11-2088	7 तुला	28-03-2093
4 कर्क	27-11-2077	7 तुला	28-05-2080	8 वृश्चिक	27-12-2088	8 वृश्चिक	26-02-2094
6 कन्या	28-07-2078	6 कन्या	28-07-2080	9 धनु	26-01-2089	9 धनु	27-01-2095
5 सिंह	27-09-2078	5 सिंह	28-05-2081	10 मकर	26-02-2089	10 मकर	28-12-2095
4 कर्क	27-11-2078	4 कर्क	29-03-2082	11 कुंभ	28-03-2089	11 कुंभ	26-11-2096
3 मिथुन	27-01-2079	3 मिथुन	27-01-2083	12 मीन	28-04-2089	12 मीन	27-10-2097
2 वृष	29-03-2079	2 वृष	27-11-2083	1 मेष	28-05-2089	1 मेष	27-09-2098
1 मेष	29-05-2079	1 मेष	27-09-2084	2 वृष	28-06-2089	6 कन्या	28-07-2099
12 मीन	29-07-2079	12 मीन	28-07-2085	3 मिथुन	28-07-2089	5 सिंह	28-12-2099
11 कुंभ	28-09-2079	11 कुंभ	28-05-2086	4 कर्क	28-06-2090	4 कर्क	29-05-2100
10 मकर	27-11-2079	10 मकर	29-03-2087	5 सिंह	29-05-2091	3 मिथुन	28-10-2100



## द्वगदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

कर्क (7व)	0व 0म*	वृष (1व)	7व 0म	मिथुन (1व)	8व 0म	मीन (5व)	9व 0म
आरम्भ	29-07-1982	आरम्भ	29-07-1989	आरम्भ	29-07-1990	आरम्भ	29-07-1991
अन्त	29-07-1989	अन्त	29-07-1990	अन्त	29-07-1991	अन्त	29-07-1996
<b>4</b> कर्क	29-07-1982	<b>8</b> वृश्चिक	29-07-1989	<b>3</b> मिथुन	29-07-1990	<b>6</b> कन्या	29-07-1991
<b>3</b> मिथुन	27-02-1983	<b>7</b> तुला	28-08-1989	<b>4</b> कर्क	29-08-1990	<b>5</b> सिंह	28-12-1991
<b>2</b> वृष	28-09-1983	<b>6</b> कन्या	28-09-1989	<b>5</b> सिंह	28-09-1990	<b>4</b> कर्क	29-05-1992
<b>1</b> मेष	28-04-1984	<b>5</b> सिंह	28-10-1989	<b>6</b> कन्या	28-10-1990	<b>3</b> मिथुन	28-10-1992
<b>12</b> मीन	27-11-1984	<b>4</b> कर्क	28-11-1989	<b>7</b> तुला	28-11-1990	<b>2</b> वृष	29-03-1993
<b>11</b> कुंभ	28-06-1985	<b>3</b> मिथुन	28-12-1989	<b>8</b> वृश्चिक	28-12-1990	<b>1</b> मेष	28-08-1993
<b>10</b> मकर	27-01-1986	<b>2</b> वृष	27-01-1990	<b>9</b> धनु	28-01-1991	<b>12</b> मीन	27-01-1994
<b>9</b> धनु	29-08-1986	<b>1</b> मेष	27-02-1990	<b>10</b> मकर	27-02-1991	<b>11</b> कुंभ	29-06-1994
<b>8</b> वृश्चिक	30-03-1987	<b>12</b> मीन	29-03-1990	<b>11</b> कुंभ	30-03-1991	<b>10</b> मकर	28-11-1994
<b>7</b> तुला	29-10-1987	<b>11</b> कुंभ	29-04-1990	<b>12</b> मीन	29-04-1991	<b>9</b> धनु	29-04-1995
<b>6</b> कन्या	29-05-1988	<b>10</b> मकर	29-05-1990	<b>1</b> मेष	29-05-1991	<b>8</b> वृश्चिक	28-09-1995
<b>5</b> सिंह	28-12-1988	<b>9</b> धनु	29-06-1990	<b>2</b> वृष	29-06-1991	<b>7</b> तुला	27-02-1996

सिंह (1व)	14व 0म	मेष (6व)	15व 0म	वृष (1व)	21व 0म	कुंभ (8व)	21व 11म
आरम्भ	29-07-1996	आरम्भ	29-07-1997	आरम्भ	29-07-2003	आरम्भ	28-07-2004
अन्त	29-07-1997	अन्त	29-07-2003	अन्त	28-07-2004	अन्त	28-07-2012
<b>11</b> कुंभ	29-07-1996	<b>7</b> तुला	29-07-1997	<b>8</b> वृश्चिक	29-07-2003	<b>11</b> कुंभ	28-07-2004
<b>12</b> मीन	28-08-1996	<b>8</b> वृश्चिक	27-01-1998	<b>7</b> तुला	29-08-2003	<b>12</b> मीन	29-03-2005
<b>1</b> मेष	27-09-1996	<b>9</b> धनु	29-07-1998	<b>6</b> कन्या	28-09-2003	<b>1</b> मेष	27-11-2005
<b>2</b> वृष	28-10-1996	<b>10</b> मकर	28-01-1999	<b>5</b> सिंह	29-10-2003	<b>2</b> वृष	29-07-2006
<b>3</b> मिथुन	27-11-1996	<b>11</b> कुंभ	29-07-1999	<b>4</b> कर्क	28-11-2003	<b>3</b> मिथुन	29-03-2007
<b>4</b> कर्क	28-12-1996	<b>12</b> मीन	28-01-2000	<b>3</b> मिथुन	28-12-2003	<b>4</b> कर्क	28-11-2007
<b>5</b> सिंह	27-01-1997	<b>1</b> मेष	28-07-2000	<b>2</b> वृष	28-01-2004	<b>5</b> सिंह	28-07-2008
<b>6</b> कन्या	27-02-1997	<b>2</b> वृष	27-01-2001	<b>1</b> मेष	27-02-2004	<b>6</b> कन्या	29-03-2009
<b>7</b> तुला	29-03-1997	<b>3</b> मिथुन	29-07-2001	<b>12</b> मीन	29-03-2004	<b>7</b> तुला	27-11-2009
<b>8</b> वृश्चिक	28-04-1997	<b>4</b> कर्क	27-01-2002	<b>11</b> कुंभ	28-04-2004	<b>8</b> वृश्चिक	29-07-2010
<b>9</b> धनु	29-05-1997	<b>5</b> सिंह	29-07-2002	<b>10</b> मकर	29-05-2004	<b>9</b> धनु	29-03-2011
<b>10</b> मकर	28-06-1997	<b>6</b> कन्या	28-01-2003	<b>9</b> धनु	28-06-2004	<b>10</b> मकर	28-11-2011

कन्या (2व)	29व 11म	मिथुन (1व)	32व 0म	मीन (5व)	33व 0म	मेष (6व)	37व 11म
आरम्भ	28-07-2012	आरम्भ	29-07-2014	आरम्भ	29-07-2015	आरम्भ	28-07-2020
अन्त	29-07-2014	अन्त	29-07-2015	अन्त	28-07-2020	अन्त	29-07-2026
<b>6</b> कन्या	28-07-2012	<b>3</b> मिथुन	29-07-2014	<b>6</b> कन्या	29-07-2015	<b>7</b> तुला	28-07-2020
<b>5</b> सिंह	27-09-2012	<b>4</b> कर्क	28-08-2014	<b>5</b> सिंह	28-12-2015	<b>8</b> वृश्चिक	27-01-2021
<b>4</b> कर्क	27-11-2012	<b>5</b> सिंह	28-09-2014	<b>4</b> कर्क	28-05-2016	<b>9</b> धनु	29-07-2021
<b>3</b> मिथुन	27-01-2013	<b>6</b> कन्या	28-10-2014	<b>3</b> मिथुन	28-10-2016	<b>10</b> मकर	27-01-2022
<b>2</b> वृष	29-03-2013	<b>7</b> तुला	28-11-2014	<b>2</b> वृष	29-03-2017	<b>11</b> कुंभ	29-07-2022
<b>1</b> मेष	29-05-2013	<b>8</b> वृश्चिक	28-12-2014	<b>1</b> मेष	28-08-2017	<b>12</b> मीन	27-01-2023
<b>12</b> मीन	29-07-2013	<b>9</b> धनु	28-01-2015	<b>12</b> मीन	27-01-2018	<b>1</b> मेष	29-07-2023
<b>11</b> कुंभ	28-09-2013	<b>10</b> मकर	27-02-2015	<b>11</b> कुंभ	28-06-2018	<b>2</b> वृष	28-01-2024
<b>10</b> मकर	27-11-2013	<b>11</b> कुंभ	29-03-2015	<b>10</b> मकर	28-11-2018	<b>3</b> मिथुन	28-07-2024
<b>9</b> धनु	27-01-2014	<b>12</b> मीन	29-04-2015	<b>9</b> धनु	29-04-2019	<b>4</b> कर्क	27-01-2025
<b>8</b> वृश्चिक	29-03-2014	<b>1</b> मेष	29-05-2015	<b>8</b> वृश्चिक	28-09-2019	<b>5</b> सिंह	29-07-2025
<b>7</b> तुला	29-05-2014	<b>2</b> वृष	29-06-2015	<b>7</b> तुला	27-02-2020	<b>6</b> कन्या	27-01-2026



## द्वगदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

तुला (8व)	44व 0म	कुंभ (8व)	48व 0म	वृष (1व)	49व 0म	सिंह (1व)	53व 0म
आरम्भ	29-07-2026	आरम्भ	27-11-2034	आरम्भ	28-06-2036	आरम्भ	28-08-2046
अन्त	27-11-2034	अन्त	28-06-2036	अन्त	28-08-2046	अन्त	28-06-2048
7 तुला	29-07-2026	4 कर्क	27-11-2034	9 धनु	28-06-2036	12 मीन	28-08-2046
8 वृश्चिक	29-03-2027	8 वृश्चिक	29-07-2035	8 वृश्चिक	28-07-2036	1 मेष	28-09-2046
9 धनु	28-11-2027	7 तुला	28-08-2035	7 तुला	28-06-2037	2 वृष	28-10-2046
10 मकर	28-07-2028	6 कन्या	28-09-2035	6 कन्या	29-05-2038	3 मिथुन	27-11-2046
11 कुंभ	29-03-2029	5 सिंह	28-10-2035	5 सिंह	29-04-2039	4 कर्क	28-12-2046
12 मीन	27-11-2029	4 कर्क	28-11-2035	4 कर्क	28-03-2040	5 सिंह	27-01-2047
8 वृश्चिक	29-07-2030	3 मिथुन	28-12-2035	3 मिथुन	26-02-2041	6 कन्या	27-02-2047
7 तुला	29-06-2031	2 वृष	28-01-2036	2 वृष	27-01-2042	7 तुला	29-03-2047
12 मीन	28-03-2032	1 मेष	27-02-2036	1 मेष	28-12-2042	8 वृश्चिक	29-04-2047
1 मेष	27-11-2032	12 मीन	28-03-2036	12 मीन	28-11-2043	9 धनु	29-05-2047
2 वृष	28-07-2033	11 कुंभ	28-04-2036	11 कुंभ	27-10-2044	10 मकर	28-06-2047
3 मिथुन	29-03-2034	10 मकर	28-05-2036	10 मकर	27-09-2045	11 कुंभ	29-07-2047
सिंह (1व)	64व 0म	मेष (6व)	74व 11म	वृष (1व)	81व 0म	वृष (1व)	91व 11म
आरम्भ	28-06-2048	आरम्भ	29-07-2058	आरम्भ	28-09-2063	आरम्भ	29-05-2066
अन्त	29-07-2058	अन्त	28-09-2063	अन्त	29-05-2066	अन्त	28-07-2076
12 मीन	28-06-2048	9 धनु	29-07-2058	6 कन्या	28-09-2063	6 कन्या	29-05-2066
1 मेष	28-05-2049	10 मकर	27-01-2059	5 सिंह	28-10-2063	5 सिंह	28-04-2067
2 वृष	28-04-2050	11 कुंभ	29-07-2059	4 कर्क	28-11-2063	4 कर्क	28-03-2068
3 मिथुन	29-03-2051	12 मीन	27-01-2060	3 मिथुन	28-12-2063	3 मिथुन	26-02-2069
4 कर्क	27-02-2052	1 मेष	28-07-2060	2 वृष	27-01-2064	2 वृष	27-01-2070
5 सिंह	27-01-2053	2 वृष	27-01-2061	1 मेष	27-02-2064	1 मेष	28-12-2070
6 कन्या	28-12-2053	3 मिथुन	28-07-2061	12 मीन	28-03-2064	12 मीन	27-11-2071
7 तुला	27-11-2054	4 कर्क	27-01-2062	11 कुंभ	28-04-2064	11 कुंभ	27-10-2072
8 वृश्चिक	28-10-2055	5 सिंह	29-07-2062	10 मकर	28-05-2064	10 मकर	27-09-2073
9 धनु	27-09-2056	6 कन्या	27-01-2063	9 धनु	28-06-2064	11 कुंभ	28-07-2074
7 तुला	28-07-2057	8 वृश्चिक	29-07-2063	8 वृश्चिक	28-07-2064	12 मीन	29-03-2075
8 वृश्चिक	27-01-2058	7 तुला	28-08-2063	7 तुला	28-06-2065	1 मेष	27-11-2075
कुंभ (8व)	95व 11म	कन्या (2व)	105व 11म	कन्या (2व)	116व 11म	मिथुन (1व)	124व 0म
आरम्भ	28-07-2076	आरम्भ	27-01-2080	आरम्भ	27-01-2088	आरम्भ	27-04-2092
अन्त	27-01-2080	अन्त	27-01-2088	अन्त	27-04-2092	अन्त	29-03-2101
2 वृष	28-07-2076	9 धनु	27-01-2080	9 धनु	27-01-2088	6 कन्या	27-04-2092
3 मिथुन	28-03-2077	8 वृश्चिक	28-03-2080	7 तुला	27-11-2088	7 तुला	28-03-2093
4 कर्क	27-11-2077	7 तुला	28-05-2080	8 वृश्चिक	27-12-2088	8 वृश्चिक	26-02-2094
6 कन्या	28-07-2078	6 कन्या	28-07-2080	9 धनु	26-01-2089	9 धनु	27-01-2095
5 सिंह	27-09-2078	5 सिंह	28-05-2081	10 मकर	26-02-2089	10 मकर	28-12-2095
4 कर्क	27-11-2078	4 कर्क	29-03-2082	11 कुंभ	28-03-2089	11 कुंभ	26-11-2096
3 मिथुन	27-01-2079	3 मिथुन	27-01-2083	12 मीन	28-04-2089	12 मीन	27-10-2097
2 वृष	29-03-2079	2 वृष	27-11-2083	1 मेष	28-05-2089	1 मेष	27-09-2098
1 मेष	29-05-2079	1 मेष	27-09-2084	2 वृष	28-06-2089	6 कन्या	28-07-2099
12 मीन	29-07-2079	12 मीन	28-07-2085	3 मिथुन	28-07-2089	5 सिंह	28-12-2099
11 कुंभ	28-09-2079	11 कुंभ	28-05-2086	4 कर्क	28-06-2090	4 कर्क	29-05-2100
10 मकर	27-11-2079	10 मकर	29-03-2087	5 सिंह	29-05-2091	3 मिथुन	28-10-2100



## नवांश दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मेष (6व)	०व ०म	वृष (1व)	६व ०म	मिथुन (1व)	७व ०म	कर्क (4व)	८व ०म
आरम्भ	29-07-1982	आरम्भ	29-07-1988	आरम्भ	29-07-1989	आरम्भ	29-07-1990
अन्त	29-07-1988	अन्त	29-07-1989	अन्त	29-07-1990	अन्त	29-07-1994
7 तुला	29-07-1982	8 वृश्चिक	29-07-1988	3 मिथुन	29-07-1989	4 कर्क	29-07-1990
8 वृश्चिक	28-01-1983	7 तुला	28-08-1988	4 कर्क	28-08-1989	3 मिथुन	28-11-1990
9 धनु	29-07-1983	6 कन्या	27-09-1988	5 सिंह	28-09-1989	2 वृष	30-03-1991
10 मकर	28-01-1984	5 सिंह	28-10-1988	6 कन्या	28-10-1989	1 मेष	29-07-1991
11 कुंभ	29-07-1984	4 कर्क	27-11-1988	7 तुला	28-11-1989	12 मीन	28-11-1991
12 मीन	27-01-1985	3 मिथुन	28-12-1988	8 वृश्चिक	28-12-1989	11 कुंभ	29-03-1992
1 मेष	29-07-1985	2 वृष	27-01-1989	9 धनु	27-01-1990	10 मकर	29-07-1992
2 वृष	27-01-1986	1 मेष	27-02-1989	10 मकर	27-02-1990	9 धनु	27-11-1992
3 मिथुन	29-07-1986	12 मीन	29-03-1989	11 कुंभ	29-03-1990	8 वृश्चिक	29-03-1993
4 कर्क	28-01-1987	11 कुंभ	29-04-1989	12 मीन	29-04-1990	7 तुला	29-07-1993
5 सिंह	29-07-1987	10 मकर	29-05-1989	1 मेष	29-05-1990	6 कन्या	28-11-1993
6 कन्या	28-01-1988	9 धनु	28-06-1989	2 वृष	29-06-1990	5 सिंह	29-03-1994
<b>सिंह (11व)</b>		<b>12व ०म</b>		<b>कन्या (10व)</b>		<b>23व ०म</b>	
आरम्भ	29-07-1994	आरम्भ	29-07-2005	तुला (8व)	33व ०म	वृश्चिक (11व)	41व ०म
अन्त	29-07-2005	अन्त	29-07-2015	आरम्भ	29-07-2015	आरम्भ	29-07-2023
11 कुंभ	29-07-1994	6 कन्या	29-07-2005	अन्त	29-07-2023	अन्त	29-07-2034
12 मीन	29-06-1995	5 सिंह	29-05-2006	7 तुला	29-07-2015	8 वृश्चिक	29-07-2023
1 मेष	29-05-1996	4 कर्क	29-03-2007	8 वृश्चिक	29-03-2016	7 तुला	28-06-2024
2 वृष	28-04-1997	3 मिथुन	28-01-2008	9 धनु	27-11-2016	6 कन्या	29-05-2025
3 मिथुन	29-03-1998	2 वृष	27-11-2008	10 मकर	29-07-2017	5 सिंह	28-04-2026
4 कर्क	27-02-1999	1 मेष	28-09-2009	11 कुंभ	29-03-2018	4 कर्क	29-03-2027
5 सिंह	28-01-2000	12 मीन	29-07-2010	12 मीन	28-11-2018	3 मिथुन	27-02-2028
6 कन्या	28-12-2000	11 कुंभ	29-05-2011	1 मेष	29-07-2019	2 वृष	27-01-2029
7 तुला	27-11-2001	10 मकर	29-03-2012	2 वृष	29-03-2020	1 मेष	28-12-2029
8 वृश्चिक	28-10-2002	9 धनु	27-01-2013	3 मिथुन	27-11-2020	12 मीन	28-11-2030
9 धनु	28-09-2003	8 वृश्चिक	27-11-2013	4 कर्क	29-07-2021	11 कुंभ	28-10-2031
10 मकर	28-08-2004	7 तुला	28-09-2014	5 सिंह	29-03-2022	10 मकर	27-09-2032
<b>धनु (10व)</b>		<b>52व ०म</b>		<b>मकर (8व)</b>		<b>61व 11म</b>	
आरम्भ	29-07-2034	आरम्भ	28-07-2044	कुंभ (7व)	69व 11म	मीन (7व)	77व ०म
अन्त	28-07-2044	अन्त	28-07-2052	आरम्भ	28-07-2052	आरम्भ	29-07-2059
3 मिथुन	29-07-2034	4 कर्क	28-07-2044	अन्त	29-07-2059	अन्त	28-07-2066
4 कर्क	29-05-2035	3 मिथुन	29-03-2045	11 कुंभ	28-07-2052	6 कन्या	29-07-2059
5 सिंह	28-03-2036	2 वृष	27-11-2045	12 मीन	26-02-2053	5 सिंह	27-02-2060
6 कन्या	27-01-2037	1 मेष	29-07-2046	1 मेष	27-09-2053	4 कर्क	27-09-2060
7 तुला	27-11-2037	12 मीन	29-03-2047	2 वृष	28-04-2054	3 मिथुन	28-04-2061
8 वृश्चिक	28-09-2038	11 कुंभ	28-11-2047	3 मिथुन	27-11-2054	2 वृष	27-11-2061
9 धनु	29-07-2039	10 मकर	28-07-2048	4 कर्क	28-06-2055	1 मेष	28-06-2062
10 मकर	28-05-2040	9 धनु	29-03-2049	5 सिंह	27-01-2056	12 मीन	27-01-2063
11 कुंभ	29-03-2041	8 वृश्चिक	27-11-2049	6 कन्या	27-08-2056	11 कुंभ	28-08-2063
12 मीन	27-01-2042	7 तुला	29-07-2050	7 तुला	29-03-2057	10 मकर	28-03-2064
1 मेष	27-11-2042	6 कन्या	29-03-2051	8 वृश्चिक	28-10-2057	9 धनु	27-10-2064
2 वृष	28-09-2043	5 सिंह	28-11-2051	9 धनु	29-05-2058	8 वृश्चिक	28-05-2065
				10 मकर	28-12-2058	7 तुला	27-12-2065



## नवांश दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मेष (6व)	83व 11म	वृष (1व)	89व 11म	मिथुन (1व)	90व 11म	कर्क (4व)	91व 11म
आरम्भ	28-07-2066	आरम्भ	28-07-2072	आरम्भ	28-07-2073	आरम्भ	28-07-2074
अन्त	28-07-2072	अन्त	28-07-2073	अन्त	28-07-2074	अन्त	28-07-2078
7 तुला	28-07-2066	8 वृश्चिक	28-07-2072	3 मिथुन	28-07-2073	4 कर्क	28-07-2074
8 वृश्चिक	27-01-2067	7 तुला	27-08-2072	4 कर्क	28-08-2073	3 मिथुन	27-11-2074
9 धनु	29-07-2067	6 कन्या	27-09-2072	5 सिंह	27-09-2073	2 वृष	29-03-2075
10 मकर	27-01-2068	5 सिंह	27-10-2072	6 कन्या	27-10-2073	1 मेष	29-07-2075
11 कुंभ	28-07-2068	4 कर्क	27-11-2072	7 तुला	27-11-2073	12 मीन	27-11-2075
12 मीन	27-01-2069	3 मिथुन	27-12-2072	8 वृश्चिक	27-12-2073	11 कुंभ	28-03-2076
1 मेष	28-07-2069	2 वृष	27-01-2073	9 धनु	27-01-2074	10 मकर	28-07-2076
2 वृष	27-01-2070	1 मेष	26-02-2073	10 मकर	26-02-2074	9 धनु	27-11-2076
3 मिथुन	28-07-2070	12 मीन	28-03-2073	11 कुंभ	29-03-2074	8 वृश्चिक	28-03-2077
4 कर्क	27-01-2071	11 कुंभ	28-04-2073	12 मीन	28-04-2074	7 तुला	28-07-2077
5 सिंह	29-07-2071	10 मकर	28-05-2073	1 मेष	29-05-2074	6 कन्या	27-11-2077
6 कन्या	27-01-2072	9 धनु	28-06-2073	2 वृष	28-06-2074	5 सिंह	29-03-2078
<b>सिंह (11व)</b>	<b>95व 11म</b>	<b>कन्या (10व)</b>	<b>106व 11म</b>	<b>तुला (8व)</b>	<b>116व 11म</b>	<b>वृश्चिक (11व)</b>	<b>125व 0म</b>
आरम्भ	28-07-2078	आरम्भ	28-07-2089	आरम्भ	28-07-2099	आरम्भ	29-07-2107
अन्त	28-07-2089	अन्त	28-07-2099	अन्त	29-07-2107	अन्त	29-07-2118
11 कुंभ	28-07-2078	6 कन्या	28-07-2089	7 तुला	28-07-2099	8 वृश्चिक	29-07-2107
12 मीन	28-06-2079	5 सिंह	28-05-2090	8 वृश्चिक	29-03-2100	7 तुला	28-06-2108
1 मेष	28-05-2080	4 कर्क	29-03-2091	9 धनु	27-11-2100	6 कन्या	29-05-2109
2 वृष	28-04-2081	3 मिथुन	27-01-2092	10 मकर	29-07-2101	5 सिंह	29-04-2110
3 मिथुन	29-03-2082	2 वृष	27-11-2092	11 कुंभ	29-03-2102	4 कर्क	30-03-2111
4 कर्क	26-02-2083	1 मेष	27-09-2093	12 मीन	28-11-2102	3 मिथुन	27-02-2112
5 सिंह	27-01-2084	12 मीन	28-07-2094	1 मेष	29-07-2103	2 वृष	27-01-2113
6 कन्या	27-12-2084	11 कुंभ	29-05-2095	2 वृष	29-03-2104	1 मेष	28-12-2113
7 तुला	27-11-2085	10 मकर	28-03-2096	3 मिथुन	27-11-2104	12 मीन	28-11-2114
8 वृश्चिक	28-10-2086	9 धनु	26-01-2097	4 कर्क	29-07-2105	11 कुंभ	29-10-2115
9 धनु	27-09-2087	8 वृश्चिक	27-11-2097	5 सिंह	29-03-2106	10 मकर	27-09-2116
10 मकर	27-08-2088	7 तुला	27-09-2098	6 कन्या	28-11-2106	9 धनु	28-08-2117
<b>धनु (10व)</b>	<b>136व 0म</b>	<b>मकर (8व)</b>	<b>145व 11म</b>	<b>कुंभ (7व)</b>	<b>153व 11म</b>	<b>मीन (7व)</b>	<b>161व 0म</b>
आरम्भ	29-07-2118	आरम्भ	28-07-2128	आरम्भ	28-07-2136	आरम्भ	29-07-2143
अन्त	28-07-2128	अन्त	28-07-2136	अन्त	29-07-2143	अन्त	29-07-2150
3 मिथुन	29-07-2118	4 कर्क	28-07-2128	11 कुंभ	28-07-2136	6 कन्या	29-07-2143
4 कर्क	29-05-2119	3 मिथुन	29-03-2129	12 मीन	26-02-2137	5 सिंह	27-02-2144
5 सिंह	29-03-2120	2 वृष	27-11-2129	1 मेष	28-09-2137	4 कर्क	27-09-2144
6 कन्या	27-01-2121	1 मेष	29-07-2130	2 वृष	29-04-2138	3 मिथुन	28-04-2145
7 तुला	28-11-2121	12 मीन	29-03-2131	3 मिथुन	28-11-2138	2 वृष	27-11-2145
8 वृश्चिक	28-09-2122	11 कुंभ	28-11-2131	4 कर्क	29-06-2139	1 मेष	28-06-2146
9 धनु	29-07-2123	10 मकर	28-07-2132	5 सिंह	28-01-2140	12 मीन	27-01-2147
10 मकर	29-05-2124	9 धनु	29-03-2133	6 कन्या	28-08-2140	11 कुंभ	29-08-2147
11 कुंभ	29-03-2125	8 वृश्चिक	27-11-2133	7 तुला	29-03-2141	10 मकर	29-03-2148
12 मीन	27-01-2126	7 तुला	29-07-2134	8 वृश्चिक	28-10-2141	9 धनु	28-10-2148
1 मेष	28-11-2126	6 कन्या	29-03-2135	9 धनु	29-05-2142	8 वृश्चिक	29-05-2149
2 वृष	28-09-2127	5 सिंह	28-11-2135	10 मकर	28-12-2142	7 तुला	28-12-2149



## नारायण दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (11व)	०व ०म	मिथुन (1व)	११व ०म	मकर (4व)	१२व ०म	सिंह (1व)	१६व ०म
आरम्भ	29-07-1982	आरम्भ	29-07-1993	आरम्भ	29-07-1994	आरम्भ	29-07-1998
अन्त	29-07-1993	अन्त	29-07-1994	अन्त	29-07-1998	अन्त	29-07-1999
8 वृश्चिक	29-07-1982	3 मिथुन	29-07-1993	4 कर्क	29-07-1994	11 कुंभ	29-07-1998
7 तुला	29-06-1983	4 कक्ष	28-08-1993	3 मिथुन	28-11-1994	12 मीन	28-08-1998
6 कन्या	29-05-1984	5 सिंह	28-09-1993	2 वृष	30-03-1995	1 मेष	28-09-1998
5 सिंह	29-04-1985	6 कन्या	28-10-1993	1 मष	29-07-1995	2 वृष	28-10-1998
4 कर्क	29-03-1986	7 तुला	28-11-1993	12 मीन	28-11-1995	3 मिथुन	28-11-1998
3 मिथुन	27-02-1987	8 वृश्चिक	28-12-1993	11 कुंभ	29-03-1996	4 कक्ष	28-12-1998
2 वृष	28-01-1988	9 धनु	27-01-1994	10 मकर	29-07-1996	5 सिंह	28-01-1999
1 मेष	28-12-1988	10 मकर	27-02-1994	9 धनु	27-11-1996	6 कन्या	27-02-1999
12 मीन	28-11-1989	11 कुंभ	29-03-1994	8 वृश्चिक	29-03-1997	7 तुला	30-03-1999
11 कुंभ	28-10-1990	12 मीन	29-04-1994	7 तुला	29-07-1997	8 वृश्चिक	29-04-1999
10 मकर	28-09-1991	1 मेष	29-05-1994	6 कन्या	28-11-1997	9 धनु	29-05-1999
9 धनु	28-08-1992	2 वृष	29-06-1994	5 सिंह	29-03-1998	10 मकर	29-06-1999
<b>मीन (5व)</b>	<b>१७व ०म</b>	<b>तुला (8व)</b>	<b>२१व ११म</b>	<b>वृष (1व)</b>	<b>२९व ११म</b>	<b>धनु (10व)</b>	<b>३१व ०म</b>
आरम्भ	29-07-1999	आरम्भ	28-07-2004	आरम्भ	28-07-2012	आरम्भ	29-07-2013
अन्त	28-07-2004	अन्त	28-07-2012	अन्त	29-07-2013	अन्त	29-07-2023
6 कन्या	29-07-1999	7 तुला	28-07-2004	8 वृश्चिक	28-07-2012	3 मिथुन	29-07-2013
5 सिंह	28-12-1999	8 वृश्चिक	29-03-2005	7 तुला	28-08-2012	4 कक्ष	29-05-2014
4 कर्क	29-05-2000	9 धनु	27-11-2005	6 कन्या	27-09-2012	5 सिंह	29-03-2015
3 मिथुन	28-10-2000	10 मकर	29-07-2006	5 सिंह	28-10-2012	6 कन्या	28-01-2016
2 वृष	29-03-2001	11 कुंभ	29-03-2007	4 कर्क	27-11-2012	7 तुला	27-11-2016
1 मेष	28-08-2001	12 मीन	28-11-2007	3 मिथुन	28-12-2012	8 वृश्चिक	27-09-2017
12 मीन	27-01-2002	1 मेष	28-07-2008	2 वृष	27-01-2013	9 धनु	29-07-2018
11 कुंभ	29-06-2002	2 वृष	29-03-2009	1 मेष	26-02-2013	10 मकर	29-05-2019
10 मकर	28-11-2002	3 मिथुन	27-11-2009	12 मीन	29-03-2013	11 कुंभ	29-03-2020
9 धनु	29-04-2003	4 कक्ष	29-07-2010	11 कुंभ	28-04-2013	12 मीन	27-01-2021
8 वृश्चिक	28-09-2003	5 सिंह	29-03-2011	10 मकर	29-05-2013	1 मेष	27-11-2021
7 तुला	27-02-2004	6 कन्या	28-11-2011	9 धनु	28-06-2013	2 वृष	28-09-2022
<b>कर्क (7व)</b>	<b>४१व ०म</b>	<b>कुंभ (8व)</b>	<b>४८व ०म</b>	<b>कन्या (2व)</b>	<b>५६व ०म</b>	<b>मेष (6व)</b>	<b>५७व ११म</b>
आरम्भ	29-07-2023	आरम्भ	29-07-2030	आरम्भ	29-07-2038	आरम्भ	28-07-2040
अन्त	29-07-2030	अन्त	29-07-2038	अन्त	28-07-2040	अन्त	29-07-2046
4 कर्क	29-07-2023	11 कुंभ	29-07-2030	6 कन्या	29-07-2038	7 तुला	28-07-2040
3 मिथुन	27-02-2024	12 मीन	29-03-2031	5 सिंह	28-09-2038	8 वृश्चिक	27-01-2041
2 वृष	27-09-2024	1 मेष	28-11-2031	4 कर्क	27-11-2038	9 धनु	28-07-2041
1 मेष	28-04-2025	2 वृष	28-07-2032	3 मिथुन	27-01-2039	10 मकर	27-01-2042
12 मीन	27-11-2025	3 मिथुन	29-03-2033	2 वृष	29-03-2039	11 कुंभ	29-07-2042
11 कुंभ	28-06-2026	4 कक्ष	27-11-2033	1 मेष	29-05-2039	12 मीन	27-01-2043
10 मकर	27-01-2027	5 सिंह	29-07-2034	12 मीन	29-07-2039	1 मेष	29-07-2043
9 धनु	28-08-2027	6 कन्या	29-03-2035	11 कुंभ	28-09-2039	2 वृष	28-01-2044
8 वृश्चिक	29-03-2028	7 तुला	28-11-2035	10 मकर	28-11-2039	3 मिथुन	28-07-2044
7 तुला	28-10-2028	8 वृश्चिक	28-07-2036	9 धनु	28-01-2040	4 कक्ष	27-01-2045
6 कन्या	29-05-2029	9 धनु	29-03-2037	8 वृश्चिक	28-03-2040	5 सिंह	28-07-2045
5 सिंह	28-12-2029	10 मकर	27-11-2037	7 तुला	28-05-2040	6 कन्या	27-01-2046



## नारायण दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (11व)	64व 0म	मिथुन (1व)	65व 0म	मकर (4व)	76व 0म	सिंह (1व)	83व 11म
आरम्भ	29-07-2046	आरम्भ	28-11-2055	आरम्भ	28-07-2061	आरम्भ	28-10-2066
अन्त	28-11-2055	अन्त	28-07-2061	अन्त	28-10-2066	अन्त	28-04-2070
8 वृश्चिक	29-07-2046	11 कुंभ	28-11-2055	7 तुला	28-07-2061	2 वृष	28-10-2066
7 तुला	28-06-2047	12 मीन	27-10-2056	6 कन्या	27-11-2061	3 मिथुन	27-11-2066
1 मेष	28-05-2048	1 मेष	27-09-2057	5 सिंह	29-03-2062	4 कर्क	28-12-2066
2 वृष	28-06-2048	4 कर्क	29-07-2058	4 कर्क	29-07-2062	5 सिंह	27-01-2067
3 मिथुन	28-07-2048	3 मिथुन	27-11-2058	3 मिथुन	29-03-2063	6 कन्या	27-02-2067
4 कर्क	28-06-2049	2 वृष	29-03-2059	2 वृष	28-11-2063	7 तुला	29-03-2067
5 सिंह	29-05-2050	1 मेष	29-07-2059	1 मेष	28-07-2064	8 वृश्चिक	28-04-2067
6 कन्या	29-04-2051	12 मीन	28-11-2059	12 मीन	28-03-2065	9 धनु	29-05-2067
7 तुला	28-03-2052	11 कुंभ	28-03-2060	11 कुंभ	27-11-2065	10 मकर	28-06-2067
8 वृश्चिक	26-02-2053	10 मकर	28-07-2060	11 कुंभ	28-07-2066	11 कुंभ	29-07-2067
9 धनु	27-01-2054	9 धनु	27-11-2060	12 मीन	28-08-2066	12 मीन	28-06-2068
10 मकर	28-12-2054	8 वृश्चिक	29-03-2061	1 मेष	27-09-2066	1 मेष	28-05-2069
सिंह (1व)	94व 11म	मीन (5व)	101व 11म	तुला (8व)	105व 11म	वृष (1व)	116व 11म
आरम्भ	28-04-2070	आरम्भ	29-03-2079	आरम्भ	28-07-2084	आरम्भ	26-01-2089
अन्त	29-03-2079	अन्त	27-11-2084	अन्त	26-01-2089	अन्त	27-01-2095
2 वृष	28-04-2070	2 वृष	29-03-2079	7 तुला	28-07-2084	2 वृष	26-01-2089
3 मिथुन	29-03-2071	1 मेष	28-08-2079	8 वृश्चिक	28-03-2085	1 मेष	26-02-2089
4 कर्क	27-02-2072	12 मीन	27-01-2080	9 धनु	27-11-2085	12 मीन	28-03-2089
5 सिंह	27-01-2073	11 कुंभ	27-06-2080	10 मकर	28-07-2086	11 कुंभ	28-04-2089
6 कन्या	27-12-2073	10 मकर	27-11-2080	11 कुंभ	29-03-2087	10 मकर	28-05-2089
7 तुला	27-11-2074	9 धनु	28-04-2081	12 मीन	27-11-2087	9 धनु	28-06-2089
8 वृश्चिक	28-10-2075	8 वृश्चिक	27-09-2081	8 वृश्चिक	28-07-2088	8 वृश्चिक	28-07-2089
9 धनु	27-09-2076	7 तुला	26-02-2082	7 तुला	27-08-2088	7 तुला	28-06-2090
6 कन्या	28-07-2077	6 कन्या	28-07-2082	6 कन्या	27-09-2088	6 कन्या	29-05-2091
5 सिंह	27-12-2077	5 सिंह	26-02-2083	5 सिंह	27-10-2088	5 सिंह	27-04-2092
4 कर्क	29-05-2078	4 कर्क	27-09-2083	4 कर्क	27-11-2088	4 कर्क	28-03-2093
3 मिथुन	28-10-2078	3 मिथुन	28-04-2084	3 मिथुन	27-12-2088	3 मिथुन	26-02-2094
वृष (1व)	119व 0म	कर्क (7व)	124व 0म	कन्या (2व)	128व 0म	कन्या (2व)	138व 0म
आरम्भ	27-01-2095	आरम्भ	28-11-2103	आरम्भ	28-09-2110	आरम्भ	29-05-2113
अन्त	28-11-2103	अन्त	28-09-2110	अन्त	29-05-2113	अन्त	27-01-2122
2 वृष	27-01-2095	12 मीन	28-11-2103	5 सिंह	28-09-2110	5 सिंह	29-05-2113
1 मेष	28-12-2095	11 कुंभ	28-06-2104	4 कर्क	28-11-2110	4 कर्क	29-03-2114
12 मीन	26-11-2096	10 मकर	27-01-2105	3 मिथुन	28-01-2111	3 मिथुन	28-01-2115
11 कुंभ	27-10-2097	9 धनु	28-08-2105	2 वृष	30-03-2111	2 वृष	28-11-2115
10 मकर	27-09-2098	8 वृश्चिक	29-03-2106	1 मेष	30-05-2111	1 मेष	27-09-2116
3 मिथुन	28-07-2099	11 कुंभ	29-07-2106	12 मीन	29-07-2111	12 मीन	29-07-2117
4 कर्क	29-05-2100	12 मीन	30-03-2107	11 कुंभ	28-09-2111	11 कुंभ	29-05-2118
5 सिंह	29-03-2101	1 मेष	28-11-2107	10 मकर	28-11-2111	10 मकर	30-03-2119
4 कर्क	29-07-2101	2 वृष	29-07-2108	9 धनु	28-01-2112	9 धनु	28-01-2120
3 मिथुन	27-02-2102	3 मिथुन	29-03-2109	8 वृश्चिक	29-03-2112	7 तुला	29-07-2120
2 वृष	28-09-2102	4 कर्क	28-11-2109	7 तुला	29-05-2112	8 वृश्चिक	27-01-2121
1 मेष	29-04-2103	6 कन्या	29-07-2110	6 कन्या	29-07-2112	9 धनु	29-07-2121



## लग्न केन्द्रादि राशी दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (11व)	०व ०म	सिंह (1व)	११व ०म	वृष (१व)	१२व ०म	कुंभ (८व)	१३व ०म
आरम्भ	29-07-1982	आरम्भ	29-07-1993	आरम्भ	29-07-1994	आरम्भ	29-07-1995
अन्त	29-07-1993	अन्त	29-07-1994	अन्त	29-07-1995	अन्त	29-07-2003
8 वृश्चिक	29-07-1982	11 कुंभ	29-07-1993	8 वृश्चिक	29-07-1994	11 कुंभ	29-07-1995
7 तुला	29-06-1983	12 मीन	28-08-1993	7 तुला	28-08-1994	12 मीन	29-03-1996
6 कन्या	29-05-1984	1 मेष	28-09-1993	6 कन्या	28-09-1994	1 मेष	27-11-1996
5 सिंह	29-04-1985	2 वृष	28-10-1993	5 सिंह	28-10-1994	2 वृष	29-07-1997
4 कर्क	29-03-1986	3 मिथुन	28-11-1993	4 कर्क	28-11-1994	3 मिथुन	29-03-1998
3 मिथुन	27-02-1987	4 कर्क	28-12-1993	3 मिथुन	28-12-1994	4 कर्क	28-11-1998
2 वृष	28-01-1988	5 सिंह	27-01-1994	2 वृष	28-01-1995	5 सिंह	29-07-1999
1 मेष	28-12-1988	6 कन्या	27-02-1994	1 मेष	27-02-1995	6 कन्या	29-03-2000
12 मीन	28-11-1989	7 तुला	29-03-1994	12 मीन	30-03-1995	7 तुला	27-11-2000
11 कुंभ	28-10-1990	8 वृश्चिक	29-04-1994	11 कुंभ	29-04-1995	8 वृश्चिक	29-07-2001
10 मकर	28-09-1991	9 धनु	29-05-1994	10 मकर	29-05-1995	9 धनु	29-03-2002
9 धनु	28-08-1992	10 मकर	29-06-1994	9 धनु	29-06-1995	10 मकर	28-11-2002

तुला (8व)	२१व ०म	कर्क (7व)	२९व ०म	मेष (6व)	३६व ०म	मकर (4व)	४१व ११म
आरम्भ	29-07-2003	आरम्भ	29-07-2011	आरम्भ	29-07-2018	आरम्भ	28-07-2024
अन्त	29-07-2011	अन्त	29-07-2018	अन्त	28-07-2024	अन्त	28-07-2028
7 तुला	29-07-2003	4 कर्क	29-07-2011	7 तुला	29-07-2018	4 कर्क	28-07-2024
8 वृश्चिक	29-03-2004	3 मिथुन	27-02-2012	8 वृश्चिक	27-01-2019	3 मिथुन	27-11-2024
9 धनु	27-11-2004	2 वृष	27-09-2012	9 धनु	29-07-2019	2 वृष	29-03-2025
10 मकर	29-07-2005	1 मेष	28-04-2013	10 मकर	28-01-2020	1 मेष	29-07-2025
11 कुंभ	29-03-2006	12 मीन	27-11-2013	11 कुंभ	28-07-2020	12 मीन	27-11-2025
12 मीन	28-11-2006	11 कुंभ	28-06-2014	12 मीन	27-01-2021	11 कुंभ	29-03-2026
1 मेष	29-07-2007	10 मकर	28-01-2015	1 मेष	29-07-2021	10 मकर	29-07-2026
2 वृष	29-03-2008	9 धनु	29-08-2015	2 वृष	27-01-2022	9 धनु	28-11-2026
3 मिथुन	27-11-2008	8 वृश्चिक	29-03-2016	3 मिथुन	29-07-2022	8 वृश्चिक	29-03-2027
4 कर्क	29-07-2009	7 तुला	28-10-2016	4 कर्क	27-01-2023	7 तुला	29-07-2027
5 सिंह	29-03-2010	6 कन्या	29-05-2017	5 सिंह	29-07-2023	6 कन्या	28-11-2027
6 कन्या	28-11-2010	5 सिंह	28-12-2017	6 कन्या	28-01-2024	5 सिंह	29-03-2028

कन्या (2व)	४५व ११म	मिथुन (1व)	४८व ०म	मीन (5व)	४९व ०म	धनु (10व)	५३व ११म
आरम्भ	28-07-2028	आरम्भ	29-07-2030	आरम्भ	29-07-2031	आरम्भ	28-07-2036
अन्त	29-07-2030	अन्त	29-07-2031	अन्त	28-07-2036	अन्त	29-07-2046
6 कन्या	28-07-2028	3 मिथुन	29-07-2030	6 कन्या	29-07-2031	3 मिथुन	28-07-2036
5 सिंह	27-09-2028	4 कर्क	28-08-2030	5 सिंह	28-12-2031	4 कर्क	29-05-2037
4 कर्क	27-11-2028	5 सिंह	28-09-2030	4 कर्क	28-05-2032	5 सिंह	29-03-2038
3 मिथुन	27-01-2029	6 कन्या	28-10-2030	3 मिथुन	28-10-2032	6 कन्या	27-01-2039
2 वृष	29-03-2029	7 तुला	28-11-2030	2 वृष	29-03-2033	7 तुला	28-11-2039
1 मेष	29-05-2029	8 वृश्चिक	28-12-2030	1 मेष	28-08-2033	8 वृश्चिक	27-09-2040
12 मीन	29-07-2029	9 धनु	27-01-2031	12 मीन	27-01-2034	9 धनु	28-07-2041
11 कुंभ	27-09-2029	10 मकर	27-02-2031	11 कुंभ	28-06-2034	10 मकर	29-05-2042
10 मकर	27-11-2029	11 कुंभ	29-03-2031	10 मकर	27-11-2034	11 कुंभ	29-03-2043
9 धनु	27-01-2030	12 मीन	29-04-2031	9 धनु	29-04-2035	12 मीन	28-01-2044
8 वृश्चिक	29-03-2030	1 मेष	29-05-2031	8 वृश्चिक	28-09-2035	1 मेष	27-11-2044
7 तुला	29-05-2030	2 वृष	29-06-2031	7 तुला	27-02-2036	2 वृष	27-09-2045



## लग्न केन्द्रादि राशी दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

सिंह (1व)	64व 0म	सिंह (1व)	74व 11म	वृष (1व)	85व 11म	वृष (1व)	89व 11म
आरम्भ	29-07-2046	आरम्भ	29-07-2047	आरम्भ	27-09-2057	आरम्भ	28-05-2060
अन्त	29-07-2047	अन्त	27-09-2057	अन्त	28-05-2060	अन्त	28-07-2070
<b>11</b> कुंभ	29-07-2046	<b>11</b> कुंभ	29-07-2047	<b>6</b> कन्या	27-09-2057	<b>6</b> कन्या	28-05-2060
<b>12</b> मीन	28-08-2046	<b>12</b> मीन	28-06-2048	<b>5</b> सिंह	28-10-2057	<b>5</b> सिंह	28-04-2061
<b>1</b> मेष	28-09-2046	<b>1</b> मेष	28-05-2049	<b>4</b> कर्क	27-11-2057	<b>4</b> कर्क	29-03-2062
<b>2</b> वृष	28-10-2046	<b>2</b> वृष	28-04-2050	<b>3</b> मिथुन	27-12-2057	<b>3</b> मिथुन	27-02-2063
<b>3</b> मिथुन	27-11-2046	<b>3</b> मिथुन	29-03-2051	<b>2</b> वृष	27-01-2058	<b>2</b> वृष	27-01-2064
<b>4</b> कर्क	28-12-2046	<b>4</b> कर्क	27-02-2052	<b>1</b> मेष	26-02-2058	<b>1</b> मेष	27-12-2064
<b>5</b> सिंह	27-01-2047	<b>5</b> सिंह	27-01-2053	<b>12</b> मीन	29-03-2058	<b>12</b> मीन	27-11-2065
<b>6</b> कन्या	27-02-2047	<b>6</b> कन्या	28-12-2053	<b>11</b> कुंभ	28-04-2058	<b>11</b> कुंभ	28-10-2066
<b>7</b> तुला	29-03-2047	<b>7</b> तुला	27-11-2054	<b>10</b> मकर	29-05-2058	<b>10</b> मकर	28-09-2067
<b>8</b> वृश्चिक	29-04-2047	<b>8</b> वृश्चिक	28-10-2055	<b>9</b> धनु	28-06-2058	<b>11</b> कुंभ	28-07-2068
<b>9</b> धनु	29-05-2047	<b>9</b> धनु	27-09-2056	<b>8</b> वृश्चिक	29-07-2058	<b>12</b> मीन	28-03-2069
<b>10</b> मकर	28-06-2047	<b>7</b> तुला	28-08-2057	<b>7</b> तुला	28-06-2059	<b>1</b> मेष	27-11-2069
<b>कुंभ (8व)</b>	<b>90व 11म</b>	<b>कर्क (7व)</b>	<b>95व 11म</b>	<b>मेष (6व)</b>	<b>101व 11म</b>	<b>मकर (4व)</b>	<b>109व 11म</b>
आरम्भ	28-07-2070	आरम्भ	29-03-2078	आरम्भ	27-01-2084	आरम्भ	28-03-2088
अन्त	29-03-2078	अन्त	27-01-2084	अन्त	28-03-2088	अन्त	27-11-2095
<b>2</b> वृष	28-07-2070	<b>8</b> वृश्चिक	29-03-2078	<b>6</b> कन्या	27-01-2084	<b>5</b> सिंह	28-03-2088
<b>3</b> मिथुन	29-03-2071	<b>7</b> तुला	28-07-2078	<b>4</b> कर्क	28-07-2084	<b>4</b> कर्क	28-07-2088
<b>4</b> कर्क	27-11-2071	<b>8</b> वृश्चिक	27-01-2079	<b>3</b> मिथुन	27-11-2084	<b>3</b> मिथुन	28-03-2089
<b>8</b> वृश्चिक	28-07-2072	<b>9</b> धनु	29-07-2079	<b>2</b> वृष	28-03-2085	<b>2</b> वृष	27-11-2089
<b>7</b> तुला	28-06-2073	<b>10</b> मकर	27-01-2080	<b>1</b> मेष	28-07-2085	<b>1</b> मेष	28-07-2090
<b>3</b> मिथुन	26-02-2074	<b>11</b> कुंभ	28-07-2080	<b>12</b> मीन	27-11-2085	<b>12</b> मीन	29-03-2091
<b>2</b> वृष	27-09-2074	<b>12</b> मीन	26-01-2081	<b>11</b> कुंभ	29-03-2086	<b>11</b> कुंभ	27-11-2091
<b>1</b> मेष	28-04-2075	<b>1</b> मेष	28-07-2081	<b>10</b> मकर	28-07-2086	<b>7</b> तुला	28-07-2092
<b>12</b> मीन	27-11-2075	<b>2</b> वृष	27-01-2082	<b>9</b> धनु	27-11-2086	<b>8</b> वृश्चिक	28-03-2093
<b>11</b> कुंभ	27-06-2076	<b>3</b> मिथुन	28-07-2082	<b>8</b> वृश्चिक	29-03-2087	<b>9</b> धनु	27-11-2093
<b>10</b> मकर	27-01-2077	<b>4</b> कर्क	27-01-2083	<b>7</b> तुला	29-07-2087	<b>10</b> मकर	28-07-2094
<b>9</b> धनु	28-08-2077	<b>5</b> सिंह	29-07-2083	<b>6</b> कन्या	27-11-2087	<b>11</b> कुंभ	29-03-2095
<b>तुला (8व)</b>	<b>113व 11म</b>	<b>मिथुन (1व)</b>	<b>125व 0म</b>	<b>मीन (5व)</b>	<b>132व 0म</b>	<b>मीन (5व)</b>	<b>134व 0म</b>
आरम्भ	27-11-2095	आरम्भ	28-06-2097	आरम्भ	29-07-2107	आरम्भ	29-07-2112
अन्त	28-06-2097	अन्त	29-08-2107	अन्त	29-07-2112	अन्त	28-11-2117
<b>12</b> मीन	27-11-2095	<b>2</b> वृष	28-06-2097	<b>6</b> कन्या	29-07-2107	<b>6</b> कन्या	29-07-2112
<b>3</b> मिथुन	28-07-2096	<b>3</b> मिथुन	28-07-2097	<b>5</b> सिंह	29-12-2107	<b>5</b> सिंह	27-02-2113
<b>4</b> कर्क	27-08-2096	<b>4</b> कर्क	28-06-2098	<b>4</b> कर्क	29-05-2108	<b>4</b> कर्क	28-09-2113
<b>5</b> सिंह	27-09-2096	<b>5</b> सिंह	29-05-2099	<b>3</b> मिथुन	28-10-2108	<b>3</b> मिथुन	29-04-2114
<b>6</b> कन्या	27-10-2096	<b>6</b> कन्या	28-04-2100	<b>2</b> वृष	29-03-2109	<b>3</b> मिथुन	29-07-2114
<b>7</b> तुला	26-11-2096	<b>7</b> तुला	29-03-2101	<b>1</b> मेष	28-08-2109	<b>4</b> कर्क	29-05-2115
<b>8</b> वृश्चिक	27-12-2096	<b>8</b> वृश्चिक	27-02-2102	<b>12</b> मीन	28-01-2110	<b>5</b> सिंह	29-03-2116
<b>9</b> धनु	26-01-2097	<b>9</b> धनु	28-01-2103	<b>11</b> कुंभ	29-06-2110	<b>3</b> मिथुन	27-01-2117
<b>10</b> मकर	26-02-2097	<b>10</b> मकर	29-12-2103	<b>10</b> मकर	28-11-2110	<b>2</b> वृष	29-03-2117
<b>11</b> कुंभ	28-03-2097	<b>11</b> कुंभ	27-11-2104	<b>9</b> धनु	29-04-2111	<b>1</b> मेष	29-05-2117
<b>12</b> मीन	28-04-2097	<b>12</b> मीन	28-10-2105	<b>8</b> वृश्चिक	28-09-2111	<b>12</b> मीन	29-07-2117
<b>1</b> मेष	28-05-2097	<b>1</b> मेष	28-09-2106	<b>7</b> तुला	27-02-2112	<b>11</b> कुंभ	28-09-2117



## शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। \* आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (9व)	०व ०म	धनु (9व)	९व ०म	मकर (9व)	१७व ११म	कुंभ (9व)	२७व ०म
आरम्भ	29-07-1982	आरम्भ	29-07-1991	आरम्भ	28-07-2000	आरम्भ	29-07-2009
अन्त	29-07-1991	अन्त	28-07-2000	अन्त	29-07-2009	अन्त	29-07-2018
8 वृश्चिक	29-07-1982	9 धनु	29-07-1991	10 मकर	28-07-2000	11 कुंभ	29-07-2009
7 तुला	29-04-1983	10 मकर	28-04-1992	9 धनु	28-04-2001	12 मीन	29-04-2010
6 कन्या	28-01-1984	11 कुंभ	27-01-1993	8 वृश्चिक	27-01-2002	1 मेष	28-01-2011
5 सिंह	28-10-1984	12 मीन	28-10-1993	7 तुला	28-10-2002	2 वृष	28-10-2011
4 कर्क	29-07-1985	1 मेष	29-07-1994	6 कन्या	29-07-2003	3 मिथुन	28-07-2012
3 मिथुन	29-04-1986	2 वृष	29-04-1995	5 सिंह	28-04-2004	4 कर्क	28-04-2013
2 वृष	28-01-1987	3 मिथुन	28-01-1996	4 कर्क	27-01-2005	5 सिंह	27-01-2014
1 मेष	29-10-1987	4 कक	28-10-1996	3 मिथुन	28-10-2005	6 कन्या	28-10-2014
12 मीन	29-07-1988	5 सिंह	29-07-1997	2 वृष	29-07-2006	7 तुला	29-07-2015
11 कुंभ	29-04-1989	6 कन्या	29-04-1998	1 मेष	29-04-2007	8 वृश्चिक	28-04-2016
10 मकर	27-01-1990	7 तुला	28-01-1999	12 मीन	28-01-2008	9 धनु	27-01-2017
9 धनु	28-10-1990	8 वृश्चिक	29-10-1999	11 कुंभ	28-10-2008	10 मकर	28-10-2017
<b>मीन (9व)</b>	<b>३६व ०म</b>	<b>मेष (9व)</b>	<b>४५व ०म</b>	<b>वृष (9व)</b>	<b>५३व ११म</b>	<b>मिथुन (9व)</b>	<b>६२व ११म</b>
आरम्भ	29-07-2018	आरम्भ	29-07-2027	आरम्भ	28-07-2036	आरम्भ	28-07-2045
अन्त	29-07-2027	अन्त	28-07-2036	अन्त	28-07-2045	अन्त	29-07-2054
12 मीन	29-07-2018	1 मेष	29-07-2027	2 वृष	28-07-2036	3 मिथुन	28-07-2045
11 कुंभ	29-04-2019	2 वृष	28-04-2028	1 मेष	28-04-2037	4 कर्क	28-04-2046
10 मकर	28-01-2020	3 मिथुन	27-01-2029	12 मीन	27-01-2038	5 सिंह	27-01-2047
9 धनु	28-10-2020	4 कक	28-10-2029	11 कुंभ	28-10-2038	6 कन्या	28-10-2047
8 वृश्चिक	29-07-2021	5 सिंह	29-07-2030	10 मकर	29-07-2039	7 तुला	28-07-2048
7 तुला	29-04-2022	6 कन्या	29-04-2031	9 धनु	28-04-2040	8 वृश्चिक	28-04-2049
6 कन्या	27-01-2023	7 तुला	28-01-2032	8 वृश्चिक	27-01-2041	9 धनु	27-01-2050
5 सिंह	28-10-2023	8 वृश्चिक	28-10-2032	7 तुला	28-10-2041	10 मकर	28-10-2050
4 कर्क	28-07-2024	9 धनु	28-07-2033	6 कन्या	29-07-2042	11 कुंभ	29-07-2051
3 मिथुन	28-04-2025	10 मकर	28-04-2034	5 सिंह	29-04-2043	12 मीन	28-04-2052
2 वृष	27-01-2026	11 कुंभ	27-01-2035	4 कर्क	28-01-2044	1 मेष	27-01-2053
1 मेष	28-10-2026	12 मीन	28-10-2035	3 मिथुन	27-10-2044	2 वृष	28-10-2053
<b>कर्क (9व)</b>	<b>७२व ०म</b>	<b>सिंह (9व)</b>	<b>८१व ०म</b>	<b>कन्या (9व)</b>	<b>८९व ११म</b>	<b>तुला (9व)</b>	<b>९८व ११म</b>
आरम्भ	29-07-2054	आरम्भ	29-07-2063	आरम्भ	28-07-2072	आरम्भ	28-07-2081
अन्त	29-07-2063	अन्त	28-07-2072	अन्त	28-07-2081	अन्त	28-07-2090
4 कर्क	29-07-2054	5 सिंह	29-07-2063	6 कन्या	28-07-2072	7 तुला	28-07-2081
3 मिथुन	29-04-2055	6 कन्या	28-04-2064	5 सिंह	28-04-2073	8 वृश्चिक	28-04-2082
2 वृष	27-01-2056	7 तुला	27-01-2065	4 कर्क	27-01-2074	9 धनु	27-01-2083
1 मेष	27-10-2056	8 वृश्चिक	28-10-2065	3 मिथुन	28-10-2074	10 मकर	28-10-2083
12 मीन	28-07-2057	9 धनु	28-07-2066	2 वृष	29-07-2075	11 कुंभ	28-07-2084
11 कुंभ	28-04-2058	10 मकर	28-04-2067	1 मेष	28-04-2076	12 मीन	28-04-2085
10 मकर	27-01-2059	11 कुंभ	27-01-2068	12 मीन	27-01-2077	1 मेष	27-01-2086
9 धनु	28-10-2059	12 मीन	27-10-2068	11 कुंभ	27-10-2077	2 वृष	28-10-2086
8 वृश्चिक	28-07-2060	1 मेष	28-07-2069	10 मकर	28-07-2078	3 मिथुन	29-07-2087
7 तुला	28-04-2061	2 वृष	28-04-2070	9 धनु	28-04-2079	4 कर्क	27-04-2088
6 कन्या	27-01-2062	3 मिथुन	27-01-2071	8 वृश्चिक	27-01-2080	5 सिंह	26-01-2089
5 सिंह	28-10-2062	4 कक	28-10-2071	7 तुला	27-10-2080	6 कन्या	27-10-2089



## त्रिभागी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : गुरु १व ११म २०दि

जन्मकालीन दशा : गु-ल-ल-ल-ल

## गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु		
शनि		
बुध		
केतु		
शुक्र		
सूर्य		
चन्द्र		
मंगल	29-07-1982	12-12-1982
राहु	12-12-1982	19-07-1984

## शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	19-07-1984	21-07-1986
बुध	21-07-1986	07-05-1988
केतु	07-05-1988	01-02-1989
शुक्र	01-02-1989	14-03-1991
सूर्य	14-03-1991	31-10-1991
चन्द्र	31-10-1991	20-11-1992
मंगल	20-11-1992	16-08-1993
राहु	16-08-1993	11-07-1995
गुरु	11-07-1995	19-03-1997

## बुध (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	19-03-1997	27-10-1998
केतु	27-10-1998	25-06-1999
शुक्र	25-06-1999	15-05-2001
सूर्य	15-05-2001	08-12-2001
चन्द्र	08-12-2001	18-11-2002
मंगल	18-11-2002	17-07-2003
राहु	17-07-2003	29-03-2005
गुरु	29-03-2005	02-10-2006
शनि	02-10-2006	19-07-2008

## केतु (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	19-07-2008	26-10-2008
शुक्र	26-10-2008	06-08-2009
सूर्य	06-08-2009	30-10-2009
चन्द्र	30-10-2009	21-03-2010
मंगल	21-03-2010	29-06-2010
राहु	29-06-2010	11-03-2011
गुरु	11-03-2011	25-10-2011
शनि	25-10-2011	21-07-2012
बुध	21-07-2012	19-03-2013

## शुक्र (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	19-03-2013	09-06-2015
सूर्य	09-06-2015	07-02-2016
चन्द्र	07-02-2016	19-03-2017
मंगल	19-03-2017	28-12-2017
राहु	28-12-2017	29-12-2019
गुरु	29-12-2019	08-10-2021
शनि	08-10-2021	18-11-2023
बुध	18-11-2023	08-10-2025
केतु	08-10-2025	19-07-2026

## सूर्य (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	19-07-2026	30-09-2026
चन्द्र	30-09-2026	30-01-2027
मंगल	30-01-2027	25-04-2027
राहु	25-04-2027	30-11-2027
गुरु	30-11-2027	12-06-2028
शनि	12-06-2028	29-01-2029
बुध	29-01-2029	24-08-2029
केतु	24-08-2029	17-11-2029
शुक्र	17-11-2029	19-07-2030

## चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	19-07-2030	07-02-2031
मंगल	07-02-2031	29-06-2031
राहु	29-06-2031	28-06-2032
गुरु	28-06-2032	19-05-2033
शनि	19-05-2033	08-06-2034
बुध	08-06-2034	19-05-2035
केतु	19-05-2035	08-10-2035
शुक्र	08-10-2035	17-11-2036
सूर्य	17-11-2036	19-03-2037

## मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	19-03-2037	26-06-2037
राहु	26-06-2037	09-03-2038
गुरु	09-03-2038	22-10-2038
शनि	22-10-2038	19-07-2039
बुध	19-07-2039	17-03-2040
केतु	17-03-2040	24-06-2040
शुक्र	24-06-2040	04-04-2041
सूर्य	04-04-2041	28-06-2041
चन्द्र	28-06-2041	17-11-2041

## राहु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	17-11-2041	06-09-2043
गुरु	06-09-2043	12-04-2045
शनि	12-04-2045	07-03-2047
बुध	07-03-2047	17-11-2048
केतु	17-11-2048	31-07-2049
शुक्र	31-07-2049	31-07-2051
सूर्य	31-07-2051	06-03-2052
चन्द्र	06-03-2052	07-03-2053
मंगल	07-03-2053	17-11-2053



## त्रिभागी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : गुरु १व ११म २०दि

जन्मकालीन दशा : गु-ल-ल-ल-ल

## गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	17-11-2053	21-04-2055
शनि	21-04-2055	28-12-2056
बुध	28-12-2056	02-07-2058
केतु	02-07-2058	15-02-2059
शुक्र	15-02-2059	25-11-2060
सूर्य	25-11-2060	08-06-2061
चन्द्र	08-06-2061	29-04-2062
मंगल	29-04-2062	12-12-2062
राहु	12-12-2062	18-07-2064

## शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	18-07-2064	21-07-2066
बुध	21-07-2066	06-05-2068
केतु	06-05-2068	31-01-2069
शुक्र	31-01-2069	13-03-2071
सूर्य	13-03-2071	30-10-2071
चन्द्र	30-10-2071	19-11-2072
मंगल	19-11-2072	16-08-2073
राहु	16-08-2073	11-07-2075
गुरु	11-07-2075	19-03-2077

## बुध (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	19-03-2077	26-10-2078
केतु	26-10-2078	24-06-2079
शुक्र	24-06-2079	14-05-2081
सूर्य	14-05-2081	07-12-2081
चन्द्र	07-12-2081	17-11-2082
मंगल	17-11-2082	17-07-2083
राहु	17-07-2083	29-03-2085
गुरु	29-03-2085	02-10-2086
शनि	02-10-2086	18-07-2088

## केतु (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	18-07-2088	25-10-2088
शुक्र	25-10-2088	05-08-2089
सूर्य	05-08-2089	30-10-2089
चन्द्र	30-10-2089	21-03-2090
मंगल	21-03-2090	28-06-2090
राहु	28-06-2090	11-03-2091
गुरु	11-03-2091	24-10-2091
शनि	24-10-2091	20-07-2092
बुध	20-07-2092	18-03-2093

## शुक्र (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	18-03-2093	08-06-2095
सूर्य	08-06-2095	07-02-2096
चन्द्र	07-02-2096	18-03-2097
मंगल	18-03-2097	28-12-2097
राहु	28-12-2097	28-12-2099
गुरु	28-12-2099	08-10-2101
शनि	08-10-2101	18-11-2103
बुध	18-11-2103	08-10-2105
केतु	08-10-2105	19-07-2106

## सूर्य (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	19-07-2106	30-09-2106
चन्द्र	30-09-2106	30-01-2107
मंगल	30-01-2107	25-04-2107
राहु	25-04-2107	01-12-2107
गुरु	01-12-2107	12-06-2108
शनि	12-06-2108	30-01-2109
बुध	30-01-2109	25-08-2109
केतु	25-08-2109	18-11-2109
शुक्र	18-11-2109	19-07-2110

## चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	19-07-2110	07-02-2111
मंगल	07-02-2111	29-06-2111
राहु	29-06-2111	29-06-2112
गुरु	29-06-2112	19-05-2113
शनि	19-05-2113	09-06-2114
बुध	09-06-2114	20-05-2115
केतु	20-05-2115	09-10-2115
शुक्र	09-10-2115	18-11-2116
सूर्य	18-11-2116	19-03-2117

## मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	19-03-2117	27-06-2117
राहु	27-06-2117	09-03-2118
गुरु	09-03-2118	23-10-2118
शनि	23-10-2118	20-07-2119
बुध	20-07-2119	17-03-2120
केतु	17-03-2120	24-06-2120
शुक्र	24-06-2120	04-04-2121
सूर्य	04-04-2121	29-06-2121
चन्द्र	29-06-2121	18-11-2121

## राहु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	18-11-2121	06-09-2123
गुरु	06-09-2123	13-04-2125
शनि	13-04-2125	08-03-2127
बुध	08-03-2127	17-11-2128
केतु	17-11-2128	31-07-2129
शुक्र	31-07-2129	01-08-2131
सूर्य	01-08-2131	07-03-2132
चन्द्र	07-03-2132	07-03-2133
मंगल	07-03-2133	18-11-2133



## त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : गुरु ०व ११म २५दि

जन्मकालीन दशा : गु-ल-ल-ल-ल

## गुरु (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु		
शनि		
बुध		
केतु		
शुक्र		
सूर्य		
चन्द्र		
मंगल	29-07-1982	05-10-1982
राहु	05-10-1982	24-07-1983

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	24-07-1983	25-07-1984
बुध	25-07-1984	17-06-1985
केतु	17-06-1985	30-10-1985
शुक्र	30-10-1985	20-11-1986
सूर्य	20-11-1986	16-03-1987
चन्द्र	16-03-1987	24-09-1987
मंगल	24-09-1987	06-02-1988
राहु	06-02-1988	18-01-1989
गुरु	18-01-1989	23-11-1989

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	23-11-1989	12-09-1990
केतु	12-09-1990	11-01-1991
शुक्र	11-01-1991	22-12-1991
सूर्य	22-12-1991	03-04-1992
चन्द्र	03-04-1992	23-09-1992
मंगल	23-09-1992	21-01-1993
राहु	21-01-1993	28-11-1993
गुरु	28-11-1993	31-08-1994
शनि	31-08-1994	24-07-1995

## केतु (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	24-07-1995	12-09-1995
शुक्र	12-09-1995	01-02-1996
सूर्य	01-02-1996	15-03-1996
चन्द्र	15-03-1996	25-05-1996
मंगल	25-05-1996	13-07-1996
राहु	13-07-1996	18-11-1996
गुरु	18-11-1996	12-03-1997
शनि	12-03-1997	25-07-1997
बुध	25-07-1997	23-11-1997

## शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	23-11-1997	02-01-1999
सूर्य	02-01-1999	04-05-1999
चन्द्र	04-05-1999	23-11-1999
मंगल	23-11-1999	13-04-2000
राहु	13-04-2000	13-04-2001
गुरु	13-04-2001	04-03-2002
शनि	04-03-2002	25-03-2003
बुध	25-03-2003	04-03-2004
केतु	04-03-2004	24-07-2004

## सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	24-07-2004	29-08-2004
चन्द्र	29-08-2004	29-10-2004
मंगल	29-10-2004	11-12-2004
राहु	11-12-2004	30-03-2005
गुरु	30-03-2005	06-07-2005
शनि	06-07-2005	29-10-2005
बुध	29-10-2005	10-02-2006
केतु	10-02-2006	24-03-2006
शुक्र	24-03-2006	24-07-2006

## चन्द्र (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	24-07-2006	02-11-2006
मंगल	02-11-2006	13-01-2007
राहु	13-01-2007	14-07-2007
गुरु	14-07-2007	23-12-2007
शनि	23-12-2007	03-07-2008
बुध	03-07-2008	23-12-2008
केतु	23-12-2008	04-03-2009
शुक्र	04-03-2009	23-09-2009
सूर्य	23-09-2009	23-11-2009

## मंगल (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	23-11-2009	11-01-2010
राहु	11-01-2010	19-05-2010
गुरु	19-05-2010	10-09-2010
शनि	10-09-2010	23-01-2011
बुध	23-01-2011	23-05-2011
केतु	23-05-2011	12-07-2011
शुक्र	12-07-2011	01-12-2011
सूर्य	01-12-2011	13-01-2012
चन्द्र	13-01-2012	24-03-2012

## राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	24-03-2012	15-02-2013
गुरु	15-02-2013	05-12-2013
शनि	05-12-2013	17-11-2014
बुध	17-11-2014	23-09-2015
केतु	23-09-2015	29-01-2016
शुक्र	29-01-2016	28-01-2017
सूर्य	28-01-2017	18-05-2017
चन्द्र	18-05-2017	16-11-2017
मंगल	16-11-2017	24-03-2018



## त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : गुरु ०१ म २५ दि  
जन्मकालीन दशा : गु-ल-ल-ल-ल

## गुरु (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	24-03-2018	09-12-2018
शनि	09-12-2018	13-10-2019
बुध	13-10-2019	15-07-2020
केतु	15-07-2020	06-11-2020
शुक्र	06-11-2020	27-09-2021
सूर्य	27-09-2021	02-01-2022
चन्द्र	02-01-2022	13-06-2022
मंगल	13-06-2022	05-10-2022
राहु	05-10-2022	24-07-2023

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	24-07-2023	24-07-2024
बुध	24-07-2024	17-06-2025
केतु	17-06-2025	30-10-2025
शुक्र	30-10-2025	20-11-2026
सूर्य	20-11-2026	15-03-2027
चन्द्र	15-03-2027	24-09-2027
मंगल	24-09-2027	06-02-2028
राहु	06-02-2028	18-01-2029
गुरु	18-01-2029	22-11-2029

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	22-11-2029	12-09-2030
केतु	12-09-2030	10-01-2031
शुक्र	10-01-2031	21-12-2031
सूर्य	21-12-2031	03-04-2032
चन्द्र	03-04-2032	22-09-2032
मंगल	22-09-2032	21-01-2033
राहु	21-01-2033	27-11-2033
गुरु	27-11-2033	30-08-2034
शनि	30-08-2034	24-07-2035

## केतु (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	24-07-2035	12-09-2035
शुक्र	12-09-2035	01-02-2036
सूर्य	01-02-2036	14-03-2036
चन्द्र	14-03-2036	24-05-2036
मंगल	24-05-2036	13-07-2036
राहु	13-07-2036	18-11-2036
गुरु	18-11-2036	12-03-2037
शनि	12-03-2037	25-07-2037
बुध	25-07-2037	22-11-2037

## शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	22-11-2037	02-01-2039
सूर्य	02-01-2039	04-05-2039
चन्द्र	04-05-2039	23-11-2039
मंगल	23-11-2039	13-04-2040
राहु	13-04-2040	13-04-2041
गुरु	13-04-2041	04-03-2042
शनि	04-03-2042	24-03-2043
बुध	24-03-2043	03-03-2044
केतु	03-03-2044	23-07-2044

## सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	23-07-2044	29-08-2044
चन्द्र	29-08-2044	29-10-2044
मंगल	29-10-2044	10-12-2044
राहु	10-12-2044	30-03-2045
गुरु	30-03-2045	05-07-2045
शनि	05-07-2045	29-10-2045
बुध	29-10-2045	09-02-2046
केतु	09-02-2046	24-03-2046
शुक्र	24-03-2046	24-07-2046

## चन्द्र (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	24-07-2046	02-11-2046
मंगल	02-11-2046	12-01-2047
राहु	12-01-2047	14-07-2047
गुरु	14-07-2047	23-12-2047
शनि	23-12-2047	03-07-2048
बुध	03-07-2048	22-12-2048
केतु	22-12-2048	03-03-2049
शुक्र	03-03-2049	22-09-2049
सूर्य	22-09-2049	22-11-2049

## मंगल (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	22-11-2049	11-01-2050
राहु	11-01-2050	19-05-2050
गुरु	19-05-2050	09-09-2050
शनि	09-09-2050	22-01-2051
बुध	22-01-2051	23-05-2051
केतु	23-05-2051	12-07-2051
शुक्र	12-07-2051	01-12-2051
सूर्य	01-12-2051	12-01-2052
चन्द्र	12-01-2052	23-03-2052

## राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	23-03-2052	15-02-2053
गुरु	15-02-2053	04-12-2053
शनि	04-12-2053	16-11-2054
बुध	16-11-2054	23-09-2055
केतु	23-09-2055	29-01-2056
शुक्र	29-01-2056	28-01-2057
सूर्य	28-01-2057	17-05-2057
चन्द्र	17-05-2057	16-11-2057
मंगल	16-11-2057	24-03-2058



## त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : गुरु ०व ११म २५दि

जन्मकालीन दशा : गु-ल-ल-ल-ल

## गुरु (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	24-03-2058	09-12-2058
शनि	09-12-2058	13-10-2059
बुध	13-10-2059	15-07-2060
केतु	15-07-2060	06-11-2060
शुक्र	06-11-2060	26-09-2061
सूर्य	26-09-2061	02-01-2062
चन्द्र	02-01-2062	13-06-2062
मंगल	13-06-2062	05-10-2062
राहु	05-10-2062	24-07-2063

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	24-07-2063	24-07-2064
बुध	24-07-2064	17-06-2065
केतु	17-06-2065	30-10-2065
शुक्र	30-10-2065	19-11-2066
सूर्य	19-11-2066	15-03-2067
चन्द्र	15-03-2067	24-09-2067
मंगल	24-09-2067	06-02-2068
राहु	06-02-2068	18-01-2069
गुरु	18-01-2069	22-11-2069

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	22-11-2069	11-09-2070
केतु	11-09-2070	10-01-2071
शुक्र	10-01-2071	21-12-2071
सूर्य	21-12-2071	02-04-2072
चन्द्र	02-04-2072	22-09-2072
मंगल	22-09-2072	21-01-2073
राहु	21-01-2073	27-11-2073
गुरु	27-11-2073	30-08-2074
शनि	30-08-2074	24-07-2075

## केतु (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	24-07-2075	11-09-2075
शुक्र	11-09-2075	01-02-2076
सूर्य	01-02-2076	14-03-2076
चन्द्र	14-03-2076	24-05-2076
मंगल	24-05-2076	13-07-2076
राहु	13-07-2076	18-11-2076
गुरु	18-11-2076	11-03-2077
शनि	11-03-2077	24-07-2077
बुध	24-07-2077	22-11-2077

## शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	22-11-2077	02-01-2079
सूर्य	02-01-2079	04-05-2079
चन्द्र	04-05-2079	22-11-2079
मंगल	22-11-2079	13-04-2080
राहु	13-04-2080	13-04-2081
गुरु	13-04-2081	03-03-2082
शनि	03-03-2082	24-03-2083
बुध	24-03-2083	03-03-2084
केतु	03-03-2084	23-07-2084

## सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	23-07-2084	28-08-2084
चन्द्र	28-08-2084	28-10-2084
मंगल	28-10-2084	10-12-2084
राहु	10-12-2084	30-03-2085
गुरु	30-03-2085	05-07-2085
शनि	05-07-2085	29-10-2085
बुध	29-10-2085	09-02-2086
केतु	09-02-2086	24-03-2086
शुक्र	24-03-2086	23-07-2086

## चन्द्र (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	23-07-2086	02-11-2086
मंगल	02-11-2086	12-01-2087
राहु	12-01-2087	14-07-2087
गुरु	14-07-2087	23-12-2087
शनि	23-12-2087	03-07-2088
बुध	03-07-2088	22-12-2088
केतु	22-12-2088	03-03-2089
शुक्र	03-03-2089	22-09-2089
सूर्य	22-09-2089	22-11-2089

## मंगल (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	22-11-2089	11-01-2090
राहु	11-01-2090	18-05-2090
गुरु	18-05-2090	09-09-2090
शनि	09-09-2090	22-01-2091
बुध	22-01-2091	23-05-2091
केतु	23-05-2091	11-07-2091
शुक्र	11-07-2091	30-11-2091
सूर्य	30-11-2091	12-01-2092
चन्द्र	12-01-2092	23-03-2092

## राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	23-03-2092	15-02-2093
गुरु	15-02-2093	04-12-2093
शनि	04-12-2093	16-11-2094
बुध	16-11-2094	22-09-2095
केतु	22-09-2095	28-01-2096
शुक्र	28-01-2096	28-01-2097
सूर्य	28-01-2097	17-05-2097
चन्द्र	17-05-2097	16-11-2097
मंगल	16-11-2097	24-03-2098



## षोडशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य २व ०म ११दि  
जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

## सूर्य (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य		
मंगल		
गुरु		
शनि		
केतु		
चन्द्र		
बुध	29-07-1982	26-11-1982
शुक्र	26-11-1982	10-08-1984

## मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	10-08-1984	07-11-1985
गुरु	07-11-1985	13-03-1987
शनि	13-03-1987	23-08-1988
केतु	23-08-1988	13-03-1990
चन्द्र	13-03-1990	07-11-1991
बुध	07-11-1991	11-08-1993
शुक्र	11-08-1993	22-06-1995
सूर्य	22-06-1995	10-08-1996

## गुरु (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	10-08-1996	24-01-1998
शनि	24-01-1998	20-08-1999
केतु	20-08-1999	25-04-2001
चन्द्र	25-04-2001	09-02-2003
बुध	09-02-2003	05-01-2005
शुक्र	05-01-2005	12-01-2007
सूर्य	12-01-2007	06-04-2008
मंगल	06-04-2008	10-08-2009

## शनि (14व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	10-08-2009	20-04-2011
केतु	20-04-2011	09-02-2013
चन्द्र	09-02-2013	15-01-2015
बुध	15-01-2015	02-02-2017
शुक्र	02-02-2017	07-04-2019
सूर्य	07-04-2019	04-08-2020
मंगल	04-08-2020	15-01-2022
गुरु	15-01-2022	11-08-2023

## केतु (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	11-08-2023	19-07-2025
चन्द्र	19-07-2025	14-08-2027
बुध	14-08-2027	25-10-2029
शुक्र	25-10-2029	22-02-2032
सूर्य	22-02-2032	25-07-2033
मंगल	25-07-2033	12-02-2035
गुरु	12-02-2035	18-10-2036
शनि	18-10-2036	10-08-2038

## चन्द्र (16व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	10-08-2038	24-10-2040
बुध	24-10-2040	28-02-2043
शुक्र	28-02-2043	23-08-2045
सूर्य	23-08-2045	28-02-2047
मंगल	28-02-2047	24-10-2048
गुरु	24-10-2048	10-08-2050
शनि	10-08-2050	16-07-2052
केतु	16-07-2052	10-08-2054

## बुध (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	10-08-2054	05-02-2057
शुक्र	05-02-2057	27-09-2059
सूर्य	27-09-2059	08-05-2061
मंगल	08-05-2061	09-02-2063
गुरु	09-02-2063	05-01-2065
शनि	05-01-2065	24-01-2067
केतु	24-01-2067	06-04-2069
चन्द्र	06-04-2069	10-08-2071

## शुक्र (18व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	10-08-2071	27-05-2074
सूर्य	27-05-2074	09-02-2076
मंगल	09-02-2076	20-12-2077
गुरु	20-12-2077	27-12-2079
शनि	27-12-2079	27-02-2082
केतु	27-02-2082	26-06-2084
चन्द्र	26-06-2084	20-12-2086
बुध	20-12-2086	10-08-2089

## सूर्य (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	10-08-2089	26-08-2090
मंगल	26-08-2090	15-10-2091
गुरु	15-10-2091	08-01-2093
शनि	08-01-2093	08-05-2094
केतु	08-05-2094	09-10-2095
चन्द्र	09-10-2095	15-04-2097
बुध	15-04-2097	25-11-2098
शुक्र	25-11-2098	10-08-2100



## द्वादशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : बुध २व ४म २४दि  
 जन्मकालीन दशा : बु-ल-ल-ल-ल

## बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध		
राहु		
मंगल		
शनि		
चन्द्र		
सूर्य	29-07-1982	29-08-1982
गुरु	29-08-1982	14-09-1983
केतु	14-09-1983	23-12-1984

## राहु (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	23-12-1984	27-12-1986
मंगल	27-12-1986	07-04-1989
शनि	07-04-1989	23-10-1991
चन्द्र	23-10-1991	15-08-1994
सूर्य	15-08-1994	24-07-1995
गुरु	24-07-1995	06-10-1996
केतु	06-10-1996	28-03-1998
बुध	28-03-1998	24-12-1999

## मंगल (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	24-12-1999	24-07-2002
शनि	24-07-2002	11-06-2005
चन्द्र	11-06-2005	18-08-2008
सूर्य	18-08-2008	10-09-2009
गुरु	10-09-2009	22-01-2011
केतु	22-01-2011	23-09-2012
बुध	23-09-2012	14-09-2014
राहु	14-09-2014	23-12-2016

## शनि (19व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	23-12-2016	14-03-2020
चन्द्र	14-03-2020	07-10-2023
सूर्य	07-10-2023	13-12-2024
गुरु	13-12-2024	24-06-2026
केतु	24-06-2026	06-05-2028
बुध	06-05-2028	20-07-2030
राहु	20-07-2030	03-02-2033
मंगल	03-02-2033	24-12-2035

## चन्द्र (21व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	24-12-2035	01-12-2039
सूर्य	01-12-2039	24-03-2041
गुरु	24-03-2041	01-12-2042
केतु	01-12-2042	23-12-2044
बुध	23-12-2044	01-06-2047
राहु	01-06-2047	25-03-2050
मंगल	25-03-2050	01-06-2053
शनि	01-06-2053	23-12-2056

## सूर्य (7व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	23-12-2056	01-06-2057
गुरु	01-06-2057	23-12-2057
केतु	23-12-2057	31-08-2058
बुध	31-08-2058	24-06-2059
राहु	24-06-2059	31-05-2060
मंगल	31-05-2060	23-06-2061
शनि	23-06-2061	31-08-2062
चन्द्र	31-08-2062	24-12-2063

## गुरु (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	24-12-2063	13-09-2064
केतु	13-09-2064	02-08-2065
बुध	02-08-2065	18-08-2066
राहु	18-08-2066	01-11-2067
मंगल	01-11-2067	14-03-2069
शनि	14-03-2069	23-09-2070
चन्द्र	23-09-2070	31-05-2072
सूर्य	31-05-2072	23-12-2072

## केतु (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	23-12-2072	21-01-2074
बुध	21-01-2074	03-05-2075
राहु	03-05-2075	22-10-2076
मंगल	22-10-2076	24-06-2078
शनि	24-06-2078	05-05-2080
चन्द्र	05-05-2080	28-05-2082
सूर्य	28-05-2082	04-02-2083
गुरु	04-02-2083	23-12-2083

## बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	23-12-2083	27-06-2085
राहु	27-06-2085	24-03-2087
मंगल	24-03-2087	14-03-2089
शनि	14-03-2089	29-05-2091
चन्द्र	29-05-2091	04-11-2093
सूर्य	04-11-2093	28-08-2094
गुरु	28-08-2094	13-09-2095
केतु	13-09-2095	23-12-2096



## द्विसप्ततिसमा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य १व म २९दि  
 जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

## सूर्य (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य		
चन्द्र		
मंगल		
बुध		
गुरु		
शुक्र		
शनि	29-07-1982	11-02-1983
राहु	11-02-1983	28-03-1984

## चन्द्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	28-03-1984	13-05-1985
मंगल	13-05-1985	28-06-1986
बुध	28-06-1986	13-08-1987
गुरु	13-08-1987	27-09-1988
शुक्र	27-09-1988	12-11-1989
शनि	12-11-1989	28-12-1990
राहु	28-12-1990	11-02-1992
सूर्य	11-02-1992	28-03-1993

## मंगल (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	28-03-1993	13-05-1994
बुध	13-05-1994	28-06-1995
गुरु	28-06-1995	12-08-1996
शुक्र	12-08-1996	27-09-1997
शनि	27-09-1997	12-11-1998
राहु	12-11-1998	28-12-1999
सूर्य	28-12-1999	11-02-2001
चन्द्र	11-02-2001	29-03-2002

## बुध (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	29-03-2002	13-05-2003
गुरु	13-05-2003	27-06-2004
शुक्र	27-06-2004	12-08-2005
शनि	12-08-2005	27-09-2006
राहु	27-09-2006	12-11-2007
सूर्य	12-11-2007	27-12-2008
चन्द्र	27-12-2008	11-02-2010
मंगल	11-02-2010	29-03-2011

## गुरु (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	29-03-2011	13-05-2012
शुक्र	13-05-2012	28-06-2013
शनि	28-06-2013	12-08-2014
राहु	12-08-2014	27-09-2015
सूर्य	27-09-2015	11-11-2016
चन्द्र	11-11-2016	27-12-2017
मंगल	27-12-2017	11-02-2019
बुध	11-02-2019	28-03-2020

## शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	28-03-2020	13-05-2021
शनि	13-05-2021	28-06-2022
राहु	28-06-2022	13-08-2023
सूर्य	13-08-2023	27-09-2024
चन्द्र	27-09-2024	11-11-2025
मंगल	11-11-2025	27-12-2026
बुध	27-12-2026	11-02-2028
गुरु	11-02-2028	28-03-2029

## शनि (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	28-03-2029	13-05-2030
राहु	13-05-2030	28-06-2031
सूर्य	28-06-2031	12-08-2032
चन्द्र	12-08-2032	27-09-2033
मंगल	27-09-2033	12-11-2034
बुध	12-11-2034	27-12-2035
गुरु	27-12-2035	10-02-2037
शुक्र	10-02-2037	28-03-2038

## राहु (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	28-03-2038	13-05-2039
सूर्य	13-05-2039	27-06-2040
चन्द्र	27-06-2040	12-08-2041
मंगल	12-08-2041	27-09-2042
बुध	27-09-2042	12-11-2043
गुरु	12-11-2043	27-12-2044
शुक्र	27-12-2044	11-02-2046
शनि	11-02-2046	28-03-2047

## सूर्य (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	28-03-2047	12-05-2048
चन्द्र	12-05-2048	27-06-2049
मंगल	27-06-2049	12-08-2050
बुध	12-08-2050	27-09-2051
गुरु	27-09-2051	11-11-2052
शुक्र	11-11-2052	27-12-2053
शनि	27-12-2053	11-02-2055
राहु	11-02-2055	28-03-2056



## द्विसप्तति समा महा व अन्तर दशाएं

भोग दशा : सूर्य १व ७म २९दि  
 जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

## चन्द्र (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	28-03-2056	13-05-2057
मंगल	13-05-2057	27-06-2058
बुध	27-06-2058	12-08-2059
गुरु	12-08-2059	26-09-2060
शुक्र	26-09-2060	11-11-2061
शनि	11-11-2061	27-12-2062
राहु	27-12-2062	11-02-2064
सूर्य	11-02-2064	28-03-2065

## मंगल (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	28-03-2065	13-05-2066
बुध	13-05-2066	28-06-2067
गुरु	28-06-2067	12-08-2068
शुक्र	12-08-2068	26-09-2069
शनि	26-09-2069	11-11-2070
राहु	11-11-2070	27-12-2071
सूर्य	27-12-2071	10-02-2073
चन्द्र	10-02-2073	28-03-2074

## बुध (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	28-03-2074	13-05-2075
गुरु	13-05-2075	27-06-2076
शुक्र	27-06-2076	12-08-2077
शनि	12-08-2077	27-09-2078
राहु	27-09-2078	11-11-2079
सूर्य	11-11-2079	26-12-2080
चन्द्र	26-12-2080	10-02-2082
मंगल	10-02-2082	28-03-2083

## गुरु (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	28-03-2083	12-05-2084
शुक्र	12-05-2084	27-06-2085
शनि	27-06-2085	12-08-2086
राहु	12-08-2086	27-09-2087
सूर्य	27-09-2087	11-11-2088
चन्द्र	11-11-2088	27-12-2089
मंगल	27-12-2089	10-02-2091
बुध	10-02-2091	27-03-2092

## शुक्र (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	27-03-2092	12-05-2093
शनि	12-05-2093	27-06-2094
राहु	27-06-2094	12-08-2095
सूर्य	12-08-2095	26-09-2096
चन्द्र	26-09-2096	11-11-2097
मंगल	11-11-2097	27-12-2098
बुध	27-12-2098	11-02-2100
गुरु	11-02-2100	29-03-2101

## शनि (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	29-03-2101	13-05-2102
राहु	13-05-2102	28-06-2103
सूर्य	28-06-2103	12-08-2104
चन्द्र	12-08-2104	27-09-2105
मंगल	27-09-2105	12-11-2106
बुध	12-11-2106	28-12-2107
गुरु	28-12-2107	11-02-2109
शुक्र	11-02-2109	29-03-2110

## राहु (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	29-03-2110	14-05-2111
सूर्य	14-05-2111	28-06-2112
चन्द्र	28-06-2112	12-08-2113
मंगल	12-08-2113	27-09-2114
बुध	27-09-2114	12-11-2115
गुरु	12-11-2115	27-12-2116
शुक्र	27-12-2116	11-02-2118
शनि	11-02-2118	29-03-2119

## सूर्य (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	29-03-2119	13-05-2120
चन्द्र	13-05-2120	28-06-2121
मंगल	28-06-2121	13-08-2122
बुध	13-08-2122	27-09-2123
गुरु	27-09-2123	11-11-2124
शुक्र	11-11-2124	27-12-2125
शनि	27-12-2125	11-02-2127
राहु	11-02-2127	28-03-2128

## चन्द्र (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	28-03-2128	13-05-2129
मंगल	13-05-2129	28-06-2130
बुध	28-06-2130	13-08-2131
गुरु	13-08-2131	27-09-2132
शुक्र	27-09-2132	12-11-2133
शनि	12-11-2133	27-12-2134
राहु	27-12-2134	11-02-2136
सूर्य	11-02-2136	28-03-2137



## षष्ठिहायनी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : बुध २व ४म १२दि  
 जन्मकालीन दशा : बु-ल-त-ल-ल

## बुध (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध		
शुक्र		
शनि		
राहु		
गुरु		
सूर्य	२९-०७-१९८२	०६-०५-१९८३
मंगल	०६-०५-१९८३	०६-०५-१९८४
चन्द्र	०६-०५-१९८४	११-१२-१९८४

## शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	११-१२-१९८४	१८-०७-१९८५
शनि	१८-०७-१९८५	२२-०२-१९८६
राहु	२२-०२-१९८६	२९-०९-१९८६
गुरु	२९-०९-१९८६	२९-०९-१९८७
सूर्य	२९-०९-१९८७	२९-०९-१९८८
मंगल	२९-०९-१९८८	२९-०९-१९८९
चन्द्र	२९-०९-१९८९	०६-०५-१९९०
बुध	०६-०५-१९९०	११-१२-१९९०

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	११-१२-१९९०	१८-०७-१९९१
राहु	१८-०७-१९९१	२२-०२-१९९२
गुरु	२२-०२-१९९२	२२-०२-१९९३
सूर्य	२२-०२-१९९३	२२-०२-१९९४
मंगल	२२-०२-१९९४	२२-०२-१९९५
चन्द्र	२२-०२-१९९५	२९-०९-१९९५
बुध	२९-०९-१९९५	०६-०५-१९९६
शुक्र	०६-०५-१९९६	११-१२-१९९६

## राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	११-१२-१९९६	१८-०७-१९९७
गुरु	१८-०७-१९९७	१८-०७-१९९८
सूर्य	१८-०७-१९९८	१८-०७-१९९९
मंगल	१८-०७-१९९९	१८-०७-२०००
चन्द्र	१८-०७-२०००	२२-०२-२००१
बुध	२२-०२-२००१	२९-०९-२००१
शुक्र	२९-०९-२००१	०६-०५-२००२
शनि	०६-०५-२००२	११-१२-२००२

## गुरु (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	११-१२-२००२	११-०८-२००४
सूर्य	११-०८-२००४	१२-०४-२००६
मंगल	१२-०४-२००६	११-१२-२००७
चन्द्र	११-१२-२००७	११-१२-२००८
बुध	११-१२-२००८	११-१२-२००९
शुक्र	११-१२-२००९	११-१२-२०१०
शनि	११-१२-२०१०	११-१२-२०११
राहु	११-१२-२०११	११-१२-२०१२

## सूर्य (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	११-१२-२०१२	११-०८-२०१४
मंगल	११-०८-२०१४	११-०४-२०१६
चन्द्र	११-०४-२०१६	११-०४-२०१७
बुध	११-०४-२०१७	११-०४-२०१८
शुक्र	११-०४-२०१८	१२-०४-२०१९
शनि	१२-०४-२०१९	११-०४-२०२०
राहु	११-०४-२०२०	११-०४-२०२१
गुरु	११-०४-२०२१	११-१२-२०२२

## मंगल (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	११-१२-२०२२	११-०८-२०२४
चन्द्र	११-०८-२०२४	११-०८-२०२५
बुध	११-०८-२०२५	११-०८-२०२६
शुक्र	११-०८-२०२६	११-०८-२०२७
शनि	११-०८-२०२७	११-०८-२०२८
राहु	११-०८-२०२८	११-०८-२०२९
गुरु	११-०८-२०२९	१२-०४-२०३१
सूर्य	१२-०४-२०३१	१०-१२-२०३२

## चन्द्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	१०-१२-२०३२	१८-०७-२०३३
बुध	१८-०७-२०३३	२२-०२-२०३४
शुक्र	२२-०२-२०३४	२९-०९-२०३४
शनि	२९-०९-२०३४	०६-०५-२०३५
राहु	०६-०५-२०३५	११-१२-२०३५
गुरु	११-१२-२०३५	१०-१२-२०३६
सूर्य	१०-१२-२०३६	११-१२-२०३७
मंगल	११-१२-२०३७	११-१२-२०३८

## बुध (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	११-१२-२०३८	१८-०७-२०३९
शुक्र	१८-०७-२०३९	२२-०२-२०४०
शनि	२२-०२-२०४०	२८-०९-२०४०
राहु	२८-०९-२०४०	०५-०५-२०४१
गुरु	०५-०५-२०४१	०६-०५-२०४२
सूर्य	०६-०५-२०४२	०६-०५-२०४३
मंगल	०६-०५-२०४३	०५-०५-२०४४
चन्द्र	०५-०५-२०४४	१०-१२-२०४४



## षष्ठिहायनी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : बुध २व ४म १२दि  
 जन्मकालीन दशा : बु-ल-ल-ल-ल

## शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	10-12-2044	17-07-2045
शनि	17-07-2045	22-02-2046
राहु	22-02-2046	29-09-2046
गुरु	29-09-2046	29-09-2047
सूर्य	29-09-2047	28-09-2048
मंगल	28-09-2048	28-09-2049
चन्द्र	28-09-2049	06-05-2050
बुध	06-05-2050	11-12-2050

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	11-12-2050	18-07-2051
राहु	18-07-2051	22-02-2052
गुरु	22-02-2052	21-02-2053
सूर्य	21-02-2053	22-02-2054
मंगल	22-02-2054	22-02-2055
चन्द्र	22-02-2055	29-09-2055
बुध	29-09-2055	05-05-2056
शुक्र	05-05-2056	10-12-2056

## राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	10-12-2056	17-07-2057
गुरु	17-07-2057	18-07-2058
सूर्य	18-07-2058	18-07-2059
मंगल	18-07-2059	17-07-2060
चन्द्र	17-07-2060	21-02-2061
बुध	21-02-2061	28-09-2061
शुक्र	28-09-2061	05-05-2062
शनि	05-05-2062	11-12-2062

## गुरु (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	11-12-2062	10-08-2064
सूर्य	10-08-2064	11-04-2066
मंगल	11-04-2066	11-12-2067
चन्द्र	11-12-2067	10-12-2068
बुध	10-12-2068	10-12-2069
शुक्र	10-12-2069	11-12-2070
शनि	11-12-2070	11-12-2071
राहु	11-12-2071	10-12-2072

## सूर्य (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	10-12-2072	11-08-2074
मंगल	11-08-2074	11-04-2076
चन्द्र	11-04-2076	11-04-2077
बुध	11-04-2077	11-04-2078
शुक्र	11-04-2078	11-04-2079
शनि	11-04-2079	11-04-2080
राहु	11-04-2080	11-04-2081
गुरु	11-04-2081	10-12-2082

## मंगल (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	10-12-2082	10-08-2084
चन्द्र	10-08-2084	10-08-2085
बुध	10-08-2085	11-08-2086
शुक्र	11-08-2086	11-08-2087
शनि	11-08-2087	10-08-2088
राहु	10-08-2088	10-08-2089
गुरु	10-08-2089	11-04-2091
सूर्य	11-04-2091	10-12-2092

## चन्द्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	10-12-2092	17-07-2093
बुध	17-07-2093	21-02-2094
शुक्र	21-02-2094	28-09-2094
शनि	28-09-2094	05-05-2095
राहु	05-05-2095	11-12-2095
गुरु	11-12-2095	10-12-2096
सूर्य	10-12-2096	10-12-2097
मंगल	10-12-2097	10-12-2098

## बुध (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	10-12-2098	18-07-2099
शुक्र	18-07-2099	22-02-2100
शनि	22-02-2100	29-09-2100
राहु	29-09-2100	06-05-2101
गुरु	06-05-2101	06-05-2102
सूर्य	06-05-2102	06-05-2103
मंगल	06-05-2103	06-05-2104
चन्द्र	06-05-2104	11-12-2104

## शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	11-12-2104	18-07-2105
शनि	18-07-2105	22-02-2106
राहु	22-02-2106	29-09-2106
गुरु	29-09-2106	29-09-2107
सूर्य	29-09-2107	29-09-2108
मंगल	29-09-2108	29-09-2109
चन्द्र	29-09-2109	06-05-2110
बुध	06-05-2110	11-12-2110



## षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि १व १म ९दि  
 जन्मकालीन दशा : श-ल-ल-ल-ल

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि		
शुक्र		
राहु		
चन्द्र		
सूर्य		
गुरु		
मंगल	29-07-1982	07-11-1982
बुध	07-11-1982	08-09-1983

## शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	08-09-1983	17-01-1985
राहु	17-01-1985	08-08-1986
चन्द्र	08-08-1986	18-10-1986
सूर्य	18-10-1986	09-03-1987
गुरु	09-03-1987	08-10-1987
मंगल	08-10-1987	18-07-1988
बुध	18-07-1988	08-07-1989
शनि	08-07-1989	07-09-1990

## राहु (८व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	07-09-1990	18-06-1992
चन्द्र	18-06-1992	07-09-1992
सूर्य	07-09-1992	16-02-1993
गुरु	16-02-1993	18-10-1993
मंगल	18-10-1993	07-09-1994
बुध	07-09-1994	18-10-1995
शनि	18-10-1995	16-02-1997
शुक्र	16-02-1997	07-09-1998

## चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	07-09-1998	17-09-1998
सूर्य	17-09-1998	08-10-1998
गुरु	08-10-1998	07-11-1998
मंगल	07-11-1998	18-12-1998
बुध	18-12-1998	06-02-1999
शनि	06-02-1999	08-04-1999
शुक्र	08-04-1999	18-06-1999
राहु	18-06-1999	07-09-1999

## सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	07-09-1999	18-10-1999
गुरु	18-10-1999	18-12-1999
मंगल	18-12-1999	08-03-2000
बुध	08-03-2000	17-06-2000
शनि	17-06-2000	17-10-2000
शुक्र	17-10-2000	08-03-2001
राहु	08-03-2001	18-08-2001
चन्द्र	18-08-2001	07-09-2001

## गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	07-09-2001	07-12-2001
मंगल	07-12-2001	08-04-2002
बुध	08-04-2002	07-09-2002
शनि	07-09-2002	09-03-2003
शुक्र	09-03-2003	08-10-2003
राहु	08-10-2003	07-06-2004
चन्द्र	07-06-2004	08-07-2004
सूर्य	08-07-2004	07-09-2004

## मंगल (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	07-09-2004	16-02-2005
बुध	16-02-2005	07-09-2005
शनि	07-09-2005	08-05-2006
शुक्र	08-05-2006	16-02-2007
राहु	16-02-2007	07-01-2008
चन्द्र	07-01-2008	17-02-2008
सूर्य	17-02-2008	08-05-2008
गुरु	08-05-2008	07-09-2008

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	07-09-2008	18-05-2009
शनि	18-05-2009	19-03-2010
शुक्र	19-03-2010	09-03-2011
राहु	09-03-2011	17-04-2012
चन्द्र	17-04-2012	07-06-2012
सूर्य	07-06-2012	17-09-2012
गुरु	17-09-2012	16-02-2013
मंगल	16-02-2013	07-09-2013

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	07-09-2013	07-09-2014
शुक्र	07-09-2014	07-11-2015
राहु	07-11-2015	08-03-2017
चन्द्र	08-03-2017	08-05-2017
सूर्य	08-05-2017	07-09-2017
गुरु	07-09-2017	08-03-2018
मंगल	08-03-2018	07-11-2018
बुध	07-11-2018	07-09-2019



## षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि १व १म ९दि  
 भोग्य दशा : श-ल-ल-ल-ल

## शुक्र (7व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	07-09-2019	16-01-2021
राहु	16-01-2021	08-08-2022
चन्द्र	08-08-2022	18-10-2022
सूर्य	18-10-2022	09-03-2023
गुरु	09-03-2023	08-10-2023
मंगल	08-10-2023	18-07-2024
बुध	18-07-2024	08-07-2025
शनि	08-07-2025	07-09-2026

## राहु (8व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	07-09-2026	17-06-2028
चन्द्र	17-06-2028	06-09-2028
सूर्य	06-09-2028	16-02-2029
गुरु	16-02-2029	17-10-2029
मंगल	17-10-2029	07-09-2030
बुध	07-09-2030	18-10-2031
शनि	18-10-2031	16-02-2033
शुक्र	16-02-2033	07-09-2034

## चन्द्र (1व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	07-09-2034	17-09-2034
सूर्य	17-09-2034	07-10-2034
गुरु	07-10-2034	07-11-2034
मंगल	07-11-2034	17-12-2034
बुध	17-12-2034	06-02-2035
शनि	06-02-2035	08-04-2035
शुक्र	08-04-2035	18-06-2035
राहु	18-06-2035	07-09-2035

## सूर्य (2व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	07-09-2035	18-10-2035
गुरु	18-10-2035	18-12-2035
मंगल	18-12-2035	08-03-2036
बुध	08-03-2036	17-06-2036
शनि	17-06-2036	17-10-2036
शुक्र	17-10-2036	08-03-2037
राहु	08-03-2037	17-08-2037
चन्द्र	17-08-2037	07-09-2037

## गुरु (3व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	07-09-2037	07-12-2037
मंगल	07-12-2037	08-04-2038
बुध	08-04-2038	07-09-2038
शनि	07-09-2038	08-03-2039
शुक्र	08-03-2039	08-10-2039
राहु	08-10-2039	07-06-2040
चन्द्र	07-06-2040	07-07-2040
सूर्य	07-07-2040	06-09-2040

## मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	06-09-2040	16-02-2041
बुध	16-02-2041	07-09-2041
शनि	07-09-2041	08-05-2042
शुक्र	08-05-2042	16-02-2043
राहु	16-02-2043	07-01-2044
चन्द्र	07-01-2044	16-02-2044
सूर्य	16-02-2044	08-05-2044
गुरु	08-05-2044	06-09-2044

## बुध (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	06-09-2044	18-05-2045
शनि	18-05-2045	18-03-2046
शुक्र	18-03-2046	08-03-2047
राहु	08-03-2047	17-04-2048
चन्द्र	17-04-2048	07-06-2048
सूर्य	07-06-2048	16-09-2048
गुरु	16-09-2048	16-02-2049
मंगल	16-02-2049	06-09-2049

## शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	06-09-2049	07-09-2050
शुक्र	07-09-2050	07-11-2051
राहु	07-11-2051	08-03-2053
चन्द्र	08-03-2053	08-05-2053
सूर्य	08-05-2053	06-09-2053
गुरु	06-09-2053	08-03-2054
मंगल	08-03-2054	07-11-2054
बुध	07-11-2054	07-09-2055

## शुक्र (7व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	07-09-2055	16-01-2057
राहु	16-01-2057	07-08-2058
चन्द्र	07-08-2058	17-10-2058
सूर्य	17-10-2058	08-03-2059
गुरु	08-03-2059	07-10-2059
मंगल	07-10-2059	17-07-2060
बुध	17-07-2060	08-07-2061
शनि	08-07-2061	07-09-2062



## षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि १व १उ ९क  
जन्मकालीन दशा : श-ल-ल-ल-ल

## राहु (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	07-09-2062	17-06-2064
चन्द्र	17-06-2064	06-09-2064
सूर्य	06-09-2064	15-02-2065
गुरु	15-02-2065	17-10-2065
मंगल	17-10-2065	07-09-2066
बुध	07-09-2066	17-10-2067
शनि	17-10-2067	15-02-2069
शुक्र	15-02-2069	07-09-2070

## चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	07-09-2070	17-09-2070
सूर्य	17-09-2070	07-10-2070
गुरु	07-10-2070	06-11-2070
मंगल	06-11-2070	17-12-2070
बुध	17-12-2070	06-02-2071
शनि	06-02-2071	08-04-2071
शुक्र	08-04-2071	18-06-2071
राहु	18-06-2071	07-09-2071

## सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	07-09-2071	17-10-2071
गुरु	17-10-2071	17-12-2071
मंगल	17-12-2071	07-03-2072
बुध	07-03-2072	17-06-2072
शनि	17-06-2072	17-10-2072
शुक्र	17-10-2072	08-03-2073
राहु	08-03-2073	17-08-2073
चन्द्र	17-08-2073	06-09-2073

## गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	06-09-2073	07-12-2073
मंगल	07-12-2073	07-04-2074
बुध	07-04-2074	07-09-2074
शनि	07-09-2074	08-03-2075
शुक्र	08-03-2075	07-10-2075
राहु	07-10-2075	07-06-2076
चन्द्र	07-06-2076	07-07-2076
सूर्य	07-07-2076	06-09-2076

## मंगल (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	06-09-2076	15-02-2077
बुध	15-02-2077	06-09-2077
शनि	06-09-2077	08-05-2078
शुक्र	08-05-2078	16-02-2079
राहु	16-02-2079	07-01-2080
चन्द्र	07-01-2080	16-02-2080
सूर्य	16-02-2080	07-05-2080
गुरु	07-05-2080	06-09-2080

## बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	06-09-2080	18-05-2081
शनि	18-05-2081	18-03-2082
शुक्र	18-03-2082	08-03-2083
राहु	08-03-2083	17-04-2084
चन्द्र	17-04-2084	07-06-2084
सूर्य	07-06-2084	16-09-2084
गुरु	16-09-2084	15-02-2085
मंगल	15-02-2085	06-09-2085

## शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	06-09-2085	06-09-2086
शुक्र	06-09-2086	07-11-2087
राहु	07-11-2087	08-03-2089
चन्द्र	08-03-2089	07-05-2089
सूर्य	07-05-2089	06-09-2089
गुरु	06-09-2089	08-03-2090
मंगल	08-03-2090	06-11-2090
बुध	06-11-2090	07-09-2091

## शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	07-09-2091	16-01-2093
राहु	16-01-2093	07-08-2094
चन्द्र	07-08-2094	17-10-2094
सूर्य	17-10-2094	08-03-2095
गुरु	08-03-2095	07-10-2095
मंगल	07-10-2095	17-07-2096
बुध	17-07-2096	07-07-2097
शनि	07-07-2097	06-09-2098

## राहु (८व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	06-09-2098	18-06-2100
चन्द्र	18-06-2100	07-09-2100
सूर्य	07-09-2100	16-02-2101
गुरु	16-02-2101	18-10-2101
मंगल	18-10-2101	07-09-2102
बुध	07-09-2102	18-10-2103
शनि	18-10-2103	16-02-2105
शुक्र	16-02-2105	07-09-2106



## पंचोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : चन्द्र ३व १म २१दि  
 जन्मकालीन दशा : चं-ल-ल-ल-ल

## चन्द्र (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र		
गुरु		
सूर्य		
बुध		
शनि		
मंगल	29-07-1982	17-02-1983
शुक्र	17-02-1983	20-09-1985

## गुरु (18व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	20-09-1985	21-10-1988
सूर्य	21-10-1988	11-11-1990
बुध	11-11-1990	02-02-1993
शनि	02-02-1993	29-06-1995
मंगल	29-06-1995	23-01-1998
शुक्र	23-01-1998	21-10-2000
चन्द्र	21-10-2000	20-09-2003

## सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	20-09-2003	02-02-2005
बुध	02-02-2005	30-07-2006
शनि	30-07-2006	05-03-2008
मंगल	05-03-2008	21-11-2009
शुक्र	21-11-2009	20-09-2011
चन्द्र	20-09-2011	30-08-2013
गुरु	30-08-2013	20-09-2015

## बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	20-09-2015	30-04-2017
शनि	30-04-2017	23-01-2019
मंगल	23-01-2019	01-12-2020
शुक्र	01-12-2020	25-11-2022
चन्द्र	25-11-2022	02-01-2025
गुरु	02-01-2025	26-03-2027
सूर्य	26-03-2027	19-09-2028

## शनि (14व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	19-09-2028	02-08-2030
मंगल	02-08-2030	01-08-2032
शुक्र	01-08-2032	20-09-2034
चन्द्र	20-09-2034	25-12-2036
गुरु	25-12-2036	21-05-2039
सूर्य	21-05-2039	25-12-2040
बुध	25-12-2040	20-09-2042

## मंगल (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	20-09-2042	10-11-2044
शुक्र	10-11-2044	23-02-2047
चन्द्र	23-02-2047	29-07-2049
गुरु	29-07-2049	23-02-2052
सूर्य	23-02-2052	10-11-2053
बुध	10-11-2053	20-09-2055
शनि	20-09-2055	19-09-2057

## शुक्र (16व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	19-09-2057	27-02-2060
चन्द्र	27-02-2060	30-09-2062
गुरु	30-09-2062	28-06-2065
सूर्य	28-06-2065	26-04-2067
बुध	26-04-2067	19-04-2069
शनि	19-04-2069	07-06-2071
मंगल	07-06-2071	19-09-2073

## चन्द्र (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	19-09-2073	20-06-2076
गुरु	20-06-2076	21-05-2079
सूर्य	21-05-2079	29-04-2081
बुध	29-04-2081	07-06-2083
शनि	07-06-2083	12-09-2085
मंगल	12-09-2085	16-02-2088
शुक्र	16-02-2088	19-09-2090

## गुरु (18व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	19-09-2090	20-10-2093
सूर्य	20-10-2093	11-11-2095
बुध	11-11-2095	01-02-2098
शनि	01-02-2098	28-06-2100
मंगल	28-06-2100	23-01-2103
शुक्र	23-01-2103	21-10-2105
चन्द्र	21-10-2105	19-09-2108



## शताब्दीका महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र १व १०म ५दि  
 जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

## शुक्र (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र		
बुध		
गुरु		
मंगल		
शनि	29-07-1982	05-06-1983
सूर्य	05-06-1983	04-12-1983
चन्द्र	04-12-1983	04-06-1984

## बुध (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	04-06-1984	04-06-1985
गुरु	04-06-1985	04-06-1987
मंगल	04-06-1987	04-06-1989
शनि	04-06-1989	04-06-1992
सूर्य	04-06-1992	03-12-1992
चन्द्र	03-12-1992	04-06-1993
शुक्र	04-06-1993	04-06-1994

## गुरु (20व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	04-06-1994	04-06-1998
मंगल	04-06-1998	04-06-2002
शनि	04-06-2002	04-06-2008
सूर्य	04-06-2008	04-06-2009
चन्द्र	04-06-2009	04-06-2010
शुक्र	04-06-2010	04-06-2012
बुध	04-06-2012	04-06-2014

## मंगल (20व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	04-06-2014	04-06-2018
शनि	04-06-2018	03-06-2024
सूर्य	03-06-2024	04-06-2025
चन्द्र	04-06-2025	04-06-2026
शुक्र	04-06-2026	03-06-2028
बुध	03-06-2028	04-06-2030
गुरु	04-06-2030	04-06-2034

## शनि (30व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	04-06-2034	04-06-2043
सूर्य	04-06-2043	03-12-2044
चन्द्र	03-12-2044	04-06-2046
शुक्र	04-06-2046	04-06-2049
बुध	04-06-2049	03-06-2052
गुरु	03-06-2052	04-06-2058
मंगल	04-06-2058	03-06-2064

## सूर्य (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	03-06-2064	02-09-2064
चन्द्र	02-09-2064	03-12-2064
शुक्र	03-12-2064	03-06-2065
बुध	03-06-2065	03-12-2065
गुरु	03-12-2065	03-12-2066
मंगल	03-12-2066	03-12-2067
शनि	03-12-2067	03-06-2069

## चन्द्र (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	03-06-2069	03-09-2069
शुक्र	03-09-2069	04-03-2070
बुध	04-03-2070	03-09-2070
गुरु	03-09-2070	03-09-2071
मंगल	03-09-2071	02-09-2072
शनि	02-09-2072	04-03-2074
सूर्य	04-03-2074	04-06-2074

## शुक्र (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	04-06-2074	04-06-2075
बुध	04-06-2075	03-06-2076
गुरु	03-06-2076	04-06-2078
मंगल	04-06-2078	03-06-2080
शनि	03-06-2080	04-06-2083
सूर्य	04-06-2083	03-12-2083
चन्द्र	03-12-2083	03-06-2084

## बुध (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	03-06-2084	03-06-2085
गुरु	03-06-2085	04-06-2087
मंगल	04-06-2087	03-06-2089
शनि	03-06-2089	03-06-2092
सूर्य	03-06-2092	03-12-2092
चन्द्र	03-12-2092	03-06-2093
शुक्र	03-06-2093	03-06-2094



## चतुर्शीतिसमा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : चन्द्र २व २म १८दि  
 जन्मकालीन दशा : चं-ल-ल-ल-ल

## चन्द्र (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र		
मंगल		
बुध		
गुरु		
शुक्र		
शनि	29-07-1982	30-01-1983
सूर्य	30-01-1983	17-10-1984

## मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	17-10-1984	05-07-1986
बुध	05-07-1986	22-03-1988
गुरु	22-03-1988	08-12-1989
शुक्र	08-12-1989	26-08-1991
शनि	26-08-1991	14-05-1993
सूर्य	14-05-1993	30-01-1995
चन्द्र	30-01-1995	17-10-1996

## बुध (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	17-10-1996	05-07-1998
गुरु	05-07-1998	22-03-2000
शुक्र	22-03-2000	08-12-2001
शनि	08-12-2001	26-08-2003
सूर्य	26-08-2003	13-05-2005
चन्द्र	13-05-2005	30-01-2007
मंगल	30-01-2007	17-10-2008

## गुरु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	17-10-2008	05-07-2010
शुक्र	05-07-2010	22-03-2012
शनि	22-03-2012	08-12-2013
सूर्य	08-12-2013	26-08-2015
चन्द्र	26-08-2015	13-05-2017
मंगल	13-05-2017	29-01-2019
बुध	29-01-2019	17-10-2020

## शुक्र (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	17-10-2020	05-07-2022
शनि	05-07-2022	22-03-2024
सूर्य	22-03-2024	08-12-2025
चन्द्र	08-12-2025	26-08-2027
मंगल	26-08-2027	13-05-2029
बुध	13-05-2029	29-01-2031
गुरु	29-01-2031	17-10-2032

## शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	17-10-2032	05-07-2034
सूर्य	05-07-2034	22-03-2036
चन्द्र	22-03-2036	08-12-2037
मंगल	08-12-2037	26-08-2039
बुध	26-08-2039	13-05-2041
गुरु	13-05-2041	29-01-2043
शुक्र	29-01-2043	16-10-2044

## सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	16-10-2044	05-07-2046
चन्द्र	05-07-2046	22-03-2048
मंगल	22-03-2048	08-12-2049
बुध	08-12-2049	26-08-2051
गुरु	26-08-2051	13-05-2053
शुक्र	13-05-2053	29-01-2055
शनि	29-01-2055	16-10-2056

## चन्द्र (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	16-10-2056	04-07-2058
मंगल	04-07-2058	22-03-2060
बुध	22-03-2060	08-12-2061
गुरु	08-12-2061	26-08-2063
शुक्र	26-08-2063	13-05-2065
शनि	13-05-2065	29-01-2067
सूर्य	29-01-2067	16-10-2068

## मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	16-10-2068	04-07-2070
बुध	04-07-2070	21-03-2072
गुरु	21-03-2072	08-12-2073
शुक्र	08-12-2073	26-08-2075
शनि	26-08-2075	13-05-2077
सूर्य	13-05-2077	29-01-2079
चन्द्र	29-01-2079	16-10-2080



## शनि की साढ़ेसाती का विचार

ज्योतिष तत्व प्रकाश के अनुसार -

द्वादशे जन्मगे राशौ द्वितीये च शनैश्चरः।  
सार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुःखैर्युतो भवेत्॥

जन्म राशि (चन्द्र राशि) से गोचर में जब शनि द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थानों में भ्रमण करता है, तो साढ़े-सात वर्ष के समय को शनि की साढ़ेसाती कहते हैं।

आपकी जन्म राशि वृश्चिक है, अतः शनि जब तुला, वृश्चिक व धनु राशि में भ्रमण करेगा तो शनि की साढ़ेसाती कहलायेगी।

एक साढ़ेसाती तीन दैया से मिलकर बनती है। क्योंकि शनि एक राशि में लगभग ढाई वर्षों तक चलता है।

प्रायः जीवन में तीन बार साढ़ेसाती आती है।

निम्नलिखित सारणी में प्रत्येक साढ़ेसाती के प्रारम्भ और समाप्ति का समय दर्शाया जा रहा है।

साढ़ेसाती चक्र	शनि का गोचर	प्रारम्भ तिथि	समाप्ति तिथि	अंतराल वर्ष-मास-दिन	अष्टकवर्ग शनि	सर्व
<b>प्रथम चक्र की साढ़े साती</b>						
प्रथम दैया (जन्म राशि से द्वादश)	तुला	06-10-1982	21-12-1984	2-2-15	1	19
	तुला (व)	31-05-1985	16-09-1985	0-3-15		
<b>द्वितीय दैया (जन्म राशि पर)</b>						
द्वितीय दैया (जन्म राशि पर)	वृश्चिक	21-12-1984	31-05-1985	0-5-10	3	29
	वृश्चिक (व)	16-09-1985	16-12-1987	2-3-0		
<b>तृतीय दैया (जन्म राशि से द्वितीय)</b>						
तृतीय दैया (जन्म राशि से द्वितीय)	धनु	16-12-1987	20-03-1990	2-3-4	2	25
	धनु (व)	20-06-1990	14-12-1990	0-5-24		
<b>द्वितीय चक्र की साढ़ेसाती</b>						
प्रथम दैया (जन्म राशि से द्वादश)	तुला	15-11-2011	16-05-2012	0-6-1	1	19
	तुला (व)	04-08-2012	02-11-2014	2-2-28		
<b>द्वितीय दैया (जन्म राशि पर)</b>						
द्वितीय दैया (जन्म राशि पर)	वृश्चिक	02-11-2014	26-01-2017	2-2-24	3	29
	वृश्चिक (व)	20-06-2017	26-10-2017	0-4-6		
<b>तृतीय दैया (जन्म राशि से द्वितीय)</b>						
तृतीय दैया (जन्म राशि से द्वितीय)	धनु	26-01-2017	20-06-2017	0-4-24	2	25
	धनु (व)	26-10-2017	24-01-2020	2-2-28		
<b>तृतीय चक्र की साढ़ेसाती</b>						
प्रथम दैया (जन्म राशि से द्वादश)	तुला	27-01-2041	06-02-2041	0-0-9	1	19
	तुला (व)	26-09-2041	11-12-2043	2-2-15		
<b>द्वितीय दैया (जन्म राशि पर)</b>						
द्वितीय दैया (जन्म राशि पर)	वृश्चिक	11-12-2043	23-06-2044	0-6-12	3	29
	वृश्चिक (व)	30-08-2044	07-12-2046	2-3-7		
<b>तृतीय दैया (जन्म राशि से द्वितीय)</b>						
तृतीय दैया (जन्म राशि से द्वितीय)	धनु	07-12-2046	06-03-2049	2-2-29	2	25
	धनु (व)	09-07-2049	04-12-2049	0-4-25		

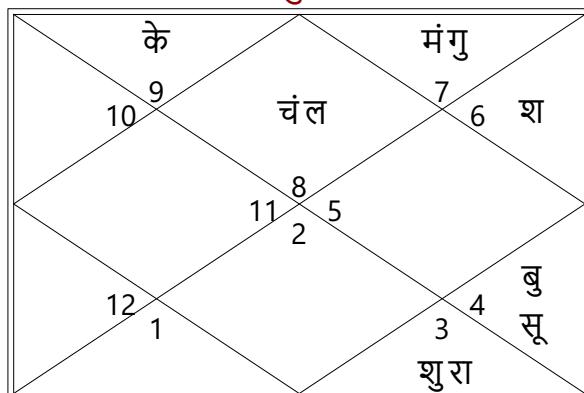


## कृष्णमूर्ति पद्धति

29 जुलाई 1982 • 15:15 घंटे • Sunam, Punjab, India

ग्रह	व/अ	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	रा.स्वा.	न.स्वा.	न.उप.	उप.उप.
लग्न		वृश्चिक	13:49:18	अनुराधा	4	मं	श	रा	बु
सूर्य		कर्क	11:27:33	पृष्ठ	3	चं	श	चं	गु
चन्द्र		वृश्चिक	00:57:49	विशाखा	4	मं	गु	मं	बु
मंगल		तुला	03:37:53	चित्रा	4	शु	मं	शु	बु
बुध	(अ)	कर्क	17:00:03	आश्लेषा	1	चं	बु	बु	रा
गुरु		तुला	08:22:27	स्वाति	1	शु	रा	रा	के
शुक्र		मिथुन	16:59:54	आर्द्रा	4	बु	शु	शु	सू
शनि		कन्या	23:20:23	चित्रा	1	बु	मं	मं	श
राहु		मिथुन	19:40:34	आर्द्रा	4	बु	रा	मं	मं
केतु		धनु	19:40:34	पूर्वाषाढ़ा	2	गु	शु	रा	शु
यूरेनस	(व)	वृश्चिक	07:06:52	अनुराधा	2	मं	श	बु	श
नैपच्यून	(व)	धनु	01:08:16	मूल	1	गु	के	शु	शु
प्लूटो		तुला	00:46:37	चित्रा	3	शु	मं	बु	सू

## जन्म कुण्डली



## कस्प कुण्डली



## भाव विवरण

भाव कस्प	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	रा.स्वा.	न.स्वा.	न.उप.	उप.उप.
1. प्रथम	वृश्चिक	13:49:18	अनुराधा	4	मं	श	रा	बु
2. द्वितीय	धनु	14:55:08	पूर्वाषाढ़ा	1	गु	शु	शु	श
3. तृतीय	मकर	19:23:44	श्रवण	3	श	चं	बु	श
4. चतुर्थ	कुंभ	24:16:29	पूर्वाभारपद	2	श	गु	बु	शु
5. पंचम	मीन	25:16:36	रेवती	3	गु	बु	रा	बु
6. षष्ठ	मेष	21:13:19	भरणी	3	मं	शु	गु	शु
7. सप्तम	वृष	13:49:18	रोहिणी	2	शु	चं	रा	मं
8. अष्टम	मिथुन	14:55:08	आर्द्रा	3	बु	बु	के	गु
9. नवम	कर्क	19:23:44	आश्लेषा	1	चं	बु	शु	शु
10. दशम	सिंह	24:16:29	पूर्वफाल्गुनी	4	सू	शु	बु	के
11. एकादश	कन्या	25:16:36	चित्रा	1	बु	मं	रा	बु
12. द्वादश	तुला	21:13:19	विशाखा	1	शु	गु	गु	सू



## कृष्णमूर्ति पद्धति

## भावों के कारक ग्रह

भाव	भाव स्थित ग्रहों के नक्षत्र में ग्रह	भाव स्थित ग्रह	भाव कस्प स्वामी के नक्षत्र में ग्रह	भाव कस्प स्वामी
1. प्रथम			मं	मं
2. द्वितीय		के	चं	गु
3. तृतीय			सू	श
4. चतुर्थ			सू	श
5. पंचम			चं	गु
6. षष्ठ			मं	मं
7. सप्तम			के	शु
8. अष्टम	बु,के,गु,शु,रा	सू,बु,शु,रा	बु	बु
9. नवम			श	चं
10. दशम	सू	श		सू
11. एकादश	मं,चं	मं,गु	बु	बु
12. द्वादश	श	चं	के	शु

## ग्रहों द्वारा अभिसूचित भाव

ग्रह	ग्रहों से अभिप्राय भाव			
	अत्यधिक बली कारक	बली कारक	सामान्य कारक	निर्बल कारक
सूर्य		10	8	3 4
चन्द्र			11 12	2 5 9
मंगल	11		1 6	
बुध	8		11	
गुरु			8 11	2 5
शुक्र	8			7 12
शनि			10 12	3 4 9
राहु	8			
केतु			2 8	7 12

## स्वामी ग्रह

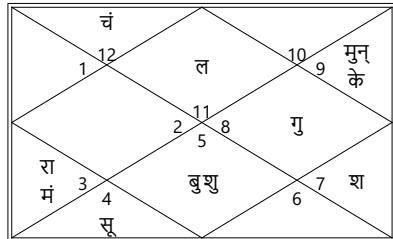
वारेश	:	गुरु	फॉरच्यूना	:	मीन 02:20:45
लग्नेश	:	मंगल	भोग्य दशा	:	गुरु 2व.-10म.-3दि.
लग्न नक्षत्र स्वामी	:	शनि	के.पी. आयनांश	:	-23:30:46
लग्न नक्षत्र उपस्वामी	:	राहु			
चन्द्र राशि स्वामी	:	मंगल			
चन्द्र नक्षत्र स्वामी	:	गुरु			
चन्द्र नक्षत्र उपस्वामी	:	मंगल			

Tamanna Chachra



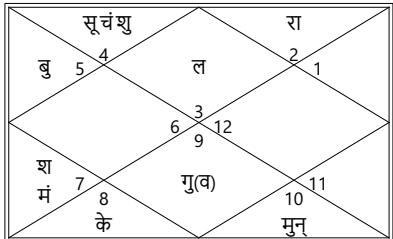
वर्षफल कुण्डलियां - 1

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:1  
29 जुलाई 1983 21:29 घंटे



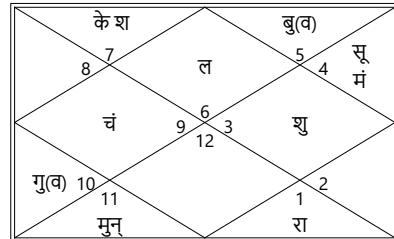
लग्र	25:14	मंगल	26:35	शुक्र	15:22
सूर्य	12:20	बुध	01:55	शनि	04:44
चन्द्र	03:40	गुरु	07:26	राहु	00:35
वर्षश	शनि	मुन्धा	दनु	13:43:31	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:2  
29 जुलाई 1984 03:39 घंटे



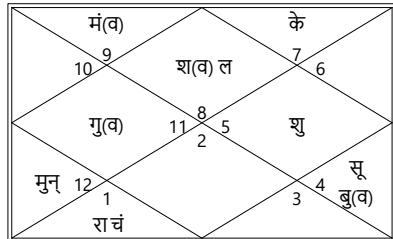
लग्र	14:50	मंगल	26:57	शुक्र	24:11
सूर्य	12:20	बुध	09:22	शनि	16:15
चन्द्र	18:14	गुरु	11:02	राहु	11:04
वर्षश	शनि	मुन्धा	मकर	13:43:31	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:3  
29 जुलाई 1985 09:42 घंटे



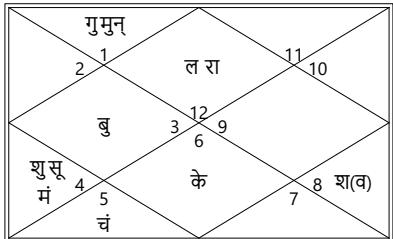
लग्र	02:41	मंगल	08:56	शुक्र	01:34
सूर्य	12:20	बुध	01:36	शनि	27:49
चन्द्र	07:26	गुरु	19:11	राहु	21:06
वर्षश	मंगल	मुन्धा	कुंभ	13:43:30	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:4  
29 जुलाई 1986 15:55 घंटे



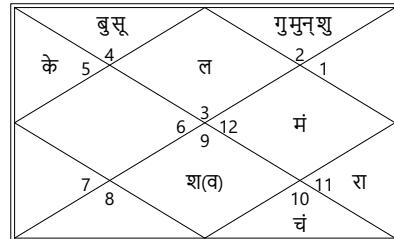
लग्र	22:21	मंगल	19:04	शुक्र	26:09
सूर्य	12:20	बुध	03:05	शनि	09:27
चन्द्र	21:02	गुरु	28:44	राहु	00:48
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मीन	13:43:31	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:5  
29 जुलाई 1987 21:56 घंटे



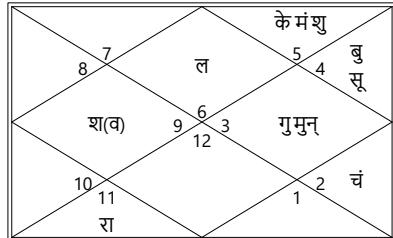
लग्र	04:59	मंगल	20:57	शुक्र	05:34
सूर्य	12:20	बुध	23:10	शनि	21:11
चन्द्र	24:20	गुरु	05:19	राहु	10:07
वर्षश	सूर्य	मुन्धा	मेष	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:6  
29 जुलाई 1988 04:09 घंटे



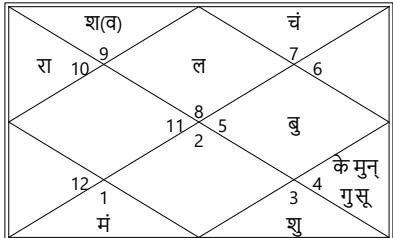
लग्र	21:28	मंगल	12:26	शुक्र	29:33
सूर्य	12:20	बुध	06:25	शनि	03:02
चन्द्र	09:33	गुरु	07:26	राहु	20:52
वर्षश	मंगल	मुन्धा	वृष	13:43:30	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:7  
29 जुलाई 1989 10:23 घंटे



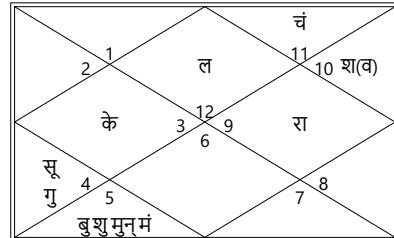
लग्र	11:35	मंगल	02:54	शुक्र	12:28
सूर्य	12:20	बुध	23:59	शनि	15:03
चन्द्र	29:41	गुरु	05:55	राहु	02:11
वर्षश	बुध	मुन्धा	मिथुन	13:43:31	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:8  
29 जुलाई 1990 16:20 घंटे



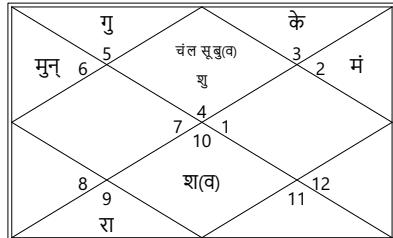
लग्र	27:57	मंगल	17:19	शुक्र	17:29
सूर्य	12:20	बुध	06:15	शनि	27:13
चन्द्र	10:52	गुरु	01:56	राहु	13:33
वर्षश	चन्द्र	मुन्धा	कर्क	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:9  
29 जुलाई 1991 22:38 घंटे



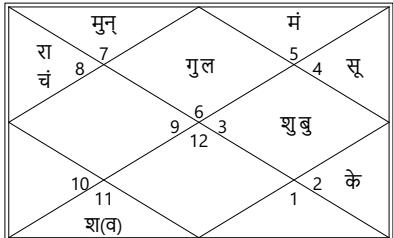
लग्र	20:16	मंगल	15:01	शुक्र	13:26
सूर्य	12:20	बुध	08:44	शनि	09:33
चन्द्र	15:15	गुरु	26:35	राहु	25:08
वर्षश	शनि	मुन्धा	सिंह	13:43:30	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:10  
29 जुलाई 1992 04:52 घंटे



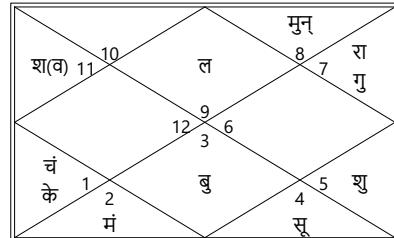
लग्र	00:34	मंगल	07:43	शुक्र	24:48
सूर्य	12:20	बुध	20:35	शनि	22:04
चन्द्र	00:24	गुरु	20:47	राहु	06:33
वर्षश	मंगल	मुन्धा	कन्या	13:43:31	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:11  
29 जुलाई 1993 10:56 घंटे



लग्र	18:39	मंगल	27:37	शुक्र	01:59
सूर्य	12:20	बुध	24:56	शनि	04:45
चन्द्र	21:25	गुरु	15:34	राहु	17:06
वर्षश	बुध	मुन्धा	तुला	13:43:30	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:12  
29 जुलाई 1994 17:09 घंटे



लग्र	09:00	मंगल	23:59	शुक्र	26:27
सूर्य	12:20	बुध	27:07	शनि	17:34
चन्द्र	00:59	गुरु	12:04	राहु	26:46
वर्षश	शनि	मुन्धा	वृश्चिक	13:43:31	

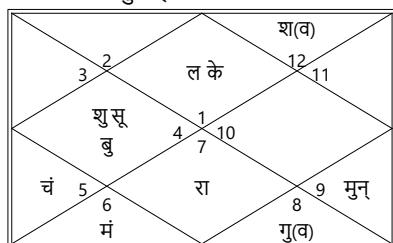
Tamanna Chachra



वर्षफल कुण्डलियां - 2

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:13

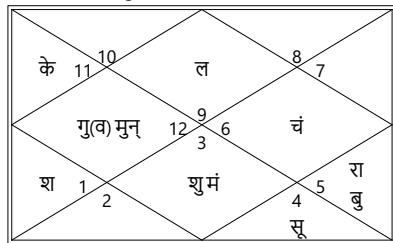
29 जुलाई 1995 23:12 घंटे



लग्र	02:19	मंगल	11:10	शुक्र	06:12
सूर्य	12:20	बुध	14:12	शनि	00:30
चन्द्र	06:28	गुरु	11:45	राहु	06:26
वर्षश	सूर्य	मुन्ना	धनु	13:43:30	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:16

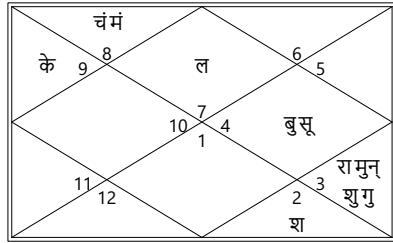
29 जुलाई 1998 17:34 घंटे



लग्र	14:48	मंगल	21:37	शुक्र	18:04
सूर्य	12:20	बुध	04:19	शनि	09:32
चन्द्र	20:30	गुरु	04:00	राहु	07:50
वर्षश	मंगल	मुन्ना	मीन	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:19

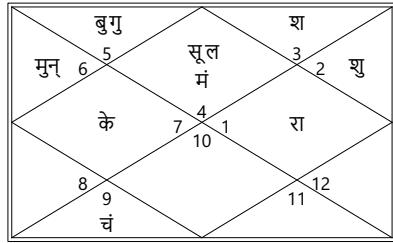
29 जुलाई 2001 12:05 घंटे



लग्र	03:28	मंगल	21:50	शुक्र	02:25
सूर्य	12:20	बुध	03:44	शनि	18:05
चन्द्र	04:58	गुरु	09:39	राहु	12:12
वर्षश	बुध	मुन्ना	मिथुन	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:22

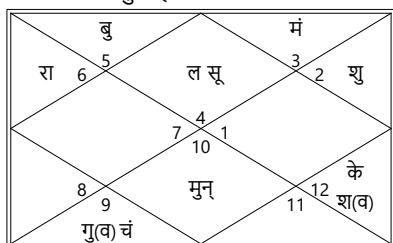
29 जुलाई 2004 06:37 घंटे



लग्र	22:50	मंगल	28:15	शुक्र	28:26
सूर्य	12:20	बुध	09:19	शनि	25:31
चन्द्र	04:19	गुरु	24:05	राहु	12:57
वर्षश	शुक्र	मुन्ना	कन्या	13:43:30	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:14

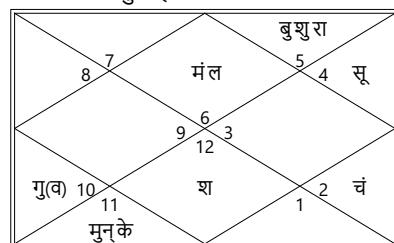
29 जुलाई 1996 05:24 घंटे



लग्र	07:28	मंगल	08:21	शुक्र	28:57
सूर्य	12:20	बुध	00:03	शनि	13:30
चन्द्र	21:37	गुरु	16:01	राहु	16:23
वर्षश	शनि	मुन्ना	मकर	13:43:30	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:15

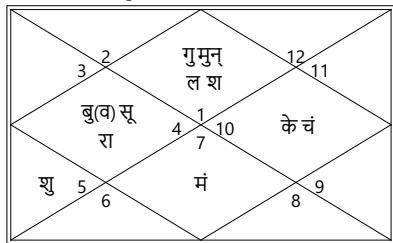
29 जुलाई 1997 11:38 घंटे



लग्र	27:50	मंगल	26:35	शुक्र	13:02
सूर्य	12:20	बुध	08:56	शनि	26:31
चन्द्र	13:21	गुरु	24:37	राहु	26:55
वर्षश	मंगल	मुन्ना	कुंभ	13:43:31	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:17

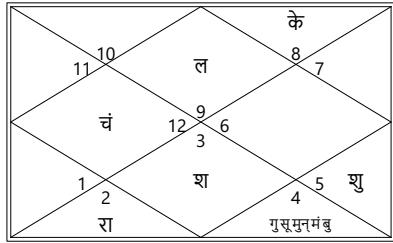
29 जुलाई 1999 23:48 घंटे



लग्र	14:15	मंगल	16:24	शुक्र	11:16
सूर्य	12:20	बुध	07:17	शनि	22:28
चन्द्र	27:27	गुरु	10:01	राहु	19:04
वर्षश	मंगल	मुन्ना	मेष	13:43:30	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:20

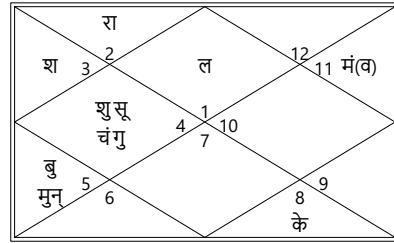
29 जुलाई 2002 18:19 घंटे



लग्र	26:05	मंगल	16:17	शुक्र	26:43
सूर्य	12:20	बुध	21:35	शनि	00:42
चन्द्र	10:39	गुरु	05:24	राहु	22:37
वर्षश	शनि	मुन्ना	कर्क	13:43:30	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:21

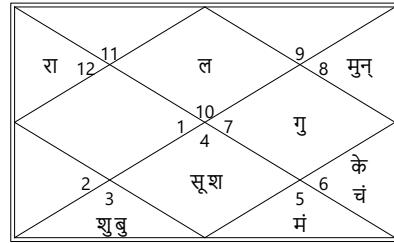
30 जुलाई 2003 00:25 घंटे



लग्र	25:52	मंगल	16:13	शुक्र	06:50
सूर्य	12:20	बुध	04:53	शनि	13:11
चन्द्र	18:28	गुरु	29:53	राहु	03:02
वर्षश	मंगल	मुन्ना	सिंह	13:43:30	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:24

29 जुलाई 2006 18:48 घंटे



लग्र	03:44	मंगल	10:16	शुक्र	18:40
सूर्य	12:20	बुध	27:07	शनि	19:45
चन्द्र	00:34	गुरु	15:49	राहु	02:22
वर्षश	शनि	मुन्ना	वृथिक	13:43:29	

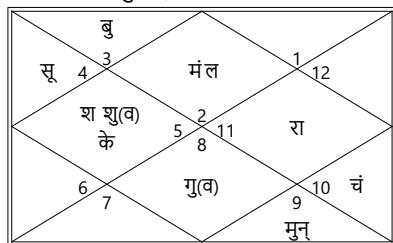
Tamanna Chachra



वर्षफल कुण्डलियां - 2

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:25

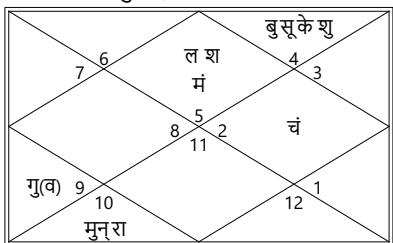
30 जुलाई 2007 00:59 घंटे



लग्र	05:51	मंगल	00:27	शुक्र	08:54
सूर्य	12:20	बुध	25:19	शनि	01:39
चन्द्र	09:33	गुरु	16:04	राहु	13:19
वर्षश	शुक्र	मुन्ना	धनु	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:26

29 जुलाई 2008 07:14 घंटे



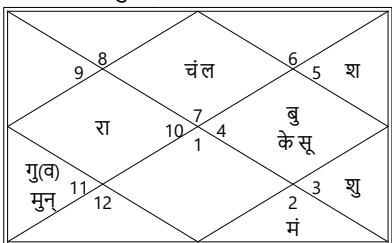
लग्र	00:43	मंगल	22:38	शुक्र	26:03
सूर्य	12:20	बुध	11:28	शनि	13:25
चन्द्र	26:34	गुरु	21:03	राहु	24:36
वर्षश	गुरु	मुन्ना	मकर	13:43:30	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:27

29 जुलाई 2009 13:15 घंटे

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:27

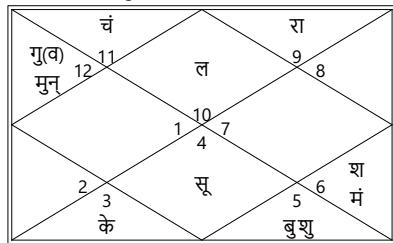
29 जुलाई 2009 13:15 घंटे



लग्र	18:28	मंगल	17:55	शुक्र	02:51
सूर्य	12:20	बुध	28:02	शनि	25:04
चन्द्र	17:08	गुरु	00:09	राहु	06:12
वर्षश	शुक्र	मुन्ना	क्रम	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:28

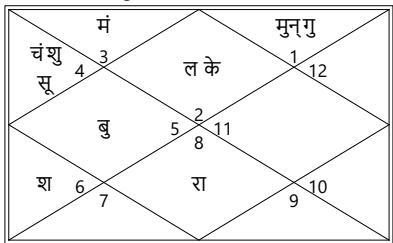
29 जुलाई 2010 19:28 घंटे



लग्र	15:24	मंगल	05:44	शुक्र	26:58
सूर्य	12:20	बुध	08:12	शनि	06:39
चन्द्र	20:47	गुरु	09:19	राहु	17:44
वर्षश	शनि	मुन्ना	मीन	13:43:30	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:29

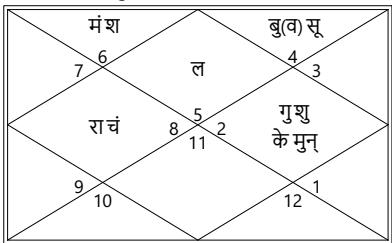
29 जुलाई 2011 01:35 घंटे



लग्र	15:31	मंगल	02:54	शुक्र	07:28
सूर्य	12:20	बुध	06:24	शनि	18:10
चन्द्र	00:05	गुरु	14:44	राहु	28:45
वर्षश	शुक्र	मुन्ना	मेष	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:30

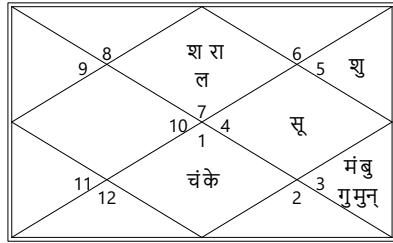
29 जुलाई 2012 07:46 घंटे



लग्र	07:29	मंगल	20:15	शुक्र	27:59
सूर्य	12:20	बुध	11:54	शनि	29:39
चन्द्र	18:28	गुरु	15:43	राहु	09:06
वर्षश	शुक्र	मुन्ना	वृष	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:31

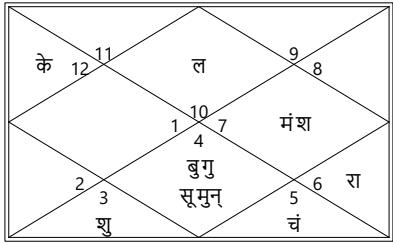
29 जुलाई 2013 14:04 घंटे



लग्र	28:40	मंगल	16:32	शुक्र	14:08
सूर्य	12:20	बुध	22:52	शनि	11:07
चन्द्र	07:57	गुरु	13:22	राहु	18:54
वर्षश	बुध	मुन्ना	मिथुन	13:43:31	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:32

29 जुलाई 2014 20:02 घंटे

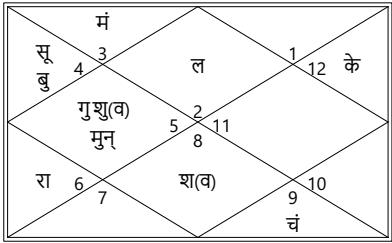


लग्र	25:43	मंगल	07:47	शुक्र	19:15
सूर्य	12:20	बुध	01:11	शनि	22:38
चन्द्र	11:19	गुरु	08:51	राहु	28:07
वर्षश	शनि	मुन्ना	कर्क	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:33

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:33

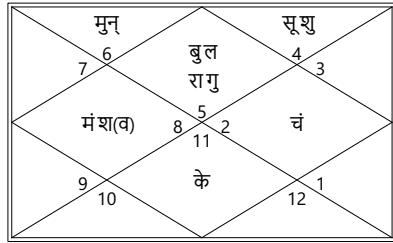
30 जुलाई 2015 02:15 घंटे



लग्र	25:29	मंगल	29:20	शुक्र	06:18
सूर्य	12:20	बुध	19:04	शनि	04:12
चन्द्र	21:01	गुरु	03:14	राहु	08:29
वर्षश	गुरु	मुन्ना	सिंह	13:43:30	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:34

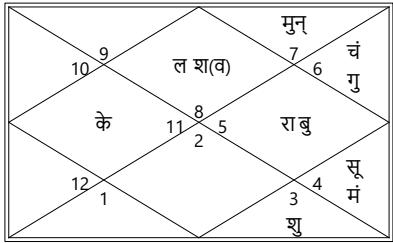
29 जुलाई 2016 08:33 घंटे



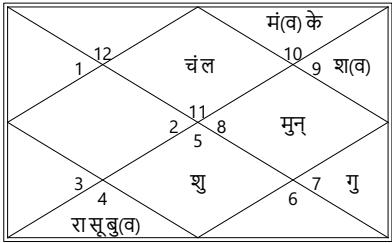
लग्र	17:32	मंगल	04:15	शुक्र	26:40
सूर्य	12:20	बुध	03:20	शनि	15:52
चन्द्र	11:06	गुरु	27:27	राहु	19:13
वर्षश	मंगल	मुन्ना	कन्या	13:43:32	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:35

29 जुलाई 2017 14:32 घंटे



लग्र	04:44	मंगल	11:36	शुक्र	03:19
सूर्य	12:20	बुध	09:30	शनि	27:39
चन्द्र	27:58	गुरु	22:33	राहु	00:14
वर्षश	मंगल	मुन्ना	तुला	13:43:30	



लग्र	09:23	मंगल	09:22	शुक्र	27:12
सूर्य	12:20	बुध	28:50	शनि	09:34
चन्द्र	01:47	गुरु	19:45	राहु	11:46
वर्षश	गुरु	मुन्ना	वृद्धि	13:43:30	

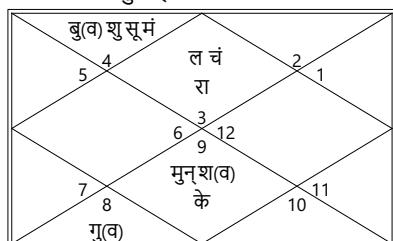
Tamanna Chachra



वर्षफल कुण्डलियां - 4

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:37

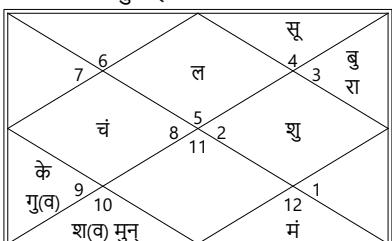
30 जुलाई 2019 02:50 घंटे



लग्र	03:40	मंगल	23:36	शुक्र	08:06
सूर्य	12:20	बुध	00:04	शनि	21:39
चन्द्र	11:39	गुरु	20:37	राहु	23:28
वर्षश	गुरु	मुन्धा	धनु	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:38

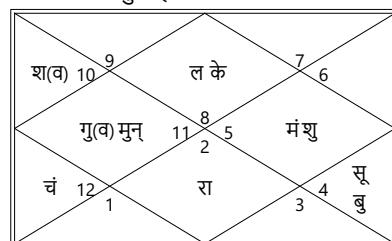
29 जुलाई 2020 08:56 घंटे



लग्र	22:34	मंगल	22:46	शुक्र	27:38
सूर्य	12:20	बुध	23:57	शनि	03:53
चन्द्र	03:33	गुरु	26:20	राहु	04:27
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मकर	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:39

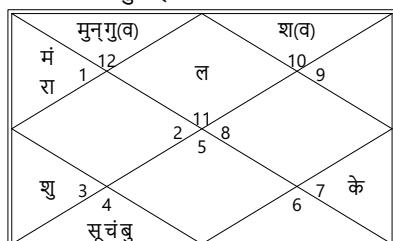
29 जुलाई 2021 15:12 घंटे



लग्र	13:05	मंगल	05:33	शुक्र	14:41
सूर्य	12:20	बुध	08:42	शनि	16:19
चन्द्र	18:18	गुरु	05:45	राहु	14:47
वर्षश	शनि	मुन्धा	क्रम 13:43:30		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:40

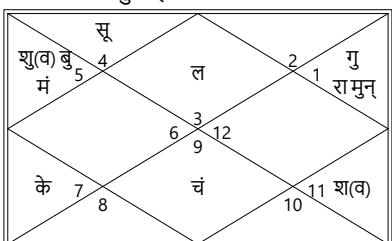
29 जुलाई 2022 21:09 घंटे



लग्र	18:18	मंगल	22:22	शुक्र	19:51
सूर्य	12:20	बुध	25:52	शनि	28:54
चन्द्र	22:23	गुरु	14:32	राहु	24:57
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मीन	13:43:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:41

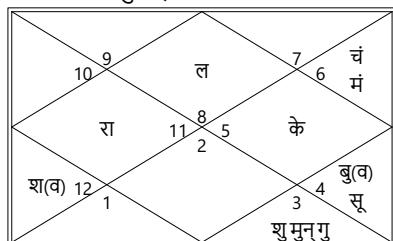
30 जुलाई 2023 03:19 घंटे



लग्र	10:22	मंगल	17:45	शुक्र	03:29
सूर्य	12:20	बुध	07:13	शनि	11:39
चन्द्र	02:14	गुरु	19:16	राहु	04:40
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मेष	13:43:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:43

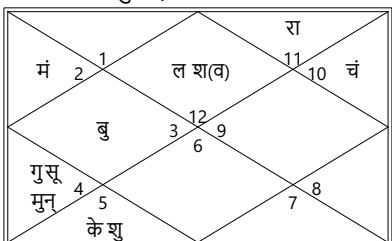
29 जुलाई 2025 15:39 घंटे



लग्र	18:54	मंगल	00:30	शुक्र	03:46
सूर्य	12:20	बुध	16:41	शनि	07:29
चन्द्र	08:03	गुरु	16:56	राहु	24:48
वर्षश	बुध	मुन्धा	मिथुन	13:43:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:44

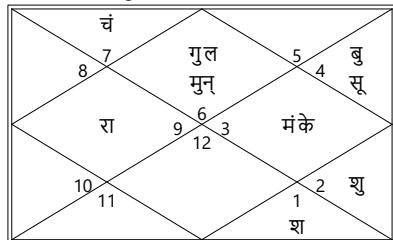
29 जुलाई 2026 21:52 घंटे



लग्र	04:01	मंगल	27:16	शुक्र	27:24
सूर्य	12:20	बुध	23:41	शनि	20:30
चन्द्र	13:10	गुरु	12:13	राहु	05:37
वर्षश	शनि	मुन्धा	कर्क	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:46

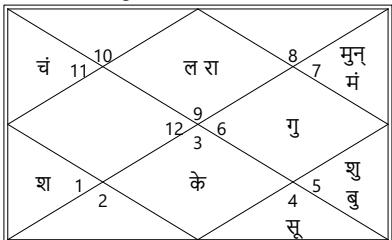
29 जुलाई 2028 10:14 घंटे



लग्र	09:29	मंगल	11:21	शुक्र	27:20
सूर्य	12:20	बुध	16:27	शनि	16:31
चन्द्र	18:14	गुरु	00:49	राहु	28:54
वर्षश	बुध	मुन्धा	कन्या	13:43:30	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:47

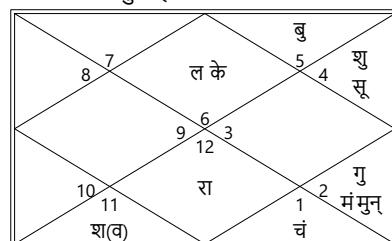
29 जुलाई 2029 16:30 घंटे



लग्र	00:01	मंगल	00:24	शुक्र	15:14
सूर्य	12:20	बुध	01:37	शनि	29:25
चन्द्र	28:09	गुरु	26:08	राहु	09:59
वर्षश	मंगल	मुन्धा	तुला	13:43:31	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:45

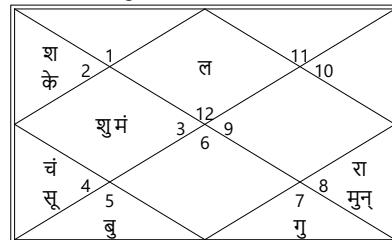
30 जुलाई 2027 04:05 घंटे



लग्र	20:27	मंगल	14:21	शुक्र	08:44
सूर्य	12:20	बुध	28:51	शनि	03:31
चन्द्र	23:42	गुरु	06:31	राहु	17:15
वर्षश	बुध	मुन्धा	सिंह	13:43:30	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:48

29 जुलाई 2030 22:28 घंटे



लग्र	17:00	मंगल	24:26	शुक्र	20:27
सूर्य	12:20	बुध	09:19	शनि	12:14
चन्द्र	03:33	गुरु	23:47	राहु	21:00
वर्षश	मंगल	मुन्धा	वृद्धि	13:43:29	

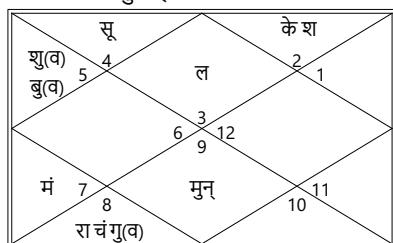
Tamanna Chachra



वर्षफल कुण्डलियां - 5

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:49

30 जुलाई 2031 04:36 घंटे



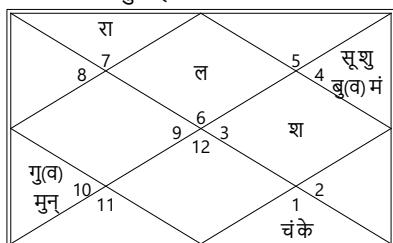
लग्र	27:06	मंगल	21:59	शुक्र	00:26
सूर्य	12:20	बुध	02:06	शनि	24:56
चन्द्र	14:47	गुरु	25:17	राहु	01:06
वर्षश	मंगल	मुन्धा	धनु	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:50

29 जुलाई 2032 10:53 घंटे

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:50

29 जुलाई 2032 10:53 घंटे



लग्र	17:51	मंगल	06:52	शुक्र	27:54
सूर्य	12:20	बुध	03:44	शनि	07:29
चन्द्र	10:14	गुरु	01:39	राहु	10:41
वर्षश	शनि	मुन्धा	मकर	13:43:30	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:51

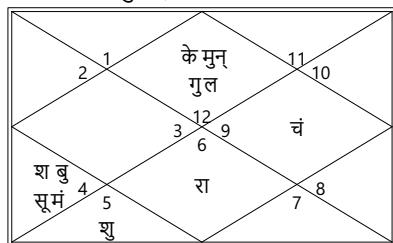
29 जुलाई 2033 16:52 घंटे



लग्र	05:05	मंगल	05:32	शुक्र	04:14
सूर्य	12:20	बुध	23:03	शनि	19:54
चन्द्र	18:13	गुरु	11:14	राहु	20:08
वर्षश	मंगल	मुन्धा	कुंभ	13:43:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:52

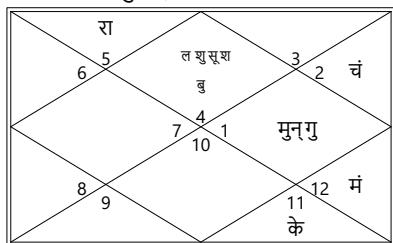
29 जुलाई 2034 23:00 घंटे



लग्र	28:28	मंगल	18:56	शुक्र	27:35
सूर्य	12:20	बुध	05:56	शनि	02:10
चन्द्र	24:11	गुरु	19:34	राहु	00:39
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मीन	13:43:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:53

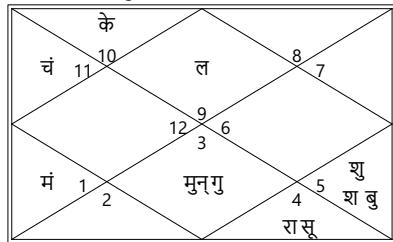
29 जुलाई 2035 05:11 घंटे



लग्र	04:34	मंगल	02:17	शुक्र	09:21
सूर्य	12:20	बुध	23:35	शनि	14:17
चन्द्र	06:47	गुरु	23:39	राहु	11:27
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	मेष	13:43:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:55

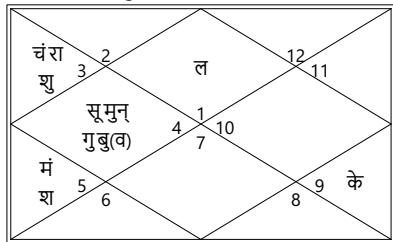
29 जुलाई 2037 17:34 घंटे



लग्र	14:57	मंगल	12:56	शुक्र	15:46
सूर्य	12:20	बुध	08:52	शनि	08:06
चन्द्र	08:18	गुरु	20:29	राहु	04:31
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मिथुन	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:56

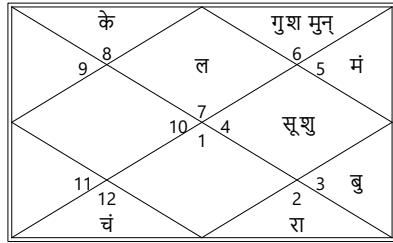
29 जुलाई 2038 23:37 घंटे



लग्र	11:04	मंगल	12:56	शुक्र	21:03
सूर्य	12:20	बुध	21:21	शनि	19:50
चन्द्र	14:26	गुरु	15:35	राहु	15:53
वर्षश	गुरु	मुन्धा	कर्क	13:43:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:58

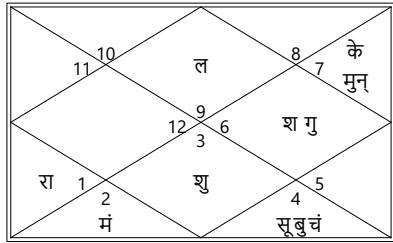
29 जुलाई 2040 12:07 घंटे



लग्र	03:51	मंगल	25:26	शुक्र	28:31
सूर्य	12:20	बुध	26:47	शनि	13:01
चन्द्र	22:57	गुरु	04:15	राहु	06:59
वर्षश	बुध	मुन्धा	कन्या	13:43:30	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:59

29 जुलाई 2041 18:08 घंटे



लग्र	23:18	मंगल	21:21	शुक्र	04:43
सूर्य	12:20	बुध	13:44	शनि	24:31
चन्द्र	28:42	गुरु	29:49	राहु	16:36
वर्षश	शनि	मुन्धा	तुला	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:60

30 जुलाई 2042 00:15 घंटे



लग्र	23:00	मंगल	08:46	शुक्र	27:44
सूर्य	12:20	बुध	29:43	शनि	06:01
चन्द्र	04:40	गुरु	27:54	राहु	26:37
वर्षश	गुरु	मुन्धा	वृथिक	13:43:28	

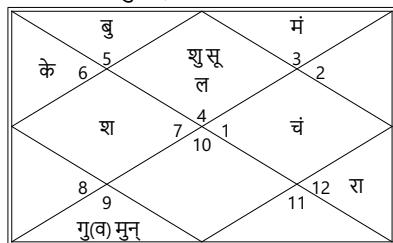
Tamanna Chachra



वर्षफल कुण्डलियां - 6

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:61

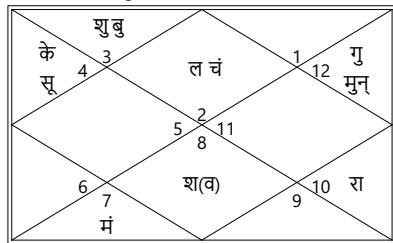
30 जुलाई 2043 06:28 घंटे



लग्र	20:44	मंगल	05:59	शुक्र	09:59
सूर्य	12:20	बुध	08:49	शनि	17:32
चन्द्र	21:28	गुरु	00:00	राहु	06:37
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	धनु	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:64

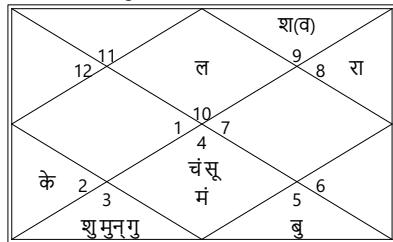
30 जुलाई 2046 00:50 घंटे



लग्र	03:09	मंगल	12:26	शुक्र	21:39
सूर्य	12:20	बुध	22:42	शनि	22:28
चन्द्र	25:08	गुरु	24:20	राहु	09:59
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मीन	13:43:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:67

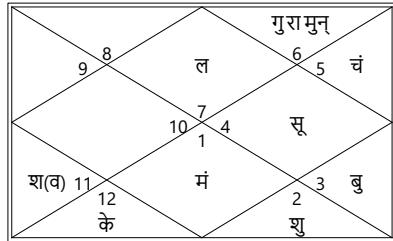
29 जुलाई 2049 19:18 घंटे



लग्र	12:20	मंगल	14:15	शुक्र	05:12
सूर्य	12:20	बुध	04:38	शनि	28:33
चन्द्र	09:28	गुरु	23:58	राहु	13:11
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मिथुन	13:43:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:70

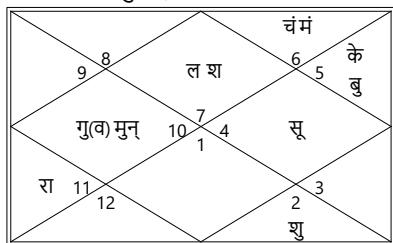
29 जुलाई 2052 13:47 घंटे



लग्र	25:09	मंगल	01:05	शुक्र	26:48
सूर्य	12:20	बुध	27:33	शनि	06:09
चन्द्र	24:15	गुरु	07:41	राहु	12:18
वर्षश	मंगल	मुन्धा	कन्या	13:43:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:62

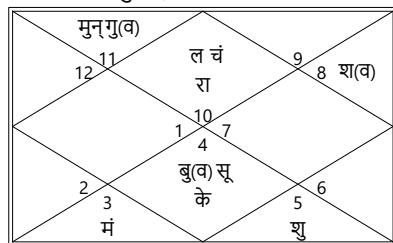
29 जुलाई 2044 12:34 घंटे



लग्र	09:44	मंगल	23:45	शुक्र	26:56
सूर्य	12:20	बुध	04:42	शनि	29:05
चन्द्र	13:21	गुरु	06:54	राहु	17:02
वर्षश	शनि	मुन्धा	मकर	13:43:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:63

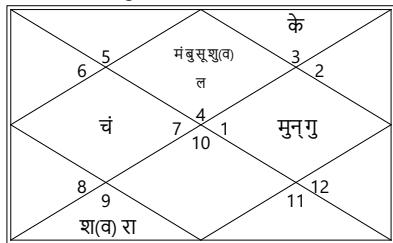
29 जुलाई 2045 18:48 घंटे



लग्र	03:47	मंगल	19:25	शुक्र	16:17
सूर्य	12:20	बुध	08:01	शनि	10:43
चन्द्र	19:11	गुरु	16:31	राहु	28:13
वर्षश	शनि	मुन्धा	क्रृष्ण	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:65

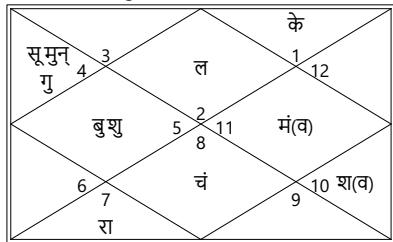
30 जुलाई 2047 06:56 घंटे



लग्र	26:48	मंगल	02:04	शुक्र	23:46
सूर्य	12:20	बुध	03:17	शनि	04:20
चन्द्र	14:13	गुरु	27:49	राहु	21:17
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मेष	13:43:27	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:68

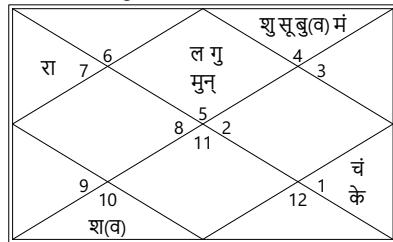
30 जुलाई 2050 01:25 घंटे



लग्र	12:48	मंगल	00:48	शुक्र	27:51
सूर्य	12:20	बुध	09:23	शनि	10:55
चन्द्र	15:16	गुरु	18:56	राहु	22:55
वर्षश	मंगल	मुन्धा	कर्क	13:43:28	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:69

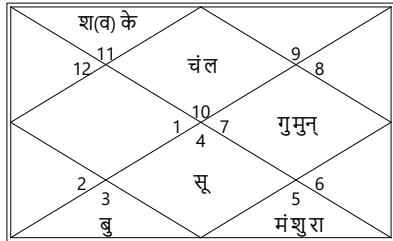
30 जुलाई 2051 07:40 घंटे



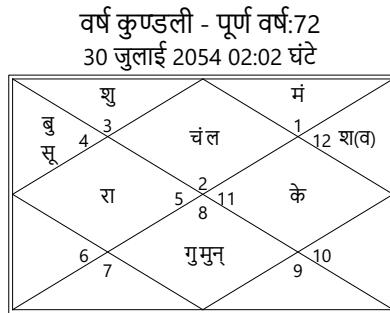
लग्र	06:04	मंगल	26:13	शुक्र	10:37
सूर्य	12:20	बुध	25:39	शनि	23:27
चन्द्र	07:01	गुरु	13:11	राहु	02:31
वर्षश	गुरु	मुन्धा	सिंह	13:43:29	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:71

29 जुलाई 2053 19:59 घंटे



लग्र	25:00	मंगल	08:13	शुक्र	16:49
सूर्य	12:20	बुध	25:03	शनि	18:59
चन्द्र	00:10	गुरु	03:31	राहु	22:42
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	तुला	13:43:29	



लग्र	22:12	मंगल	27:01	शुक्र	22:15
सूर्य	12:20	बुध	10:59	शनि	01:56
चन्द्र	06:08	गुरु	02:02	राहु	04:00
वर्षश	मंगल	मुन्धा	वृद्धि	13:43:28	



## जन्मकालिक पंचांगादि विवरण

वेद सर्वग्रन्थों में आद्य ग्रन्थ हैं। जगत के सब शास्त्रों की उत्पत्ति का आधार वेद ही हैं। वेद शब्द की उत्पत्ति विद् धातु से हुई है जिसका अर्थ है, ज्ञान। ज्योतिष शास्त्र द्वारा जीवात्मा के ज्ञान के साथ-साथ परमात्मा का ज्ञान भी सहज प्राप्त हो सकता है। इसीलिये ज्योतिष को वेद के चक्षु कहते हैं। त्रिकालज्ञ महषिर्यों ने हजारों वर्ष पूर्व अपने तपोबल व योगबल द्वारा ग्रहों के गुण, धर्म, रंग, रूप, स्वभाव आदि का चराचर जगत पर पढ़ने वाले शुभाशुभ परिणामों का वर्णन ज्योतिष फलित शास्त्रों में विस्तार पूर्वक किया है। प्रत्येक व्यक्ति के जन्म के स्थान, दिन व समय के अनुसार उस क्षण ब्रह्माण्ड में ग्रह-राशि-नक्षत्रों की स्थिति के चित्रण को 'जन्म कुण्डली' कहा जाता है। जन्म के समय पूर्व क्षितिज में जो राशि उदित होती है उसे 'लग्न' कहते हैं। चन्द्र जिस राशि में होता है उसे 'जन्म राशि' और जिस नक्षत्र में होता है उसे 'जन्म नक्षत्र' कहा जाता है। आपके जन्म के समय पंचांग के विभिन्न अंगों का विवरण नीचे दिया गया है।

### अवकहडा चक्र

लग्न	:	वृश्चिक
चन्द्र राशि	:	वृश्चिक
चन्द्र राशि स्वामी	:	मंगल
जन्मकालीन नक्षत्र	:	विशाखा
नक्षत्र चरण	:	4
नामाक्षर	:	तो
राशि पाया	:	सुवर्ण
नक्षत्र पाया	:	चांदी
वर्ण	:	ब्राह्मण
वश्य	:	कीट
नाड़ी	:	अन्त्य
योनि	:	व्याघ्र
गण	:	राक्षस

### जन्मकालीन पंचांगादि

विक्रम संवत्	:	2039
मास	:	श्रावण
जन्मकालीन तिथि	:	शुक्ल दशमी
जन्मकालीन योग	:	शुक्ल
जन्मकालीन करण	:	तैतिल
आधुनिक जन्म वार	:	गुरुवार
ज्योतिषिय जन्म वार	:	गुरुवार

### घात चक्र

घात मास	:	आश्विन
घात तिथि	:	1/6/11
घात वार	:	शुक्रवार
घात नक्षत्र	:	रेवती
घात योग	:	व्यतिपात
घात करण	:	गर
घात प्रहर	:	1
घात चन्द्र	:	धनु



## कुण्डली फल

ज्योतिष शास्त्र के ज्ञान से मनुष्य को श्रेष्ठ लाभ यह है कि उसे पूर्वजन्म के शुभाशुभ कर्मों का ज्ञान, वर्तमान जन्म में शुभकर्म करने की आवश्यकता, मानवीय जन्म का उद्देश्य, ईश्वरीय व मानवीय शक्ति में अन्तर, कर्म और भोग की मर्यादा, प्रारब्ध और प्रयत्न की सीमा व दोनों का परस्पर सम्बन्ध, अनुकूल व प्रतिकूल समय का ज्ञान व संकट समय मन में धैर्य रख उस पर विजय प्राप्त करने की शक्ति प्राप्त होती है। इस शक्ति से मन में सन्तोष, सन्तोष से चिन्ता का नाश, चिन्ता-नाश से धर्म की प्राप्ति, धर्म से धैर्य व शक्ति की प्राप्ति और शक्ति से ईश्वर के प्रति भक्ति व विश्वास क्रमशः प्राप्त करते हुए व संसारिक आपत्तियों को सहर्ष स्वीकार करने की क्षमता प्राप्त होती है।

### प्रकृति एवं स्वभाव

- 1 - आप कर्मठ और लगनशील होंगी, एक बार जो संकल्प लेंगी उसे पूरा किये बिना चैन से नहीं बैठेंगी।
- 2 - अंतिम परिणाम ईश्वर पर छोड़कर आप बाधाओं एवं कठिनाइयों से अंत तक संघर्ष करेंगी।
- 3 - आप उर्वर कल्पना शक्ति तथा तीव्र बुद्धि की होंगी।
- 4 - आपमें तीव्र अनुभूति एवं भावुकता होंगी। आपमें उल्लेखनीय अंतः प्रज्ञा शक्ति होगी।
- 5 - आपमें आत्म-विश्वास, आवेश में काम करने की प्रवृत्ति, साहस, उत्तेजना, दबंगपन जैसे गुण प्रधान होंगे।
- 6 - आप अतिवादी होंगी - प्रेम करेंगी तो दीवानेपन की हद तक और धृणा करेंगी तो पागलपन तक।
- 7 - आप सफल आलोचक होंगी अर्थात् दूसरों की त्रुटियाँ निकालने में सिद्धहस्त होंगी। आलोचना तर्कसंगत होगी तथा सामान्यतः कोई प्रतिवाद नहीं कर सकेगा।
- 8 - आपको अपनी आलोचना असहनीय होगी, किसी बात का नकरात्मक उत्तर सुनकर बुरा लगेगा। आपका विरोध करना अकारण ही उसे क्रोधित करना सिद्ध होगा। विरोधी के प्रति शत्रुता का आचरण करेंगी।
- 9 - आप स्पष्टवादी होंगी, कई परिस्थितियों में कटुभाषी भी - जैसे काने को काना कहने में आपको संकोच नहीं होगा। व्यंगात्मक टिप्पणी करने में भी आपको रुचि होगी।
- 10 - आपमें प्रतिशोध की भावना प्रबल होगी। यदि कोई मर्म को चोट पहुँचाये तो उसे नहीं भूलेंगी।
- 11 - आप बाह्य रूप से बहुत उदार, नीतिज्ञ प्रतीत होंगी किंतु आपके अंतःकरण में एक शंकालु मन भी होगा।
- 12 - आपमें दोहरा जीवन जीने की प्रवृत्ति होगी- एक दुनिया को दिखाने के लिये, दूसरा अपने लिये।
- 13 - आप अपना महत्व स्थापित करने के लिये अपने कृत्यों को बड़ा कर बताने में पटु होंगी।
- 14 - आपको रहस्य, अज्ञात, मृत्यु, और पराशक्ति जैसे विषय बहुत भायेंगे। रहस्यात्मक विषयों - जैसे ज्योतिष, तंत्र-मंत्र, सामुद्रिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, दर्शन शास्त्र और मनोविज्ञान में रुचि होगी।
- 15 - आपमें सात्त्विक प्रेम की प्रबल लालसा होगी तथा जिससे प्रेम होगा उसके प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध होंगी तथा अटूट निष्ठा एवं विश्वास का पालन करेंगी। प्रेमास्पद के लिये किसी भी त्याग हेतु तत्पर रहेंगी।
- 16 - स्वभाव में परिवर्तन आवश्यक हैं - व्यंगात्मक टिप्पणी न करें, अति आलोचना न करें, गुप्त शत्रुता न करें, क्रोध पर नियन्त्रण रखें, धोखा न दें।



### शास्त्रों के अनुसार फल

आप की आँखे बड़ी, विशाल वृक्षस्थल, गोल जाँघे व ठेहुना, कपिल वर्ण, हाथ या पैर में मत्स्य चिन्ह, वज्र और पक्षी के आकार की रेखा (मतान्तर से हाथ या पैर में कमल रेखा), चलने में तेज, ठुड़ी व नखों में आघात होता है। गुरुजनों की शुभचिन्तक, वाद-विवाद में आगे रहने की प्रवृत्ति, स्थिर प्रकृति, माता-पिता, गुरुजनों के पूर्ण सुख में कमी, राजकुलों में पूज्य, गुप्त पाप कर्म में रत किंतु प्रत्यक्ष में शुभ आचरण से युक्त, द्वेष भावना से युक्त, मित्रद्रोही, कभी-कभी धूर्ततापूर्ण आचरण, कुटिल स्वभाव, पारिवारिक कार्यों में विशेष रुचि नहीं, संतोष का अभाव, औपचारिकता को अधिक महत्व, स्वभाव से चालाक, चतुरता पूर्वक इच्छा करने वाली, दूसरों से प्रशंसा सुनने की अभ्यस्त, लोभी, एकान्तचारी, तीन-तिकड़म से द्रव्य हासिल करने की प्रवृत्ति, संगति जन्म दोषों से ग्रसित एवं परेशान, शत्रुओं से कष्ट, राजकुल में उँची पदवी अर्थात् अधिकारी पद की प्राप्ति, राजा के द्वारा धन नष्ट, प्रवासी, उद्योग से धनी, भूत्यों से सेवित, स्वावलम्बी, क्लेशकर गृहस्थ जीवन, अनेकानेक कठिनाइयों, आपत्तियों से पूर्ण जीवन, नवीन अनुभव प्राप्त करने की लालसा युक्त, गम्भीर एवं कठिन कार्यों में रुचि आध्यात्मिक जिज्ञासा किन्तु काम वासना की आधिक्यता के कारण धार्मिक उन्नति में संदेह, आत्मनिग्रह से रहस्यविज्ञान में सफलता मिलती है।

बाल्यावस्था में रोगी, रक्त, पित्त अथवा अग्नि आदि से पीड़ित, उदासीन मन या चिंतित रहने का स्वभाव होता है।

### आधुनिक मत से फल

आपका चेहरा चौकोर, आँखे काली, सतर्क, निर्भिक, और दृष्टि चुभती हुयी, नासिका संतुलित, प्रशस्त एवं आकर्षक, शारीरिक व्यक्तित्व पर्याप्त प्रभावशाली और भव्य होता है। आप कर्मठ और लगनशील हैं, अंतिम परिणाम ईश्वर पर छोड़कर बाधाओं एवं कठिनाइयों से अंत तक संघर्ष करती हैं। उर्वर कल्पना शक्ति, तीव्र बुद्धि युक्त एवं भावुक होती हैं। आपमें आत्म-विश्वास, आवेश में काम करने की प्रवृत्ति, साहस, संकल्प स्वतन्त्रता, उत्तेजना, दबंगपन जैसे गुण होते हैं। आप अतिवादी हैं - प्रेम करती हैं तो दीवानेपन की हृद तक और घृणा करती हैं तो पागलपन तक। आप दूसरों की त्रुटियाँ निकालने में सिद्धहस्त होती हैं किन्तु अपनी आलोचना असहनीय होती है। स्पष्टवादी, व्यगात्मक टिप्पणी करने वाली, प्रतिशोधी, बाह्य रूप से बहुत उदार, नीतिज्ञ प्रतीत किंतु अंतःकरण से शंकालु एवं ईर्ष्यालु होती हैं। आपमें दोहरा जीवन जीने की प्रवृत्ति होती है - एक दुनिया को दिखाने के लिये, दूसरी अपने लिये। अपना महत्व स्थापित करने के लिये अपने कृत्यों को बड़ा बताने में पटु होती हैं। आपको रहस्य, अज्ञात, मृत्यु और पराशक्ति जैसे विषय बहुत भाते हैं। रहस्यात्मक विषयों - जैसे ज्योतिष, तंत्र-मंत्र, सामुद्रिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, दर्शन शास्त्र और मनोविज्ञान में रुचि होती है। सात्त्विक प्रेम की प्रबल लालसा होती है तथा जिससे प्रेम होता है उसके प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध होती हैं तथा अटूट निष्ठा एवं विश्वास का पालन करती हैं। प्रेमास्पद के लिये किसी भी त्याग हेतु तत्पर रहती हैं।

### शारीरिक लक्षण

- 1 - आपका चेहरा चौकोर होता है।
- 2 - ललाट चौड़ा, आँखे काली, सतर्क, निर्भिक, और दृष्टि चुभती हुई होती है।
- 3 - आपकी नासिका संतुलित, प्रशस्त एवं आकर्षक होती है।
- 4 - शारीरिक व्यक्तित्व पर्याप्त प्रभावशाली और भव्य होता है।
- 5 - आपके शरीर से स्फूर्ति और चुस्ती प्रकट होती है।



## महत्त्वपूर्ण जानकारी

**आपका मूल वाक्य है**  
मैं चाहती हूँ।

**सबसे बड़ा गुण है**  
अदिगा स्वभाव

**सबसे बड़ी कमी है**  
सहानुभूति का अभाव।

**महत्वाकांक्षा है**  
सम्पन्नता और सुरक्षित जीवन जीने की चाहत।

**शुभ दिन**  
सोमवार, मंगलवार।

**शुभ रंग**  
सफेद, लाल, चाकलेटी, नारंगी तथा पीला शुभ हैं। नीला तथा हरा रंग ठीक नहीं हैं।

**शुभ अंक**  
9 सर्वाधिक शुभ हैं।

**शुभ रक्त**  
मोती, लाल मूँगा, पीला पुखराज।

**शुभ उपरत्न**  
संगरतुआ।

**अशुभ मास तारीखें**  
प्रतिवर्ष मई का महीना, प्रतिमास 1, 5, 15, 25 तारीखें और शुक्रवार का दिन खराब रहेगा।

**अशुभ तिथि**  
प्रतिप्रदा, षष्ठी एवं एकादशी तिथि जातक के लिए अशुभ हैं।

**शुभ राशि**  
मेष, कर्क, सिंह धनु और मीन राशि वाले मनुष्य मैत्री के लिये अच्छे होते हैं। मिथुन राशि वाले शत्रुता करने वाले होते हैं।

**शुभ दिवस**  
बृहस्पतिवार

**अरिष्ट समय**

यवनाचार्य के मतानुसार ज्येष्ठ मास, शुक्लपक्ष, दशमी तिथि, बुधवार, हस्तनक्षत्र एवं अर्द्धरात्रि जातक के लिए अनिष्टकर होता है।



## ग्रह फल



## सूर्य



### सूर्य नवम भाव में

**शुभ फल :** नवमभाव में सूर्य होने से जातिका रूपवान् होती है और उसके केश सुन्दर होते हैं। कुल के लोगों का हित चाहने वाली, देवताओं, ब्राह्मणों में श्रद्धा रखने वाली होती है। साहसी, सदाचारी, योगी, तपस्वी तथा सत्यवक्ता होती है। जातिका शुभकर्म करती है तो उसके मूल में दंभ होता है-दिखावा होता है-परन्तु यह भी मान-प्रतिष्ठा और यश का कारण हो जाता है। जातिका में नेतृत्व के गुण होते हैं। सूर्य नवमभाव में होने से जातिका संसार में प्रसिद्ध, दूसरों के धन से सुखी और सुशोभित होती है। युवाअवस्था में स्थिरता मिलती है तथा धनादूय होती है। नौकर-चाकरों तथा वाहन का सुख मिलता है। सम्पत्ति और सम्पत्ति जनित सुखों का उपभोग करती है तथा अपने वर्चस्व से समाज में पूजित हुआ करती है। मातृसुख एवं पुत्रसुख प्राप्त होती है। पुत्र सर्वथा योग्य होते हैं। गुरुजनों तथा देवताओं में श्रद्धा रखती है। जातिका कुल परम्परा प्राप्त श्रोतस्मार्त धर्म में तथा क्रियाकाण्ड (कर्मकाण्ड) में रुचि रखता है। नवमभाव का रवि कुछ न कुछ छ्याति अवश्य देता है। सूर्य नवमभाव में होने से जातिका धार्मिक होती है तथा सूर्य आदि देवताओं की पूजक होती है।

जलराशि (4, 8, 12) में हो तो सागर पर्यटन करने वाली होती है।

कर्क, वृश्चिक और मीन में सूर्य होने से जातिका कवि, नाटककार या रसायन विद्या की संशोधक हो सकता है।

**अशुभ फल :** नवें भाव में सूर्य होने से जातिका अभागा, विद्याहीन, विवेकहीन और दुष्ट स्वभाव की होती है। जातिका की तपस्या शुभ भावनामूलक नहीं होती, अतः चित्त अशान्त ही रहता है। परदेश में रहने से मन उद्धिग्र और असन्तुष्ट रहता है। जातिका के काम में बहुत विघ्न होते हैं। सहोदर भाइयों से तथा अन्य लोगों से चिन्ता बराबर बनी रहती है। पिता से और पति से प्रेम नहीं होता है अर्थात् इनके साथ विरोध रखता है। जातिका के सम्बन्ध मातृकुल से अच्छे नहीं रहते प्रत्युत इसका व्यवहार और बर्ताव मामा-मामी आदि से शत्रु जैसा होता है। जातिका रोगी और दीन होती है। बचपन में रोग होते हैं। जातिका का गुरुजनों से वैमनस्य रहता है। अपने कुलपरम्परागत धर्म को छोड़कर दूसरे के धर्म को अपनाती है। अर्थात् विधर्मी हो जाती है। नवमभाव स्थित सूर्य का सामान्य फल इस प्रकार है:-पूर्ववय में कष्ट, मध्यवय में सुख और उत्तर आयु में पुनः दुःख।



ॐ

चन्द्र

ॐ

### चन्द्र प्रथम भाव में

**शुभ फल :** लग्न के चन्द्र का सामान्य फल, प्रेम, शान्ति, सत्यप्रियता, सत्त्वशीलता, कलह से घृणा करना आदि है। चन्द्रमा-लग्न में हो तो जातिका बलवान्, ऐश्वर्यशाली, सुखी, व्यवसायी, गान-वाद्यप्रिय एवं स्थूल शरीर वाली होगी। जातिका में कामशक्ति, पूर्णरूप से रहेगी, पुरुषों द्वारा सम्मान प्राप्त होगा। धनागम के साधन बने रहेंगे और समाज में अधिक प्रतिष्ठा बनी रहेगी। जातिका पराक्रमी और राजवैभव पाने वाली होगी। चन्द्र लग्न में होने से घूमने-फिरने की शौकीन होगी। जो लोग नींद में चलते हैं, बोलते हैं, या ऐसे ही काम करते हैं, उनके लग्न में चन्द्रमा होता है।

शुक्लपक्ष का चन्द्रमा लग्न में होने से जातिका निर्भय, दृढ़ शरीर वाली बलिष्ठ, लक्ष्मीवान् और दीर्घायु होगी।

लग्न का चन्द्रमा पापग्रहों के साथ क्षीण होने से पूर्वोक्त फल अल्पमात्रा में होते हैं।

कर्क, वृश्चिक अथवा मीन में चन्द्र होने से जातिका निरपेक्ष रहना पसंद करेगी अतः किसी के काम में हस्तक्षेप नहीं करेगी।

**अशुभ फल :** जातिका मोटे शरीर की होकर भी साहसहीन, दरिद्र और मूर्ख होगी। लग्न में चन्द्रमा हो तो जातिका जड़ (मूर्ख व आलसी) और कृतज्ञ होगी। लग्न में चन्द्र होने से जातिका मिथ्याभाषी होगी। अतः लोगों की दृष्टि में विश्वासपात्र नहीं होगी। लग्न में चन्द्रमा होने से जातिका मूर्ख, मूक (गूंगी) व्याकुल चित्त वाली अथवा धूर्त, नेत्रहीन (अंधी) अनुचित कार्य करने वाली, दूसरों की दासी, दुबले-पतले शरीर वाली होगी। सर्दी और कफ जनित रोगों से पीड़ित एवं कृश शरीर रहा करेगा। बधिर, व्याकुल हृदय गूँगी तथा विशेषतया दुर्बल देह होगी। व्याधि से, जल से भय प्राप्त होगा। 15 वें वर्ष में बहुत सी यात्राएँ करनी पड़ेंगी। कपटी और बहुत बोलने वाली विंडावादी होगी। डरपोक, अस्थिर बुद्धि, विलासी और धूर्त होगी। पति वियोग सहना होगा।

वृश्चिक को छोड़ कर अन्य राशियों में चन्द्र होने से उपर दिये अशुभ फल अधिक अनुभव होते हैं।

मिथुन, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुम्भ और मीन राशि का होकर लग्न में हो तो जातिका रोगी, मूर्ख, निर्धन, बलहीन और बधिर होगी।

1,2,4 राशियों को छोड़कर चन्द्रमा लग्न में हो तो जातिका उन्मत्त अर्थात् अभिमानी (गर्वाली) नीच, बहरी, व्याकुल चित, गूंगी और विशेषतः कृष्णर्ण देह वाली होगी।

चन्द्रमा नीचराशि में अथवा पापग्रह के साथ होने से जातिका जड़बुद्धि (मूर्ख) अतिदीन और सदैव धनहीन होगी।

हर्षल से दृष्टियोग होने से जातिका कभी एक स्थान में स्थिर नहीं रह सकती। सर्वदा किसी न किसी झंझट में फँसी रहेगी। चन्द्र मकर या वृश्चिक में होने से जातिका गन्दी, वीभत्स-शब्द बोलने वाली होगी।



## मंगल



## मंगल द्वादश भाव में

**शुभ फल :** जातिका साहसी, हंसमुख, दृढ़शरीर होगी। आँखें चंचल, बुद्धि चपल और इच्छा घूमने-फिरने की होगी। गवाही देने वाली और कामों को पूरा करने वाली होगी। जातिका सत्यवादी, उदार, स्पष्टवक्ता और त्यागी होगी। दानी होगी। किसी संस्था की संस्थापक होगी। 26 वें वर्ष प्रसिद्धियोग बनता है। सदा विदेश जाने वाली होगी।

मेष, सिंह, मिथुन, कर्क तथा तुला राशि में कुछ शुभफलों का अनुभव आ सकता है।

**अशुभफल :** जातिका कुटिल, उग्र, क्रोधी, झगड़ालू, मूर्ख, व्ययशील एवं नीच प्रकृति की पापी होगी। मंगल द्वादशभाव में होने से जातिका अपने कुटुम्बियों को कठोर वचन कहकर दुःख देने वाली, विशेष जुल्म करने वाली और सदा परेशान रहने वाली होगी। चुगुल और अधम होगी। वाणी कड़वी होगी। नास्तिक, निठुर-शठ और बकवासी होगी। अंगहीन, अंग (शरीर) में विकलता, अवयवों में हीनता, तेज की हानि होगी। जातिका क्रोधी, कामुक, आचारहीन, धर्मभ्रष्ट होगी। हिम्मत, हिंसक वृत्ति, अनैतिकता और राजद्रोही प्रवृत्ति के कारण जातिका में अपराध करने की प्रवृत्ति होगी। जातिका को शस्त्र या अन्य किसी वस्तु से चोट लग सकती है। शरीर में भी व्रण या चिन्ह हो जायेंगे। गिरपड़ना, विषबाधा होना, अपघात होना आदि का डर रहेगा। बारहवें भाव में मंगल होने से नेत्रोर्गी, आँखों में अधिक पीड़ा, उष्णता से आँखों का नाश, मोतियाबिन्द होना इस मंगल के फल है। नेत्र व्याधि से युक्त बनाता है। सिरदर्द, रक्त विकार, गुहारोग, बुद्धापे में अपचन आदि विकार होते हैं। कान और गले में तथा खून बिगड़ने से बहुत पीड़ा होती है। बारहवें भाव का मंगल जातिका को अपयश का भागी बनाता है। असफल होने के कारण कुण्ठित होना और मुर्खतावश धूर्तों के द्वारा छले जाना जातिका की नियति होगी। जातिका अपने अहंकार की तृष्णि के लिये असत्कार्यों में खर्च करने वाली होगी। जातिका बुरे कामों में खर्च करेगी। द्वादशभाव का मंगल धनहानि करेगा। द्रव्य का नाश होगा। ऋणी, व्ययशील होगी। जातिका को दूसरों के धन अपहरण करने की इच्छा होगी। चोरों से भय होगा। चोरों, डकैतों से द्रव्यहानि होगी। धनसंग्रह नहीं होगा। कभी कोई पैसा उठा ले जायेगा, कभी कोई उधार ले जायेगा अथवा रुपया कहीं गुम हो जायेगा। झगड़े हो जायेंगे, परस्पर कलह या वैमनस्य हो जायेंगी। चोरी आदि का झूठा अपवाद लगेगा। चुगुल झूठे कलंक लगाते हैं और झूठी अफवाहें फैलाते रहते हैं। जातिका को कारावास में जाने का भय होगा। शत्रुग्रह के साथ होने से कैद होगी। कारागृहवास होगा। पराधीनताजन्य दुःख होगा। बारहवें भाव में मंगल हो तो पुरुषनाशक, पति घातक, पुरुषहीन होता है। जातिका परपुरुष से सम्बन्ध रखने वाली होगी। परयुवकगामी होगी। द्वादश भावगत मंगल का जातिका प्रायः बहुभोजी तथा कामुक होगी किन्तु स्त्रीसुख कम मिलेगा। एक पती की मृत्यु होगी और दूसरी से विवाह करना होगा। स्त्री के बाई ओर से किसी अवयव को आँख, काँून, पैर या हाथ को अपघात होगा। द्वादश भावगत मंगल भाई और संतति के लिए मारक है। संतति कम होगी। प्रायः पुत्र संतति नहीं होगी। कहीं-कहीं वंशक्षयकारक भी होगा। भग्नसूत्र के अनुसार 28 वें वर्ष माता की मृत्यु होगी तथा भाई को कष्ट होगा। जातिका नौकरों के कारण दुःखी होगी। अपने मित्रों से बैर होगा। जातिका मित्रों और बधुओं के साथ द्वेष करेगी। जातिका के चाचा की और फूफा की मृत्यु जल्दी होगी। लोगों में मान्यता नहीं मिलेगी। गुप्त शत्रुओं से भय होगा।

वृश्चिक और मकर में मंगल के होने से उपर दिये अशुभफल अधिक मिलते हैं।



## बुध



## बुध नवम भाव में

**शुभ फल :** नवें स्थान में बुध के रहने से जातिका को शुभ फल मिलेगा। शास्त्रकारों ने नवम भावस्थित बुध के जो शुभ फल बताएँ हैं वे पुरुष राशियों में मिलेंगे। नवम भाव में बुध होने से जातिका सदाचारी, घर्मात्मा, बुद्धिमान्, सज्जनों का संग करने वाली, सत्यवादी, जितेद्रिय, सहर्ष परोपकार करने वाली होगी। धार्मिक, घर्मभीरू, दानी तथा उत्सुक मन वाली होगी। जातिका शास्त्रज्ञ, ज्ञानी, आनंदी, घर्मनिष्ठ, सदा पुण्यकर्मकर्ता होगी। जातिका चपल, विनयी, शोघक बुद्धि की, नई चीजों की रुचि रखने वाली होगी। तपस्वी, ध्यानी, योगाभ्यासी, वेद-स्मृतिप्रतिपादित कर्मकर्ता होगी। वेदशास्त्रों की पंडित होगी। नौवें स्थान में स्थित बुध जातिका को भाग्यवान् बनायेगा, विविध सुखेपभोग करेगी। तीर्थाटन और धार्मिक कार्यों जैसे यज्ञ आदि में रुचि रहेगी। वैदिक अथवा तांत्रिक दीक्षा को पाने वाली और गंगा स्नान करने वाली होगी। जातिका धार्मिक-कुण्ड-बगीचे आदि बनवाने वाली होगी। समाज में अथवा अपने परिवार में राजा के समान सम्माननीय बनेगी। नवमस्थ बुध प्रभावोत्पन्न जातिका अपने कुल को अपने ज्ञान से, अपने धन से, अपने यश से उज्ज्वल तथा प्रसिद्ध कर देगी। नवम में बुध होने से जातिका उपकार और विद्या से आदर पायेगी। नवम बुध शुभ राशि में होने से जातिका घन-पति-पुत्र से युक्त होगी। संतति, संपत्ति तथा सुख मिलेगा। जातिका विद्वान, कवि, वक्ता, संगीतज्ञ, सम्पादक, लेखक, ज्योतिषी हो सकती है।

कर्क, वृश्चिक या मीन में नवमस्थान का बुध होने से टैलीफोन-पोस्टआफिस या किसी सरकारी आफिस में क्लर्क की नौकरी होती है।

**अशुभ फल :** जातिका रोग से पीड़ित होगी। कभी मन विकृत भी हो जाता है। 29 वें वर्ष माता को कष्ट हो सकता है। बुध अशुभ होने से भाग्य मंद होता है और अपनी बुद्धि का घमंड होता है।

बुध पापग्रहों के साथ, पापग्रहों की राशि में, या वृष्टि में होने से पिता को कष्ट होता है या मृत्यु होती है। गुरु से द्वेष करती है। बौद्धमतावलंबी हो जाती है।

अशुभ फल बुध के स्त्री राशियों में होने से अधिक होते हैं।



2

## बृहस्पति

2

## बृहस्पति द्वादश भाव में

**शुभ फल :** बारहवें स्थान में बृहस्पति के स्थित होने से जातिका संसार में पूज्य, धार्मिक आचरण करने वाली होती है। जातिका मितभाषी, योगाभ्यासी, परोपकारी, उदार, शास्त्रज्ञ, सदाचारी, विरक्त स्वभाव की होती है। आध्यात्म और गूढ़शास्त्रों में रुचि होती है। पुरानी रीतियों के बारे में आदर होता है। निर्भीक प्रकृति की ओर सुखी होती है। द्वादशस्थान का सम्बन्ध परोपकार तथा विश्वप्रेम से है। अतः बड़े-बड़े दान देने की प्रवृत्ति भी होती है। मरणान्तर सद्गति प्राप्त करने वाली होती है। स्वर्गलोक प्राप्त होता है। मितव्ययी, द्रव्य व्यय अच्छे कामों में, धर्म में खर्च करती है। वैद्य, धर्मगुरु, वेदज्ञानी, लोकसेवक, सम्पादक आदि के लिए यह गुरु शुभ है। देशत्याग, अज्ञातवास तथा दूरप्रदेशों में प्रवास से कीर्ति तथा लाभ प्राप्त होते हैं। शत्रु द्वारा लाभ होता है। आयु का मध्य तथा उत्तराधि अच्छा जाता है। अन्न की कमी नहीं होती। वस्त्र, गौएँ, धन, सोना और सम्पत्ति प्राप्त होती है। सेवा करने में चतुर होती है। भ्रमणशील (प्रवासी) होती है। विदेश-यात्रा तथा प्रवास संभव है। पिता के धन से धनी होती है। पिता के भाई सुखी रहते हैं। गणित जानने वाली होती है। पुत्र संतति थोड़ी होती है। गुरु से विपुल धन प्राप्त होता है। गुरु विजय प्राप्त कराता है।

गुरु के बलवान् होने से दानाध्यक्ष, सार्वजनिक संस्थाओं में कार्यकर्ता, अस्पताल, धार्मिक संस्थाएँ आदि के व्यवस्थापक के रूप में लाभ होता है।

**अशुभफल :** बारहवें भाव का बृहस्पति शुभ नहीं होता। जातिका दुबली पतली और पीड़ा युक्त होती है। जातिका उट्टेग, चिंता, पाप और कोप से युक्त होती है। निर्लज्ज, मानहीन और अपमानित होती है। चित्त उद्विग्न रहने से क्रोध बहुत आता है। दुर्बुद्धि, दुष्ट तथा दुष्टों की सहायता करने वाली होती है। अधिक अहंकारी होती है। गुरु तथा बंधुजनों का उपकार करने में शिथिलता होती है। व्यर्थ ही खर्च की अधिकता और सदा दूसरे के धन का अपहरण करने में बुद्धि व्यग्र रहती है। भाई-बंधुओं की बैरी और गुरुजरों से द्वेष करने वाली होती है। किसी सार्वजनिक संस्था के आश्रय से जीवन बिताने वाली होती है। जातिका से दूसरे लोग द्वेष करते हैं। लोगों के साथ द्वेष करने वाली होती है। बुरे शब्द बोलने वाली, संतानहीन, पापी, आलसी और सेवक (नौकर) होती है। अपने कुल का परित्याग करके अन्य कुल में जाने वाली होती है। जातिका नेत्ररोगी होती है। हृदयरोग, गुप्त रोग, क्षयरोग होता है। गंभीरित्रण होता है। जातिका का धन चोर ले जाते हैं। जातिका नीचों की सेवा करने वाली, लोगों से झगड़ने वाली होती है। जातिका को वाहन, भूषण, वस्त्र, घोड़े, चामर आदि की चिन्ता होती है। जातिका बढ़-चढ़कर खर्च करती है। ब्राह्मणा से सहवास और संगम करती है। अपने लोगों से झगड़े होते हैं, दुःख होता है। चार्वाकमतानुयायी होती है। चार्वाकमत संक्षेप में 'खाओ पीओ मौज उड़ाओ' है। परलोक को नहीं मानती है। राजा से (सरकार से) भय होता है। बोलने में अल्हड़, सेवक और भाग्यहीन होती है। उचित दान नहीं करने वाली होती है। जातिका के शत्रु बहुत होते हैं। कल्याण और पृथ्वी पर यश नहीं होता है।

गुरु पीड़ित या अशुभ सम्बन्ध में होने से विवाह में कुछ गड़बड़ होती है।

पापग्रह से युक्त होने से नरक में जाती है।

गुरु पीड़ित होने से जातिका व्यसनी, लोभी, मूर्ख, आलसी, विवेकहीन, शास्त्रों और देवताओं की निन्दा करने वाली होती है।



♀

**शुक्र**

♀

**शुक्र अष्टम भाव में**

**शुभ फल :** अष्टमभावगत शुक्र होने से जातिका देखने में सुन्दर, विशालनेत्र, अतीबली, निर्भय-गर्वली, प्रसन्नचित होती है। अष्टमस्थान में शुक्र होने से जातिका विद्वान्, मनस्वी, धर्मात्मा, ज्योतिषी और सदाचारी होती है। शारीरिक, आर्थिक या पुरुष विषयक सुखों में से कोई एक सुख प्रर्याप्त मात्रा में मिलता है। पति धन प्राप्त होता है या किसी आप्त पुरुष की मृत्यु से धन प्राप्त होता है। मृत्युपत्र से, साझीदारी से लाभ होता है। बीमे के व्यवहार में लाभ होता है। टस्टी होकर अच्छा धन प्राप्त करती है। पति स्वाभिमानिनी, धैर्य संपन्न, श्रेष्ठ स्वभाव वाला, मधुरभाषि तथा विश्वास योग्य होता है। जातिका का पति जातिका का हित चाहने वाला होता है। मृत्यु किसी तीर्थ क्षेत्र में होती है। 75 वर्ष के बाद इसका मरण होता है। मृत्यु शांति से होती है। दुर्घटनाओं का भय नहीं होता। अष्टमभाव में शुक्र होने से जातिका राजसेवक, राजद्वारा सम्मानित, राजमान्य, विदेशवासी, पर्यटनशील होती है। नौकर-चाकरों और सवारी के सुख से पूर्ण होती है। स्वजन बांधवों का सहयोग प्राप्त होता रहता है। आठवें स्थान में शुक्र होने से चौपायों से अर्थात् गाय, भैंस, बकरी घोड़ा आदि से सुख होता है। कभी धन की वृद्धि और कभी ऋण की वृद्धि होती है। शत्रुओं पर कष्ट से विजय प्राप्त करती है। धन का लाभ कष्ट से होता है। जातिका के कार्य सरलता से सम्पन्न नहीं होते हैं। जातिका राजतुल्य, सर्वसौख्य युक्त, धनवान् और भूमिपति होती है। सर्वथा संतुष्ट होती है। मनुष्यों की प्यारी होती है। कभी-कभी पति तथा पुत्र की चिंता से युक्त होती है। अष्टम शुक्र होने से जातिका पिता का ऋण चुकाती है तथा कुल की उन्नति करती है।

अष्टमभाव का शुक्र मिथुन में होने से दंतरोग से मृत्यु होती है।

शुक्र बलवान् होने से विवाह से, सट्टे से या वारिस के रूप में अच्छा धन प्राप्त होता है।

**अशुभ फल :** अष्टम शुक्र होने से जातिका दुर्जन, निर्दयी, रोगी, क्रोधी, दुखी, गुप्तरोगी, शठ, घमंडी होती है। जातिका रोगी-झगड़ालू, व्यर्थ धूमने वाली, निकम्मी होती है। अष्टम शुक्र होने से जातिका कठोर वचन बोलने वाली होती है। व्यर्थ का वाद करती है अर्थात् जातिका का बोलना गवाँर जैसा होता है। अष्टम में शुक्र होने से जातिका वंश के लिए अनुचित कर्म करने वाली होती है। दरिद्रता और शत्रुओं से संतापित होती है। खर्चीले स्तर का निर्वाह करने के लिए ऋणस्त रहती है। परपुरुषरत होती है। अष्टमस्थ शुक्र के कारण जातिका प्रमेह एवं गुप्तांग से संबंधित रोगों से पीड़ित होती है। मृत्यु वात-कफ से या क्षुधा से होती है।

शुक्र पीड़ित होने से पति खर्चीला होता है।

शुक्र पापग्रह के साथ होने से अल्पायु होती है।

अष्टम शुक्र मिथुन या वृश्चिक राशि में होने से पति-पुत्रों से कलह होती है। पतिसुख नहीं मिलता। धन स्वल्प, व्यवसाय अव्यवस्थित तथा अस्थिरता रहती है।



ॐ

शनि

ॐ

### शनि एकादश भाव में

**शुभ फल :** प्राचीन लखकों ने लाभभावगत शनि के फल बहुत शुभ बतलाए हैं। शनि एकादशभाव में होने से जातिका बड़ी दयालु, उपकारी, मधुरभाषी, दुबली, संतोषी और शत्रुञ्जय होती है। एकादशभाव में शनि होने से जातिका दीर्घायि, शूर और स्थिरबुद्धि वाली होती है। जातिका विचारशील, भाग्यवान, भोगी तथा संतोषी होती है अर्थात् थोड़े में ही सन्तुष्ट रहती है। जातिका सब विद्याओं में प्रवीण, राजमान्य होती है। जातिका शिल्प से युक्त, सुखी एवं लोभीन होती है। दीर्घकाल स्थायी रोग नहीं होते अर्थात् रोग होते हैं तो शीघ्र ही शान्त भी हो जाते हैं और जातिका शीघ्र नीरोग हो जाती है। संग्राम में विशेष पराक्रमी होती है। लाभभाव में शनि होने से बहुत धन-सम्पन्न होती है। सम्पत्ति-जमीन आदि स्थिर रहती है। राजा की कृपा से प्रभूत धन प्राप्त करती है। खेती से धन-धान्य मिलता है और समृद्ध होती है। एकादशभाव में शनि होने से श्यामवर्ण के घोड़े, नीलम रत, ऊन, अनेक सुन्दर वस्तु, और हाथी का लाभ होता है। लाभस्थ शनि की कृपा से पशुधन बहुत होता है। राजा से सम्मान प्राप्ति, भूमि का लाभ व धनलाभ, पण्डितों से विद्यालाभ और भी कई प्रकार के लाभ होते हैं। धन प्राप्ति का प्रमाण अच्छा होता है और संचय भी होता है। एकादश में शनि होने से जातिका यशस्वी होती है। जातिका को अच्छे मित्रों की संगति मिलती है। जातिका भोगी होती है अर्थात् नाना प्रकार के उपभोग प्राप्त होते हैं। जातिका के घरपर दास-दासियाँ होते हैं। जातिका भाग्यवान और वाहन सम्पन्न होती है।

अन्यराशियों में संतान होती है।

**अशुभ फल :** जातिका सैकड़ों मनुष्यों से अधिक प्रपंची (जाली) होती है अर्थात् रागद्वेषादि में निपुण होती है। काम में विघ्न होते हैं। बचपन में बहुत रोग होते हैं। आग से भय और शरीर में दुःख होता है। शनि संतति के लिए अनुकूल नहीं है। जातिका के दैर से संतति होती है, या होकर नष्ट होती है। संतति से कष्ट होता है। जातिका की सन्तान स्थिर नहीं रहती अर्थात् सन्तति का नाश होता है। जातिका की पहली सन्तान मृत होती है। पुत्रसुख नहीं होता है अर्थात् अपुत्र ही रहती है। यदि पुत्र सन्तान हो तो परस्पर वैमनस्य रहता है-बाप-बेटा एकत्र नहीं रहते। अलग-अलग रहते हैं। पूर्ववय में परिस्थिति अच्छी नहीं होती। उत्तरवय में पति-पुत्रों से कष्ट होता है।

मेष, मिथुन, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु तथा मीन के अतिरिक्त अन्य राशियों में अशुभ फल का अनुभव प्राप्त होता है।



॥

## राहु

॥

## राहु अष्टम भाव में

**शुभ फल :** अष्टमभाव में राहु होने से जातिका शरीर से पुष्ट, पुष्टदेही, नीरोग होती है। परदेस में रहने वाली होती है। जातिका राजा औं तथा पण्डितों से आदरणीय, माननीय और प्रशंसित होती है। कदाचित् राजा से प्रचुर धन का लाभ होता है और कभी धन का नाश भी होता है। जातिका को व्याकुल अर्थात् विजित शत्रु से लाभ होता है। जातिका धनाद्वय होती हैं। अष्टमभाव में राहु हो तो जातिका राजा द्वारा सम्मानित होती है। अष्टम में राहु होने से जातिका श्रेष्ठकर्म करती है। जातिका को पुत्र सन्तति थोड़ी होती है। गाय आदि पशुओं की समृद्धि प्राप्त होती है। जातिका बुढ़ापे में सुखी होती है। मिथुन में राहु होने से महापराक्रमी और यशस्वी होती है। द्रव्यलाभ होने की संभावना होती है। राहु से पति धन, किसी सम्बन्धी के वसीयत का धन प्राप्त होता है। किन्तु इस धन की प्राप्ति में कई एक उलझने भी आती हैं। फायदा ताल्कालिक होता है। पति की मृत्यु पति से पहले होती है। मृत्यु सावधनता में होती है। मृत्यु का ज्ञान कुछ काल पहले हो जाता है। 26 से 36 वें वर्ष तक भाग्योदय होता है।

इस भाव का राहु स्वगृह या उच्च में होने से शुभफल देता है।

**अशुभ फल :** राहु अष्टमभाव में होने से जातिका दुर्बल देह, भीरु, आलसी, उतावली, अतिधूर्त, दुःखी, निर्दय, भाग्यहीन और स्वभाव से कामी और वाचाल होती है। अष्टमस्थ राहु से जातिका क्रोधी, व्यर्थभाषी, मूर्ख, कुकृत्य कर्ता, अपवित्र काम करने वाली, चोर, ढीठ, कातर, मायावी होती है। अष्टमराहु से जातिका अल्पायु वातरोगी और विकल होती है। जातिका का भाग्योदय तो एकबार होता है किन्तु हानि बार-बार होती रहती है। कभी भाग्योदय तो कभी हानि होती है। अष्टमस्थ राहु से आयु का पहला भाग कष्टकारक होता है। अशुभ सम्बन्ध से राहु बुढ़ापे में भी कष्टकारक होता है। पूर्वजित धन अर्थात् पैतृकधन (पिता के धन) से वंचित रहती है। पैतृक धन और पैतृक सम्पत्ति नहीं मिलती है। निर्धन और दरिद्र होती है। भाई-बच्चों से पीड़ित रहना जातिका के जीवन की विडम्बना बन जाती है। जातिका के कुटुम्ब के लोग छोड़ जाते हैं। राहु अष्टमभाव में होने से सज्जन लोग अपनी इच्छा से अकारण ही छोड़ देते हैं। अष्टम में राहु होने से जातिका खर्चीली, भाइयों से झंगड़ने वाली, प्रवासी तथा पुरुष सुखीन होती है। अष्टमभाव में राहु होने से पतिसुख, पुत्रसुख, मान और विद्यासुख नहीं मिलते। लोग जातिका की निन्दा करते हैं। आठवें स्थान में राहु जातिका को दीर्घ सूत्री, रक्त पित्त की रोगी, उदररोगी बनाता है। सदा बीमार रहना जातिका की नियति है। अष्टम भाव में राहु से जातिका को गुप्तरोग (गुदरोग) मस्से, भगंदर जैसे रोग होते हैं, प्रमेह और अंडकोष वृद्धि जैसी व्याधियां पीड़ित करती हैं। गुप्तरोग, प्रमेहरोग तथा वृषणवृद्धि रोग होते हैं। बहुत परिश्रम करने से जातिका के पेट में वायुगोला या गुल्म आदि रोग होते हैं। ददुररोग (दाद-खुजली की बीमारी) से युक्त होती है। चोरी का इलजाम (अपवाद) लगता है। कष्ट और यातना होती है। जातिका को धनप्राप्ति नहीं होती। अदम्य धनपिपासा से रिश्वत ली जाती है किन्तु रहस्योदघाटन हो जाता है और बन्धन होता है। जातिका पति से पहले मृत्यु पाती है-मृत्यु समय सावधनता नहीं रहती-बेहोशी में मृत्यु होती है। भाग्योदय नहीं होता-स्वतन्त्र व्यवसाय में लाभ न होने से नौकरी करनी पड़ती है। राहु अष्टमभाव में होने से जातिका बहुत देर बीमार रहकर 32 वें वर्ष में मरता है या 32 वें वर्ष में संकट आता है।

पुरुष राशि का राहु अच्छा नहीं होता, पति अच्छा नहीं मिलता-विश्वासपात्र नहीं होता-कलहप्रिय होता है। प्रायः सभी आचार्यों के मत में अष्टमभाव का राहु अशुभफल देता है। मुख्यतः ये अशुभफल पुरुष राशियों के हैं।

अष्टम राहु मिथुन में होने से पति कलहप्रिय होता है। निर्धन परिवार से आता है।

शुभग्रह के साथ होने से 45 वर्ष तक जीवित रहती है।

राहु शुभग्रह के साथ होने से 50 वें वर्ष में संकट होता है।



४

केतु

४

### केतु द्वितीय भाव में

**शुभ फल :** दूसरे भाव का केतु रूपवान्, सुखी-सम्पन्न बनाता है। अत्यन्त सुख प्राप्त होता है। अमितसुख तथा धन का लाभ होता है।

धनभाव का केतु स्वगृह में या शुभग्रह की राशि में होने से जातिका प्रिय तथा मधुर वचन वक्ता होती है।

**अशुभ फल :** केतु धनभाव में होने से जातिका की मति नित्य व्यग्र रहती है। बुद्धि भ्रम से युक्त होती है। जातिका दुष्ट, दुःखी तथा भाग्यहीन होती है और तिरस्कार की पात्र होती है। धनभाव का केतु होने से जातिका के मन को ताप होता है, सदा दुखित रहती है, कार्यों में विघ्न होता है। यह केतु धर्मनाश करता है। जातिका नीचों की संगति में रहती है। केतु के धनस्थ होने से जातिका को विद्या और धन का अभाव रहता है। धनस्थान का केतु धनहानि करता है। केतु दूसरे भाव में होने से धन के विषय में राजपक्ष से व्यग्रता अर्थात् डर लगा रहता है। राजा से धन की हानि होती है। राजा से भय और कष्ट होता है। जातिका पितृधन से वंचित होती है। मुख में रोग होता है। आदर-स्तकार का वचन भी जातिका के मुख से नहीं निकलता है। सभा में जातिका का भाषण सरस नहीं होता है प्रत्युत खराब होता है। बोलना बहुत तीखा होता है। जातिका बुरी नजर से देखती है। धनस्थान का केतु धन-धान्य का नाश करता है। अन्न की नित्य चिन्ता रहती है। दूसरों के अन्न पर अवलम्बित रहती है। बान्धवजनों के साथ कलह होती है। कुटुम्बियों से झगड़े होते हैं। द्वितीय भाव के केतु से जातिका का कुटुम्ब के लोगों से तथा मित्रों से विरोध होता है। जातिका पतिसुख से रहित होती है। धन स्थान में केतु से पुत्र की मृत्यु होती है। नुकसान के कारण धन्या बन्द होना, दीवालिया होना, बदनामी- ये फल मिलते हैं।

अशुभफल पुरुषराशियों में अधिक अनुभव में आते हैं।





## भावेश फल

### लग्नेश - द्वादश भाव में

लोमेश संहिता के अनुसार -

लग्नेश व्ययगे चाषे शित्पविद्याविशारदः ।  
दूयती चौरो महाक्रोधी परभायातिभोगकृत ॥

मानसागरी के अनुसार -

द्वादशगे मूर्तिपतौ कटुकवत्कर्मपरोऽशुभो नीचः ।  
मानो सहगोत्रीभिर्विदेश गो दत्तभूक्तनरः ॥

गर्ग संहिता के अनुसार -

द्वादशगे लग्नपतौ पटुवाग वाचं करोति कर्णहितम् ।  
सहगोत्रैरमिलितं विदेशगं वित्तभोक्तारम् ।

लग्नेश द्वादश स्थान में होने से जातिका शित्पविद्या में निपुण, चोर, बहुत क्रोधी, परपुरुषों में बहुत आसक्त होती है। जातिका बुरे काम करने वाली, अशुभ, नीच, अभिमानी, संबंधियों के साथ विदेश जाने वाली तथा दत्तक पुत्री के रूप में उपभोग करने वाली होती है। जातिका बोलने में चतुर, सुनने में हितकारी बातें बोलने वाली, संबंधियों से न मिलने वाली, विदेश जाने वाली तथा धन का उपभोग करने वाली होती है। उसके सब व्यवहार उलझे होते हैं, धन हाथ में नहीं रहता, कर्ज चुकाना मुश्किल होता है, कई प्रकार के संकट आते हैं। बुरे मार्ग पर जाने वाली होती है।

**अनुभवः** लग्नेश मंगल होने के कारण सब व्यवहार उलझे होते हैं, धन हाथ में नहीं रहता, कर्ज चुकाना मुश्किल होता है, कई प्रकार के संकट आते हैं। बुरे मार्ग पर जाने वाली होती है।

### धनेश - द्वादश स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

धनेशो व्ययगे मानी साहसी धनवर्जितः ।  
विक्रमी नृपमेखवासी ज्येष्ठपुत्रसुखं न हि ॥

यवन जातक के अनुसार -

विदेशगो दुष्टमना व्ययाश्रितो द्रव्याधिपः पापरतो जडात्मा ।  
कापालिको म्लेच्छजनाभिसक्तः कूररोतिचौरो बलवान् नरः स्यात् ॥

मानसागरी के अनुसार -

द्रविणपतौ व्ययलीने पुरुषः कृपणो धनवर्जितः कूरे ।  
सौम्ये लाभालाभख्यातो नरो भवेजातः ॥

धनेश द्वादशभाव में होने से जातिका अभिमानी, साहसी, पराक्रमी, राजनीति में चतुर किन्तु निर्धन होती है तथा इसे ज्येष्ठ पुत्र का सुख नहीं मिलता। विदेश जाने वाली, दुष्ट, मूर्ख कापालिक (जो देवी-देवताओं को नरबलि देते हों), म्लेच्छ लोगों से मेलजोल रखने वाली, निर्दय, चोर, बलवान होती है।

**अनुभवः** धनेश गुरु होने के कारण जातिका को कुछ नुकसान होता है तथा कीर्ति मिलती है। लड़ाई में निपुण होती है। पैसा ऐश-आराम व बुरे कामों में खर्च होता है, चाचा इसके धन का अपहरण करते हैं, राजा द्वारा दण्ड, धोखेबाजी या बुरी आदतों से धन नष्ट होता है।



### तृतीयेश - एकादश स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

तृतीयेशो तनौ लाभे स्वभुजार्जितवितवान्।

सुखो कृशो महाक्रोधी साहसी जनसेवकः॥

यवन जातक के अनुसार -

सहजपे शुभलाभपराक्रमी भवगते सुतबन्धुभिरन्वितः।

नृपतिनाभिमतो विजयी नरो बहुलभोगयुतो निपुणः सदा॥

गर्ग संहिता के अनुसार -

लाभस्थः सहजेशः सुबान्धवं राजप्रियं नर कुरुते।

पुरुषबन्धुषु पूज्यं सेवा भिधायिनं भोगनिरतंच॥

तृतीयेश लाभ स्थान में होने से जातिका अपनी मेहनत से धनवान होती है। सुखी, दुबली, बहुत क्रोधी, साहसी लोगों की सेवा करने वाली होती है। अच्छे लाभ प्राप्त करने वाली, पराक्रमी, पुत्र व बन्धुओं सहित, राजा द्वारा सम्मानिरत, विजयी तथा बहुत भोगों से युक्त होती है। बन्धु अच्छे होते हैं, उनसे सम्मान मिलता है, यह राजा को प्रिय, लोगों से सेवा कराने वाली तथा उपभोगों से युक्त होती है। व्यापार में बहुत धन कमाती है, श्रीमान होती है तथा मित्रों का सुख प्राप्त करती है। धनवान तथा पराक्रमी होती है।

### चतुर्थेश - एकादश स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

सुखेशो तृतीयेलाभे नित्यरोगी धनी भवेत्।

उदारो गुणवान् दाता स्वभुजार्जित वित्तवान्॥

यवन जातक के अनुसार -

भगवतीन्दुपतौ पितृपालको विविधलब्धियुतः शुभकृत्सदा।

पितरि मारि भक्तियतो नरः प्रचुरजीवितरागविवर्जितः॥

चतुर्थेश लाभस्थान में होने से जातिका हमेशा रोगी रहती है, धनवान, उदार, गुणवान, अपने प्रयत्न से धन कमाने वाली होती है। माता-पिता पर भक्ति रख कर उनका पालन करती है, विविध लाभ प्राप्त करती है, अच्छे काम करती है तथा दीर्घायु व नीरोग होती है। पिता का पालन करती है, विदेश यात्रा करती है, धनवान होती है। अकस्मात धन प्राप्त करने के लिए बहुत प्रयत्न करती है किन्तु सफल नहीं होती। रोगी होती है। अनुभवः चतुर्थेश शनि होने के कारण ऊपर वर्णित फल अनुभव नहीं होते हैं।



### पंचमेश - व्यय स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

**सुतेशं षष्ठिःःफस्थे पुत्रशत्रुत्वमाप्यात्।  
मृत्युतो ग्राह्यपुत्रोवा धनपुत्रोथवाभवेत्॥**

यवन जातक के अनुसार -

**व्ययगतोन्यपकृत् सुतनायको विगतपुत्रसुखं खचरैः खलैः।  
सुतयुत च शुभैः कुरुते नरं स्वपरदेशगमागमनोत्सुकम्॥**

गर्ग जातक के अनुसार -

**पंचमेशो द्वादशगे कूररे सूतरहितः शुभे ससुतः।  
सुतसंतापकृप्तो विदेशगमनोद्यतो मनुजः॥**

पंचमेश व्ययस्थान में होने से जातिका के पुत्र मर जाते हैं, दत्तक पुत्र लेना पड़ता है या कोई लड़का खरीदकर पाला जाता है, या पुत्र से शत्रुता होती है। पापग्रह हो तो पुत्रहीन तथा शुभग्रह हो तो पुत्र युक्त होती है, अपने देश और विदेश में जाने आने की उत्सुकता रहती है। पुत्रों के कष्ट से विदेश में जाना चाहती है। बुद्धि के दुरुपयोग से आपत्ति व दरिद्रता से कष्ट होता है।

अनुभवः पंचमेश गुरु होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।

### षष्ठेश - व्यय स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

**षष्ठेशोऽष्टमरिःःफस्थे रोगी शत्रुर्मनीषिणाम्।  
परजायाभिगामि च जीवहिंसासुतत्परः॥**

यवन जातक के अनुसार -

**व्ययगते च चतुष्पदवाजिनां रिपुपतौ धनधान्यसुखक्षयः।  
गमनबुद्धिनिरन्तरमेष यद्दिननिशं च धनाय कृतोद्यमः॥**

गर्ग जातक के अनुसार -

**षष्ठपतौ द्वादशगे चतुष्पदधनधान्ययुतः।  
चपलो मदान्धे लक्ष्याल्हादपरो नरो भवति॥**

षष्ठेश व्यय स्थान में होने से जातिका रोगी, विद्वानों की शत्रु, परपुरुष से सम्बन्ध रखने वाली तथा प्राणियों की हिंसा करने वाली होती है। पशु व धन की हानि होती है, आने जाने में धनहानि होती है, देवभक्त होती है। चौपाये पशु, घोड़े आदि तथा धनधान्य व सुख का नाश होता है, हमेशा घूमने की इच्छा रहती है। रात दिन धन कमाने का प्रयत्न करती है। जातिका चंचल, घमंड से अंध, धन और चैन में मग्न, चौपाये पशु तथा धनधान्य से युक्त होती है। जातिका को राजा (सरकार) से दण्ड मिलता है, बहुत संकट आते हैं, बहुत धनहानि होती है।

अनुभवः षष्ठेश मंगल होने के कारण ऊपर वर्णित अशुभ फल अनुभव होते हैं।



### **सप्तमेश - अष्टम स्थान में**

लोमेश संहिता के अनुसार -

जायेशो चाष्टमें षष्ठे सरोषा कामिनी भवेत्।

क्रोधयुक्तो भवेद्वापि न सुखं लभते क्वचित्॥

यवन जातक के अनुसार -

निधनगे तु कलत्रपतौ परः कलहकृद् गृहिणी सुखवजितः।

दायिता निजया न समागमो यदि भवेदथवा मृतभायकः॥

मानसागरी के अनुसार -

सप्तमपतिंदकनिर्धनगतो गणिकासुरतः करग्रहरहितः।

नित्यं चिन्तायुक्तो मनुजः किल जायते दुःखी॥

सप्तमेश अष्टम स्थान में होने से जातिका का पति क्रोधी होता है या स्वयं क्रोधी होती है, कहीं भी सुख नहीं मिलता। जातिका अविवाहित, हमेशा चिन्तित व दुखी होती है। झगड़ालू होती है, पति का सुख नहीं मिलता, पति की मृत्यु होती है या उससे समागम नहीं होता। घर में उदास रहती है, पति की सेवा नहीं करती। जातिका के विवाह में बहुत खर्च होता है। पति के सम्बन्ध से दुःखी होती है।

**अनुभव :** सप्तमेश शुक्र होने के कारण ऊपर वर्णित फल अनुभव होते हैं।

### **अष्टमेश - नवम स्थान में**

लोमेश संहिता के अनुसार -

अष्टमेशो तपःस्थाने महापापी च नात्तिकः।

सुताद्वयात्वथवा वन्ध्या परभार्याधने रुचिः॥

यवन जातक के अनुसार -

सुकृतगेऽष्टमभावपतौ जनो भवति पापरतः खलु हिंसकः।

खलु सुहन्मुख पूज्य इतस्तो भवति मित्रगणेन विवर्जितः॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

मृतिनाथे नवमस्थे निःसंगो जीवधातकः पापी।

निर्बुद्धु निःस्त्रेही पूज्ये विमुखो भवेद् व्यंगः॥

अष्टमेश नवम स्थान में होने से जातिका पापी, नास्तिक, परपुरुष तथा परधन में रुचि रखने वाली होती है, पुत्र युक्त होती है। हिंसक, मित्ररहित, यहां वहां आदर पाने वाली होती है। निःसंग, जीवों का घात करने वाली, मित्र व बन्धुओं से रहित, आदरणीय लोगों के विरुद्ध रहने वाली होती है इसके चेहरे में कोई व्यंग रहता है। जातिका को किसी के मृत्युपत्र के अनुसार इस्टेट की व्यवस्था देखनी पड़ती है, लोग जातिका के पास धरोहर रखते हैं, जातिका के कहने पर पैसा देते हैं।

**अनुभव :** अष्टमेश बुध होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।



### नवमेश - लग्न स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

भाग्येशो सप्तमे लग्ने गुणवान् पशुमान् भवेत्।  
कदाचित्रभवेत् सिद्धिर्यत् कार्यं कर्तुमिच्छित॥

यवन जातक के अनुसार -

तनुगते नवमाधिपतौ गुरोः सुरविनायक पूजनतत्परः।  
सुकृतवान् कृपणो नृपकर्मकृत् स्मृतियुतो मितभुक् स नरः शुचिः॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

लग्नगते नवमपतौ देवगुरुन्मन्यते शूरः।

कृपणः क्षितिपति कर्मा स्वल्पग्राही भवति मतिमान॥

नवमेश लग्न में होने से जातिका गुणवान होती है, पशुपालन करती है, कभी-कभी वह जो कार्य करना चाहे वह सिद्ध नहीं होता। देवता, गणेश आदि की पूजा करती है, अच्छे काम करती है, कंजूस होती है, राजकर्मचारी होती है, इसकी स्मृति अच्छी होती है, यह थोड़ा भोजन करती है तथा पवित्र रहती है। बुद्धिमान, पराक्रमी, देव-गुरु का सम्मान करने वाली, थोड़ा संग्रह करने वाली होती है। जातिका बहुत भाग्यवान होगा, रंक से राजा बनेगी, यशस्वी, धार्मिक, देवालय बनाने या जीर्णद्वार करने वाली, संस्थाओं को दान देने वाली होगी।

**अनुभव :** नवमेश चन्द्र होने के कारण ऊपर वर्णित फल अनुभव नहीं होते हैं।

### दशमेश - नवम स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

कर्मेशो नवमें यस्य धर्मकर्मसु तत्परः।  
देवद्विजेषु भक्तिश्च तीर्थयोगेषु तत्परः॥

यवन जातक के अनुसार -

भवति ना सुभगस्तनुजः सदा शुभसहोदरमित्रपराक्रमी।

दशमपे नवमस्थलगे नरः सततसत्यवचा वसुशालिना॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

शुभशीलः सद्बन्धुः सन्मित्रो दशमपे नवमलीने।

तन्मातापि सुशीला सुकृतवती सत्यवसचनरता॥

दशमेश नवम स्थान में होने से जातिका धार्मिक कार्य, तीर्थयात्रा, देव व ब्राह्मणों की भक्ति करने वाली होती है। सुन्दर होती है, इसके भाई, मित्र अच्छे होते हैं, पराक्रमी होती है। हमेशा सच बोलती है, धनी होती है। सदाचारी होती है, इसकी माता सुशील, अच्छे काम करने वाली, सच बोलने वाली होती है। स्वतन्त्र व्यवसाय में प्रगति करती है, धार्मिक व पुण्यकार्य करने वाली होती है। भाग्यवान होती है।

**अनुभव :** दशमेश रवि होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।



### लाभेश - नवम स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

लाभेशं गगने धर्मे राजपुत्रो धनाधिपः।

चतुरः सत्यवादी च निजधर्मसमन्वितः॥

यवन जातक के अनुसार -

एकादशेशः सुकृते स्थितश्चेद् बहुश्रुतः शास्त्रविशारदश्च।

धर्मप्रसिद्धो गुरुदेवभक्तः कूररे च बन्धुव्रजवर्जितश्च॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

यवनजातक जैसा वर्णन है।

लाभेश नवम में होने से जातिका राजपुत्र होती है, धनी, चतुर, सच बोलने वाली व अपने धर्म का पालन करने वाली होती है। बहुश्रुत, शास्त्रों की ज्ञाता, धर्मकार्यों से प्रसिद्ध होने वाली, देव तथा गुरु की भक्त होती है, लाभेश पापग्रह हो तो भाई आदि नहीं होते। सौभाग्य से एकदम बहुत धन मिलता है।

### व्ययेश - अष्टम स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

व्ययेशे द्वितीये रम्भे विष्णुभक्तिसमन्वितः।

धार्मिकः प्रियवादी च गुणैस्सर्वैः समन्वितः॥

यवन जातक के अनुसार -

निधनगे व्ययपेऽष्टकपालकः सकलकार्यविवेकविवर्जित।

भवति निन्दित एव तथा शुभे दिविचरे धनसंग्रहतत्पर॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

यवनजातक जैसा वर्णन है।

व्ययेश अष्टम स्थान में होने से जातिका ईश्वर भक्त, धार्मिक, मीठा बोलने वाली तथा सब गुणों से युक्त होती है। अष्टकपाली, सभी विचारों से हीन व निन्दित होती है, व्ययेश शुभग्रह हो तो यह धनसंग्रह करने में तत्पर होती है। जुआरी होगी, अविचार से एकदम धन नष्ट होगा।

अनुभव : व्ययेश शुक्र होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।



## मंगली-दोष विचार

### 1. अगस्त्य संहिता के अनुसार -

धने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।  
भार्या भर्तु विनाशाय भर्तुश्च स्त्री विनाशनम्॥

### 2. मानसागरी के अनुसार -

धने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।  
कन्या भर्तुविनाशाय भर्तुः कन्या विनश्यति॥

### 3. बृहत् ज्योतिषसार के अनुसार -

लग्रे व्यये चतुर्थे च सप्तमे वा अष्टमे कुजः।  
भर्तरं नाशयेद् भार्या भर्ताभार्या विनाशयेत्॥

### 4. भावदीपिका के अनुसार -

लग्रे व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।  
स्त्रीणां भर्तु विनाशः स्यात् पुंसां भार्या विनश्यति॥

### 5. बृहत् पाराशर होरा के अनुसार -

लग्रे व्यये सुखे वापि सप्तमे वा अष्टमे कुजे।  
शुभ द्वग् योग हीने च पतिं हन्ति न संशयम्॥

उपरोक्त श्लोकों का भावार्थ यह है कि जन्म लग्र से प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम या द्वादश स्थान में मंगल स्थित होने पर मंगल दोष या कुज दोष होता है।

कुछ आचार्यों के अनुसार लग्र के अतिरिक्त चन्द्र लग्र, शुक्र या सप्तमेश से इन्हीं स्थानों में मंगल स्थित होने पर भी मंगली दोष होता है।

### शास्त्रोक्ति है -

लग्रेन्दु शुक्राद् दुःस्थाने यद्यस्ति द्विति संभवः।  
तद्वशापाक समये दोषमाहर्मनीषिणः॥

यदि मंगल लग्र, चंद्रमा या शुक्र से दुःस्थान में स्थित हो तो उसकी दशा में अशुभ फल प्राप्त होते हैं।

सामान्यतः मंगल दोष को लग्र व चन्द्र से देखा जाता है।

**Tamanna Chachra** की कुण्डली में मंगल लग्र से द्वादश भाव में स्थित है और चन्द्र लग्र से द्वादश भाव में स्थित है। अतः **Tamanna Chachra** जन्म लग्र व चन्द्र लग्र दोनों से मांगलिक हैं।



## मंगली दोष का फल

मंगली दोष वैवाहिक जीवन को विभिन्न प्रकार से प्रभावित करता है - विवाह में विप्लव, विलम्ब, व्यवधान या धोखा, विवाहोपरान्त दम्पति में से किसी एक अथवा दोनों को शारीरिक, मानसिक अथवा आर्थिक कष्ट, पारस्परिक मन-मुटाव, आरोप-प्रत्यारोप तथा विवाह-विच्छेद। अगर दोष अत्यधिक प्रबल हुआ तो दोनों अथवा किसी एक की मृत्यु हो सकती है।

फिर भी मंगली दोष से भयभीत या आतंकित नहीं होना चाहिये। प्रयास यह करना चाहिये कि मंगली का विवाह मंगली से ही हो क्योंकि मंगल-दोष साम्य होने से वह प्रभावहीन हो जाता है तथा दोनों सुखी रहते हैं।

दम्पत्योर्जन्मकाले व्ययधनहिबुके सप्तमे लग्नरस्ते। लग्नाच्चन्द्राच्च शुक्रादपि भवति यदा भूमिपुत्रो द्वयोर्वै॥  
तत्साम्यात्पुत्रमित्रप्रचुरधनपतां दंपती दीर्घ-काला। जीवेतामेकहा न भवति मश्तिरिति प्राहुरत्रात्रिमुख्याः॥

अर्थात् यदि वर और कन्या के जन्मांग में मंगल द्वितीय, द्वादश, चतुर्थ, सप्तम अथवा अष्टम भाव में लग, चंद्रमा अथवा शुक्र से सम्भाव में स्थित हो तो समता का मंगल दोष होने के कारण वह प्रभावहीन हो जाता है। परस्पर सुख, धनधार्य, संतानि, स्वास्थ्य एवं मित्रादि की उपलब्धि रहती है।

कुज दोष वत्ति देया कुजदोषवते किल। नास्ति दोषो न चानिष्टं दम्पत्यो सुखवर्धनम्॥  
मंगल दोष वाली कन्या का विवाह मंगल दोष वाले वर के साथ करने से मंगल का अनिष्ट दोष नहीं होता तथा वर-वधू के मध्य दाम्पत्य-सुख बढ़ता है।

## मंगली दोष परिहार के उपाय

मंगली दोष की शान्ति के लिये प्रमुख उपाय हैं -

\* मंगलवार का व्रत रखें। दिन में नमक के बिना तरल भोज्य पदार्थ (चाय, काफी, दूध, लस्सी, फलों के रस) लें। सायंकाल थाली में रोली से त्रिकोण बनाएँ तथा पंचोपचार (लाल चंदन, लाल पुष्प, धूप, दीप तथा नैवेद्य) से पूजन करें। तत्पश्चात् सूर्यास्त से पूर्व ही गेहूँ की रोटी, घी, गुड़ ग्रहण करें।

\* मंगल दोष अधिक प्रबल हो तो मंगल चंडिका स्तोत्र का 108 दिन तक नित्यप्रति 21 बार जप करें। प्रातः काल पूर्वाभिमुख होकर बैठें व पंचमुखी दीप प्रज्वलित करके अपने इष्ट तथा मंगल ग्रह का पंचोपचार से पूजन करें, फिर निम्नलिखित जप करें -

रक्ष रक्ष जगन्मातर्देवि मंगलचंडिके ।  
हारिके विपदां राशो हर्षमंगलकारिके ॥  
हर्षमंगलदक्षे च हर्षमंगलदायिके ।  
शुभे मंगलदक्षे च शुभे मंगलचंडिके ॥  
मंगले मंगलाहें च सर्वमंगलमंगले ।  
सदा मंगलदे देवि सर्वेषां मंगलालये ॥



## साढ़ेसाती फल

प्राचीन काल से सामान्य भारतीय जनमानस में यह धारणा प्रचलित है कि शनि की साढ़ेसाती बहुधा मानसिक, शारीरिक और आर्थिक दृष्टि से दुखदायी एवं कष्टप्रद होती है। शनि की साढ़ेसाती सुनते ही लोग चिन्तित और भयभीत हो जाते हैं। साढ़ेसाती में असन्तोष, निराशा, आलस्य, मानसिक तनाव, विवाद, रोग-रिपु-ऋण से कष्ट, चोरों व अग्नि से हानि और घर-परिवार में बड़ों-बुजुर्गों की मृत्यु जैसे अशुभ फल होते हैं। शास्त्र शनि की साढ़ेसाती का फल इस प्रकार बतलाते हैं-

**कल्याणं खलु यच्छति रविसुतो राशौ चतुर्थै में व्याधि बन्धुविरोधदेशगमनं क्लेशं च चिन्ताधिकम्॥**

**राशौ द्वादशशीर्षजन्महृदये पादौ द्वितीये शनिनानाक्लेशकरोऽपि दुर्जनभयं पुत्रान् पश्चन् पीडनम्॥**

**हानिःस्यान्मरणं विदेशगमनं सौख्यं च साधारणम् रामारिध्यविनाशनं प्रकुरुत तुर्याष्टमै वाथवा॥**

अर्थात् चन्द्र राशि से चौथे या आठवें स्थान में शनि आने पर रोग, भाइयों से लड़ाई विदेश में प्रवास, कष्ट, चिन्ता ये फल मिलते हैं। चन्द्र राशि से बारहवें, पहले या दूसरे स्थान में गोचर के शनि से (साढ़ेसाती में) सिर, हृदय, पैर में पीड़ा होती है, दुष्टों से भय होता है, पुत्रों और पशुओं को कष्ट होता है।

अनुभव में पाया गया है कि सम्पूर्ण साढ़े-सात साल पीड़ा दायक नहीं होते। बल्कि साढ़ेसाती के समय में कई लोगों को अत्यधिक शुभ फल जैसे विवाह, सन्तान का जन्म, नौकरी-व्यवसाय में उन्नति, चुनाव में विजय, विदेश यात्रा, इत्यादिभी मिलते हैं।

### प्रथम चक्र की साढ़े साती का फल

(06-10-1982 से 14-12-1990 तक)

शनि के साढ़ेसाती का प्रथम चक्र अत्यन्त प्रबल होता है इस अवधि में आपको शारीरिक कष्ट, अवरोध एवं अनेकप्रकार से क्षति उठानी पड़ सकती है। माता-पिता को भी शनि पीड़ित करता है।

### द्वितीय चक्र की साढ़े साती का फल

(15-11-2011 से 24-01-2020 तक)

द्वितीय आवृत्ति में शनि अपेक्षाकृत मध्यम प्रभाव डालता है। इस अवधि में आपकी अपने श्रम व संघर्ष से उत्तेजित होगी। मानसिक अशान्ति अवश्य बनी रह सकती है किन्तु भौतिक उन्नति निश्चित होगी। माता-पिता या अन्य बुजुर्गों का वियोग सहन करना पड़ सकता है।

### तृतीय चक्र की साढ़ेसाती का फल

(27-01-2041 से 04-12-2049 तक)

तृतीय आवृत्ति में शनि अनेक कठोर फल देता है। इस अवधि में मारक का प्रभाव अधिक होने के कारण आपको प्रबल शारीरिक कष्ट हो सकता है। इस आक्रमण से सौभाग्यशाली ही सुरक्षित रह पाते हैं।



## साढ़ेसाती की प्रथम, द्वितीय व तृतीय दैया का फल

यह सामान्यतः पाया गया है कि साढ़ेसाती की तीन दैया में से एक शुभ, एक मध्यम तथा एक अशुभ फलदायी होती है। इसका निर्णय शनि के अष्टक वर्ग तथा सर्वाष्टक वर्ग में प्राप्त शुभ रेखाओं की संख्या के आधार पर किया जाता है। यदि शनि अष्टक वर्ग में चार रेखायें तथा सर्वाष्टक वर्ग में 28 रेखायें हैं तो शनि मिश्रित फलदायी होता है। इससे कम है तो अशुभ तथा अधिक होने पर शुभ फल प्राप्त होते हैं। यदि जन्म कुण्डली में शनि बलवान् (उच्च, स्वक्षेत्रीय आदि) या योगकारक हो या चन्द्रराशि का स्वामी हो तो जातक के लिए शनि का दुष्प्रभाव औरों की अपेक्षा बहुत कम होता है।

### साढ़ेसाती की प्रथम दैया का फल

प्रथम चक्र 06-10-1982 से 21-12-1984 तक व 31-05-1985 से 16-09-1985 तक

द्वितीय चक्र 15-11-2011 से 16-05-2012 तक व 04-08-2012 से 02-11-2014 तक

तृतीय चक्र 27-01-2041 से 06-02-2041 तक व 26-09-2041 से 11-12-2043 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि से बाहरवे भ्रमण करता है तथा दूसरे, छठे, नवे भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। प्रथम दैया में शनि का निवास सिर पर रहता है। मानसिक-शारीरिक सुख में कमी आती है। नेत्रों की व्याधि, चश्मे आदि का प्रयोग सम्भव है। अचानक आर्थिक हानि होती है। अवांक्षित अतिरिक्त व्यय, अपव्यय होता है। जातक आर्थिक रूप से व्यथित रहता है आय की अपेक्षा व्यय अधिक होता है। कुटुम्ब से वियोग हो सकता है। परिवार में अशान्ति रहती है। पिता को कष्ट होता है। पिता से तनाव होता है। भाय पतन का भय रहता है। कार्यों में परेशानियाँ एवं विलम्ब होता है। प्रयासों के सुफल नहीं मिलते। लोगों से सहयोग नहीं मिलता। राजकीय लोगों से पीड़ा सम्भव है। आध्यात्मिकता में रुचि जाग्रत होती है। दुर्घटनाओं का भय होता है। व्यर्थ भ्रमण होता है। दूर की यात्रा करनी पड़ती है, जिसमें कष्ट उठाना पड़ता है। यह शनि पंचम से अष्टम होता है, अतः सन्तान के लिए भी यह समय कष्टप्रद होता है।

### साढ़ेसाती की द्वितीय दैया का फल

प्रथम चक्र 21-12-1984 से 31-05-1985 तक व 16-09-1985 से 16-12-1987 तक

द्वितीय चक्र 02-11-2014 से 26-01-2017 तक व 20-06-2017 से 26-10-2017 तक

तृतीय चक्र 11-12-2043 से 23-06-2044 तक व 30-08-2044 से 07-12-2046 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि पर भ्रमण करता है तथा तीसरे, सातवें, दसवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। शनि इस दैया में उदर भाग में रहता है। अतः शरीर के सम्पूर्ण मध्य भाग में रोग व्याधि सम्भव होती है। शारीरिक तेज प्रभावित होता है। बुद्धि काम नहीं करती, गलत निर्णय होते हैं। भाईयों से तथा व्यापार में सांदर्भ से विवाद होता है। पत्नी को शारीरिक कष्ट अथवा पत्नी से गड़ा होता है। आर्थिक चिन्ताएँ निरन्तर रहती हैं। मानसिक स्तर पर प्रबल उद्देलन रहता है। व्यर्थ का भय व्यथित करता है। कोई कार्य मनोनुकूल नहीं होता, अपूर्ण कार्य दुःखी करते हैं, व्यवधान प्रबल रहते हैं। पारिवारिक तथा व्यवसायिक जीवन अस्त-व्यस्त रहता है। किसी सम्बन्धी को मारक कष्ट होता है। दूर स्थानों की यात्राएँ, शत्रुओं से कष्ट, आत्मिय जनों से अलगाव व्याधि, सम्पत्ति क्षति व सामाजिक पतन, मित्रों का अभाव एवं कार्यों में अवरोध इस चरण के फल हैं।

### साढ़ेसाती की तृतीय दैया का फल

प्रथम चक्र 16-12-1987 से 16-12-1987 तक व 20-06-1990 से 14-12-1990 तक

द्वितीय चक्र 26-01-2017 से 20-06-2017 तक व 26-10-2017 से 24-01-2020 तक

तृतीय चक्र 07-12-2046 से 06-03-2049 तक व 09-07-2049 से 04-12-2049 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि से दूसरे भ्रमण करता है तथा चौथे, आठवें, यारहवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। उत्तरती साढ़ेसाती में शनि पैरों पर रहता है, अतः इस अवधि में पैरों में कष्ट होता है। शारीरिक दृष्टि से निर्बलता आती है। दैहिक रूप से जड़ता का अनुभव होता है, शरीर में आलस्य रहता है। आनन्द बाधित होता है। व्यर्थ के विवाद उत्पन्न होते हैं। आत्मियों से अकारण संघर्ष होता है उन्हें गम्भीर व्याधि अथवा किसी को मरण तुल्य कष्ट होता है। सुखों का नाश होता है, पदाधिकार पर संकट आता है। व्यय अत्यधिक होता है। पैसा आता है किन्तु उसी गति से व्यय भी होता है। निम्न श्रेणी के लोगों से कष्ट मिलता है। अष्टम पर दृष्टि होने से आयु प्रभावित होती है। चतुर्थ पर दृष्टि होने से गृह सुख, मातृसुख, वाहन सुख आदि तथा भौतिक सुख-सुविधाओं में बाधा आती है।



## लघु कल्पाणी दैया व कंटक शनि का फल

### शनि की चतुर्थ स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 05-03-1993 से 15-10-1993 तक व 09-11-1993 से 02-06-1995 तक  
द्वितीय चक्र 29-04-2022 से 12-07-2022 तक व 17-01-2023 से 29-03-2025 तक  
तृतीय चक्र 24-02-2052 से 14-05-2054 तक व 01-09-2054 से 05-02-2055 तक  
चन्द्र राशि से शनि चतुर्थ स्थान में भ्रमण करता है तो छठे, दसवें एवं चन्द्र लग्र पर पूर्ण दृष्टि रहती है। स्थान परिवर्तन या स्थानान्तरण होता है। आवासीय सूख की क्षति होती है। हृदय सम्बन्धी कष्ट या अनियमित रक्तचाप सम्बन्ध होता है। सम्बन्धियों से वियोग होता है। पारिवारिक सूख में कमी आती है। जनता एवं राज्य दोनों द्वारा विरोध होता है। शनि की पूर्ण दृष्टि छठे भाव पर रहती है। अतः शत्रुओं एवं रोगों से कष्ट होता है। शनि की पूर्ण दृष्टि दशम पर रहती है। अतः कार्य क्षेत्र में अवरोध आता है। शनि की दशम दृष्टि चन्द्र लग्र पर रहती है। अतः मन में घबड़ाहट रहती है।

### शनि के सप्तम स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 06-06-2000 से 23-07-2002 तक व 08-01-2003 से 08-01-2003 तक  
द्वितीय चक्र 08-08-2029 से 05-10-2029 तक व 17-04-2030 से 30-05-2032 तक  
तृतीय चक्र 27-05-2059 से 10-07-2061 तक व 13-02-2062 से 06-03-2062 तक  
जन्म राशि से शनि सप्तम स्थान में भ्रमण करता है तो नवम, चन्द्र लग्र एवं चतुर्थ पर पूर्ण दृष्टि रहती है। पत्नी को शारीरिक कष्ट होता है अथवा पत्नी या व्यापार के भागीदारी से गम्भीर मतभेद होते हैं। जातक मूत्र-जनन तन्त्र सम्बन्धी रोगों से कष्ट पाता है। मानसिक चिन्ताएं बढ़ती हैं। नवम पर दृष्टि होने से भाग्य में गतिरोध आता है, पिता को कष्ट होता है, मान सम्मान पर अंच आती है तथा कार्यक्षेत्र में उथल पूथल होती है। चतुर्थ पर दृष्टि होने से माता का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। वाहन सम्बन्धी कष्ट होते हैं। घर छोड़ना पड़ता है, दीर्घ प्रवास होता है, यात्रायें होती हैं और यात्रा में कष्ट होता है।

### शनि के अष्टम स्थान की दैया का फल

प्रथम चक्र 23-07-2002 से 08-01-2003 तक व 07-04-2003 से 05-09-2004 तक  
द्वितीय चक्र 30-05-2032 से 12-07-2034 तक व से तक  
तृतीय चक्र 10-07-2061 से 13-02-2062 तक व 06-03-2062 से 24-08-2063 तक  
जन्म राशि से शनि अष्टम स्थान में भ्रमण करता है तो दसवें, दूसरे एवं पंचम भाव पर पूर्ण दृष्टि रहती है। आयु बल प्रभावित होता है। दीर्घावधि की बीमारी या दुर्घटना की संभावना रहती है। अपमानित होने का भय रहता है। राजकीय लोगों से पीड़ा का भय रहता है। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन का योग बनता है। कार्य व्यापार पर आघात लगता है। धन सम्पत्ति की हानि होती है। सन्तान को कष्ट होता है या सन्तान वियोग की संभावना बनती है।

### शनि के दशम स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 01-11-2006 से 10-01-2007 तक व 15-07-2007 से 09-09-2009 तक  
द्वितीय चक्र 27-08-2036 से 22-10-2038 तक व 05-04-2039 से 12-07-2039 तक  
तृतीय चक्र 12-10-2065 से 03-02-2066 तक व 03-07-2066 से 30-08-2068 तक  
शनि राशि से दसवें भ्रमण करता है तो बारहवें, चतुर्थ एवं सप्तम भावों को भी अपनी पूर्ण दृष्टि से प्रभावित करता है। कार्यक्षेत्र में अवरोध आता है। आजीविका क्षेत्र में उत्थान पतन या व्यतिक्रम होता है। किसी ऐसे कार्य (व्यापार) में प्रवृत्ति हो जिसमें असफलता हो या ऐसा दुष्कर्म बन जाए जिसके कारण अप्रतिष्ठा हो, सम्मान भंग हो। अनावश्यक आर्थिक व्यय के प्रसंग आते हैं। पत्नी से मतभेद या अलगाव संभव है। घर सम्पत्ति के बारे में चिन्ता उत्पन्न होती है।



## शनि की साढ़ेसाती तथा ढैया के उपाय

शनि की साढ़ेसाती या ढैया के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए निम्नलिखित उपाय करें -

### 1. मन्त्र

(क) महामृत्युंजय मंत्र का सवा लाख जप (नित्य 10 माला, 125 दिन) करें -

ॐ त्रयम्बकम् यजामहे सुगच्छि पुष्टिवर्द्धनं उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।

(ख) शनि के निम्नदत्त मंत्र का 21 दिन में 23 हजार जप करें -

ॐ शत्रोदेवीरभिष्ट्य आपो भवन्तु पीतये । शंयोरभिस्त्वन्तु नः । ॐ शं शनैश्चराय नमः ।

(ग) पौराणिक शनि मंत्र -

ॐ नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् । छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥

### 2. स्तोत्र

- शनि के निम्नलिखित स्तोत्र का 11 बार पाठ करें या दशरथ कृत शनि स्तोत्र का पाठ करें।

कोणस्थः पिंगलो बध्नुः कृष्णो रौद्रोऽन्तको यमः । सौरिः शनैश्चरो मन्दः पिप्लादेन संस्तुतः ॥

तानि शनि-नामानि जपेदश्वत्यसन्निधौ । शनैश्चरकृता पीडा न कदाचिद् भविष्यति ॥

साढ़ेसाती पीडानाशक स्तोत्र - पिप्लाद उवाच -

नमस्ते कोणसंस्थय पिङ्गलाय नमोस्तुते । नमस्ते बधूरूपाय कृष्णाय च नमोस्तु ते ॥

नमस्ते रौद्ररदेहाय नमस्ते चान्तकाय च । नमस्ते यमसंज्ञाय नमस्ते सौरये विभो ॥

नमस्ते यमदसंज्ञाय शनैश्चर नमोस्तुते । प्रसादं कुरु देवेश दीनस्य प्रणतस्य च ॥

### 3. रत्न / धातु

शनिवार के दिन काले घोड़े की नाल या नाव की सतह की कील का बना छल्ला मध्यमा में धारण करें।

### 4. व्रत

शनिवार का व्रत रखें। व्रत के दिन शनिदेव की पूजा (कवच, स्तोत्र, मन्त्र जप) करें। शनिवार व्रतकथा पढ़ना भी लाभकारी रहता है। व्रत में दिन में दूध, लस्सी तथा फलों के रस ग्रहण करें, सायकाल हनुमान जी या भैरव जी का दर्शन करें। काले उड़द की खिचड़ी (काला नमक मिला सकते हैं) या उड़द की दाल का मीठा हलवा ग्रहण करें।

### 5. औषधि

प्रति शनिवार सुरमा, काले तिल, सौंफ, नागरमोथा और लोध मिले हुए जल से सान करें।

### 6. दान

शनि की प्रसन्नता के लिये उड़द, तेल, इन्द्रनील (नीलम), तिल, कुलथी, भैंस, लोह, दक्षिणा और श्याम वस्त्र दान करें।

### 7. अन्य उपाय

(क) शनिवार को सांयकाल पीपल वृक्ष के चारों ओर 7 बार कच्चा सूत लपेटे, इस समय शनि के किसी मंत्र का जपे करते रहें। फिर पीपल के नीचे सरसों के तेल का दीपक प्रज्वलित करें, तथा ज्ञात-अज्ञात अपराधों के लिए क्षमा माँगें। (ख) शनिवार को अपने हाथ की नाप का 19 हाथ काला धागा माला बनाकर पहनें। (ग) टोटका - शनिवार के दिन उड़द, तिल, तेल, गुड़ मिलाकर लड्डू बना लें और जहाँ हल न चला हो वहाँ गाड़ दें। (घ) शनि की शान्ति के लिए बिछू की जड़ शनिवार को काले डोरे में लपेट कर धारण करें।



## रत्न परामर्श

रत्न धारण करने से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में संभावित परिवर्तन किए जा सकते हैं। यह एक प्रचीन विद्या है। मणि माला नामक ग्रन्थ में रत्नों के बारे में कहा गया है -

**माणिक्यं तरणे: सुजात्यममलं मुक्ताफलं शीतगोमहियस्य च विद्वुमो निगदितः सौम्यस्य गारुत्मतं ।  
देवेज्यस्य च पुष्परागमसुराचार्ण्यसय वज्रं शनेर्नालं निर्मलमन्ययोश्च गदिते गोमेदवैदूर्यकं ॥**

"ग्रहों के विपरीत होने पर उन्हें शान्त करने के लिए रत्न पहने जाते हैं। सूर्य के विपरीत होने पर निर्दोष माणिक, चन्द्र के विपरीत होने पर उत्तम मोती, मंगल के लिए मूँगा, बुध के लिए पत्रा, बृहस्पति के लिए पुखराज, शुक्र के लिए हीरा, शनि को शान्त करने के लिए नीलम, राहु के लिए गोमेद एंव केतु के विपरीत होने पर लसुनिया धारण करना चाहिए।"- मणि माला भाग 2, 79

**धन्यं यशस्यमायुष्यं श्रीमद् व्यसनसूदनं । हर्षणं काम्यमोजस्यं रत्नाभरणधारणं ॥**

**ग्रहदृष्टिहरं पुष्टिकरं दुःखप्रणाशनं । पापदौर्भाग्यशमनं रत्नाभरणधारणं ॥**

"रत्न जडित आभूषण को धारण करने पर सम्मान, यश, लम्बी आयु, धन, सुख और धन में वृद्धि होती है तथा सभी प्रकार की अभिलाषाओं की पूर्ति होती है। ऐसा करने से ग्रह के विपरीत प्रभाव कम होते हैं, शरीर पुष्ट होता है तथा दुःख, पाप एंव दुर्भाग्य का नाश होता है।" - मणि माला, भाग 2, 121-122

### जीवन रत्न

लग्नेश का रत्न धारण करना सदा शुभफल देने वाला होता है। यह स्वास्थ्य, प्राणशक्ति, कार्य में सिद्धि तथा कुशलता प्रदान करता है। यह जीवन के बाकी क्षेत्रों में भी सहायता प्रदान करता है। आपका लग्नेश मंगल है अतः मंगल का रत्न धारण करना आपके लिए शुभकारी होगा। मंगल के लिए रत्न हैं - मूँगा।

"स्वच्छ, कोमल, शीतल तथा विशिष्ट लाल रंग का मूँगा शुभ, हितकारी घनघान्य प्रदान करने वाला तथा विष का नाश करने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 1, 356

"मूँगा खट्टा तथा मधुर, कफ-पित्त दोष का नाश करने वाला, बलकारी, शरीर को शोभा देने वाला तथा धारण करने वाली स्त्रियों का मंगल करने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 2, 66

**धारण करने की विधि** - मंगल के रत्न को चांदी में जडित किया जाना चाहिए। किन्तु यदि इसे साहस, बल, तथा शारीरिक उष्णता में वश्चिद्ध के लिए धारण करने के लिए इसे स्वर्ण में भी जडित किया जा सकता है। रत्न जडित अंगूठी को अनामिका अथवा कनिष्ठा में मंगलवार को सूर्योदय के एक घटे पश्चात धारण करें। मंगल के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ऊँ अं अंगारकाय नमः।



## पुण्य रत्न

पंचमेश का रत्न पुण्य प्रदान करता है तथा यह सूजनात्मक शक्ति तथा सन्तान के लिए भी शुभकारी है। आपका पंचमेश बृहस्पति है, अतः बृहस्पति का रत्न आपके लिए लाभकारी होगा। बृहस्पति के लिए रत्न है - पुखराज, पीला टोपाज, सिटराइन।

"पुखराज खट्टा, शीतल, वायु का नाश करने वाला, जठराश्रि की वृद्धि करने वाला तथा घारण करने पर यश, घन तथा बुद्धि की वृद्धि करने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 2, 65

**धारण करने की विधि** - बृहस्पति के रत्न को स्वर्ण में जड़ित किया जाना चाहिए। रत्न जड़ित अंगूठी को तर्जनी में गुरुवार को सूर्योदय से एक घन्टा पहले धारण करें।

बृहस्पति के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ बृं बृहस्पतये नमः।

## भाग्य रत्न

नवमेश के लिए रत्न भाग्य प्रदान करता है। आपका नवमेश चन्द्र है, अतः चन्द्र का रत्न आपके लिए लाभकारी होगा। चन्द्र के लिए रत्न है - मोती, चन्द्रकांता।

"मोती धारण करने से उम्र और घन में वृद्धि होती है तथा सारे पापों का नाश होता है।" - मणि माला, भाग 1, 307  
"मोती मधुर, अतिशीतल, नेत्ररोगों, विष तथा यक्षमा रोग का नाश करने वाला, दुर्बल शरीर को बल तथा पुष्टि देने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 2, 63

"मोती बहुमूल्य, पुत्र, घन, यश प्रदान करने वाले तथा रोगों एंव दुःख का नाश करने वाले तथा राजाओं को इच्छित वस्तु प्रदान करने वाले जाने गए हैं।" - बृहत संहिता

**धारण करने की विधि** - चन्द्र के रत्न को चांदी में जड़ित किया जाना चाहिए। रत्न जड़ित अंगूठी को अनामिका में सोमवार को संध्या के समय धारण करें।

चन्द्र के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ सों सोमाय नमः।

## सामान्य निर्देश

साधारणतया सदा उच्च कोटि के रत्न धारण किए जाने चाहिए। उपरत्न व कम शक्ति के रत्न कम मंहगे होते हुए भी अच्छे फल देते हैं मगर फलदायक होने के लिए इनका बड़ा आकार का होना आवश्यक है। रत्न को प्रभावकारी करने के लिए, धारण करने से पहले उसे कच्चे दूध और शुद्ध जल से धोना चाहिए। इसके पश्चात इसे हाथ में लेकर ध्यान केन्द्रित करते हुए दिए गए मंत्र का 108 बार जाप करें। पुरुषों को रत्न दाएं हाथ पर तथा स्त्रियों का बाएं हाथ पर धारण करना चाहिए। रत्न को अंगूठी में अथवा बाजू में पहनना चाहिए। इन्हें गले में भी पहना जा सकता है पर इससे लगातार शरीर से सम्पर्क नहीं रहता। रत्न का शरीर से सम्पर्क अति आवश्यक है।



## कुण्डली में शुभ योग

### अनफा योग

सूर्य को छोड़कर जब कोई ग्रह चन्द्र से द्वादश हो तो अनफा योग बनता है।

**फल :** अनफा योगज जातक राजा, नीरोग, सुशील, यशस्वी, लोकविख्यात, सुन्दर तथा अनेक विधा सौख्यपूर्ण होता है। नृपो नीरुक्ष सुशीलश्च यशस्वी लोकविश्वृतः। सुभगस्त्वनफोद्भूतो नानाविधसुखान्वितः॥ अनफा योग में पैदा हुआ जातक वक्ता (बोलने वाला) सामर्थ्यवान्, धनवान्, रोग रहित, सुन्दर शीलवान्, अन्न पान पुष्पण्वस्त्र व स्त्री का सुख भोगने वाला, विख्यात, गुणवान्, सुखी, प्रसन्न वित्त व सुन्दर शरीर होता है। योगजनक ग्रह : मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि।

### अनफा (गुरु) योग

चन्द्र से द्वादश गुरु हो तो अनफा योग बनता है।

**फल :** जातक गम्भीर, बलवान्, मेधावी, शुभ कार्यों में संलग्न, बुद्धिमान्, राजा से यश प्राप्त करने वाला और उत्तम कवि होता है। सारावली (अध्याय 13, श्लोक 17)

### शकट भंग योग

बृहस्पति लग्न से केन्द्र में न हो तथा चन्द्रमा से बारहवें में हो तथा छठे घर को देख रहा हो तो शकट योग भंग हो जाता है।

**फल :** शकट योग के अधिकांश अशुभ फल नहीं मिलते तथा जातक को सुख की प्राप्ति होती है।

### वोशि योग

सूर्य से द्वादश स्थान में चन्द्रमा के अतिरिक्त ग्रहों के रहने से वोशि योग बनता है।

**फल :** वोशियोगज जातक कुशल, दानशील, बली, विद्वान्, कीर्तिमान् होता है। वाशौ च निपुणो दाता यशोविद्याबलान्वितः॥ (बृहत्पाराशर) जातक उत्कृष्ट (अच्छी) वाणी वाला, स्मरण शक्ति वाला, उद्योगी, तिरछी दृष्टि वाला, स्थूल शरीर धारी, राजा के तुल्य व सात्त्विकी होता है। सारावली (अध्याय 14, श्लोक 6)

**योगजनक ग्रह :** मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि

### पाप कर्तरी योग

लग्न से द्वासरे तथा बारहवें स्थानों में पापग्रह के होने पर पाप कर्तरी योग होता है।

**फल :** दरिद्र, अपवित्र, दुःखी अंगहीन, अल्पायु, भार्यारहित, पुत्ररहित होता हैं। यह आवश्यक नहीं कि सब लक्षण अक्षरशः मिलें, भावार्थ लेना चाहिये।

### शंख योग

पंचमेश और षष्ठेश यदि एक द्वासरे से केन्द्र में हों और लग्नेश बलवान हो तो 'शंख' योग बनता है।

**फल :** शंखयोगोत्पन्न जातक दयालु, पुण्यवान्, विद्वान्, पुत्र, धन, स्त्री से युक्त, दीर्घायु, तथा शुभ आचरण वाला होता है। मानवतावादी, सल्कर्म में रुचि, धार्मिक, विद्वान तथा आनंदप्रिय, पत्नीणसंतान और भूमि से



युक्त दीर्घायु होता है। दूसरों के प्रति व्यवहार मधुर और सौम्य होता है तथा पारिवारिक दृष्टि से सफल होता है। योगजनक ग्रहः सूर्य चन्द्रमा मंगल बुध बृहस्पति शुक्र शनि।

### शंखयोग

लग्नेश और दशमेस चर राशि में हों और भाग्येश बलि हो तो 'शंख योग' होता है।

**फल :** शंखयोगोत्पन्न जातक दयालु, पुण्यवान्, विद्वान्, पुत्र, धन, स्त्री से युक्त, दीर्घायु, तथा शुभ आचरण वाला होता है। मानवतावादी, सल्कर्म में रुचि, धार्मिक, विद्वान् तथा आनंदप्रिय, पत्नीणसंतान और भूमि से युक्त दीर्घायु होता है। दूसरों के प्रति व्यवहार मधुर और सौम्य होता है तथा पारिवारिक दृष्टि से सफल होता है। योगजनक ग्रहः सूर्य चन्द्रमा मंगल बुध बृहस्पति शुक्र शनि।

### अखण्ड सामाज्य योग

लग्न से द्वितीय नवम् एकादश में से किसी एक भाव का स्वामी चन्द्रमा से केन्द्र में हो तथा लग्न से द्वितीय, पंचम, नवम् में से किसी एक भाव का स्वामी बृहस्पति हो तो अखण्ड सामाज्य योग बनता है।

**फल :** जातक विस्तृत राज्य का स्वामी होता है। ज्योतिषार्णव नवनीतम् (अध्याय 5, श्लोक 30)

### केन्द्र त्रिकोण राज योग

लग्नेश का सम्बन्ध केन्द्र (4, 7, 10) या त्रिकोण (5, 9) भावों के स्वामियों से हो तो 'राजयोग' बनता है।

**फल :** ग्रहों के योग चार प्रकार से बनते हैं - 1. जब दो ग्रह परस्पर देखते हों। 2. जब एक ग्रह दूसरे को देखता हो। 3. जब दो ग्रहों में राशि परिवर्तन हो। 4. जब दो ग्रह एक ही राशि में हों। राजसी स्वभाव, सम्मान तथा सभी प्रकार के वैभव से युक्त होता है। योगजनक ग्रहः के स्वामीण्सूर्य, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, चन्द्रमा।

### राज योग

लग्नस्थ शुक्र पर गुरु चन्द्र की युति या दृष्टि हो, तो जातक राजवर्गीय (राजसम्बन्ध या राजा ही) होता है। बृहत्पाराशरहोराशास्त्र (अध्याय 40, श्लोक 11)

**फल :** राजा या राजसी पद प्राप्त होता है। सफलता, सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है। आधुनिक संदर्भ में उच्च राजकीय पद मिलता है।

### हर्ष योग

यदि छठे घर का मालिक दुःस्थान (6, 8 या 12) में स्थित हो तो हर्ष योग होता है।

**फल :** जातक भाग्यवान्, दृढ़ शरीर वाला, सुखी, भोगी, शत्रुओं को पराजित करने वाला और पाप भीरु होता है। विष्णात और प्रधान व्यक्तियों का प्यारा होता है। और उसे धन, पुत्र, मित्र का पूर्ण सुख मिलता है। हर्ष योग वाले व्यक्ति यशस्वी होते हैं और उनके चेहरे पर शोभा रहती है।

### विमल योग

यदि 12 वें घर का मालिक दुःस्थान (6, 8 या 12) में हो तो विमल योग होता है।

**फल :** जातक व्यय थोड़ा करता है। उसके धन की अधिक वृद्धि होती है। ऐसा मनुष्य सुखी, स्वतन्त्र,



अपने सद्गुणों के लिये विख्यात, उत्तम कार्य करने वाला होता है और सब व्यक्तियों के अनुकूल आचरण करता है।  
फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 69)

### राजयोग

नवमांश राशि के स्वामी यदि चन्द्र के आधिपत्य में हो और केन्द्र अथवा लग्न अथवा ब्रुध से त्रिकोण में हो तो राजयोग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 9/28)

फल : जातक सेनापति अथवा शासक के समान होता है।

### राजयोग

एकादश नवम् अथवा द्वितीय में से किसी भाव का स्वामी यदि चन्द्र से केन्द्र में हो तथा बृहस्पति द्वितीय, पंचम अथवा एकादश भाव के स्वामी हो तो राजयोग होता है। (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

फल : जातक महापुरुष अथवा सम्मानित शासक होता है।

### धन योग

लग्न के स्वामी का यदि द्वितीय या पंचम या नवम् या एकादश भाव के स्वामी से सम्बन्ध हो तो धन योग होता है। (डॉ- के- एस- चरक)

फल : जातक धनवान होगा।

### दान योग

लग्न या लग्न का स्वामी नवम् भाव के स्वामी से वृष्टि हो जो कि केन्द्र में अथवा त्रिकोण में हो तो दान योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 7/2/45)

फल : जातक अति दानशील होता है यदि सम्पत्ति न हो तब भी दान पुण्य के कार्यों से जुड़ा रहता है। भाग्य योग और राजयोग इसके परिणाम में अभिवृद्धि करते हैं।

### स्वरीर्थ धन योग

द्वितीयेश लग्नेश से केन्द्र अथवा त्रिकोण में हो या स्वाभाविक शुभ ग्रह (मित्र ग्रह) द्वितीयेश उच्च का हो या उच्च के ग्रह के साथ हो तो यह योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 3)

फल : जातक स्वयं के पराक्रम से अर्थ अर्जित करता है।

### कर्मजीव योग

चन्द्र या लग्न से सूर्य दशम स्थान (यह अन्य कर्मजीव योग से कम अंश का है) का स्वामी हो तो कर्मजीव योग होता है। (बृहत् जातक)

फल : जातक के लिए ग्रहों की यह स्थिति सूर्य से सम्बन्धित व्यवसायों में सहायक होती है। जातक सुगम्भित द्रव्य, ऊन और दवाइयों से जुड़ा होता है अथवा चिकित्सक या सहायक चिकित्सक हो सकता है।

### कर्मजीव योग



लग्र, चन्द्र या सूर्य से दशम स्थान का स्वामी यदि मंगल हो तो कर्मजीव योग होता है । (बृहत् जातक)

**फल :** ग्रहों की स्थिति मंगल से सम्बन्धित व्यवसायों खनिज तत्वों, अग्नि तत्वों (पटाखे, रसोई, इंजन चालक, अग्नि और ताप से सम्बन्धित कार्य) शस्त्रों, रोमांचकारी कार्यों और बाहुबल कार्यों में सहायक होती है ।

### कर्मजीव योग

लग्र, सूर्य या चन्द्र से दशम स्थान के स्वामी बुध से युत हो या वृष्ट हों तो यह योग होता है । (अन्य कर्मजीव योग से यह योग कम अंश का है) (बृहत् जातक)

**फल :** यह योग बुध से सम्बन्धित व्यवसाय जैसे मैकेनिक, चित्रकार, मूर्तिकार, नक्काश, वास्तुकार एवं इत्र निर्माता हेतु सहायक होता है ।

### कर्मजीव योग

लग्र, चन्द्र या सूर्य से दशमेश से बृहस्पति युत हो या वृष्ट हो तो यह योग होता है । (बृहत् जातक) (अन्य कर्मजीव योग से यह कम अंश का है)

**फल :** यह ग्रह स्थिति जातक को बृहस्पति से जुड़े व्यवसाय में सहायक होती है, जैसे शिक्षित वर्ग के सम्पर्क से, ज्ञान, धर्म, मंदिर, दान, साधना, तीर्थ यात्रा तथ आध्यात्म से जुड़े व्यवसाय ।

### कर्मजीव योग

नवमांश का स्वामी यदि दशमेश शुक्र हो तो कर्मजीव योग होता है । (बृहत् जातक 10/3)

**फल :** व्यक्ति के पास धन तथा रोजी रत्न, चांदी, गाय, भैंस अथवा कोई भी मूल्यवान वस्तु अथवा संवेदिक प्रसन्नता अथवा सौंदर्य सम्बन्धी साधनों से होती है । जातक को आय या संपदा का माध्यम स्त्री अथवा जीवनसाथी द्वारा प्राप्त हो सकता है ।

### कर्मजीव योग

दशमेश यदि चर राशी में स्थित हो और नवमांश में हो तो कर्मजीव योग होता है । (शंभु होरा प्रकाशन 15/15)

**फल :** जातक को धन और प्रसन्नता की प्राप्ति विदेश में होती है ।

### देहास्थूल्य योग

लग्र में जलीय राशि हो तथा शुभ ग्रह से युत हो अथवा लग्रेश जलीय ग्रह हो तब यह योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 2/87)

**फल :** जातक बलिष्ठ शरीर वाला होगा ।

### भ्रातृवृद्धि योग

तृतीयेश या मंगल या तृतीय स्थान शुभ ग्रहों से वृष्ट हो या युत हो और शक्तिशाली हो तो यह योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 4/16)

**फल**



### बंधु पूज्य योग

चतुर्थ भाव या चतुर्थेश (बृहस्पति) गुरु से युत हों या गुरु से वृष्ट हों तो यह योग होता है। (सर्वथि चिन्तामणि 4/65)

फल : जातक परिवार एवं मित्रजनों से आदर प्राप्त करता है।

### मातृदीर्घायुर योग

नवमांश का स्वामी राशि का स्वामी चतुर्थेश के साथ बली होकर लग्न या चन्द्र चन्द्र से केन्द्र में हो तो मातृदीर्घायुर योग होता है। (सर्वथि चिन्तामणि 4/132)

फल : जातक की माता दीर्घजीवी होगी।

### सक्ललत्र योग

सप्तमेश या शुक्र, बृहस्पति या बुध से युत हों या वृष्ट हों तो यह योग होता है। (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

फल : जातक का जीवन साथी (पत्नी) कुलीन और नैतिक चरित्र वाला होता है।

### पूर्णायु योग

लग्नेश और अष्टमेश दोनों चर राशि में हों या एक द्विस्वभाव राशि में, दूसरा स्थिर राशि में हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की दीर्घायु 100 वर्ष तक की दर्शाता है।

### पूर्णायु योग

षष्ठमेश या द्वादशेश षष्ठम भाव में हों या द्वादश भाव में या अष्टम भाव में या लग्न में हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की पूर्णायु 100 वर्ष तक की दर्शाता है।

### तीर्थ यात्रा योग

एक शुभ ग्रह अष्टम भाव में हो और शुभ ग्रह से वृष्ट हो तो यह योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश 14/9)

फल : जातक तीर्थ यात्राओं पर जाएगा और धार्मिक और आध्यात्मिक कई स्थलों पर भ्रमण करेगा।

### राज सम्बन्ध योग

लग्न से दशमेश यदि अमात्यकारक से युत या वृष्ट हो या स्वयं अमात्यकारक दशम भाव में स्थित हो या दशमेश से युत हो तो यह योग होता है। (बृहत्-पाराशर होरा शास्त्र - 42/1)

फल : जातक राज सभा का प्रमुख होता है। आधुनिक सन्दर्भ में सरकार उच्च पद प्राप्त करता है।

### सूर्य बुध योग



सूर्य और ब्रुध एक ही भाव में हो तो ब्रुधादित्य योग कहलाता है । (डॉ. के. एस. चरक)

**फल :** जातक मधुर भाषी, चतुर, विद्वान, अध्ययनशील धनवान, अनुशासित, स्वयं के धनोपार्जन से सेवा करने वाला होता है । विद्वान एवं प्रतिष्ठित अपने सभी कार्यों से होता है ।

### मंगल गुरु योग

मंगल तथा गुरु की युति किसी भाव में हो तो यह योग होता है । (डॉ. के. एस. चरक)

**फल :** जातक ज्ञानी, धनवान, बेहद चतुर, दक्ष, व्याख्याता, शिल्पकार, शास्त्रों के प्रयोग में दक्ष, केवल सुनने मात्र से याद कर लेने वाला, नेता तथा आदर प्राप्त करने वाला होता है ।



## कुण्डली में सम योग

### आश्रय योग - मुसलयोग

यदि लग्र स्थिर राशि में हो तथा कई ग्रह स्थिर राशि में हों तो मुसलयोग होता है।

**फल :** मुसल योगोत्पन्न जातक मानी, ज्ञानी, धनसम्पत्तियुक्त, राजप्रिय, विख्यात, अनेक पुत्रवान् तथा स्थिर बुद्धि वाला होता है। जातक विश्वसनीय, निश्चित, दृढ़, और स्थायित्व युक्त होता है। जो भी हो जातक दुराग्रही (जिद्दी), शीघ्र निर्णय लेने में असमर्थ, और परिवर्तन स्वीकार करने में कठिनाई महसूस करता है। बृहत्पाराशार होराशास्त्रम् (अध्याय 36, श्लोक 7, 20)

### संख्या - पाश योग

सब ग्रह जब पाँच स्थानों में होते हैं, तब 'पाश' योग बनता है।

**फल :** पाशयोगोत्पन्न जातक जेल जानेवाला, कार्य में दक्ष, प्रपञ्ची, बहुत भाषण करनेवाला, शीलरहित, अनेक सेवक वाला तथा विशाल परिवार वाला होता है। बृहत्पाराशार होराशास्त्रम्, (अध्याय 36, श्लोक 18, 46) मतान्तर से दूसरों से हमेशा प्रशंसित, धनोपार्जन में सर्वदा ध्यान देने वाला, अत्यंत चतुर, बातुनी, पुत्रवान, जनता का कल्याण करने की इच्छा होती है।

### अनफा (भौम) योग

चन्द्र से द्वादश मंगल हो तो अनफा योग बनता है।

**फल :** जातक चोरों का मालिक, ढीठ, स्वतन्त्र, अभिमानी, युद्ध प्रिय, क्रोधी, श्रेष्ठ वा सेवा करने योग्य, प्रशंसनीय, सुन्दर शरीर वाला व सुन्दर लाभ कर्ता व प्रगत्य होता है। सारावली (अध्याय 13, श्लोक 15)

### सम योग

सूर्य से पणकर स्थान (2, 5, 8, 11) में चन्द्रमा हो तो सम योग होता है।

**फल :** यदि सम योग में उत्पन्न हो तो द्रव्य, सवारी, यश, सुख, सम्पत्ति, ज्ञान, बुद्धि, निपुणता, विद्या, उदारता और सुख योग, इनका मध्यम फल प्राप्त हो। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 14, 18)

### वोशि योग (शुक्र)

सूर्य से द्वादश स्थान में शुक्र हो।

**फल :** वीर, विख्यात, गुणी, यशस्वी, जातक होता है। सारावली (अध्याय 14, श्लोक 7)

### सदा संचार योग

लग्र का स्वामी अथवा राशि का स्वामी चर राशि में लग्रेश के आधिपत्य में हो तब सदा संचार योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 2/91)

**फल :** जातक सदा भ्रमणशील रहेगा।



### मूकबधिरांध योग

शुक्र या मंगल द्वितीय या द्वादश भाव में हों तो मूकबधिरांध योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश 14)

फल : जातक को कर्ण रोग हो सकता है।



## कुण्डली में अशुभ योग

### शकट योग

**बृहस्पति लग्न से केन्द्र में न हो तथा चन्द्रमा से बारहवें में हो तो शकट योग बनता है।**

**फल :** जातक दीन हीन (निराश्रय), दरिद्र, हमेशा मुश्किल में फंसा हुआ, सबका अप्रिय तथा सदा भाग्य में उतार चढ़ाव आता रहता है। जातक अनासक्त (अलग), गृह विहीन, दीर्घायु तथा दूसरों के उपकार व दया पर जीने वाला होता है।

### अवयोग

**लग्नेश दुःस्थान में हो तो 'अवयोग' होता है।**

**फल :** जातक की स्थिति बहुत चंचल होती है। ऐसा व्यक्ति असज्जनों के साथ रहता है न उसका चरित्र ही अच्छा होता है। जातक स्वल्पायु और अप्रसिद्ध रहता है( और घोर दरिद्रता, तथा अपमान को प्राप्त होता है। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 57, 58)

### निःस्वयोग

**द्वूसरे घर का मालिक 6, 8, 12 इन तीनों स्थानों में से कहीं हो तो "निःस्वयोग" होता है। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 59)**

**फल :** "निःस्व" का अर्थ है जिसके पास अपना कुछ न हो अर्थात् दरिद्री। जातक के दांत और नेत्र खराब होते हैं। अच्छे वचन नहीं बोलता। कुटुम्ब भी विफल होता है। जिसके कुटुम्ब में बहुत से आदमी हों वह सफल कुटुम्ब जिसके घर में स्त्री, पुत्र कन्या आदि न हों मान लीजिये कि केवल मात्र स्त्री है तो वह विफल कुटुम्ब हुआ। निःस्व योग वाला मनुष्य अच्छी संगति में नहीं रहता। ऐसा व्यक्ति बुद्धि, पुत्र, विद्या और वैभव से हीन होता है। उसके धन को शत्रु लोग हर लेते हैं।

### पामर योग

**यदि पंचमेश दुःस्थान में पड़ा हो तो पामर योग होता है। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 62)**

**फल :** जातक दुःख से जीवन व्यतीत करता है। ऐसा व्यक्ति असत्य बोलने वाला अविवेकी तथा वंचक (दूसरे को ठगने वाला) होता है। ऐसे जातक को संतान सुख नहीं होता या तो संतान होवे ही नहीं या होकर मर जावे। यदि सन्तान चिरजीवी हों तो भी उनसे सुख प्राप्त न हो पिता के प्रति कर्तव्य पालन न करने वाली बल्कि पिता को संताप देने वाली पितृद्वेषी सन्तान होती है। ऐसा व्यक्ति नास्तिक होता है और छोटे तथा दुष्ट आदमियों की सोहबत करता है। ऐसे व्यक्ति बहुत अधिक भोजन करते हैं अर्थात् पेटू होते हैं।

### दुष्कृति योग

**सप्तमेश दुःस्थान में पड़ा हो तो दुष्कृति योग होता है। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 64)**

**फल :** जातक को सप्तम स्थान सम्बन्धी सभी कष्ट प्राप्त होते हैं अपनी पती का वियोग (चाहे वह मर जाय चाहे उससे अलग रहना पड़े या रोगिणी हो), द्वूसरे की स्त्री से रति हो, इसकी इच्छा रहे (हृदय जलता रहे सुख की प्राप्ति न हो) कष्टमय मंजिल (सफर) करनी पड़े। जातक के बच्चे लोग उसे धिक्कारें, इस कारण उसे शोक प्राप्त हो। राजा या सरकार से पीड़ा मिले। सप्तम स्थान से जननेन्द्रिय का विचार किया जाता है। सप्तम भाव और सप्तमेश दोनों बिंगड़े हों तो प्रमेह (सुजाक, आतशक आदि) इन्द्रिय सम्बन्धी एक या



अधिक रोग हों।

### राज भंग योग

चन्द्र यदि अत्यन्त दुर्बलता के अंश में हो तो राज भंग योग होता है। (भाव क्रुतुहलम् 8/56)

फल : जातक के किसी भी प्रकार के राजयोग को भंग करता है।

### जड़ योग

द्वितीयेश दशम भाव में पापग्रहों के साथ हो या द्वितीय स्थान पर सूर्य और मांदी या द्वितीयेश सूर्य और मांदी के साथ हो तो जड़ योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 3/4)

फल : जातक विफल हो जाता है। समूह के समक्ष बोलने पर अपना संतुलन खो बैठता है।

### दुर्मुख योग

पापग्रह द्वितीय भाव में हो और द्वितीयेश निर्बल हो या पापग्रह से युत हो तो यह योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 3/27)

फल : जातक का चेहरा अनाकर्षक और बिगड़ा हुआ होगा। (या तो जन्म से अथवा दुर्घटनावश होगा) उसके चेहरे के भाव आसानी से उसमें नकारात्मक भावों को व्यक्त कर देते हैं।

### विषप्रयोग योग

द्वितीय भाव में पापग्रह हो अथवा पापग्रह से दृष्ट हो और द्वितीयेश कूर नवमांश में पापग्रह द्वारा दृष्ट हो तो विषप्रयोग योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 3/143)

फल : जातक को दूसरों से विषपान सम्बन्धी संकट उत्पन्न हो सकता है। (दूसरों द्वारा उसे जहर दिया जा सकता है)

### मातृशां योग

चन्द्रमा यदि पापग्रहों के बीच पीडित (फँस) जा, या पापग्रहों से युत हो या दृष्ट हो तो यह योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 4/133)

फल : जातक की माँ का निधन शीघ्र हो जाता है।

### अपुत्र योग

पंचमेश दुःस्थान (6, 8, 12 वें भाव में) में स्थित हो (तथा पंचम भाव बली न हो और पूर्ण चन्द्र या शुक्ल पक्ष से रहित हो) तो अपुत्र योग होता है। (फलदीपिका 12/2)

फल : जातक निसंतान होगा।

### अरिष्ट गुह्यरोग योग

चन्द्र पाप ग्रह से युत कर्क या वृश्चिक राशि के नवमांश में हो तो यह योग होता है। (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)





**फल :** जातक जननांग रोगों से असुरक्षित हो सकता है।

### अरिष्ट राजभ्रष्ट योग

अरुध लग्नेश अरुध द्वादश (उपपाद) से युत हो तो यह योग होता है। (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

**फल :** जातक को ऊँचाई से गिरने का खतरा होता है।

### दरिद्र योग

लग्नेश यदि दुःस्थान के स्वामी से युत हो शनि के साथ हो और किसी शुभ ग्रह से वृष्टि न हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

**फल :** जातक गरीबी, कृपणता और खराब सेहत का शिकार हो सकता है।

### दरिद्र योग

जिन भावों में दुःस्थान के स्वामी बैठें हों, उनके स्वामी (उन भावों के स्वामी) भी स्वयं दुःस्थान में बैठें हों और पापग्रहों से वृष्टि हों या युत हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

**फल :** जातक गरीबी, कंजूसी और खराब स्वास्थ्य से पीड़ित रहता है।

### दरिद्र योग

शुभ ग्रह पाप भावों में स्थित हों और पाप ग्रह शुभ भावों में स्थित हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

**फल :** जातक गरीबी, कंजूसी और खराब स्वास्थ्य से पीड़ित हो सकता है।

### अल्पायु योग

लग्न और चन्द्र दोनों स्थिर राशि के हो या एक चर राशि और दूसरी द्वितीय भाव राशि में हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

**फल :** यह योग जातक को अल्प आयु अथवा 32 वर्ष तक की आयु प्रदान करता है।

### अल्पायु योग

लग्न और होरा लग्न दोनों स्थिर राशि के हों या चर राशि में दूसरी द्वितीय भाव राशि में हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

**फल :** यह योग जातक को अल्प आयु या 32 वर्ष की आयु प्रदान करता है।

### अल्पायु योग

पंचम भाव, अष्टम भाव और अष्टमेश पीड़ित हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

**फल :** यह योग अल्प आयु या जातक की 32 वर्ष तक आयु का संकेत देता है।



### योगारिष्ट (योगज आयु) योग

**सूर्य चन्द्र** और मंगल पंचम स्थान पर हों चन्द्र क्षीण और अस्त हो तो यह योग होता है । (जातक पारिजात)

**फल :** जातक को नौ वर्ष की आयु में मृत्यु का संकट होता है । ध्यान रहे कि यह एक पृथक विचार है । इस योग के सत्य होने के लिए अन्य संकेत भी होना चाहिए । अरिष्ट भंग योग इस योग को निरस्त करता है ।

### दासी प्रभाव योग

**सूर्य और चन्द्र** दोनों दुर्बल हों या दोनों शनि के साथ विपरीत अवस्था में हो तो यह योग होता है । (शांभु होरा प्रकाश 14/65)

**फल :** जातक दासी पुत्र होगा ।

### हिल्लजा नेत्र दोष योग

**मंगल** यदि पाप राशि में हो या केन्द्र में पाप राशि से वृष्ट हो तो यह योग होता है । (शांभु होरा प्रकाश 14/67)

**फल :** जातक को अंधा होने का संकट उत्पन्न हो सकता है ।



## जीवन फलादेश



आप मिलनसार और रुचिकर व्यक्ति हैं। आप हाजिर जवाब हैं। मित्रवत् आचरण आपके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

बाहर से आप सहनशील व उदार दिखाई देते हैं, भीतर से आप संदेहशील हैं। क्योंकि आप समृद्ध एवं दानशील व्यक्ति हैं, इसलिए आपकी प्रेरणा व आदर्श, स्वार्थ रहित एवं सच्चारित्र हैं। आप ऐसा काम करना चाहते हैं जिसका निष्पादन बहुत मुश्किल से होता है और आप को उससे कोई लाभ भी नहीं मिलता। किसी अवगुण के कारण आपकी दयालुता कम हो जाती है।

आप अपने कार्य के प्रति जिम्मेदार हैं। आप परिश्रमी और कर्मठ हैं। आपको शीघ्र ही परिणाम नहीं मिल पाते। इसलिए आपमें अपनी इच्छाओं की पूर्ति के समय की प्रतीक्षा करने की क्षमता है। आप शान्त व्यक्ति हैं। आप गूढ़ व्यक्ति हैं। आपका ध्यान पारलौकिक जगत पर केन्द्रित है। राजनीतिक रूप से आपकी सोच बहुत परम्परावादी है। आप अपने परिवार की परम्पराओं और मूल्यों का सम्मान करने वाले हैं।

आप न्यायी व्यक्ति हैं। आप में नैतिकता है। आपका व्यक्तित्व सदाचारी है। आप समझदार हैं तथा व्यस्त सुधारक हैं जो कि समाज में बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं। आप अनुसंधान परक प्रवृत्ति वाले हैं। आप हर बात की गहराई में जाकर उसके कारणों का पता लगाना चाहते हैं। आप आत्म विश्वास से परिपूर्ण, तीव्रता से कार्य करने वाले बुद्धिजीवी तथा आडम्बर रहित हैं। आप चतुर हैं। आप प्रगतिशील हो सकते हैं। आप संतुलित इंसान है।

आप आदर्श रूप से कर्म प्रधान हैं व निष्क्रिय नहीं हैं। आप विश्वास के साथ कार्यारम्भ करते हैं। आप सुदृढ़ व्यक्ति हैं। आप आवेगशील, अति संवेदन शील, भावुक, तार्किक, शक्तिशाली तथा विवेकपूर्ण व्यक्ति हैं। आप धीरे-धीरे समय के साथ आत्मनिर्भर होते जाएंगे। आप अपना सुख सकारात्मक सोच व नई कोशिश में खुलेपन से प्राप्त करना चाहते हैं। आप स्वनिर्मित इंसान हैं, व अपने लक्ष्य प्राप्ति पर आनन्दित होते हैं। आप जटिल एवं कुशाग्र रणनीति अपनाएंगे।

यद्यपि आपका उद्देश्य दूसरों को आभिक स्तर पर बदलना होता है, पर आप उन्हें धार्मिक कार्यों के लिए अग्रसर करते हैं। आप विपरीत परिस्थितियों में भी कार्य का जिम्मा लेकर दूसरों का मार्गदर्शन कर सकते हैं।

आपको निर्जन और एकान्त स्थान पसंद हैं।

आपको भौतिकता की अधिक चाहत नहीं है। आपमें इच्छाओं का भण्डार है, जिससे पार पाना जरा कठिन है। एक बार लक्ष्य निर्धारित करने पर पूरे मनोयोग से आप उसे पूरा करने में जुट जाते हैं।

आपमें आत्म नियंत्रण की क्षमता है पर आप उसका उपयोग कम ही करते हैं। आप राज रखना जानते हैं। दूसरों के विरोध से बचने के लिए आप गुप्त रूप से कार्य करना पसंद करते हैं। आपकी इच्छाएं आपसे कुछ गुप्त क्रियाकलाप करवा सकती हैं। आपका अति प्रबल या प्रधान व्यक्तित्व संबंधों को कठिन या दुष्कर बनाता है।



आप बहुत आसानी से खीज सकते हैं। आप अपने क्रोध पर नियंत्रण रखते हैं - पर जब स्थिति शोचनीय स्तर तक बन जाए तो आपका क्रोध नाटकीय प्रदर्शन का कारण बन सकता है। संबंधों में असुरक्षा की अनुभूति, आधिकारिक एवं ईर्ष्यालू भावनाओं का कारण बन सकती है। कार्य को पूर्ण करने के लिए आप आक्रमक रूपया अपनाते हैं। आप अक्सर अपने आप को यह कामना करते पायेंगे कि आपके पास भी वह होता जो किसी और के पास है। जब वह घिटत होता है तो आपके विचार सकारात्मक नहीं होते हैं।

आपकी शक्ति का स्तर कभी - कभी कम जो जाएगा एवं निश्चयात्मकता का अभाव आपको उस परिस्थिति में फँसे रहने को विवश कर सकता है, जिसमें आप नहीं रहना चाहते हैं। आप स्वयं को सुन्दर नहीं मानते हैं। जब आप स्वयं को, एक भाग्यवादी आत्मसमर्पण की भाँति निष्क्रिय होने देते हैं, तो सबसे बुरी चीज आपके साथ घटित होती है।

आप सिद्धान्तवादी नहीं हैं, पर न ही आप बाधाओं के प्रति सावधान रहते हैं। अकर्मण्यता एवं निष्वेष्टता आपके कमज़ोर पहलू हो सकते हैं। यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि आप, अपने अंदर की गहराई में, बन्धनयुक्त रूपये के साथ, अपने पूर्व निश्चित ढंग से अवसरों की ओर अग्रसर होते हैं।

यदि आप हानि सहन कर लें, व प्रतिशोध से दूर रहें, तो आप स्वयं देखेंगे कि आप वह सब पुनः प्राप्त कर रहे हैं जिन्हें आपने खो दिया था। अपने लक्ष्यों को पूर्ण करने के लिए निश्चित व केन्द्रित रूप से अपनी शक्ति को दिशा प्रदान करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यह आपके लिए मान लेना उत्तम होगा कि अविवेकी, अर्थहीन संबंध या क्रिया-कलापों तथा लोक निन्दा आपके लिए लाभ नहीं लायेंगी।

आप प्राकृतिक रूप से प्रसन्न हैं। दूसरों के साथ सभा एवं व्यापार करना आपके लिए संतोष लायेगा। यह प्रायः सम्भव है कि आप दूसरों को सुरक्षा तथा संतुष्टि प्रदान करके स्वयं के लिए संसाधन (उदाहरण स्वरूप अचल सम्पत्ति) जुटा लें।



आप एक सुन्दर व्यक्ति हैं। आपका शरीर माँसल है। आपके धुँधराले केश होने की संभावना है। आपका चहरा भरा हुआ है। आपका चहरा अण्डाकार है। आपका मुखमण्डल उत्तम है। आपका मुखमण्डल रक्तिम है। आपका मुखमण्डल श्यामल है। आपके नेत्र आकर्षक हैं। आपके चक्षु तीक्ष्ण, नियोजित परन्तु चमकदार हैं। आपके चेहरे पर कुछ चिन्ह या दाग हो सकते हैं।

आप शाही किन्तु शान्त हैं। आपके व्यक्तित्व में नारित्व की अधिकता है।

आप वाक्पटु हो सकते हैं। आप एक संवेदनशील वक्ता हैं। आप दो-टूक बात करने वाले तथा व्यक्ति या वस्तु के गुण-दोष बयान करने में निपुण हैं।

आप एक आकर्षक वक्ता हैं।

आप स्वयं को इस तरह अभिव्यक्त कर सकते हैं जो आपके तथा वातावरण के लिए लाभप्रद हो।

आप विदेशी भाषा बोल सकते हैं। आप स्वयं के वास्तविक जीवन में प्रयोग किये बिना धार्मिक उपदेशों को अच्छी तरह प्रवचित करते हैं। आपका भाषण बहुत विश्लेषणात्मक या आध्यात्मिक तथा दूसरी दुनिया से संबंधित हो सकता है।



आप संभवतः शर्मिले हैं, तथा बहुत अधिक बोलते नहीं हैं। स्वयं को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करना, आपके लिए कठिन हो सकता है। आप गलत न समझे जाएं इस भय को आप मन में गुप्त रख सकते हैं। आपके भाषण में वाक्पटुता का अभाव हो सकता है। स्वयं की अभिव्यक्ति आप बोलने की अपेक्षाकृत लिखकर करते हैं।

आप तुतला सकते हैं। आप एक मूकाभिन्य के कलाकार हो सकते हैं जो हर भाव को आसानी से दिखा लेता है। आप स्वयं को अभिव्यक्त करते समय सत्य बोलें।



आप का मास्तिष्क तीक्ष्ण है। आप गम्भीर व शिक्षित हैं। आपकी राय व दिशाएं ज्यादा समय स्थायी नहीं रहती।

आप अदुभूत व मानसिक तरीके से ग्रहणशील हैं। आपकी अपनी मानसिकता व वृष्टिकोण है कि आपने जो कुछ भी अपने गुरु या शिक्षकों से सीखा हैं उसे ध्यान में रखकर ही कार्य करते हैं। आप रहस्यमयी और अस्पष्ट बातों के बारे में गहन चिन्तन करते हैं।

आप दर्शन व विश्वास में रुढ़िवादी हैं। आपका स्वभाव अस्थिर है। आप कभी-कभी ऐसे विचार देते हैं जो वक्त आने पर सही सिद्ध होते हैं। आप घरेलू क्लेश से परेशान रहते हैं।

आप असंवेदनशील तरीके से सोच सकते हैं तथा आप अपने श्रोताओं की भावनाओं का ध्यान नहीं रखते हैं। आप बुद्धि से ज्यादा बातों के विवरण पर यकीन रखते हैं।

आप अपने विचारों में अधिक से अधिक उग्र हैं तथा कर्म व नियमों के मार्ग से भटक जाते हैं।

आप अपने भावों को अपने दिल ही में रखते हैं। आप छिपे रहस्यों पर से पर्दा उठाने व खोज में आनन्द का अनुभव करते हैं। आप गहन व मनमौजी हैं, व हर बात को दिल पर लेते हैं। आपकी भावनाएं रुमानी स्थितियों से अति प्रभावित होती हैं। आपका जीवन आपके भावों के रंग से रंगा है परन्तु कभी कभी दूसरे भी स्वयं का प्रतिबिम्ब उसमें देख सकते हैं। आप स्वयं की भावनाओं से सुपरिचित हैं तथा अच्छे श्रोता हैं।

आप मनमौजी व्यक्ति हैं। आप महसूस कर सकते हैं कि आपका अन्तरात्म आपके बाहरी रूप से भिन्न है। आप शायद महसूस करें की आप जो कहते हैं उसे लोग न सुनते हैं और न ध्यान देते हैं। दृढ़ इच्छा शक्ति के बाद भी वातावरण व भावनात्मक कारक परिस्थितियां भावनात्मक उथल-पुथल मचा देंगे। आपकी भावनाएं काफी गहरी तथा कभी-कभी परेशानी वाली होती हैं। कई बार आपको अपने चिढ़-चिढ़ेपन की वजह और कारण नहीं पता होती है। आप समझते हैं कि आपका भाग्य दूसरों द्वारा निर्धारित है। अतः आप जो भी हो रहा है, उसे नियमित कर पाने में स्वयं को असमर्थ महसूस करते हैं।

आप अति संवेदनशील हैं जिससे आपको अनेकों बार परेशानियों का सामना करना पड़ा है। आप अपने फायदे के लिए बातों को खींचने से बचते हैं। कभी- कभी आप स्वयं को भीड़-भाड़ में फँसा पाते हैं। इष्ट मित्र या घनिष्ठ सम्बन्धों को बनाने में आपका आन्तरिक विरोधाभास परेशानी पैदा करता है।

आप अवनति के भँवर में गिर सकते हैं। भावनाओं के साथ खिलवाड़ आपको विध्वन्सकारी कार्यों में लगा सकता है।



आप चतुर, परन्तु असाहित्यिक हैं। आपमें विशेषतः मानवीय गुणों की कमी है।

आपकी बुद्धि तीक्ष्ण होगी।

आपमें अपनी तीक्ष्ण बुद्धि व जागरुकता के कारण जीवन के सत्य को समझने का सामर्थ्य है।

आप अनेकों परिस्थितियों में अच्छे निर्णय ले सकते हैं।



शिक्षा में आपने अच्छी व उत्तम तरक्की की है। आप आसानी से शिक्षा ग्रहण करते हैं व इसके लिए ऊर्जावान हैं। आप उच्च शिक्षा प्राप्त करेंगे। आपमें हो सकता है अच्छा किताबी ज्ञान न हो, परन्तु आपकी उन्नत अन्तःदृष्टि आपको दिशा-निर्देश देगी।

आप उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। आपका उच्च विद्याध्ययन व विद्याध्ययन केन्द्रों में अथाह रुझान है। आप अपने गुरु से काफी प्रभावित हैं। उच्च शिक्षण संस्थान या शिक्षण आपके लिए अर्थ लाभ के नये मार्ग प्रशस्त करेंगे। आपका शिक्षक सम्प्रवतः आपके जीवन में अधिक साथ नहीं होगा।

स्वाध्याय व शोध आपकी स्वाभाविक क्रियाएँ हैं। आपकी रसायन, औषधि, शल्य चिकित्सा, आयुर्वेद तथा अन्य और प्रकार की चिकित्सा में रुचि है। आपकी उच्च शिक्षा आपकी जीविका का आधार बनेगी। आप एक शिक्षित दायरे में रहना पसंद करते हैं अतः उच्च शिक्षा के लिए कभी भी जा सकते हैं।

शिक्षा प्राप्ति के प्रयास आपके जीवन में व्यर्थ जायेंगे और यदि इसे पाना ही चाहते हैं, तो आपको दूर यात्रा करनी पड़ेगी। आप को शैक्षिक कार्य में विषमताओं का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि आप पारम्परिक तरीकों के बजाय स्वनिर्मित तरीकों से कार्य करते हैं।

आपको बौद्धिक ज्ञान भरपूर है तथा आप बहुत सी बातों के बारे में अच्छा व्याख्यान देने में निपुण होंगे। आपके पास शैक्षणिक, पण्डिताई संबंधित, आध्यात्मिक, साक्षरता तथा वैज्ञानिक उपलब्धियों जैसे कई क्षेत्रों का महत्वपूर्ण ज्ञान है। आप अपने ज्ञान को बढ़ाने तथा वृहद करने के लिये व्याकुल हैं तथा इसे आपकी मजबूत आध्यात्मिक समझ मदद करती है। आप अधिकारपूर्ण तथा प्रतिभाशाली हैं व ज्ञानी व्यक्तियों को खोज लेते हैं ताकि आप उनसे सीख सकें। आपमें ज्ञान प्राप्त करने की प्रचंड प्यास है जो आपको अपने मित्रों तथा लोगों से वंचित करता है, जब वे आपकी सोच को बँटते हैं। आप अपने धर्म ग्रंथों के बारे में जानकारी रखते हैं।

आप अपने होने के कारणों को समझना चाहते हैं अतः दर्शनशास्त्र में शिक्षित हो सकते हैं।





जड़त्व से बाहर आते ही आप समस्याओं का समाधान खोज सकते हैं। आपका वाणी तथा शिक्षण कौशल उल्कृष्ट हैं।

आप पूर्वविचार करके अपने कार्यों को तय करते हैं। आप कुशल संगठनकर्ता व प्रशासक हैं। आप में सही गलत की विवरणात्मक समझ की योग्यता है।

आप में वो अन्तर्दृष्टि है जो कुछ ही लोगों को मिलती है। आप में वह अन्तर्दृष्टि (जैसे आपकी मृत्यु का समय) है जो कुछ ही लोगों को मिलती है।

आप विदेशी भाषा, इतिहास व दर्शनशास्त्र में पारंगते हैं।

आपके सभी आत्मीय रिश्तों का असन्तुलन आपको परस्पर सेही अनुभवों से वंचित रखता है। आप एक कुशल शिल्पकार हैं परन्तु आप का ध्यान भंग हो जाता है।

आप प्रतिभा सम्पन्न हैं। आपमें प्रतिभा, ताकत व क्षमता का अटूट भण्डार है।

आप कल्पनाशील, कलात्मक तथा सृजनात्मक हैं। आप की ध्राणशक्ति श्रेष्ठ है।

आप परीश्रमी हैं। आप अथाह परिश्रमी व ताकतवर है हालांकि आप में असफलताओं का डर है।

आप अपना खाली समय पुराने वाहन व घरों की दलाली में लगाते हैं।



आपकी व्यवहारिक सोच है। आप समूह के हिस्से की तरह अच्छा रोल निभाते हैं।

आपमें धार्मिक रुद्धान है जो की अन्य धर्म व आध्यात्म के आदर के रूप में सामने आता है। आप भगवान में विश्वास करते हैं तथा अपने विश्वास के साथ सही संबंध बनाये रखते हैं। आपको अपनी क्रियाविधि गुप्त रखने के लिये अथाह परीश्रम करना होगा। आप अपनी स्वयं की उन गलतीयों को पहले सुधारना मुश्किल हैं।

आपमें उच्च नैतिकमूल्य है तथा आप अधिकारयुक्त कार्य करते हैं। आपके क्रियाकलाप अच्छे नैतिक मूल्यों से निर्देशित है जो कि आपको सदाचारी बनाते हैं। आपमें अपने दायित्व के प्रति नैतिक ज्ञान है और आप कई अच्छे कार्य करते हैं। आपकी इच्छा व चाहत तभी पूर्ण होगी जब आप दूसरों की इच्छा व चाहतपूर्ण करेंगे। आप अपने समूह के लोगों के लिये मददगार हैं। आप दूसरे लोगों के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहयोग प्रदान करते हैं। आप अपनी कठिन सेवाओं से उन परेशानियों और दुःखों को अंततः मिटा देते हैं जिनसे दूसरों को हानि पहुँचती हैं। आप दूसरों से बदले में कुछ भी न चाहने की अपेक्षा करते हुए उनको आसानी से सहयोग प्रदान करते हैं। आप दूसरों का बहुत ध्यान रखते हैं और वे व्यक्ति जिनसे आपका संबंध है उनको आप पूर्ण संबल प्रदान करते हैं। आप दूसरों के भले के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। आप दूसरों के भले के लिए पूर्णतः समर्पित हैं। आप उदार हैं और अपने राजमर्मा के कार्यों में दूसरों की भलाई के बारे में सोचते हैं। आपकी अन्य लोगों के लिए अच्छी चीजें करने की प्रवृत्ति हैं। आप कर्म विधियों से सचेत हैं और तदनुसार जीने का प्रयास करते हैं।



आप अपने परिवेश को समय-समय पर बदल या पुनः सज्जित कर सकते हैं।

आप कभी-कभी समाज के अनुभवी व्यक्तियों की सलाह पर ध्यान नहीं देते हैं। आपको यदि कोई आहत पहुँचाता है तो आप उसे आसानी से भुला नहीं पाते। आप अपनी स्थिति पर दृढ़ता से कायम हो जाते हैं और दूसरों के प्रति संवेदना कम ही रखते हैं।

आपको अंशतः स्वयं पर भी क्रोध आता है क्योंकि आप स्वयं से नाराज रहते हैं और अतिरिक्त रूप से संतुलित नहीं हैं। आपको दबा हुआ क्रोध चाहे वह दमित हो या उभरा हुआ परेशान कर देता है। आपने जीवन में कभी कुछ विध्वंसात्मक किया होगा जिसका प्रभाव आपके बाद के अनुभवों पर पड़ सकता है। आप अक्सर ऐसी गतिविधियों में संलग्न हो जाते हैं जिनसे न तो आपको लाभ होता है न दूसरों को आप इस कारण कभी-2 आलोचना का शिकार भी होते हैं। आप कभी-2 आशय न होन पर भी अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं। आप अपने कार्यों में उच्च नैतिकताओं को हमेशा अग्रभूमि में नहीं रख सकते और परिणामस्वरूप आप ऐसे क्रिया-कलाप में लिप्त हो सकते हैं कि कोई आपको अनैतिक या गैर-कानेनी समझे। आप साधनों को अन्त तक न्यायोचित ठहराने में विश्वास रखते हैं और अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए वफादार सेवकों और अनुयाईयों का बलिदान भी कर सकते हैं। आप गुप्त रूप से विद्रोही और हानिकारक हो सकते हैं परन्तु इन नटवर गुणों को जिम्मेदारी के आवरण में छुपा कर रखते हैं।



आप स्वयं द्वारा अर्जित किये गये आध्यात्मिक या बौद्धिक ज्ञान को प्रकाशन, आध्यापन और प्रसार के अन्य साधनों के द्वारा प्रसारित करने में रुचि रखते हैं।

किसी के जीवन उद्देश्यों या अन्य दार्शनिक विषयों के बारे में लिखना या बोलना आपकी रुचि है। आप विरासत का आनंद उठा सकते हैं। आप जीवन की सुख सुविधाओं का आनंद ले सकेंगे। आपको मछलियां और मछली पकड़ना पसंद है। आपको विज्ञान, गणित और तेज तार्किक विश्लेषण पसंद है। आप अस्पताल, जेल, आवासगृहों, आश्रम, अज्ञात स्थान या दूरदराज के देशों के प्रति आकृषित हो सकते हैं। आप धन की तलाश में नयी तकनीकी काम में ले सकते हैं। आपकी रुचि विदेशों, उनकी संस्कृति और परम्पराओं में है। आपकी रुचि दर्शन, विधि और आध्यात्मिक ज्ञान में है। आपकी रुचि प्राकृतिक या अप्राकृतिक मृत्यु जैसे ड्रबना, अग्नि, दुर्घटना या आत्म-हत्या इत्यादि के आंकड़ों के संबंध में है। आपकी जीवन की विचित्रता के संबंध में रुचि है। आप जीवन के आश्चर्यों को खोजना पसंद करते हैं किन्तु उन्हें दार्शनिक या धार्मिक रूप देकर व्यवसाय करना आपके लिए समस्याजनक है। आप उन्हें स्वयं तक रखना चाहते हैं। आपकी रुचि गुप्त और रहस्यमयी कलाओं में हो सकती है। आप गुप्त विद्याओं में और दैवीय ज्ञान में रुचि रखते हैं। आपको रहस्यपूर्ण बातों की जानकारी आदि पसंद है। आप रहस्यमयी बातों के प्रति रुचि से नए ज्ञान का अनुसंधान कर सकते हैं। आप जीवन का समामान्य रीति से पूरी तरह जानना चाहते हैं। आप सदैव अनुभव और लाभ के नये आयाम तलाश करते रहते हैं।

आप साहसिक और खेल गतिविधियों में बड़ी लगन से कार्य करते हैं। आपकी प्रकृति में घर, कार्य और संबंधों में स्थिरता नियत है। आपको परिवर्तन पसंद हैं। आप समाज में ज्यादा मुखर होना पसंद नहीं करते हैं कम से कम खुले तौर पर न होकर संभवतया छुपकर कार्य करना पसंद करते हैं। आप अपने कार्य को गोपनीय रखना चाहते हैं और अधिकांश स्वतंत्र होकर कार्य करना पसंद करते हैं। आपको एकान्त में आनन्द आता है, आपमें आध्यात्मिक विकास के प्रति ललक हो सकती है। आपको सपने देखना पसंद है। आपको समाज में महिलाओं की भूमिका संबंधी मामले पसंद हैं।



आपकी रुचि उन्हीं वस्तुओं में है जो आराम और प्रसन्नता देती हैं। आप जीवन में सुख प्राप्त करेंगे। आप धार्मिक और आध्यात्मिक मामलों में सहज और मुखर हैं। आपको प्राचीन आध्यात्मिक पुस्तकों से प्रेम है। आपको उन प्रार्थनाओं और आध्यात्मिक तकनीकों को अपनाना पसंद है जिनसे मानसिक शांति और आंतरिक मौन की अनुभूति होती है। आपको आजादी पसंद है और आपके आध्यात्मिक गुरु के साथ आपके संबंध अति प्रबल हो सकते हैं। आपका रुझान संन्यास, धार्मिक कार्यों और उन संस्थाओं की ओर हो सकता है जो आदर्शवादी कार्य करती हैं।

आपके पालतू पशु समस्याप्रद हैं।

आपको उच्चतर ज्ञान, दर्शन और धर्म की बाते कम पसंद हैं।

आपके द्वारा लिया जाने वाला भोजन अक्सर पौष्टिक नहीं होता है। आपको गर्म, मसालेदार भोजन, कॉफी और मदिरा पसंद हो सकती है जो कि आपके लिए अच्छा नहीं है। आपको मदिरापान से दूरी बनानी चाहिए।



आप ऐसे भोजन और अभ्यासों में रत रहते हैं जो स्वास्थ्यप्रद और आयुर्वर्धक होते हैं। आपको बचपन में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ रहेंगी पर बाद में आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। आप स्वयं का ध्यान कम रख पाने के कारण थकान जल्दी महसूस करते हैं। आपको ऐसा रोग होने की संभावना है जिसका पता लगाना मुश्किल हो। आपकी शारीरिक समस्याएँ आपकी खुशियों में बाधक हो सकती हैं।

आपके शरीर में ऊष्मा या अग्नि तत्व का असंतुलन है। आपके गर्दन के आस-पास के क्षेत्र में चोट, विकार या जीव-विष के रिसाव की संभावना है। आपकी निद्रा में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। आपका स्वास्थ्य नरम हो सकता है और ऐसा भावनात्मक समस्याओं के कारण हो सकता है। दबाव के समय आप आन्तरिक दुर्बलता महसूस कर सकते हैं। आपको बाँये नेत्र, कान या नाक संबंधी रोग हो सकते हैं। आपको त्वचा की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपके यौन विकास में व्यवधानकारी कारक हो सकते हैं। आप जननतंत्र संबंधित किसी असामान्य समस्या का अनुभव कर सकते हैं जो अंत में समाप्त हो जायेगी। आपके प्रजनन तंत्र में कुछ अव्यवस्था हो सकती है और चिकित्सकीय हस्तक्षेप या शल्य-क्रिया भी संभव है। आपको संक्रामक यौन रोगों, शर्करा और आंखों की समस्याओं से सावधान रहना चाहिये। आपको समय-समय पर पैरों में समस्याएँ हो सकती हैं। आपकी प्राणशक्ति दिन की तुलना में रात में अधिक शक्तिशाली है।

अस्थिर और क्षुब्ध मन: स्थिति के कारण आपके साथ दुर्घटनाएँ हो सकती हैं।



आपके लिए पिता की तुलना में माता को सूचित करना अधिक सरल है यद्यपि, यह आपकी पसंद नहीं हो सकती है।

आपकी माता वैज्ञानिक और क्रियाशील वस्तुओं के बारे में उत्साही हैं। वे दूसरों पर प्रभाव डालने और प्रभावशील व्यक्तियों से संपर्क बनाने में समर्थ हैं। आपकी माता का सामना विषम परिस्थितियों से हो सकता है जो उनकी स्वयं की योजना, कार्य या



संवाद का उत्पाद हो सकती है। वे किसी एक ही विषय पर एक साथ पक्ष या विपक्ष में बोल सकती है। वे कार्य की नयी युक्ति निकाल लेती है। उनकी शिक्षा संभवतया बीच में छूट गयी थी। आपकी माता को अध्ययन अति प्रिय है। उन्हे अपने मित्रों के व्यवहार और चरित्र का आंकलन करना अच्छा लगता है। वे एक नवीन नकनीकी अपनाने वाली और बुद्धिमान महिला हैं जो एक आलोचनात्मक प्रबंधक या अच्छी पथप्रदर्शक हो सकती हैं। वे चूंकि दैवीय बाधाओं को नहीं समझ पाती इसलिए कभी-2 हताश हो जाती हैं। उनका व्यक्तित्व दक्ष लोगों और विदेशियों के साथ कार्य करने के अनुकूल है। आपकी माता दार्शनिक और गंभीर प्रकृति की महिला हैं। आपकी माता स्तरीय महिला है। आपकी माता के विचार, जिस वस्तु को वह चाहती है उस पर स्पष्ट है और प्रत्येक वस्तु के बारे में निश्चित वृष्टिकोण है। सामाजिक वार्तालाप से आपकी माताजी को प्रेरणा मिलती है और उक्सर आराम का बोध होता है। आपकी माताजी का ध्यान सामाजिक क्रियाकलापों की ओर जाता है किन्तु समूह के अधिक गंभीर सदस्यों के बीच में विशेषरूप से होगा। आपकी माताजी सकारात्मक, हवाई, मानवीय और बातूनी हैं। आपकी माताजी अपने दुःखों को हँसी में छिपा लेती हैं। आपकी माताजी आदर्श रूप में पहले हैं। आपकी माता को आरामदायक, कलात्मक और राजसी जीवन पसंद है। आपकी माता कला, संगीत और सांस्कृतिक उपलब्धियों को सराहती है और इसके साथ सहज महसूस करती है। आपकी माता को इन्टरनेट पर दूसरों से वार्ता करना पसंद है। आपकी माता को ज्ञानार्जन पसंद है।

आपकी माता का भाषण बुझा हुआ, अव्यवस्थित अपूर्ण, अस्पष्ट या द्विअर्थी हो सकता है।

आपकी माता जब ध्यान से निर्देशित होती है तो वह सदैव सही मार्ग पर चलती है। आपकी माता में अपने ज्ञान को दूसरों तक पहुंचाने की योग्यता है। आपकी माता खोज की यात्राओं के लिए सदैव तैयार रहती है। आपकी माता का मिजाज संभवतया ठीक न हो या वे आय जन को प्रभावित करने वाला करिश्मा न जानती हो। आपकी माता के बौद्धिक और समझदार लोगों से अच्छे तालुकात है। आपकी माता के लिए भाषा संबंधी समस्या के कारण बाहर के संदेश असाध्य हो सकते हैं। आपकी माता को एकान्त त्याग कर क्रियाशीलता का सहारा लेना चाहिए। आपकी विमाता या दूसरी माता हो सकती है पर वे आपकी उद्देश्य पूर्ति में सहायता करती है। आपमें आपनी माता के प्रति भावनाएं हैं, पर आपका ध्यान देना चाहिए कि वे सदैव नहीं करती जो उनके हित में हो। माता को यदा कदा भावनात्मक कष्ट देने के बावजूद आय उनके हित के लिए कार्य करते हैं। आपके मामले में आपकी माता जितना दखल देना चाहती थी इतना देने से वे सदैव प्रविरत रहीं।

आपके पिता घर या किसी आरामदाय स्थान पर अच्छा महसूस करते हैं। वे अपनों को बहुत ध्यान रखते हैं। वे मेहनती इन्सान हैं। वे भावुक हैं पर साहसिक कार्य करने में समर्थ हैं। उन्हें अपनी कार पसंद है। उन्हें जमीन जायदाद से लाभ प्राप्त हो सकता है। आपके पिता मेहमाननवाज है तथा उनके घर के दरवाजे उनके मित्रों के लिये हमेशा खुले रहते हैं। आपके पिता हमेशा बड़ी से बड़ी योजनाएं बनाते रहते हैं एवं यश प्राप्ति के लिये कार्य करते रहते हैं। आपके पिता में अत्यधिक सफलता प्राप्त की होगी। आपके पिता जिम्मेदारियों को पूरा करने में गर्व से फूल जाते हैं लेकिन मनोवैज्ञानिक रूप से परेशान रहने पर वे मुर्झा जाते हैं।

आपके पिता के जीवन में समृद्धी का समय आएगा।

आपके पिता कभी-कभी लोगों के लिए अत्यधिक समर्पित हो सकते हैं। आपके पिता को बार-बार स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। आपके पिता को जब प्यार व स्नेह दिये जाते हैं तो वे अत्यधिक वफादारी से इसका प्रति-उत्तर देते हैं। आपके पिता कभी कभी भावुक व भावप्रवण होने के कारण अव्यवहारिक निर्णय ले सकते हैं। आपके पिता के मिजाज की आकृति लगभग चन्द्रमा के समान जो कि घटती-बढ़ती रहती उसी के अनुसार आपके पिता कभी अत्यधिक कल्पनाशील व प्रगतिशील होते हैं तो कभी कम होते हैं।

आपके पिता जब सक्रिय मास्तिष्क से सोच रहे होते हैं जब सामाजिक पुनरुद्धार के विचारों पर बात कर रहे हो पढ़ रहे हों और चाहे तर्क-वितर्क कर रहे हों पर वे इन बाहरी क्रियाकलापों के बारे में इतनी जीवंतता से नहीं सोचते लेकिन अपने परिवार की खुशहाली की अत्यधिक परवाह करते हैं। आपके पिता दीर्घायु हो सकते हैं।

आपका किसी शुभचिंतक या पिता जैसी छवि वाले व्यक्ति के प्रति अत्यधिक सम्मान है। आप अपने पिता की आज्ञाओं का पालन करने की कोशिश करते हैं। आप अपने पिता से अत्यधिक प्रभावित होते हैं। बचपन में आपके पिता आपके लिये सबसे सशक्त आदर्श व्यक्ति होंगे तथा आप उनके साथ जितना हो सकता है उतना सम्बन्धों का आनन्द लेंगे। आप अपने पिता के पद



चिन्हों पर चलने वाले या किसी प्रसिद्ध आध्यात्मक या परामर्शदाता के शिष्य हो सकते हैं। आपके पिता के साथ आपके सम्बन्ध फायदेमंद होंगे तथा आपके बड़े बच्चे भाग्यशाली होंगे। आपके पिता के बीच सम्बन्धों में द्वन्द्वात्मक स्थिति हो सकती है। आप अपने पिता के घर से या उनके सम्पर्क से कुछ अनियंत्रित कारणों की वजह से दूर जा सकते हैं ये कारण या तो मनोवैज्ञानिक बदलाव की वजह से या फिर आपके किसी विशिष्ट उद्देश्य की पूर्ती हेतु जाने की वजह से हो सकते हैं। आप अपने पिता के सहायक हो सकते हैं लेकिन वे अपने रिश्ते में आपकी तुलना में ज्यादा समर्पित होंगे। आपके पिता आपके जीवन में बहुत लम्बे समय तक नहीं रह सकते।

आप के परिवार की महिलाएं विशिष्ट हैं। आपके परिवार की परिस्थितियां साधारण हो सकती हैं अथवा हो सकता है आपका परिवार आपको अच्छी शिक्षा देने में असमर्थ रहा हो। ऐसा सम्भव है कि आप बचपन में बीमार रहे हो आपके परिवार का वातावरण आपके लिये अत्यधिक अनुकूल है। आपका धरेलू जीवन शांतिपूर्ण है क्योंकि आप अत्यधिक सहनशील हैं। आपका चरित्र उच्च है आप अपने परिवार के मूल्यों व परम्पराओं का सम्मान करते हैं।

जो आपके कौशल की तारीफ करते हैं वे आपको गोद लिये बच्चे की तरह मानेंगे। आप एक स्थिर पारिवारिक जीवन में तटस्थ रहने की ओर प्रवृत्त होते हैं। आपकी कभी कभार अपने माता-पिता से भावनात्मक द्वन्द्व की स्थिति हो सकती है। आपके घरेलू व पारिवारिक जीवन में कुछ परेशानियां व विचित्र घटनाएं हो सकती हैं। आपके परिवार के साथ बिताये हुये प्रारम्भ के समय में कुछ अन्तराल हुये होंगे। आपके पारिवारिक जीवन में कुछ अव्यवस्थित हो सकता है। आप अपने परिवार के सदस्यों के प्रति कुछ चिढ़चिढ़े हो सकते हैं जिससे आपकी पत्नी प्रभावित हो सकती है।

आपके भाई-बहिन आपके मार्ग दर्शन तथा उच्च ज्ञान के स्तोत हो सकते हैं।

अगर आपके कोई बड़ा भाई या बहिन है तो उसके साथ आपके रिश्तों में कुछ कड़वाहट हो सकती है। आपके बड़े भाई बहिन कम होंगे या नहीं होंगे।

आप अपने बड़े भाई/बहिनों के जीवन में शामिल रहते हैं। आप धन के विषय में भाग्यशाली होंगे तथा अपने मित्रों व बड़े भाई/बहिनों के साथ खूब व्यवसाय करेंगे। आप अपने बड़े भाई/बहिनों से दूर रहेंगे। बड़े भाई/बहिन के साथ आपके संबंध बहुत अधिक मधुर नहीं होंगे। आपका बड़ा भाई/बहिन विदेशी संबंध से अपनी आजीविका कमा सकता/सकती है।

आपको छोटे भाई-बहिन उनकी गतिविधियों में शामिल होने से रोक सकते हैं।

आपके मां के परिवार वाले कुछ चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। आप अपने एक चाचाजी के बहुत करीब हैं। आपकी मां का मित्र आपका बहुत सहयोगी है।



आपका अत्यधिक प्रिय स्वभाव है। आप अपने प्रेम संबंधों में अत्यधिक भावुक व गहरे हैं। आपकी भावनाएं बहुत मजबूत हैं तथा आप उनके अनुसार कार्य करने की ओर प्रवृत्त होते हैं। आप बहुत छुपे ढंग से प्यार करते हैं। आप प्यार में अपनी स्वतंत्रता चाहते हैं। आप मेरे अपने रिश्ते को छुपाने की प्रवृत्ति हो सकती हैं या आप अपने मित्रों से अकेले में मिलना चाहते हैं। आप मेरे गोपनीय रिश्ते बनाने की प्रवृत्ति हो सकती हैं।

आप भावनाओं से परिवर्तित हो जाते हैं तथा आपकी मजबूत पसन्द व नापसन्द हैं। आपके रिश्ते लगातार अनेक चुनौतियों बाधाओं तथा बदलावों से गुजर सकते हैं। आपके प्रेम सम्बन्ध व विवाह हो सकते हैं। आप बहुत से व्यक्तियों की तरफ आसफल



हो सकते हैं तथा गलत संबंध बना सकते हैं। आप में तीव्र कामवासना है। आप अपनी सैक्स ऊर्जा को कुछ रचनात्मक कार्यों की ओर मोड़कर फायदे में रहोगे।

आपका वैवाहिक जीवन सौभाग्यशाली होगा।

आपके जीवन की समस्याएं प्रेम, सैक्स व विवाह से सम्बन्धित हो सकती हैं। आपके विवाह में देरी हो सकती है या आपका जीवनसाथी आप से समय से पहले बिछुड़ सकता है। आप यद्यपि अपने वैवाहिक सम्बन्धों को बनाये रखने के लिये प्रतिबद्ध हैं लेकिन आप ऐसे कार्य करते हैं जो कि आपके सम्बन्धों को कमज़ोर करते हैं। आपकी दो शादियां हो सकती हैं या आपकी एक साथ पती व प्रेमिका हो सकती है। आपके विवाहेतर सम्बन्ध हो सकते हैं। आपके वैवाहिक सम्बन्धों के अलावा अनैतिक सम्बन्ध हो सकते हैं। आप जब अपनी साथी से प्रशंसा व सहानुभूति की अपेक्षा करते हैं तब आप उसके प्रति कठोर हो सकते हैं। आपके प्रेम या सैक्स से सम्बन्धित कोई कष्टप्रद अनुभव हो सकते हैं। आप के वैवाहिक सम्बन्धों में अनेक परेशानियां हो सकती हैं जैसे प्रभुत्व का संघर्ष व दोषारोपण इत्यादि। आपका जीवनसाथी आपकी इच्छाओं का पालन नहीं करता।

आपके विवाह से सम्पन्नता आएगी। आप अपने वैवाहिक रिश्तों से आर्थिक लाभ उठायेगे तथा आपका वैवाहिक जीवन समृद्ध होगा।

आपके जीवनसाथी को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में व रिश्तों को लेकर।

आपके पति खुद को सजाना पसन्द करते हैं। आपका जीवनसाथी अच्छी वेशभूषा पहनता है। आपके पति उद्देश्यपूर्ण व एकाग्रचित होने के कारण उन चीजों में पूर्ण तटस्थ रहते हैं जिनसे उनका लेना देना नहीं है। आपके पति को स्वभाव का हठीलापन, अपनी योजनाओं को पूरा करने की ताकत देता है। आपका जीवनसाथी आत्मनिर्भर है व अनेक कार्यों में व्यस्त है। आपके पति स्वभाव से दृढ़ है। आपके पति शान से यात्रा करना पसन्द करते हैं-उनके भ्रमण अभियान विस्तृत व्यापार हैं।

आपका साथी एक अच्छा लेखक है।

आपके पति तुच्छ विषयों पर चिंतन करते हैं एवं यह उनके आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का कारण बन सकते हैं। आपके पति अत्यधिक आधिकारिक हो सकते हैं। आपका जीवन-साथी क्रोध-ग्रस्त हो सकता है। आपके जीवन-साथी की तुलना में निम्न-स्तरीय पृष्ठ-भूमि से होने की संभावना है।

आपके जीवन-साथी को अपने परिवार के स्त्री सदस्यों की ओर से संपत्ति लाभ होगा। आपके जीवन-साथी की सहभागिता अथवा उसका प्रभाव आपकी सफलता का एक महत्वपूर्ण अंग है।



आपके प्रभावशाली मित्र हैं। आपके मित्रों की आय किसी विदेशी संपर्क से है। आपके वश के परे की परिस्थितियाँ आपको अपने मित्रों से अलग कर सकती हैं। आप कुछ ही व्यक्तियों के साथ मित्रता का व्यवहार रखते हैं एवं संभवतः कुछ लोग जिनसे आप घनिष्ठ भी होना चाहते भी हैं, आपसे दूर हैं अथवा अग्रहणशील हैं। आपके अधिक मित्र नहीं हैं, परंतु जो हैं उनसे आप मित्रता बनाए रखते हैं।

आपके मित्र आयु में आपसे अधिक एवं/अथवा रुद्धिवादी स्वनिर्मित व्यक्ति हैं।



आप मैत्रीपूर्ण एवं सहायक स्वभाव के हैं। आप एक वास्तविक रूप से अच्छे मित्र होने के लिए अत्यधिक गोपनशील हैं। आपका अपने मित्रों से घनिष्ठ संबंध है एवं उनका आप पर काफी प्रभाव है। आपकी अभद्र भाषा के लिए मित्र आपको फटकार सकते हैं। आपकी सफल एवं प्रसिद्ध व्यक्तियों से मित्रता हो सकती है, परंतु उनसे अंतरंग संबंध रखना कठिन है।

आपके गुप्त प्रतिद्वन्द्वी अथवा शत्रु हों ऐसा संभव है जो आपकी जानकारी के बिना आपके विरुद्ध कार्य करें। आपके अधिकांशतः अप्रकट संघर्ष हो सकते हैं एवं हो सकता है कि आपके प्रतिद्वन्द्वी भी प्रत्यक्ष न हों। आपके शत्रु आपका लाभ उठा सकते हैं।

आपको सम्मान प्राप्त है। आप अन्यों को अधिकांश समय अत्यधिक तार्किक एवं काफी आसानी से प्रभावित होने वाले प्रतीत होंगे। आप अपने अच्छे आचरण एवं स्वस्थ प्रवृत्तियों के लिए जाने जाएंगे।

विपरीत समयावधियों में आपको लोकनिंदा प्रभावित कर सकती है।

आपको सामाजिक रूप से लोगों से मिलना-जुलना पसंद है। आप अन्य आध्यात्मिक प्रयासकों को अपने मार्ग से अवगत कराते हैं, भले ही वे उसका पालन करें अथवा नहीं, आप यह कार्य सेवा भावना से करते हैं।

जब भी आप किसी असहाय परिस्थिति में फंस जाएंगे आपको प्रायः सहायता मिलेगी। आपका लोगों के साथ संपर्क समस्या-रहित होता है। आपके लिए लोगों का सहयोग सदा उपलब्ध है। आपके लिए मुक्ति का अर्थ, अच्छी संगति में रहना एवं ऐसे लोगों का संग है जो कभी-कभी आपके भावावेश उबाल को उलट दें। जिन्होंने आपको आघात पहुँचाया वे भी कठिनाईयों से गुज़रते हैं।

आप विदेशों में भाग्य बनायेंगे। विदेशियों के साथ सम्पर्क आपके लिए लाभदायक होगा व आपके क्षितिज को विस्तृत करेगा।



आप अपने सबसे बड़े प्रयास व महत्वाकाङ्क्षा को पूर्ण होते हुए देखेंगे। आप धनी बनना सही समझते हैं अतः कई बार आप अपनी सफलता का दिखावा करेंगे। आप बड़े कार्य करने के स्वप्न देखते हैं। आप अपने पेशे के लिए कड़ा परिश्रम करते हैं परन्तु मध्य मार्ग में ही आप अपनी जीवन वृत्ति से उखड़ जाते हैं।

आपको पुरानी पारम्परिक वस्तुओं से अपनी जीविका में मदद मिलेगी। आप एक श्रेष्ठ शिक्षक बन सकते हैं। आप सतर्क व अच्छे शोध कर्ता हैं। आप अच्छे चिकित्सक, औषधज्ञ व अनुसंधानकर्ता बन सकते हैं।

अपका कार्य विदेशों से सम्बन्धित होगा।

आप ग्रहणशील हैं तथा व्यापारिक बन्धुओं से सफलतापूर्वक व्यवहार करते हैं। आप बड़े व्यावसायिक क्षेत्र में सौदे कर सकते हैं। आप अपने व्यापारिक क्रियाओं में श्रेष्ठ होंगे। आप सर्वश्रेष्ठ व्यापारी हैं।

आप व आपके भागीदार के मध्य सांस्कृतिक दूरी है। भागीदार अपनी व्यक्तिगत जीवन के बारे में खुले नहीं होंगे।

आपमें बाजारोपयोगी कला है अतः आपको आपकी आजीविका के बारे में चिन्तित होने की आवश्यकता नहीं। आप



खरीदने-बेचने में लिप्त होंगे। आप एक सावधान व्यवसायी हैं।

आपके मालिक व शिक्षक विदेशी हो सकते हैं।

आपको सहयोगी या नौकर मिलेंगे। अधीनस्थ सहायक व ईमानदार होंगे। आप अपने कर्मचारियों से अपनी जैसी बुद्धि व परिश्रम चाहेंगे। इससे आप असंतुष्ट, चिढ़ चिढ़े रहेंगे तथा उन पर दबाव बढ़ाएंगे जिससे वो नकारा हो जाएंगे।

आप कार्य व परिवार की जिम्मेदारी दायित्वपूर्ण तरीके से निभाते हैं। आपका व्यावसाय ही आपका पेशा है। आप काम पसंद हो सकते हैं। आप आर्थिक सफलता प्रसिद्धि तथा स्वयं को पहचानने में अन्तर्मां की आवाज को सुनते हैं। आपको कठिन कार्यों के लिये प्रयास, योजना व अनवरत संलग्नता दर्शानी होगी।

आपके विचारों को सुनने वालों में वृद्धि होगी। आपकी उन्नति में आपके पूर्व संस्कार आपकी सहायता करेंगे। आप अपनी शक्ति व संबंधों से समाज में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त करेंगे। आप सार्वजनिक जीवन में एक बहुत सम्मानजनक स्थान प्राप्त करेंगे। आप जीवन में कहाँ से प्रारम्भ करते हैं इससे कोई अन्तर नहीं पड़ता, आप सफल होंगे और उच्च एवं प्रभावशाली पद प्राप्त करेंगे। आप जीवन में उच्च स्थान प्राप्त करेंगे क्योंकि आप अपने नैतिक मूल्यों और स्थिर आध्यात्मिक सिद्धान्तों को अपनी प्रतिष्ठा का आधार बनायेंगे। आपके प्रयास सफल होते हैं और आपके अवसर सफलता में परिवर्तित हो जाते हैं। आप अपने गहन ज्ञान के कारण अन्ततः सफल होंगे और दूसरे भी आपके ज्ञान को उपयोगी पायेंगे। आपका सुसंघटित व्यक्तित्व आपको बहुत लोकप्रिय एवं सफल बनाता है।

**अधिकांशतः**: 36 वर्ष की आयु से पूर्व आपको आघात लग सकते हैं और आपकी ख्याति में चुनौतियां आ सकती हैं। आपके मस्तिष्क में विद्यमान लक्ष्यों को संभवतः आप प्राप्त नहीं करेंगे। आपके विदेशों में संपर्क हैं और आप आयात-निर्यात व्यवसाय में उत्कृष्ट सिद्ध होंगे। आप जहाँ तक धन और काम का संबंध है अपनी मातृ-भूमि की अपेक्षा विदेश में अच्छा काम करेंगे।



**संभवतः**: आपको एक अच्छी विरासत मिलेगी।

आपका स्वयं को अद्यतन और योग्यतापूर्ण रखना, आपकी इच्छाओं की पूर्ति व सुचारू नकद प्रवाह को सुनिश्चित करता है। आपके वित्त संसाधनों में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। कभी-कभी धन स्वयं आता प्रतीत हो सकता है। धन का आसान प्रवाह होगा।

आप जितने अमीर दिखते हैं, कभी-कभी वास्तविकता वैसी नहीं है। आपका समृद्धिकारी अवसरों को प्राप्त करने में अनुशासन और अनवरत प्रयास आपको अच्छी आय और अन्त में अचल संपत्ति दिलायेगा। आपके लिए घर पर कमाना बहुत कठिन है।

आपके वित्तीय प्रयास फलदायक होते हैं। आप स्वयं व दूसरों को, ऋण और करों से मुक्ति दिलाने के उपाय ढूँढ़ने का प्रयास करते हैं।

आप की धन संपदा और संपत्ति समयान्तराल में बढ़ेगी। जीवन में प्रारंभिक सीमाएं आय संचय कठिन बनाती हैं।



आपको साधारण विनियोजन, जैसे स्टॉक्स, बॉण्ड्स, उपयोगी वस्तु और म्यूचूअल फंड से बचना चाहिए।

आप किसी भी प्राकृतिक उत्पाद जैसे भोज्य पदार्थ पशु, पौधे और तरल पदार्थ के व्यवसाय में अच्छा काम कर सकते हैं। आप की प्रवृत्ति योजनाएं या अवैध तरीके अपनाकर धनोपार्जन करना है और इसलिए आप कानूनी झंझट में पड़ सकते हैं।

आप अपनी अनौपचारिकता में स्वच्छ हवा का एक झौंका हो सकते हैं किन्तु बिना धन संपत्ति एवं सहयोग के कारण नीरस, सांसारिक कार्यों के शाब्दिक या लाक्षणिक दुष्क्रम में फंस सकते हैं। आप ऋण भुगतान हेतु कार्य करने के लिए बाध्य हैं।

आप ज़मीन-जायदाद या अन्य संपत्ति का स्वामित्व प्राप्त करेंगे जो आपको सुखप्रद जीवन प्रदान करेगा। आपके लिए मकान, भूमि एवं संपत्ति का विकास अत्यन्त शुभ है।

आप भावावेशित और अत्यधिक व्यय करने के लिए प्रवृत्त हैं। आप धन की अधिक चिन्ता नहीं करते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि संसाधनों के संचयन के स्थान पर उनका विक्षेपन होगा। आप अपने धन का प्रयोग धर्मार्थ कार्यों पर कर सकते हैं। गाड़ी, उपकरण आदि में यांत्रिक समस्याओं के कारण अत्यधिक निराश हो सकते हैं, और अनावश्यक व्यय कर सकते हैं। आप या आपका जीवन साथी ज्ञान और शिक्षा पर व्यय करते हैं। आप लाभ प्रद निवेश करने में कुशल हैं, किन्तु आपको व्यय आधिक्य के प्रति सजग रहना होगा।

आप अपने साझेदार पर बहुत धन व्यय करते हैं। आपको ऋण लेने एवं क्रेडिट कार्ड का प्रयोग करने में सावधान रहना चाहिए। आप अपने साधनों से अधिक व्यय करते हैं। आप आय और व्यय के संतुलन को कठिनाई से नियंत्रित कर सकेंगे और परिणामतः आप प्रायः स्वयं को ऋण से ग्रस्त पायेंगे। आप स्वयं को बारम्बार ऋण ग्रस्त पायेंगे अथवा अनुचित निर्णय और कार्य के कारण सुअवसरों को खो देंगे। जुआ खेलने से आप कुण्ठाग्रस्त हो सकते हैं। अपने उद्देश्यों की पूर्ति में आप को सावधान रहना चाहिए कि एक बड़ा जोखिम आपकी संपत्ति में बड़ी हानि उत्पन्न कर सकता है। आप धन व्यय कर सरलता से समस्याओं के निदान का प्रयास कर सकते हैं जबकि मात्र पूर्व में उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग ही आवश्यक है।



आपके अनेक उत्तम आध्यात्मिक गुण हैं और जीवन के भावातीत प्रकृति के अन्वेषण की सुनिश्चित प्रतिभा हैं। आप संभवतः आध्यात्मिक रूप से बहुत प्रवृत्त हैं व स्वयं से जीवन की वास्तविकता के विषय में गहन प्रश्न करते हैं और आध्यात्मिक क्रियाओं के माध्यम से जीवन के कष्टों से मुक्ति प्राप्त करने हेतु दृढ़ संकल्प हैं। आप कानून का पालन गहनता से करते हैं एवं सच्ची धार्मिक आकांक्षाओं से युक्त हैं। आप अपने मार्ग में अनवरत प्रयास करते हैं।

आप एक गहन विचारक हैं जो माया के आवरण को भेद सकते हैं एवं अस्तित्व के गहन शाश्वत् सत्य को अनावरत कर सकते हैं। आप सत्यनिष्ठ एवं दार्शनिक हैं।

आप आध्यात्मिक प्रवृत्तियों के स्वामी हो सकते हैं और ज्ञान प्राप्ति की इच्छा कर सकते हैं। आप का मस्तिष्क संपूर्णता से भरा हुआ हो सकता है। आप पुनर्जन्म एवं दीर्घायु के रहस्यों पर चिन्तन मनन करते हैं। आप अपनी गुप्त शक्तियों को विकसित करने में प्रवृत्त हैं। आप यदि ध्यान के मार्ग पर अग्रसर होते हैं तो आप एक विदेशी मूल का गुरु प्राप्त करेंगे।

आपकी रुचि गहन आध्यात्मिक ज्ञान में है। यह संभव है कि आपकी रुचि प्राचीन रहस्य, पुरातत्व एवं इतिहास में हो। आप भौतिक वस्तुओं के प्रति अधिक आसक्त नहीं रहते हैं। हानि एवं मृत्यु प्रायः सकारात्मक व आध्यात्मिक संदर्भ में देखी जाती है।



विशेषरूप से भद्रता अथवा धार्मिक भक्ति प्रदर्शन में, आपकी अवास्तविक अथवा पाखण्डपूर्ण प्रवृत्ति हो सकती है।

आप धार्मिक एवं भक्तिपूर्ण हैं। आप धार्मिक स्थानों की ओर आकर्षित होते हैं। आप यदि हिन्दु धर्म का अनुसरण करते हैं तो आप विष्णु के उपासक हो सकते हैं। आप सम्मानीय हैं एवं पारंपरिक धर्म का सम्मान करते हैं। आप आध्यात्मिक रूप से प्रवृत्त हो सकते हैं एवं धार्मिक प्रवृत्ति से संपन्न हो सकते हैं।

आप के जीवन में गंभीर संदेह और अनास्तिकता के अंतराल आ सकते हैं। आप धार्मिक मूल्यों के प्रति प्रशंसक नहीं हैं। आप धर्म एवं आध्यात्म के विषय में उदार हो सकते हैं और रुढ़िवादी तथा विशुद्धिवादी व्यक्तियों के प्रति आघात कर सकते हैं।



आपको दूर की यात्राएं पसंद हैं। आपको कुछ सुदूर यात्राएं ज्ञान और सुसंस्कृत बनाएंगी। आप विदेश यात्रा पर जा सकते हैं। आप ज्ञानार्जन और संवाद प्रवीणता के लिए यात्राएं करते हैं। आप आध्यात्मिक या ऐतिहासिक ज्ञान के लिए यात्रा करेंगे। आप उच्चतर ज्ञान हेतु यात्राएं करेंगे। आप धार्मिक यात्राएं कर सकते हैं। आपकी मृत्यु संभवतः विदेश में होगी।



आप जो कुछ भी प्राप्त करते हैं वह मूल्यवान हो जाता है।

आप भय व खतरों से मुक्त जीवन के लिए कोई भी तरीका अपना सकते हैं। जब बाधाएं खत्म हो जाएंगी तब खुशियां आएंगी। सामाजिक बंधनों व कुरीतियों की तोड़ते हुए मृत्यु के प्रति आकर्षण हो सकता है। आपके बचपन में आपने विपरीत परिस्थितियों का सामना किया।

आप बाधाओं व देरी का अनुभव कर सकते परन्तु लेकिन सत्य यह है कि आप जो चाहते हैं उसे देरी से ही सही प्राप्त कर लेते हैं। आप दोहरा जीवन जी सकते हैं। आप दूसरों के कार्यों में हस्तक्षेप करने से बचते हैं हाँलांकि इस कारण आप दूसरों की मदद करने के मौकों को गंवा देते हैं। आपकी जीवन शक्ति संवेदनशील है तथा जीवन में आपको एक बार ऐसे समय से गुजरना पड़ सकता है जहां आपके जीवन का संगठन खतरे में हो। आपको अपने अन्दर की ऊर्जा का उपयोग करने के बारे में सावधान रहना चाहिए।

आप एक भाग्यशाली व्यक्ति हैं।

आपके कार्य कई बार आपके लिए हानिकारक हो सकते हैं।

निवेश के मामलों में आप भाग्यशाली हैं। आपका भाग्य वित्त को लेकर कमज़ोर हो सकता है, विशेष रूप से वह धन जो आपने दूसरों से उधार लिया है। आप अच्छे जीवनसाथी, भाई-बहिन, मित्रों व बच्चों की तरफ से भाग्यशाली हैं। आप सामान्यतः भाग्यशाली हैं, विशेष रूप से संचार, सम्बन्ध व अल्पावधि की क्रियाओं को लेकर। आप सिद्धान्तों, सद्कार्यों, ईमानदारी एवं



पारिवारिक खुशी को लेकर भाग्यशाली हैं। आपको अपने पिता से विरासत प्राप्त होगी। किसी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त करेंगे एवं शिक्षा के क्षेत्र में सम्मान प्राप्त करेंगे तथा कई अन्य तरीकों से भाग्य आपके साथ होगा।

आपका लेखन कभी-कभी आपको परेशानी में डाल सकता है।

अभाव ग्रस्त एवं जरुरतमंद लोगों की निःस्वार्थ सेवा करना आपको भँवर जाल से बचाने के लिये आपकी कल्पना से अधिक फल प्रदान करेगा।

माणिक्य, पुखराज, मोती, सुनहला, लाल सुजलाइट व लाल तामड़ा आपके लिए लाभदायक हैं।



## गोचर फल

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (13 जनवरी 2026 03:57:50 से 6 फरवरी 2026 01:11:24)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है। आप अपनी विवितीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं। आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं। आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा हैं। आपके सहयोगी व परिचारों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा। इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा। आप इस समय अच्छे वस्तु पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं। आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है। यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है। आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं।

फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो। आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है। शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं। हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का तृतीय भाव से गोचर (14 जनवरी 2026 15:07:05 से 13 फरवरी 2026 04:08:43)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके व्यवसाय एवम् व्यक्तिगत जीवन में सुख व सफलता का है। व्यवसाय में आपकी उन्नति के सुअवसर हैं। आपको आपके अच्छे कार्य व उपलब्धियों हेतु राजकीय पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।

समाज में आपको और भी अधिक सम्माननीय स्थान प्राप्त हो सकता है। परिवार के सदस्य, मित्र व परिचित व्यक्ति आपको सहज स्वार्थरहित स्नेह देंगे तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी।

व्यक्तिगत जीवन में आप स्वयं को मानसिक व शारीरिक रूप से इतना स्वस्थ अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा। इस दौरान धन लाभ भी होगा। जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक व उत्साहपूर्ण होगा। बच्चे जीवन में विशेष आनन्द का स्तोत होंगे। कुल मिलाकर सुखमय समय का वरदान मिला है।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का तृतीय भाव से गोचर (16 जनवरी 2026 04:28:18 से 23 फरवरी 2026 11:50:08)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह शुभ समय का प्रतीक है, विशेष रूप से धन लाभ हेतु। इस काल में आप अपने व्यापार व व्यवसाय से अच्छा धन कमाएँगे। इस समय आपके मूल्यवान आभूषण क्रय करने की भी संभावना है।

कार्य सरलतापूर्वक सम्पन्न होंगे व महत्त्वपूर्ण मामलों में सफलता की संभावना है। नए प्रयासों में भी आपको सफलता मिलेगी। यदि आप सेवारत हैं तो अधिक अधिकार व प्रतिष्ठा वाले पद पर पदोन्नत हो सकते हैं। सफलता के फलस्वरूप आपके आत्मविश्वास व इच्छाशक्ति को अत्यंत बल मिलेगा।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप शक्ति व स्वास्थ्य से दमकते रहेंगे। आपका उत्साह चरम सीमा पर होगा और पूर्व की समस्त भ्रांतियों और बाधाओं से आपको मुक्ति मिल सकती है। यह समय अत्यंत सुखादु भोजन के सेवन के अवसर प्रदान कर सकता है।

शत्रुओं की पराजय होगी और आपको मानसिक शान्ति मिलेगी।

विदेश यात्रा से बचें क्योंकि इस समय वांछित परिणाम प्राप्त होने की संभावना नहीं है।

**जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (17 जनवरी 2026 10:23:51 से 3 फरवरी 2026 21:51:48)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है। आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है। किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें। फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी। वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है। धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुनः एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भींग सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (3 फरवरी 2026 21:51:48 से 11 अप्रैल 2026 01:15:51)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह जीवन के हर क्षेत्र में उत्तेजना का सूचक है। व्यक्तिगत रूप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा। समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे।

वित्तीय रूप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रूप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है। आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है। आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है। आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर (6 फरवरी 2026 01:11:24 से 2 मार्च 2026 00:56:50)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का द्योतक है। आप समृद्धि बढ़ने की आशा कर सकते हैं। यदि आप कृषि व्यवसाय में हैं तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है।

घर में आपका बहुमूल्य समय पत्नी/पति व बच्चों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है। साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे।

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा। आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है। आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं। इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे। इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का चतुर्थ भाव से गोचर (13 फरवरी 2026 04:08:43 से 15 मार्च 2026 01:02:48)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके वर्तमान सामाजिक स्तर व कार्यालय में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने में कठिनाई का है क्योंकि इसमें गिरावट के संकेत हैं। अपने से वरिष्ठ अधिकारी शुभचिन्तकों व परामर्शदाताओं से विवाद से बचें।

वैवाहिक जीवन में तनाव व दाम्पत्य सुख में यथेष्ट कमी आ सकती है। गृह शान्ति के लिए परिवार के सदस्यों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें।

यह संकट अवसाद व चिन्ताओं का समय सिद्ध हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति विशेष सर्वत्र रहें तथा रोग से बचाव व नशे से दूर रहना आवश्यक है।



इस काल में यात्रा बाधा दौड़ हो सकती है। अतः उसके अपेक्षित परिणाम नहीं निकल सकते।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल का चतुर्थ भाव से गोचर (23 फरवरी 2026 11:50:08 से 2 अप्रैल 2026 15:29:21)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आपके जीवन के कुछ भागों में कठिनाई उत्पन्न करेगा। आपमें से अधिकांश को पुराने शत्रुओं को नियंत्रित रखने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। कुछ नए शत्रुओं से भिड़ने की भी संभावना है जो आपके परिवार व मित्रों की परिधि में ही होंगे। आपमें से कुछ की दुष्टजनों से मित्रता हो सकती है जिनके कारण बाद में कष्ट झेलने पड़ सकते हैं। अपने व्यवहार पर नजर रखें क्योंकि इस काल में यह कूर हो सकता है।

फिर भी आपमें से कुछ का शत्रुओं से किसी प्रकार का समझौता हो जाएगा।

स्वास्थ्य के प्रति अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि इस समय आपको ज्वर होने अथवा छाती में बेचैनी होने की संभावना है। आपमें से कुछ रक्त व पेट के रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं।

मानसिक रूप से आप विनित रह सकते हैं तथा विषाद के दौर से गुजर सकते हैं।

इस काल में रिश्ते आपसे विशेष अपेक्षा रखेंगे। अधिक दुःख से बचने के लिए अपने परिवार व अन्य सम्बन्धियों से शान्तिपूर्ण व्यवहार रखें। अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा व सम्मान को किसी प्रकार की ठेस न लगाने दें।

इस समय भूमि व अन्य जायदाद सम्बन्धी मामलों से दूर ही रहें।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का पंचम भाव से गोचर (2 मार्च 2026 00:56:50 से 26 मार्च 2026 05:09:04)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकांश समय आमोद - प्रमोद में व्यतीत होने का सूचक है। वित्तीय रूप में भी यह अच्छा समय है क्योंकि आप अपने धन में वृद्धि कर सकेंगे।

यदि आप राजकीय विभाग द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में परीक्षार्थी हैं तो बहुत करके आपको सफलता मिलेगी।

यदि सेवारत हैं तो पदोन्नति की संभावना है। आप सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि की भी आशा रख सकते हैं। आपके मित्रों, आपके बड़ों व अध्यापकों की भी आप पर कृपा दृष्टि रहेगी व आपके प्रति अच्छे रहेंगे।

सम्बन्धों के मधुरता से निर्वाह होने की आशा है और अपने प्रिय के साथ अत्यधिक उत्तेजना व जोशीला परिणय रहने की आशा है। आप दाम्पत्य जीवन के सुख अथवा किसी विशेष विपरीत लिंग वाले से शारीरिक सम्पर्क की आशा कर सकते हैं। आप परिवार के किसी नए सदस्य से मिल सकते हैं। यहाँ तक कि नए व्यक्ति को परिवार में ला सकते हैं।

इस समय स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा। इस अवधि में आप अच्छे भोजन का आनन्द उठाएँगे, धन लाभ होगा और जिन वस्तुओं की आपने कामना की थी वे मिलेंगी।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का पंचम भाव से गोचर (15 मार्च 2026 01:02:48 से 14 अप्रैल 2026 09:32:23)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ेगा। यह समय विशेष रूप से आर्थिक चुनौतियों व मानसिक शान्ति में विघ्न पड़ने का सूचक है। अपने व्यवसाय व कार्यालय में भी आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी जिससे आपके अधिकारीगण आपके कार्य से अप्रसन्न न हों। कार्यालय में अपने से ऊँचे पदाधिकारी व मालिक से विवाद से बचें। कुछ सरकारी मसले आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकते हैं। इस काल में कुछ नए लोगों से शत्रुता भी हो सकती है।

संभव है कि आप स्वयं को अस्वस्थ अथवा अकर्मण्य अनुभव करें। अतः स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। आपके स्वभाव में भी अस्थिरता आ सकती है।

संतान से सम्बन्धित समस्याएँ चिन्ता का विषय बन सकती है। ऐसे किसी भी विवाद से बचें जो आप व आपके पुत्र के बीच मतभेद का कारण बने। आपके परिवार का स्वास्थ्य भी हो सकता है। उतना अच्छा न रहे जितना होना चाहिए। मानसिक चिन्ता, भय व बैचैनी आपके ऊपर हावी होकर कुप्रभाव डाल सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का षष्ठ भाव से गोचर (26 मार्च 2026 05:09:04 से 19 अप्रैल 2026 15:46:39)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह गोचर आपके लिए कुछ कठिन समय ला सकता है।



आपके प्रयासों में अनेक परेशानियाँ आ सकती हैं। शत्रुओं के बढ़ने की संभावना है और आपका अपने व्यावसायिक साझेदार से झगड़ा हो सकता है। यह भी संभव है कि आपको अपनी इच्छा के विरुद्ध शत्रुओं से समझौता करना पड़े।

इस दौरान पत्नी व बच्चों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें। आपको यह भी सलाह दी जाती है कि लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आप रोग, मानसिक बेचैनी, भय तथा असमय यौन इच्छा से ग्रसित हो सकते हैं।

समाज में प्रतिष्ठा व कार्यालय में सम्मान बनाए रखने का इस समय भरसक प्रयास करें नहीं तो आपको अपमान, व्यर्थ के विवाद व मुकदमेबाजी झेलना पड़ सकता है।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल का पंचम भाव से गोचर (2 अप्रैल 2026 15:29:21 से 11 मई 2026 12:38:24)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह जीवन में क्षुब्धिता व अस्त-व्यस्तता का प्रतीक है। अपने व्यय जितना सम्भव हो, कम करना बुद्धिमत्तापूर्ण होगा क्योंकि इस काल में धन और व्यय का नियंत्रण आपके हाथ से निकल सकते हैं।

बच्चों का विशेष ध्यान रखें क्योंकि वे रोग-ग्रस्त हो सकते हैं। अपने और अपने पुत्र के बीच अनबन न होने दें क्योंकि यह कष्टकारक हो सकती है।

शत्रुओं से सावधानीपूर्वक भली भाँति निपटें और नए शत्रु न बन जाएँ, इसके प्रति विशेष सतर्कता बरतें। शत्रु इस विशेष अवधि में आपके और अधिक संताप का कारण बन सकते हैं।

स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आप उत्साहीन, कमजोरी व हरारत अनुभव कर सकते हैं। आपमें से कुछ किसी ऐसे रोग से ग्रस्त हो सकते हैं जिसकी पूरी जाँच करानी पड़ेगी। अपनी भोजन सम्बन्धी आदतों पर भी ध्यान दें।

आपमें से कुछ के व्यवहार में परिवर्तन आ सकता है। आपमें से कुछ क्रोधी, आशंकित व अपने प्रियजनों के प्रति उदासीन हो सकते हैं जो आपकी सामान्य प्रकृति के विरुद्ध है। आपमें से कुछ अपनी शान व प्रसिद्धि भी गँवा सकते हैं। व्यर्थ की आवश्यकताओं का उभरकर आना व कुछ अनैतिक कार्यों का प्रलोभन आपमें से कुछ को परेशानी में डाल सकता है। आप इस दौरान परिवार के सदस्यों से झगड़ा करने से बचें।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (11 अप्रैल 2026 01:15:51 से 30 अप्रैल 2026 06:52:20)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है। इस विशेष अवधि में आप अपनी पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें। यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें। अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें।

स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है। खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं। ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो।

मानसिक रूप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है। यदि आप विद्यार्थी हैं तो वह निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का षष्ठ भाव से गोचर (14 अप्रैल 2026 09:32:23 से 15 मई 2026 06:21:46)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताओं का है। आप धन प्राप्ति से बैंक खाते में वृद्धि, समाज में उच्च स्थान व जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन की आशा कर सकते हैं। यह समय आपकी वित्तवृत्ति हेतु सर्वश्रेष्ठ है। आपकी पदोन्नति हो सकती है व सबसे ऊँचे पदाधिकारी द्वारा आपका सम्मान किया जा सकता है। आपके प्रयासों की सराहना व अपने वरिष्ठ अफसरों से अनुकूल सम्बन्ध इस काल की विशेषता है। शत्रु आपके जीवन से खदेड़ दिए जाएंगे।



जहाँ तक स्वास्थ्य का प्रश्न है, आप रोग, अवसाद, अकर्मण्यता व चिन्ताओं से मुक्त रहेंगे। आपके परिवार का स्वास्थ्य भी इस काल में उत्तम रहेगा।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का सप्तम भाव से गोचर (19 अप्रैल 2026 15:46:39 से 14 मई 2026 10:53:32)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह स्थियों के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों के समय का घोतक है। स्थियों के साथ किसी भी मुकदमेबाजी से दूर रहें व पत्नी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाएं रखें। यह ऐसी महिलाओं के लिए विशेष रूप से अस्वस्था का समय है जिनकी जन्मपत्री में शुक्र सातवें भाव में है। आपकी पत्नी अनेक स्त्री रोगों, शारीरिक पीड़ा, मानसिक तनाव आदि से ग्रसित हो सकती हैं।

धन की वृष्टि से भी समय अच्छा नहीं है। वित्तीय नुकसान न हो अतःस्थियों के सम्पर्क से बचें।

आपको यह अगीस भी होसकता है कि कुछ दृष्ट मित्र आपका अनिष्ट करने की चेष्टा कर रहे हैं। व्यर्थ की महिलामंडली के साथ उलझाव संताप का कारण बन सकता है। यह भी संभावना है कि किसी महिला से सम्बन्धित झगड़े में पड़कर आप नए शत्रु बना लें।

इस समय आपके मानसिक तनाव, अवसाद व क्रोध से ग्रसित होने की संभावना है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप यौन रोग, मूत्र-नलिका में विकार अथवा दूसरे छोटे-मोटे रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं।

व्यावसायिक रूप में भी यह समय सुचारू रूप से कार्य - संचालन का नहीं है। दृष्ट सहकर्मियों से दूर रहें क्योंकि वे उन्नति के मार्ग में रोड़े अटका सकते हैं। आपको अपने उच्च पदाधिकारी द्वारा सम्मान प्राप्त हो सकता है।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (30 अप्रैल 2026 06:52:20 से 15 मई 2026 00:31:50)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा। इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा। यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है। आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है। आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से विंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती हैं।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें। अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें। शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल का षष्ठ भाव से गोचर (11 मई 2026 12:38:24 से 20 जून 2026 23:59:19)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके छठे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह शुभ समय का सूचक है। आप पाएँगे कि इस काल में आप धन, स्वर्ण, मूँगा, ताँबा प्राप्त करेंगे, धातु व अन्य व्यापार में आपको अप्रत्याशित लाभ होगा। यदि आप कहीं सेवारत हैं तो आप जिस पदोन्नति व सम्मान की इतनी प्रतीक्षा कर रहे हैं, वह आपको अपने कार्यालय में प्राप्त होगा। आपमें से अधिकांश को अपने कार्य में सफलता मिलेगी।

हर ओर आर्थिक दशा में सुधार से आप सुरक्षा, शान्ति व सुख अनुभव कर सकते हैं। आपको इन दिनों पूर्ण मानसिक शान्ति मिलेगी व आपको लगेगा कि आप भयमुक्त हैं।

यह शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने का भी समय है। यदि आपके ऊपर कोई कानूनी मुकदमा चल रहा है तो फैसला आपके पक्ष में हो सकता है। आपके अधिकांश शत्रु पीछे हूट जाएँगे और विजय आपकी होगी। समाज में आपको सम्मान व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। आपमें से कुछ इस समय दान-पूण्य के कार्य भी करेंगे।

इस काल में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। सारे पुराने रोगों व पीड़ाओं से मुक्ति मिलेगी।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का अष्टम भाव से गोचर (14 मई 2026 10:53:32 से 8 जून 2026 17:42:45)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अच्छे समय का प्रतीक है। इस विशेष समय में आप भौतिक सुख-साधनों की आशा कर सकते हैं तथा पूर्व में आई विपत्तियों पर विजय पा सकते हैं। आप भूमि जायदाद व मकान लेने के विषय में विचार कर सकते हैं।

यदि आप अविवाहित युवक या युवती हैं तो अच्छी वधु / वर मिलने की आशा है जो सौभाग्य भी लाएगी / लाएगा। इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गुजरेगा। अतः आप मनोहारी व सुन्दर महिलाओं का साथ पाने की आशा रख सकते हैं।

**स्वास्थ इस दौरान अच्छा रहेगा।**

यदि आप विद्यार्थी हैं तो और अधिक उन्नति करेंगे। आपकी प्रखरता की ओर सबका ध्यान जाएगा अतः सामाजिक वृत्त में आपका मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

**व्यवसाय हेतु अच्छा समय है।** व्यापार व व्यवसाय शुभ - चिन्तकों व मित्रों की सहायता से फूलेगा। किसी राजकीय पदाधिकारी से मिलने की संभावना है।

**जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (15 मई 2026 00:31:50 से 29 मई 2026 11:11:41)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है। यह रोग का सूचक है। आपको इस समय शरीर में दर्द व कजमोरी झेलनी पड़ सकती है।

मानसिक रूप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं। यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है। अपनी पत्नी/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें। ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं। यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का सप्तम भाव से गोचर (15 मई 2026 06:21:46 से 15 जून 2026 12:52:44)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह कष्टप्रद यात्रा, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताएँ तथा व्यापार में मंदी का सूचक है। कार्यालय में अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें। कार्यालय अथवा दैनिक जीवन में कोई नए शत्रु न बने इसके प्रति विशेष सावधान रहें।

व्यापार में इस काल में गतिरोध आ सकता है या धक्का लग सकता है। आपको अपने प्रयास बीच में ही छोड़ने के लिए विवश किया जा सकता है। उस उद्देश्य अथवा लक्ष्य प्राप्ति में इस अवधि में बाधाएँ आ सकती हैं जिसे पाना आपका सपना था।

अपने जीवनसाथी के शारीरिक कष्ट, विषाद व मानसिक व्यथा आपकी चिन्ता का कारण बन सकते हैं। आपको स्वयं भी स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि आप पेट में गडबड़ी, भोजन से प्रत्यूर्जता (एलर्जी) विषाक्त भोजन से उत्पन्न बीमारियाँ अथवा रक्त की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। बच्चों का स्वास्थ्य भी चिन्ता का कारण हो सकता है। इसके अतिरिक्त आप इस अवधि में थकान महसूस कर सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (29 मई 2026 11:11:41 से 22 जून 2026 15:30:21)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है। यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा। यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है। आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा। लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी। संतान से सुख मिलने की संभावना है। परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है। इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी। आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे। आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं।



परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं। खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें।

#### **जन्म चंद्रमा से गुरु का नवम भाव से गोचर (2 जून 2026 01:49:46 से 31 अक्टूबर 2026 12:02:02)**

इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके नवें भाव मैं होते हुए गोचर करेगा। यह धन व वित्तीय लाभ का सूचक है। आप व्यापार व व्यवसाय में लाभ, कार्यालय में अधिकारपूर्ण पद, उद्यम में सफलता व अपने वरिष्ठ अधिकारियों से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं। यह लेखकों, प्रकाशकों, व्याख्याताओं व पुस्तकों के क्षेत्र से सम्बन्धित सभी के लिए अच्छा समय सिद्ध हो सकता है।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा समय है। आपको सम्मान मिलने की संभावना है, आपकी प्रतिष्ठा बढ़ती चली जाएगी। धार्मिक कृत्यों में सर्वोपरि रुचि होगी और आप इतने धार्मिक कार्यों में भाग लेंगे जितना संभव हो सकता है। आपको संतों का संग भी मिलेगा और आप सत्कार्यों पर धन व्यय करने को तत्पर रहेंगे।

धन व आर्थिक लाभ मानों हर ओर से, हर संभव स्तरों से प्रवाहित होकर आता रहेगा। आप कृषि भूमि या अन्य अचल सम्पत्ति क्रय करने के विषय में सोच सकते हैं।

अविवाहित अपनी इच्छा के अनुरूप पात्र से विवाह के विषय में सोच सकते हैं और संतान की इच्छा रखने वालों के लिए भी यह उचित समय है। आपमें से अधिकांश बहुत बढ़िया भोजन व शारीरिक ऐशोआराम का आनन्द लेंगे।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप सुदूर यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (8 जून 2026 17:42:45 से 4 जुलाई 2026 19:13:41)**

इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके नवम भाव मैं होते हुए गोचर करेगा। यह आपकी मंजूशा में नए वस्तु संचित करने का सूचक है। इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है। व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा। आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं। आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अतः आपके नए मित्र बनाने की संभावना है। आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है। कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी। आपके सदुगणों सल्कृत्यों की ओर स्वतः ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा। अतः आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी। यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है। आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का अष्टम भाव से गोचर (15 जून 2026 12:52:44 से 16 जुलाई 2026 23:39:06)**

इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके आठवें भाव मैं होता हुआ गोचर करेगा। कुल मिलाकर यह समय हानि व शारीरिक व्याधियों का है। व्यर्थ के खर्चों से विशेष रूप से दूर रहें व आर्थिक मामलों में सावधान रहें।

यह अवधि कार्यालय में अप्रिय घटनाओं की है। अने कार्यालय अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारियों से किसी भी प्रकार के मनामालिन्य से बचें तभी सुरक्षित रह पाएंगे।

घर में पति/पत्नी से विवाद, झगड़े का रूप ले सकता है। पारिवारिक सामंजस्य व सुख के लिए परिवार के सदस्यों व शत्रुओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा न हो, इसके प्रति विशेष सचेत रहें।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप पेट की गड़बड़ी, रक्त चाप, बवासीर जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं। आप व्यर्थ के भय, चिन्ता व बैचेनी से आक्रान्त हो सकते हैं। अपने अथवा अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को किसी खतरे में न डालें। किसी रिश्तेदार की



समस्याएँ अचानक उभरकर सामने आ सकती हैं व चिन्ता का कारण बन सकती हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल का सप्तम भाव से गोचर (20 जून 2026 23:59:19 से 2 अगस्त 2026 22:51:12)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके सातवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। स्वास्थ्य सम्बन्धों की दृष्टि से यह कठिन समय है।

आपके स्वयं की पति/पत्नी की अथवा किसी नजदीकी व प्रियजन के स्वास्थ्य की समस्या अत्यधिक मानसिक चिन्ता का कारण बन सकती है। आप थकान महसूस कर सकते हैं तथा नेत्र सम्बन्धी कष्ट, पेट के दर्द या छाती की तकलीफ का शिकार हो सकते हैं। आपको अपने जीवनसंगी के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना पड़ सकता है। आप व आपकी पति/पति को कोई गहरी मानसिक चिन्ता सता सकती है।

आपमें से अधिकांश की किसी सज्जन, व्यक्ति से शत्रुता होने की संभावना है। आप व आपके पति/पत्नी के बीच व्यर्थ अनुमानित अलग सोच के कारण गलतफहमी न हो जाय, इसका ध्यान रखें व इससे बचें। यदि बुद्धि चारुर्य से कुशलतापूर्वक इससे नहीं निपटा गया तो ये आप दोनों के बीच एक बड़े झगड़े का रूप ले सकता है। अपने मित्रों व प्रियस्वजनों से समझौता कर लें। आपके सम्बन्धी आपकी मनोव्यथा का कारण बन सकते हैं। अपने व्यवहार को नियंत्रित रखें क्योंकि अपनी संतान तथा भाई-बहनों के प्रति आप क्रोध कर सकते हैं व अपशब्दों का प्रयोग कर सकते हैं।

धन सम्बन्धी मामलों के प्रति भी सचेत रहें। व्यर्थ की प्रतियोगिता के चक्कर में आप व्यर्थ गँवा सकते हैं। रंगरेलियों पर व्यय न करके अच्छे भोजन व वस्त्रों पर ध्यान दें।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (22 जून 2026 15:30:21 से 7 जुलाई 2026 10:46:15)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह रोग व पीड़ा का सूचक है। यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है। कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें। यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर दैंठें जो बाद में पछताना पड़े।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं। अनेक कारणों से मानसिक रूप से आप झल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं। परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रूप ले सकता है।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढूँढ़ सकते हैं। इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है। परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा। भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (4 जुलाई 2026 19:13:41 से 1 अगस्त 2026 09:28:03)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बेचैनी लेकर आया है। इस दौरान शारीरिक कष्ट भोगना पड़ेगा।

धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में ढूँबे रहने की संभावना है।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है। समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति सचेत रहें।

अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है। अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पति/पति से विवाद से दूर ही रहें।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

**जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (7 जुलाई 2026 10:46:15 से 5 अगस्त 2026 19:54:01)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है। यह आपके समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा। यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है। आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा। लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी। संतान से सुख मिलने की संभावना है। परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है। इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी। आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे। आप इस बार सब और से सहायता की आशा कर सकते हैं।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं। खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नवित रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें।

**जन्म चंद्रमा से सूर्य का नवम भाव से गोचर (16 जुलाई 2026 23:39:06 से 17 अगस्त 2026 07:58:29)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके नवे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका आपके जीवन पर विशेष महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। इस काल में आप पर किसी कुचाल के कारण दोषारोपण हो सकता है, स्थान बदल सकता है तथा मानसिक शान्ति का अभाव रह सकता है।

आपको विशेष ध्यान देना होगा कि आपके अधिकारी आपके कार्य से निराश न हों। हो सकता है कि आपको अपमान अथवा मानभंग झेलना पड़े और आप पर मिथ्या आरोप लगने की भी संभावना है। स्वयं को पेचीदा अथवा उलझाने वाली परिस्थिति से दूर रहें।

आर्थिक रूप से यह समय कठिनाई से परिपूर्ण है। पैसा वसूल करने में कठिनाई आ सकती है। व्यर्थ के खर्चों से विशेष रूप से बचें। आपके और आपके गुरु के मध्य गलतफहमी या विवाद हो सकता है। आपमें और आपके परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के बीच मतभेद या विचारों का टकराव झगड़े व असंतोष का कारण बन सकता है।

इस बीच शारीरिक व मानसिक व्याधियों की संभावना के कारण आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देना होगा। आप इन दिनों अधिक थकावट व निराशा/अवसाद महसूस कर सकते हैं।

इस सबके बावजूद आप किसी सक्तार्य के विषय में सोच सकते हैं तथा उसमें सफलता भी प्राप्त कर सकतें हैं। यात्रा का योग है।

**जन्म चंद्रमा से शुक्र का एकादश भाव से गोचर (1 अगस्त 2026 09:28:03 से 2 सितम्बर 2026 13:44:14)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह मूल रूप से वित्तीय सुरक्षा व ऋण से मुक्ति का द्योतक है। आप अपनी अन्य आर्थिक समस्याओं के समाधान की भी आशा कर सकते हैं।

यह समय आपके प्रयासों में सफलता प्राप्त करने का है। आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व प्रतिष्ठा निरन्तर ऊपर की ओर उठेगी।

आपका ध्यान भौतिक सुख, भोग - विलास के साधन व वस्तुएँ, वस्त्र, रत्न व अन्य आकर्षक उपकरणों की ओर रहने की संभावना है। आप स्वयं का घर लेने के विषय में भी सोच सकते हैं।

सामाजिक रूप से यह समय सुखद रहेगा। मान - सम्मान में वृद्धि होगी तथा मित्रों का सहयोग मिलता रहेगा।

विपरीत लिंग वालों के साथ सुखद समय व्यतीत होने की आशा कर सकते हैं। यदि विवाहित है तो दाम्पत्य जीवन में परमानन्द प्राप्त होने की आशा रख सकते हैं।

**जन्म चंद्रमा से मंगल का अष्टम भाव से गोचर (2 अगस्त 2026 22:51:12 से 18 सितम्बर 2026 16:35:19)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह अधिकतर शारीरिक खतरों का सूचक है। अपने जीवन, स्वास्थ्य व देह-सौष्ठुव के प्रति अत्यधिक सतर्कता इस समय विशेष की माँग है। रोगों से दूर रहें साथ ही अच्छे स्वास्थ्य के लिए किसी भी प्रकार के नशे व बुरी लत से दूर रहें। आपमें से कुछ को रक्त सम्बन्धी रोग जैसे एनामिया (रक्त की कमी), रक्त स्ताव अथवा रक्त की न्यूनता से उत्पन्न बीमारियाँ हो सकती हैं। इस समय शस्त्र व छद्मवेशी शत्रु से दूर रहें। जीवन को खतरे में डालने वाला कोई भी कार्य न करें।



आर्थिक मामलों पर नजर रखना आवश्यक है। यदि सावधानी नहीं बरती जो आपमें से अधिकांश को आय में भारी गिरावट का सामना करना पड़ सकता है। जो भी ऋण लेने से बचें व स्वयं को ऋण-मुक्त रखने की चेष्टा करें।

यदि अपने कार्य/व्यवसाय में सफल होना चाहते हैं तो अतिरिक्त प्रयास करें। अपने पद व प्रतिष्ठा पर पकड़ मजबूत रखें क्योंकि यह कठिनाईपूर्ण घटिया स्थिति भी गुजर ही जाएगी।

आपमें से अधिकांश को विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है। यहाँ तक कि काफी समय के लिए परिवार से दूर रहकर उनका विछोह झेलना पड़ सकता है।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (5 अगस्त 2026 19:54:01 से 22 अगस्त 2026 19:31:37)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके नवे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह रोग व पीड़ा का सूचक है। यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है। कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें। यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैठें जो बाद में पछताना पड़े।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं। अनेक कारणों से मानसिक रूप से आप इलाहाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं। परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रूप ले सकता है।

इस दौरान अपने चिड़ियाँड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढूँढ़ सकते हैं। इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है। परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा। भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का दशम भाव से गोचर (17 अगस्त 2026 07:58:29 से 17 सितम्बर 2026 07:52:41)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय शुभ है। यह लाभ, पदोन्नति, प्रगति तथा प्रयासों में सफलता का सूचक है।

आप कार्यालय में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं। उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि, सत्ता की ओर से सम्मान तथा और भी अधिक सुअवसरों की आशा की जा सकती है।

यह अवधि आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सफलता है व अटके हुए मामलों को पराकाष्ठा तक पहुँचाने की है।

समाज में आपको और भी सम्माननीय स्थान मिल सकता है। आपका सामाजिक दाएरा बढ़ेगा, अर्थात् और लोगों से, विशेष रूप से आप यदि पुरुष हैं तो महिलाओं से और महिला हैं तो पुरुषों से सकारात्मक लाभप्रद आदान-प्रदान बढ़ेगा। आप इस दौरान सर्वोच्च सत्ता से भी सम्मान प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं। जहाँ की आशा भी न हो, ऐसी जगह से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और हर ओर सुख ही सुख बिखरा पाएंगे।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (22 अगस्त 2026 19:31:37 से 7 सितम्बर 2026 13:32:41)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह सुख के समय व संतोष का सूचक है। आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं। आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे।

यह समय घर पर भी सुख का दोतक है। आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं। आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं। इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है।



वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है। आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है। आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है। समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवं शान्ति का सूचक है। शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वादश भाव से गोचर (2 सितम्बर 2026 13:44:14 से 6 नवम्बर 2026 01:04:17)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह जीवन में प्रिय व अप्रिय दोनों प्रकार की घटनाओं के मिश्रण का सूचक है। एक ओर जहाँ इस दौरान वित्तीय लाभ हो सकता है वहाँ दूसरी ओर धन व वस्तों की अप्रत्याशित हानि भी हो सकती है। यह अवधि विदेश यात्रा पर पैसे की बर्बादी व अनावश्यक व्यय की भी द्योतक है।

इस समय आप बढ़िया वस्तु पहनेंगे जिनमें से कुछ खो भी सकते हैं। घर में चोरी के प्रति विशेष सतर्कता बरतें।

यह समय दाम्पत्य सुख भोगने का भी है। यदि आप अविवाहित हैं तो विपरीत लिंग वाले व्यक्ति के साथ सुख भोग सकते हैं।

मित्र आपके प्रति सहयोग व सहायता का रवैया अपनाएँगे व उनका व्यवहार अच्छा होगा।

नुकीले तेज धार वाले शस्त्रों व संदेहात्मक व्यतियों से दूर रहें। यदि आप किसी भी प्रकार से कृषि उद्योग से जुड़े हुए हैं तो विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस समय आपको हानि हो सकती है।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (7 सितम्बर 2026 13:32:41 से 26 सितम्बर 2026 12:38:19)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है। यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है। आप विभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं। आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं। यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है। आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए। आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे। आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं। आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है। आप भौतिक सुविधाओं से घिरे रहेंगे।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है। समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा। आपकी वाक्पटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का एकादश भाव से गोचर (17 सितम्बर 2026 07:52:41 से 17 अक्टूबर 2026 19:51:25)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका अर्थ है धन लाभ, आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार व उन्नति।

अपने अफसर से पदोन्नति माँगने का यह अनुकूल समय है। यह अवधि कार्यालय में आपकी उन्नति, पदाधिकारियों के विशेष अप्रत्याशित अनुग्रह तथा राज्य से सम्मान तक प्राप्त होने की है।

इस समय आप व्यापार में लाभ, धन प्राप्ति और यहां तक कि मित्रों से भी लाभ प्राप्त करने की आशा की जा सकती है।

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा पड़ोस में सम्मान में वृद्धि हो सकती है।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जो परिवार के लिए आनन्ददायक होगा।

इस काल के दौरान आपके घर कोई आध्यात्मिक निर्माणात्मक कार्य सम्पन्न होगा जो घर - परिवार के आनन्द में वृद्धि करेगा। आमोद-प्रमोद, अच्छा स्वादिष्ट भोजन व मिष्ठान आदि का भी वितरण होगा। कुल मिलाकर यह समय आपके व परिवार के लिए शान्तिपूर्ण



व सुखद है ।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल का नवम भाव से गोचर (18 सितम्बर 2026 16:35:19 से 12 नवम्बर 2026 20:18:16)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके नवम भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह समय छोटे से बड़े तक शारीरिक कष्ट व पीड़ा का है । इस में आपको निर्जलन (डीहाइड्रेशन) तथा कमजोरी व शारीरिक शक्ति में क्षीणता का सामना करना पड़ सकता है । आप मांस-पेशियों में दर्द अथवा किसी शस्त्र से लगे घाव से भी पीड़ित हो सकते हैं ।

मानसिक रूप से अधिकतर आप चिंतित व निराश रहेंगे । आपमें से कुछ को विदेश जाकर कष्टपूर्ण जीवनयापन करना पड़ सकता है ।

धन का विशेष ध्यान व सुरक्षा रखें क्योंकि विशेष रूप से इस समय थोड़ा बहुत हाथ से निकल सकता है ।

आपके व्यावसायिक जीवन को भी सही ढंग से व परिश्रम से काम करने की अपेक्षा है । आपमें से कुछ को कुछ समय के लिए कष्टदायक परिस्थितियों में काम करना पड़ सकता है । अपने कार्यालय या व्यावसायिक क्षेत्र में अपना पद व गरिमा बनाए रखने के लिए परिश्रम करें ।

घर में शान्ति व सामन्जस्य बनाए रखें तथा प्रिय स्वजनों के बीच छँदवेशी शत्रु पर नजर रखें । आपमें से कुछ को कोई ऐसा काम करने की तीव्र लालसा हो सकती है तो धर्म के मापदण्ड पर स्वीकार करने योग्य न हो ।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (26 सितम्बर 2026 12:38:19 से 2 दिसम्बर 2026 17:27:16)**

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह आपके लिए व्यय का घोतक है । सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है । मुँकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है । इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है ।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें । समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें ।

कई कारणों से आप मानसिक रूप से त्रस्त हो सकते हैं । इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है । इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है ।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है । इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं ।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वादश भाव से गोचर (17 अक्टूबर 2026 19:51:25 से 16 नवम्बर 2026 19:42:56)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह काल विशेष रूप से आर्थिक चुनौतियों से परिपूर्ण है । अतः कोई भी वित्त सम्बन्धी निर्णय सोच-समझकर सावधानी पूर्वक लें ।

यदि आप कहीं कार्यरत हैं तो आप और आपके अधिकारी के बीच कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं । अधिकारी आपके कार्य की सराहना नहीं करेंगे और संभव है कि आपको दिए गए उत्तरदायित में कटौती करें या आपका वेतन कम कर दें । यदि आपको अपने प्रयासों व परिश्रम की पर्याप्त सराहना न हो, इच्छित परिणाम न निकलें तो भी निराश न हों ।

यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में धक्का लग सकता है । लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें ।

यह समय सामाजिक दृष्टि से भी कठिनाईपूर्ण है । किसी विवाद में न पड़ें क्योंकि मित्र व वरिष्ठ व्यक्तियों से झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता ।

आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है परन्तु उसके मनचाहे परिणाम नहीं निकलेंगे । ऐसे कार्यकलापों से बचें जिनमें जीवन के लिए खतरा हो, सुरक्षा को अपना मूल-मंत्र बनाएं । अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ज्वर, पेट की गड़बड़ी अथवा नेत्र रोग हो सकता है । इस समय असंतोष आपके घर की शांति व सामंजस्य पर प्रभाव डाल सकता है ।

#### **जन्म चंद्रमा से गुरु का दशम भाव से गोचर (31 अक्टूबर 2026 12:02:02 से 25 जनवरी 2027 01:31:44)**

इस अवधि में बृहस्पति चंद्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह जीवन की गति में व्यवधान लाएगा । इस समय आपका सोच नकारात्मक हो सकता है व स्वयं को भाग्यहीन महसूस कर सकते हैं । इच्छाएँ पूर्ण न होने के कारण आपके स्वभाव में चिड़चिड़ापन



भी आ सकता है। इधर - उधर भटकने से बचें क्योंकि इस विशेष समय में निराशा हाथ लगने की ही संभावना है।

यही समय है जब आप विशेष चैतन्य रहें कि आप कार्यालय में वरिष्ठ पदाधिकारी व घर पर बड़ों से विवाद में न पड़ें। यदि आप सावधान नहीं रहे तो संभव है आपका पद व प्रतिष्ठा न रहे और आपका किसी सुदूर स्थान पर स्थानान्तरण हो जाय।

स्वयं आपके व आपके बच्चों के स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अपने नेत्र व गले के प्रति सावधानी बरतें। शरीर को थकान से बचाने के लिए यही समय है जब आपको स्वस्थ रहन-सहन की शैली अपनानी होगी। इस समय विशेष सावधानी बरतें कि कहीं आपकी लापरवाही से बच्चों का जीवन खतरे में न पड़ जाए।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का एकादश भाव से गोचर (6 नवम्बर 2026 01:04:17 से 22 नवम्बर 2026 17:20:45)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह मूल रूप से वित्तीय सुरक्षा व ऋण से मुक्ति का द्योतक है। आप अपनी अन्य आर्थिक समस्याओं के समाधान की भी आशा कर सकते हैं।

यह समय आपके प्रयासों में सफलता प्राप्त करने का है। आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व प्रतिष्ठा निरन्तर ऊपर की ओर उठेगी।

आपका ध्यान भौतिक सुख, भोग - विलास के साधन व वस्तुएँ, वस्त्र, रक्त व अन्य आकर्षक उपकरणों की ओर रहने की संभावना है। आप स्वयं का घर लेने के विषय में भी सोच सकते हैं।

सामाजिक रूप से यह समय सुखद रहेगा। मान - सम्मान में वृद्धि होगी तथा मित्रों का सहयोग मिलता रहेगा।

विपरीत लिंग वालों के साथ सुखद समय व्यतीत होने की आशा कर सकते हैं। यदि विवाहित हैं तो दाम्पत्य जीवन में परमानन्द प्राप्त होने की आशा रख सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से मंगल का दशम भाव से गोचर (12 नवम्बर 2026 20:18:16 से 10 मार्च 2027 00:13:26)**

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके दसरें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह सफलता के बीं ऊबड़-खाबड़ मार्ग का द्योतक है। इसमें अनेक मिली-जुली मुसीबतें आ सकती हैं जैसे अफसरों को अभद्र व्यवहार, प्रयासों में विफलता, दुःख, निराशा, थकान आदि। फिर भी आपको अपने कार्यक्षेत्र में अन्त में सफलता मिल सकती है। आपसे कुछ तो पहले से भी अच्छा कार्य सम्पन्न करेंगे। हाँ कार्य की माँग के अनुसार आपमें से कुछ को यहाँ-वहाँ जाना पड़ सकता है।

इस काल में आपको प्रतिष्ठा, पद व अधिकार में वृद्धि दिए जाने की संभावना है। आपका नाम अपने अधिकारियों के विशेष कृपा-पात्रों की सूची में आ सकता है तथा अच्छे मित्रों का दायरा भी बढ़ सकता है।

आपका महिमामंडित गौरव आपके जीवन में कुछ नए मित्र ला सकता है।

किन्तु स्वास्थ्य आपका ध्यान अपनी ओर अवश्य खींचेगा। ध्यान रखिए कि आप क्या खा रहे हैं व स्वस्थ मानसिकता बनाए रखें।

आपमें से कुछ को चिंताओं से मुक्ति मिलने व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है। कुछ भी हो, शत्रुओं को कम न समझें व शस्त्रों से दूर रहें।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का प्रथम भाव से गोचर (16 नवम्बर 2026 19:42:56 से 16 दिसम्बर 2026 10:24:46)**

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका आपके कार्य एवम् आपके व्यक्तिगत जीवन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा। इसमें स्थायी अथवा अस्थायी स्थान परिवर्तन, कार्य करने के स्थान पर कठिनाइयाँ तथा अपने वरिष्ठ अफसरों अथवा मालिक की अप्रसन्नता ज्ञेलना विशिष्ट हैं। अपने कार्य करने के स्थान या कार्यालय में बदनामी से बचने को आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी।

अपने नियत कार्य पूर्ण करने अथवा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु आपको सामान्य से अधिक प्रयास करना होगा। आपको लम्बी यात्राओं पर जाना पड़ सकता है परन्तु आवश्यक नहीं है कि आपका मनचाहा परिणाम प्राप्त हो।

इस समय के दौरान आप थकान महसूस कर सकते हैं। आपको उदर रोग, पाचन क्रिया सम्बन्धी रोग, नेत्र तथा हृदय से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं। अतः स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने व ध्यान देने की आवश्यकता है। इस काल के दौरान आप कोई भी खतरा मोल न लें।



जहाँ तक घर का सम्बन्ध है, परिवार में अनबन तथा मित्रों से मन-मुटाव वाली परिस्थितियाँ गृह-कलह अथवा क्लेश का कारण बन सकती हैं। जीवन साथी से असहमति अथवा विवाद आपके वैवाहिक सम्बन्धों को प्रभावित कर सकता है। कुल मिलाकर घर की शान्ति एवं परस्पर सामन्जस्य हेतु यह समय चुनौतीपूर्ण है।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वादश भाव से गोचर (22 नवम्बर 2026 17:20:45 से 1 जनवरी 2027 23:22:36)**

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह जीवन में प्रिय व अप्रिय दोनों प्रकार की घटनाओं के मिश्रण का सूचक है। एक और जहाँ इस दौरान वित्तीय लाभ हो सकता है वहीं दूसरी ओर धन व वस्त्रों की अप्रत्याशित हानि भी हो सकती है। यह अवधि विदेश यात्रा पर पैसे की बर्बादी व अनावश्यक व्यय की भी दौतक है।

इस समय आप बढ़िया वस्त्र पहनेगे जिनमें से कुछ खो भी सकते हैं। घर में चोरी के प्रति विशेष सतर्कता बरतें।

यह समय दाम्पत्य सुख भोगने का भी है। यदि आप अविवाहित हैं तो विपरीत लिंग वाले व्यक्ति के साथ सुख भोग सकते हैं।

मित्र आपके प्रति सहयोग व सहायता का रवैया अपनाएँगे व उनका व्यवहार अच्छा होगा।

नुकीले तेज धार वाले शस्त्रों व संदेहात्मक व्यतियों से दूर रहें। यदि आप किसी भी प्रकार से कृषि उद्योग से जुड़े हुए हैं तो विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस समय आपको हानि हो सकती है।

#### **जन्म चंद्रमा से केतु का नवम भाव से गोचर (25 नवम्बर 2026 17:45:35 से 24 मई 2028 15:06:31)**

इस अवधि में केतु चंद्रमा से आपके नवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। अन्य प्रभावों के अतिरिक्त यह छोटी - मोटी शारीरिक व्याधियों व मानसिक रूप से आशंकाओं के उभरने का सूचक है। अपने वित को सावधानीपूर्वक व्यवस्थित करें क्योंकि आप अपनी पसीने की खरी कमाई लॉटरी, सट्टेबाजी आदि में गँवा सकते हैं। धन को सँभालकर सुरक्षित रखें क्योंकि इस विशेष समय में निर्धनता का सामना हो सकता है।

आपमें से अधिकांश ऐसी अवैध प्रक्रियाओं में लिप्त हो सकते हैं जिन्हें धर्म नहीं स्वीकारता। भाई - बहनों से विवाद - बहस में न पड़े। अपने मित्रों व परिचितों से सावधानीपूर्वक सँभल कर बर्ताव करें जिससे वे आपको त्यागकर न चले जाए।

इस दौरान आपको विदेश अथवा किसी पर्वतीय क्षेत्र में यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

कृष्ण - पक्ष में आपको शत्रुओं व काम-काज में प्रतिदंडियों के कारण हानि उठानी पड़ सकती है।

#### **जन्म चंद्रमा से राहु का तृतीय भाव से गोचर (25 नवम्बर 2026 17:45:35 से 24 मई 2028 15:06:31)**

इस अवधि में राहु चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह यथेष्ट शुभ समय का सूचक है। वित्तीय रूप से समय उत्तम है। आपको अनेक जाने व अनजाने स्त्रीों से धन प्राप्त होने की आशा है। यहाँ तक कि शत्रुओं से भी धन लाभ संभव है। यदि सेवारत हैं तो वेतन में वृद्धि की आशा कर सकते हैं और यदि व्यापाररत हैं तो अतिरिक्त लाभ की संभावना है।

कार्य में प्रगति भी संभावित है। आपकी परियोजनाएँ यहाँ तक कि वे भी जिन्हें आप स्थगित कर चुके थे, सब सफलतापूर्वक पूर्ण हो जाएँगी। आपके सहकर्मी तथा वरिष्ठ अधिकारी भी आपके साथ सहयोग कर सकते हैं। आपकी कार्यकुशलता व कार्यक्षेत्र में आपकी विद्वता की ओर सबका ध्यान आकर्षित होगा।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा व हर समस्या से आप साहस व शक्ति के साथ जूझेंगे।

सामाजिक दृष्टि से भी समय अच्छा है। आप प्रतिष्ठा में एवं समाज में यश में और अधिक वृद्धि की आशा कर सकते हैं।

घर मानों सुविधा का पर्याय होगा। घर में शान्तिदायक वातावरण का आनन्द उठाने की संभावना है। यह समय इसलिए भी उत्तम माना जा सकता है क्योंकि रसना की तृप्ति हेतु अनेक सुअवसर आएँगे, घर व बाहर अत्यंत सुखादु भोजन मिलेगा। कार्य पूर्ण करने में भाई - बहनों का भी सहयोग मिलेगा। यदि आप विपरीत लिंग वालों से प्रेम - अनुराग की मनोकामना रखते हैं तो यहीं सही समय हो सकता है। यदि आप विवाहित हैं तो आपकी बीमार पत्नी / पति व बच्चों के पुनः स्वास्थ्य लाभ की संभावना है।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (2 दिसम्बर 2026 17:27:16 से 22 दिसम्बर 2026 07:39:26)**



इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है। इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े। इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द हृदय को छलनी कर दें। स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है। ध्यानपूर्वक खर्च करें।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं। अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें। आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाए़े में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है। मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें। ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्व व गरिमा कम हो। सौभाय की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें। अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं। यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं। घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं। स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है। संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ट परिणाम निकलेंगे।

#### **जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वितीय भाव से गोचर (16 दिसम्बर 2026 10:24:46 से 14 जनवरी 2027 21:10:08)**

इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके लिए धन सम्बन्धी चुनौतियों का है। इस दौरान आपको पूर्वभास हो जाएगा कि व्यापार में अपेक्षित लाभ न होकर धन का ह्रास हो रहा है। यदि आप कृषि सम्बन्धी कार्य करते हैं तो उसमें भी कुछ हानि हो सकती है।

इस समय अनेक प्रकार के प्रिय व निकट रहने वाले आक्रांत करते रहेंगे। आप अपने प्रिय व निकट रहने वाले व्यक्तियों के प्रति चिड़िचिड़ेपन का व्यवहार करेंगे। आपके कार्य घटिया व नीचतापूर्ण हो सकते हैं। आप पाएंगे कि सदा आसानी से किए जाने वाले साधारण क्रियाकलापों को करने में भी आपको कठिनाई अनुभव हो रही है।

नेत्रों के प्रति विशेष सावधानी बरतें। यह समय नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का है। इन दिनों आप सिर दर्द से भी परेशान रह सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (22 दिसम्बर 2026 07:39:26 से 10 जनवरी 2027 00:37:07)**

इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्यौतक है। विशेष रूप से उनके लिए जो रक्त व्यवसाय से जुड़े हैं।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे।

यह सब कुछ होते हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है। इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं।

#### **जन्म चंद्रमा से शुक्र का प्रथम भाव से गोचर (1 जनवरी 2027 23:22:36 से 29 जनवरी 2027 18:41:36)**

इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए भौतिक व ऐन्ड्रिक भोविलास सुख का सूचक है। आप व्यक्तिगत जीवन में अनेक घटनाओं की आशा कर सकते हैं। यदि आप अविवाहित हैं तो आपको आदर्श साथी मिलेगा। आपमें से कुछ परिवार में ए कनए सदस्य के आने की आशा भी कर सकते हैं। सामाजिक रूप से नए लोगों से मिलने व विपरीत लिंग वालों का साथ पाने हेतु यह अच्छा समय है। समाज में आपको सम्मान मिलने व प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है। आपको सुस्वादु देशी-विदेशी बढ़िया भोजन का आनन्द उठाने के ढेर सारे अवसर मिलेंगे। इस दौरान जीवन को और ऐश्वर्ययुक्त व मादक बनाने हेतु आपको वस्तुँ व अन्य उपकरण उपलब्ध होंगे। आप वस्त, सुगन्धियाँ (छत्रादि), सौंदर्य प्रसाधन व वाहन का भी आनन्द उठा सकते हैं।

वित्तीय दृष्टि से यह समय निर्विघ्न है। आपकी आर्थिक दशा में भी सुधार होगा।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो ज्ञानोपार्जन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने हेतु यह उत्तम समय है।

Tamanna Chachra



आप इस समय विशेष में शत्रुओं के विनाश की आशा कर सकते हैं। ऐसे किसी भी प्रभाव से बचें जो आपमें नकारात्मक आक्रोश जगाए।



## दशा फल

केतु महादशा: 14 जुलाई 2021 से 14 जुलाई 2028 तक

**केतु महादशा फल**

### स्वाभाविक फल

सामान्य रूप से बुध की महादशा में निम्नलिखित फल होते हैं -

- केतु की महादशा में सुख की बहुत ही कमी होगी।
- शारीरिक कष्ट की वृद्धि, और रोग-ग्रस्तता संभव है।
- कलि-जनित पापों में अभिरुचि, विवेक-हीनता और मन में सन्ताप रहेगा।
- राजा से पीड़ा, चोर, विष, जल, अग्नि, शस्त्र और मित्रों से भय हो सकता है।
- स्त्री पुत्र के सुख की हानि, दुःखमय जीवन यापन होगा।
- विद्या तथा धन में आपत्ति, वाहन आदि से पतन, परदेश वास, कृषि का नाश संभव है।

### विशेषफल

केतु जन्म कुण्डली में विभिन्न अवस्थाओं के अनुसार अपनी महादशा के फल में निम्नलिखित परिवर्तन करता है -

- केतु की महादशा में सुख, राज्य से अर्थ की प्राप्ति, एवं राजा से अनुगृहीत होंगे।
- गृह में शान्ति का आविर्भाव, चित्त में दृढ़ता रहेगी।
- केतु की महादशा में सुख और बहुत धन की प्राप्ति होगी।
- केतु की महादशा में मानसिक दुख, पराधीनता तथा अनेक चिन्ताएँ रहेंगी।
- धन का क्षय, ऋणग्रस्तता तथा धन सम्बन्धी विशेष चिन्ता रहेगी।
- वाग्दोष या वचन में कठोरता, कुत्सित भोजन की प्राप्ति, नेत्र व दाँत रोग एवं शिरो-व्यथा हो सकती है।
- केतु की महादशा में विवाद, भय, सिर एवं नेत्र में पीड़ा हो सकती है।

केतु-गुरु : 2 जुलाई 2025 से 8 जून 2026 तक

**केतु की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा का फल**

केतु की महादशा में बृहस्पति की अन्तर्दशा में -

- ईश्वर और गुरुजनों में प्रीति रहेगी।
- राजा का अनुग्रह, राजमान्य लोगों से संपर्क तथा आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।
- दयालुता, परोपकार तथा शांति वृत्ति के कारण सुख समाधान रहेगा।
- उत्तम स्वास्थ्य, यश तथा पुत्र सुख एवं भूमि का लाभ होगा।
- अपमृत्यु का भय संभव है।
- दोष परिहार के लिए शिवसहस्र नाम का पाठ तथा मृत्युंजय जप करना चाहिए।

केतु-गुरु-शुक्र : 16 दिसम्बर 2025 से 11 फरवरी 2026 तक



**गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में अनेक विद्याओं, तथा कर्मों की प्राप्ति, सुवर्ण, वस्त्र, आभूषण का लाभ, कल्याणप्रयुक्त सन्तोष संभव है।

### केतु-गुरु-सूर्य : 11 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजा, मित्र, पिता, माता से लाभ तथा सर्वत्र आदर प्राप्त होगा।

### केतु-गुरु-चन्द्र : 28 फरवरी 2026 से 29 मार्च 2026 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा के प्रत्यन्तर में सभी क्लेशों का विनाश, मोती तथा घोड़े का लाभ, और सभी कार्यों की सिद्धि होगी।

### केतु-गुरु-मंगल : 29 मार्च 2026 से 17 अप्रैल 2026 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में शास्त्रभय, गुदा में पीड़ा, अग्रिमान्य, अजीर्णरोग तथा शत्रुकृत पीड़ा हो सकती है।

### केतु-गुरु-राहु : 17 अप्रैल 2026 से 8 जून 2026 तक

**गुरु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- गुरु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में चाण्डाल से विरोध, उनके द्वारा धननाश, कष्ट, व्याधि, शत्रु, से भय संभव हैं।

### केतु-शनि : 8 जून 2026 से 17 जुलाई 2027 तक

**केतु की महादशा में शनि की अन्तर्दशा का फल**

**केतु की महादशा में शनि की अन्तर्दशा में -**

- आचार विचार हीनता, मानसिक व्यग्रता रहेगी।
- मन में संताप एवं भय, बम्बुजनों से अनबन, स्वदेश (जन्मस्थान) का त्याग संभव है।
- धन हानि, द्रव्य चिन्ता एवं पद से च्युति हो सकती है।



### केतु-शनि-शनि : 8 जून 2026 से 11 अगस्त 2026 तक

शनि की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक वेदना झगड़े का भय, तथा अनेक विध दुःख, संभव है।

### केतु-शनि-बुध : 11 अगस्त 2026 से 7 अक्टूबर 2026 तक

शनि की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, झगड़े का भय, अन्न, पान का विनाश, धनक्षय, शत्रुभय संभव है।

### केतु-शनि-केतु : 7 अक्टूबर 2026 से 31 अक्टूबर 2026 तक

शनि की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में शत्रुद्वारा बन्धन, वैवर्ण्य (म्लानता) बुधाधिक्य, मानसिक चिन्ता, भय तथा त्रास हो सकता है।

### केतु-शनि-शुक्र : 31 अक्टूबर 2026 से 6 जनवरी 2027 तक

शनि की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में विचारित वस्तु (मनोरथ) की सिद्धि, स्वजन में कल्याण, प्रयास में लाभ संभव है।

### केतु-शनि-सूर्य : 6 जनवरी 2027 से 26 जनवरी 2027 तक

शनि की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजसतेज तथा अधिकार, अपने घर में झगड़ा, ज्वर, व्याधिजन्य पीड़ा संभव है।

### केतु-शनि-चन्द्र : 26 जनवरी 2027 से 1 मार्च 2027 तक

शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में बुद्धिविकाश, महान् कार्यों का आरम्भ, तेजोमान्य, बहुत खर्च, अनेक स्त्रियों के साथ संबन्ध संभव है।



### केतु-शनि-मंगल : 1 मार्च 2027 से 25 मार्च 2027 तक

शनि की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में तेज की कमी, पुत्र को आघात, अग्नि तथा शत्रु से भय, वात तथा पित्त जन्य कष्ट संभव है।

### केतु-शनि-राहु : 25 मार्च 2027 से 24 मई 2027 तक

शनि की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में धनक्षय, वस्त्रहानि, भूमिनाश, भय, विदेशयात्रा तथा मरण भय संभव है।

### केतु-शनि-गुरु : 24 मई 2027 से 17 जुलाई 2027 तक

शनि की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में स्त्री द्वाराकृत गृहच्छिद्र, उनकी देख भाल करने में अक्षमता, झगड़ा तथा मानसिक उद्वेग संभव है।

### केतु-बुध : 17 जुलाई 2027 से 14 जुलाई 2028 तक

केतु की महादशा में बुध की अन्तर्दशा का फल

केतु की महादशा में बुध की अन्तर्दशा में -

- विवेक का उदय, विद्या से सुख प्राप्त होगा।
- नौकरी व्यवसाय में सामान्य लाभ, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।
- बन्धु मित्र आदि से मेल-मिलाप तथा सहयोग प्राप्त होगा।
- दशा के अन्त में कार्यों में विघ्न, अपव्यय तथा मानसिक कष्ट संभव है।
- राज्यलाभ, महासुख, सल्कथाश्रवण, दान, सुखप्रद धर्मसिद्धि, भूमि, पुत्र, का लाभ, सत्संग, धनागम, विना प्रयत्न ही धर्मलाभ, विवाह तथा घर में अन्य भी शुभकृत्य तथा वस्त्र, भूषण की प्राप्ति होगी।
- अन्तर्दशाकाल में भाग्यवृद्धि, विद्वानों की गोष्ठी में संलाप, तथा भूषणागम होगा।
- अपनी अन्तर्दशा के आरम्भ में महाकष्ट, स्त्री-पुत्र को पीड़ा, राजभय संभव है। दशा मध्य में शुभप्रद तीर्थयात्रा होगी।

### केतु-बुध-बुध : 17 जुलाई 2027 से 7 सितम्बर 2027 तक

बुध की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -



- बुध की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धि, विद्या, धन, वस्त्र का लाभ, महासुख, सुवर्णादि रत्नलाभ, संभव है।

### केतु-बुध-केतु : 7 सितम्बर 2027 से 28 सितम्बर 2027 तक

बुध की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में कुत्सितान्न (कुभोजन) पेट में रोग, नेत्रों में कामला रोग तथा रक्तपित्तजरोग संभव है।

### केतु-बुध-शुक्र : 28 सितम्बर 2027 से 27 नवम्बर 2027 तक

बुध की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में उत्तर दिशा में लाभ, पशुओं से क्षति, राजदरबार में अधिकार संभव है।

### केतु-बुध-सूर्य : 27 नवम्बर 2027 से 15 दिसम्बर 2027 तक

बुध की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में तेज में कभी, रोग तथा शारीरिक कष्ट, चित्त में विकलता संभव है।

### केतु-बुध-चन्द्र : 15 दिसम्बर 2027 से 14 जनवरी 2028 तक

बुध की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में स्त्री, धन एवं सम्पत्ति का लाभ, कन्योत्पत्ति, महाधनलाभ, सर्वविध सौख्य की प्राप्ति होगी।

### केतु-बुध-मंगल : 14 जनवरी 2028 से 5 फरवरी 2028 तक

बुध की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में मंगल के प्रत्यन्तर में धर्म, बुद्धि, धन की प्राप्ति, चोर अग्नि आदियों से पीड़ा, रक्तवस्त्रप्राप्ति, शास्त्र से आघात संभव है।

### केतु-बुध-राहु : 5 फरवरी 2028 से 30 मार्च 2028 तक



**बुध की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, एकाएक भयागम, राजा तथा शस्त्रकृत भय संभव है।

**केतु-बुध-गुरु : 30 मार्च 2028 से 17 मई 2028 तक**

**बुध की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में राज्य या राज्याधिकार की प्राप्ति, राजा के द्वारा सम्मान, सदुबद्धि तथा विद्या की वृद्धि संभव है।

**केतु-बुध-शनि : 17 मई 2028 से 14 जुलाई 2028 तक**

**बुध की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- बुध की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक आघात के कारण वात पित्त जनित पीड़ा तथा अनेक रूप में धन का नाश हो सकता है।

**शुक्र महादशा: 14 जुलाई 2028 से 13 जुलाई 2048 तक**

## शुक्र महादशा फल

### स्वाभाविक फल

सामान्य रूप से शुक्र की महादशा में निम्नलिखित फल होते हैं -

- शुक्र की महादशा में रक्त, आभूषण, वस्त्र आदि से सुख प्राप्त होगा।
- स्त्री, सन्तान, धन, समृद्धि और राज द्वारा से सम्मान की प्राप्ति होगी।
- विद्या-लाभ, गान और नृत्यादि में रुचि की वृद्धि होगी।
- शुभ स्वभाव तथा दान आदि करने की प्रवृत्ति रहेगी।
- क्रय-विक्रय में दक्षता, कार्य-व्यवसाय में लाभ तथा नवीन कार्यारम्भ का योग बनेगा।
- शुक्र की दशा में वाहन, पुत्र-पौत्र और पूर्वजों द्वारा उपार्जित धन आदि से सुख मिलेगा।
- निर्बल शुक्र की महादशा में घर में झगड़ा, वात-कफ-प्रकोप-जनित-रोगों से निर्बलता, चित्त-सन्ताप, नीच जनों से कदाचित् मैत्री तथा कभी विरोध होगा।

### विशेषफल

शुक्र के उच्च, नीच आदि स्थान में स्थित होने के कारण, नवमांशादि के भेदाभेद के कारण एवं अन्यान्य ग्रहों से युत या दृष्ट रहने से अवस्थाओं के अनुसार फल में निम्नलिखित परिवर्तन होते हैं -

- शुक्र की महादशा में राजा से सुखी और सम्मानित होंगे।
- राजसी आडम्बर युक्त तथा घोड़ा, हाथी, (अर्थात् वाहन) गौ (अर्थात् दूध, दही, घी) इत्यादि से सुख होगा। भूत्य (नौकर) आदि का समूह रहता है।
- शुक्र की महादशा में आचार-विचार-हीन, स्वधर्म विरुद्ध कार्य करने की प्रवृत्ति रहेगी।
- कलह, बन्धुजनों का विरोध, स्थान से च्युत अथवा परिवर्तन और कृषि, भूमि से कष्ट संभव है।



- स्त्री एवं सन्तान आदि से दुख हो सकता है।
- शुक्र की महादशा में मनुष्यों पर अधिकार तथा राजा से सम्मान प्राप्त होगा।
- धन एवं वस्त्र आदि का लाभ और कलत्र, पुत्र, मित्र आदि से सुख मिलेगा।
- शुक्र की महादशा में सर्वदा दुःख, मान एवं अर्थ की हानि संभव है।
- कर्म-हीनता या पद च्युति, प्रवास, और स्त्रियों से झांगड़ा हो सकता है।
- शुक्र की महादशा में कुआँ, तालाब और बगीचा इत्यादि के निर्माण में प्रवृत्ति रहेगी।
- ईश्वर पूजा में रुचि और बहुत सुख होगा।
- शुक्र की महादशा में शारीरिक, मानसिक, व्यावसायिक, राजकीय तथा आर्थिक कष्ट संभव हैं।
- शस्त्र, अग्नि और चोर से भय एवं पली सुख की हानि हो सकती है।
- कभी कभी सुख किंवित् धन की वृद्धि और राजा से कुछ यश की वृद्धि होगी।
- शुक्र की महादशा में काव्य कला में अभिरुचि, हास्य-विलास में रुचि रहेगी।
- विद्वानों से मैत्री, ग्रंथ आदि लेखन की प्रवृत्ति रहेगी।
- व्यवसाय में उत्त्रति, धन लाभ, उत्साह एवं प्रसन्नता रहेगी।
- परदेश यात्रा में उत्सुकता रहेगी।

**शुक्र-शुक्र : 14 जुलाई 2028 से 13 नवम्बर 2031 तक**

### शुक्र की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा का फल

शुक्र की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा में -

- कार्य व्यवसाय में यश तथा लाभ की प्राप्ति होगी।
- कला-कौशल एवं संगीत में रुचि, स्त्रियों से मैत्री तथा स्त्री सुख की प्राप्ति होगी।
- धन की प्राप्ति, सांसारिक सुखों की उपलब्धि तथा यश की वृद्धि होगी।
- अन्तर्दशाकाल में नवीनगृहनिर्माण, नित्य मिष्ठान भोजन, स्त्री-पुत्र को ऐश्वर्य, मित्र के साथ भोजन, अन्नदान, दान, धर्म, राजा की कृपा से वाहन, वस्त्र, भूषण की प्राप्ति, व्यवसाय में फलाधिक्य, पशुलाभ, पश्चिम दिशा में यात्रा होगी।
- अन्तर्दशा में राज्यलाभ, महोत्साह, सुखद राजप्रेम, घर में कल्याणभिवृद्धि तथा स्त्री-पुत्रादि की वृद्धि होगी।
- चोर आदि तथा व्रण से भय, राजद्वार में लोगों से द्वेष, इष्टों का विनाश, स्त्री पुत्रादि को कष्ट, जनपीड़न संभव है।

**शुक्र-शुक्र-शुक्र : 14 जुलाई 2028 से 1 फरवरी 2029 तक**

### शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में श्वेत घोड़ा, श्वेत वस्त्र, मोती, सुवर्ण, माणिक आदि का सौख्य तथा सुन्दर स्त्री की प्राप्ति हो सकती है।

**शुक्र-शुक्र-सूर्य : 1 फरवरी 2029 से 3 अप्रैल 2029 तक**

### शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -



- शुक्र की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में वातज्वर, शिरोवेदना, राजा तथा शत्रु के द्वारा क्लेश, और थोड़ा सा लाभ भी होगा।

### शुक्र-शुक्र-चन्द्र : 3 अप्रैल 2029 से 14 जुलाई 2029 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में कन्या की उत्पत्ति, राजा से लाभ, वस्त्र आभूषणों की प्राप्ति, राज्याधिकार संभव है।

### शुक्र-शुक्र-मंगल : 14 जुलाई 2029 से 23 सितम्बर 2029 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में रक्त पित्त सम्बन्धी रोग, झगड़ा, मारपीट तथा महाक्लेश होगा।

### शुक्र-शुक्र-राहु : 23 सितम्बर 2029 से 24 मार्च 2030 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, अकस्मात् भयागम, राजा तथा शत्रु से कष्ट संभव है।

### शुक्र-शुक्र-गुरु : 24 मार्च 2030 से 3 सितम्बर 2030 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में प्रचुरद्रव्य राज्य, वस्त्र, मोती, भूषण, हाथी, घोड़ा तथा स्थान की प्राप्ति होती है।

### शुक्र-शुक्र-शनि : 3 सितम्बर 2030 से 15 मार्च 2031 तक

**शुक्र की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -**

- शुक्र की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गदहा, ऊँट, बकरा, की प्राप्ति, लोह, उड़द, तिल का लाभ, तथा शरीर में थोड़ा कष्ट भी होता है।



## OUR ASTRO SERVICES

Signature Reading



Numerology



Daily Horoscope



Janm-Kundli



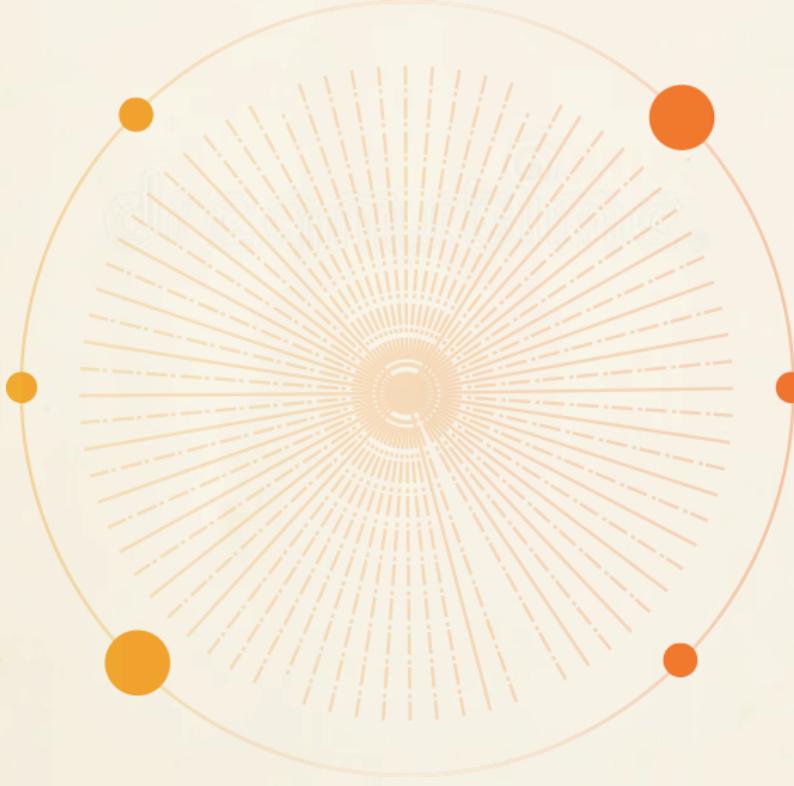
Kundli Matching



Chat With Astrologer



Call With Astrologer



Rajyoga's





93%

Accuracy Report

1000+

Top Astrologer of India

1 Lakhs+

Happy Customers

Thank you for trusting AstroBuddy.

This Kundali is designed to guide you with clarity on your strengths, opportunities, and the cosmic patterns shaping your journey

